CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 01-18-2026 23:50 Color:

नई दिल्ली › सोमवार, 19 जनवरी 2026 › पौष 30 शक संवत 1947 माघ शुक्ल प्रतिपदा, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 16 › पेज 14 › मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

*मासिक खरीद पर ही लागू

www.nbt.in

NBT नवभारत टाइम्स

ए. आर. रहमान की सफाई- भारत मेरा घर, ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था

▸p9

ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में सबालेंका

▸p12

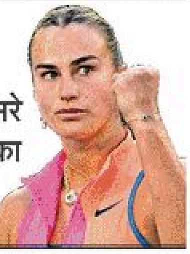

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

WPL आज के मैच

गुजरात जायंट्स vs रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

7:30 pm से, गुजरात में

टेलिकास्ट स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?

पर्सनल फाइनेंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth

सिर्फ 6 रुपये में

अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

इंजिनियर की हत्या का दोषी कौन?

नोएडा में पानी से भरे गड्ढे में गिरी कार, सवार की मौत | कार के टॉप पर चढ़कर ढाई घंटे तक मांगी थी मदद | पिता बोले, बचाने के लिए न बोट थी, न ही कोई तैराक

Shyam.Vir@timesofindia.com

■ **नोएडा:** नोएडा सेक्टर-150 में बन रहे मॉल के बेसमेंट के लिए खोदे गए गड्ढे में कार समेत गिर जाने से 27 साल के सॉफ्टवेयर इंजिनियर युवराज मेहता की मौत हो गई। हादसा शुक्रवार रात करीब 12 बजे हुआ। कार नाले की टूटी बाउंड्रीवॉल को पार करते हुए पानी भरे गड्ढे में जा गिरी थी। इंजिनियर मोबाइल का फ्लैश ऑन कर ढाई घंटे तक मदद की गुहार लगाते रहे, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। पिता के सामने ही उनकी जान चली गई। इस मामले में रियल एस्टेट कंपनी एमजेड विशटाउन प्लैनर लिमिटेड और लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारियों पर गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। इंजिनियर के पिता ने शनिवार को अथॉरिटी अधिकारियों पर भी लापरवाही का आरोप लगाया था।

पुलिस ने बिल्डर के अधिकारियों पर की FIR

युवराज के पिता राजकुमार मेहता ने कहा, 'बेटा जिंदगी बचाने के लिए संघर्ष कर रहा था। हेल्प-हेल्प चिल्ला रहा था। ज्यादातर तमाशबीन थे। वे विडियो बना रहे थे। उनके बच्चे की जान चली गई। उचित संसाधन नहीं मिला। थोड़ा-सा सपोर्ट मिल जाता तो जान बच जाती। शुक्रवार देर रात 12 बजे की घटना थी और सुबह छह बजे बचाव शुरू हुआ। उसके एक घंटे बाद शव मिला। मौके पर अधिकारी सक्षम नहीं थे। उनके पास बोट भी नहीं थी, कोई तैराक नहीं था। देर रात ढाई बजे मोबाइल की लाइट दिखनी बंद हो गई। यह नोएडा अथॉरिटी की लापरवाही है।' उनकी मांग है कि उचित कार्रवाई हो और यहां दोबारा ऐसी कोई घटना न हो इसके लिए पूरा इंतजाम हो।

27 साल के युवराज मेहता की पिता के सामने ही जान चली गई

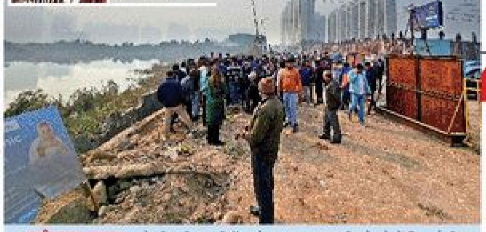

इसी जगह हादसा: नाले की टूटी बाउंड्रीवॉल को पार कर कार पानी भरे गड्ढे में गिर गई थी।

■ 16 जनवरी देर रात 12 बजे युवराज कार से सेक्टर-150 में मौजूद घर जा रहे थे

■ वह गुड़गांव की एक कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजिनियर थे। बेसमेंट में गिर गई थी कार

नोएडा सेक्टर-150 अभी पूरा बसा नहीं है। अथॉरिटी सर्वे कराकर रोड सेफ्टी का काम कराएगी।
-सतीश पाल, एसीईओ, नोएडा अथॉरिटी

चश्मदीद का दावा, पानी में नहीं उतरी पुलिस

सेक्टर-150 के पास ही गढ़ी समस्तपुर गांव के रहने वाले मुनेंद्र घटना के वक्त वहीं से सामान डिलिवर करने जा रहे थे। उन्होंने भीड़ देखी। पुलिस भी मौजूद थी। मुनेंद्र ने बताया कि एक लड़का मोबाइल की लाइट जलाकर मदद के लिए चिल्ला रहा था। कोई भी पानी में उतरने को तैयार नहीं था। पुलिस ने भी पानी ठंडा और अंदर सरिया होने का हवाला देते हुए उतरने से इनकार कर दिया था। वह कमर में रस्सी बांध पानी में उतरे। आधे घंटे तक तलाशा भी।

पानी में बचाने उतरे थे मुनेंद्र

JE को किया बर्खास्त

हादसे के बाद नोएडा ट्रैफिक सेल के जूनियर इंजिनियर नवीन कुमार को बर्खास्त कर दिया गया है। नोएडा अथॉरिटी के सीईओ ने लोटस बिल्डर के आवंटन और निर्माण कार्य की रिपोर्ट मांगी है। सेक्टर-150 क्षेत्र के आसपास ट्रैफिक से जुड़े काम के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ▸▸ पेज 5

'5 मिनट में रेस्क्यू जरूरी'

दिल्ली में हादसा हुआ तो कैसी है तैयारी?

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राजधानी में अभी डीडीएमए (दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी) है। डीडीएमए से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संस्था का मुख्य काम विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय करना है, जबकि सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स के पास पेशेवर प्रशिक्षण नहीं होता। एक प्लानिंग इंस्टिट्यूट से जुड़े आर्किटेक्चर ने बताया कि ऐसे मामलों में इंफ्रास्ट्रक्चर की काफी कमी दिखती है। हादसे न हों इसके लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना जरूरी है। दिल्ली-एनसीआर में ड्रेन और नालों से होने वाले हादसे बढ़ते जा रहे हैं। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे मामलों में पांच से सात मिनट में रेस्क्यू शुरू होना जरूरी है।

सोसायटी के लोगों ने कैंडल मार्च निकाला।

हादसे के दो दिन बाद बैरिकेडिंग: हादसे के दो दिन बाद रविवार को अधिकारियों ने मौके पर बैरिकेडिंग कराई। हालांकि लोगों ने इसे नाकाफी बताते हुए विरोध जताया। शनिवार को यहां मलबा डाल दिया गया था। न्याय की मांग कर टाटा यूरेका पार्क सोसायटी के निवासियों ने कैंडल मार्च निकाला और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में 8 जवान घायल

File

आतंकियों की तलाश के लिए इलाके में ऑपरेशन जारी।

■ **पीटीआई, जम्मू:** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में 8 जवान घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक, सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कॉर्प्स द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान 'ऑपरेशन त्राशी-I' दोपहर के आसपास शुरू हुआ। संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान चात्रू के सोनार इलाके में सुरक्षा बलों का आतंकियों से सामना हुआ। सेना ने बताया कि तलाशी दल पर दो से तीन आतंकियों ने अंधाधुंध फायरिंग की और घेराबंदी तोड़ने के लिए ग्रेनेड भी फेंके। जवाबी कार्रवाई में सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस की अतिरिक्त टुकड़ियां मौके पर भेजी गईं। कुछ समय तक रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। आतंकियों की तलाश के लिए ड्रोन, स्निफर डॉग समेत निगरानी उपकरण तैनात किए गए हैं और ऑपरेशन जारी है।

घेराबंदी तोड़ने को आतंकियों ने ग्रेनेड भी फेंके

फटाफट खबरें

कराची के मॉल में आग, छह की मौत

AP

पाकिस्तान के कराची में मॉल में भीषण आग लगने से एक अग्निशमन कर्मी समेत छह लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के फंसे होने की आशंका है। बचाव कार्य कई घंटों से जारी है। शॉर्ट सर्किट आग लगने का कारण हो सकता है।

तेज रफ्तार कार ने 13 को कुचला

मध्य प्रदेश के जबलपुर में रविवार को बिना नंबर प्लेट की तेज रफ्तार कार ने सड़क निर्माण में जुटी 13 महिला मजदूरों को कुचल दिया। हादसे में दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 घायल हैं। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का शूटर दबोचा

दिल्ली और राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े शूटर प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू को गिरफ्तार किया गया। आरोपी राजस्थान में कारोबारी से रंगदारी मामले में वॉन्टेड था।

'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहता बंगाल: PM

PTI

पीएम ने दो अमृत भारत ट्रेन को डिजिटली हरी झंडी दिखाई।

■ **पीटीआई, सिंगूर:** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल के सिंगूर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हर कोई 15 वर्ष के 'महाजंगल राज' को खत्म करना चाहता है। अभी-अभी बीजेपी और एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एक बार फिर से रोका है। अब पश्चिम बंगाल भी टीएमसी के महाजंगलराज को विदा करने के लिए तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। वे घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे उन्हें अपना वोट बैंक मानते हैं। अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा। ▸▸ पेज 11

बोले, TMC सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही

अभी-अभी बीजेपी और एनडीए ने बिहार में जंगलराज को एक बार फिर से रोका है।
- नरेन्द्र मोदी

2-1 से सीरीज गंवाई

विराट का शतक, फिर भी हारा भारत

■ **पीटीआई, इंदौर:** न्यूजीलैंड ने भारत को तीसरे और निर्णायक वनडे मुकाबले में रविवार को 41 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ टीम ने 2-1 से वनडे सीरीज भी अपने नाम कर ली। विराट कोहली ने वनडे की 54वीं सेंचुरी लगाई, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। कीवियों ने डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स की शतकीय पारियों की बदौलत 50 ओवर में आठ विकेट पर 337 रन बनाए। जवाब में भारत की टीम 46 ओवर में 10 विकेट पर 296 रन ही बना सकी। कोहली ने सबसे ज्यादा 124 रन बनाए। ▸▸ पेज 12

प्रदूषण बढ़ा, दिल्ली के स्कूल हाइब्रिड मोड पर

रविवार इस साल का सबसे प्रदूषित दिन रहा, लोगों को परेशानियां महसूस हुईं

Anushka Kogta

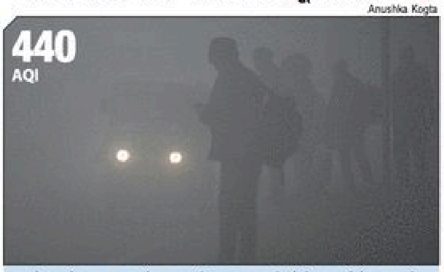

पूर्वानुमान के अनुसार, 19 से 21 जनवरी के बीच प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहेगा। आज राहत की है संभावना। | 23 जनवरी को तेज हवाओं के साथ बारिश आएगी। इसके साथ ही ठंड और कोहरे का एक और स्पेल शुरू हो सकता है।

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता के गंभीर स्तर पर पहुंचने के बाद स्कूलों को लेकर नया आदेश जारी किया गया है। GRAP-4 लागू होते ही दिल्ली सरकार ने नर्सरी से लेकर कक्षा 9वीं और 11वीं तक की पढ़ाई हाइब्रिड मोड में कराने का फैसला लिया है। इसके तहत ऑफलाइन और ऑनलाइन, दोनों विकल्प उपलब्ध रहेंगे और यह व्यवस्था अगली सूचना तक लागू रहेगी।

शिक्षा निदेशालय के निर्देश के अनुसार यह आदेश DOE, NDMC, MCD और दिल्ली कैंटोनमेंट बोर्ड के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। जिन स्कूलों में ऑनलाइन कक्षाओं की सुविधा है, वहां अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने या ऑनलाइन पढ़ाई चुनने की छूट दी गई है। वहीं, रविवार इस साल का सबसे प्रदूषित दिन रहा। दिल्ली का औसत AQI 440 रहा। फरीदाबाद में यह 247, गाजियाबाद में 458, ग्रेटर नोएडा में 402, गुरुग्राम में 378 और नोएडा में 430 रहा। स्मॉग की परत के बीच लोगों को परेशानियां महसूस हुईं। ▸▸ पेज 2

दिल्ली में 32 जगहों पर प्रदूषण गंभीर स्थिति में

ग्रीनलैंड में ट्रंप के विरोध में लोग सड़क पर उतरे

■ **एपी, नूक:** ग्रीनलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। लोगों ने ट्रंप के ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए बयानों पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय ध्वज लहराए और 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है' के नारे लगाए। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी टैरिफ की घोषणा से यूरोप में नाराजगी फैली।

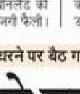

भारतीयों के AI खर्च हम क्यों उठाएं?: US

■ **NBT रिपोर्ट:** ट्रंप के ट्रेड अडवाइजर पीटर नवारो ने सवाल उठाया कि जब आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) जैसे ChatGPT अमेरिका से ऑपरेट होता है, तो भारतीय यूजर्स के लिए खर्च अमेरिकी क्यों उठाएं? TOI के अनुसार, नवारो ने कहा कि AI प्लैटफॉर्म अमेरिका में बनाए जाते हैं, लेकिन उनकी सर्विस भारत सहित दूसरे देशों में दी जा रही है।

पीटर नवारो

मुंबई में 'नगरसेवकों' को बचाने में जुटी पार्टियां

■ **NBT रिपोर्ट, मुंबई**

बीएमसी चुनाव में बीजेपी 89 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बन गई है, लेकिन मेयर किस दल का होगा, इसे लेकर चौथे दिन भी स्थिति साफ नहीं हो सकी है। खरीद-फरोख्त की आशंका के चलते सभी दल अपने-अपने नगरसेवकों को सहेजने में जुटे हैं। हॉर्स ट्रेडिंग के डर से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने 29 नगरसेवकों को बांद्रा के एक होटल में ठहराया है। इस बीच रविवार को उद्धव सेना के 15 नवनिर्वाचित नगरसेवक नॉट रिचेबल हो गए, जिससे सियासी हलकों में अटकलें तेज हो गईं। उद्धव सेना के नेता संजय राउत ने कहा कि मुंबई का महापौर शिवसेना या ठाकरे बंधुओं का हो, लेकिन बीजेपी का नहीं। वहीं, बीजेपी नेता ने दावा किया कि मेयर महायुति का बनेगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दावोस दौरे से 23 जनवरी को लौटने के बाद ही मेयर पद पर अंतिम फैसला होने की संभावना है। ▸▸ पेज 9

File

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने 29 नगरसेवकों को होटल में ठहराया।

सिर्फ एक वोट ने ही पलट दिया परिणाम

■ **पीटीआई, मुंबई:** महाराष्ट्र के परभणी नगर निगम के वार्ड 1A में चुनावी मुकाबला रोमांचक रहा। शिवसेना (UBT) के कैंडिडेट व्यंकट डहाले ने बीजेपी प्रत्याशी प्रसाद नागरे को सिर्फ एक वोट से हराकर जीत दर्ज की। व्यंकट को 4,312 जबकि नागरे को 4,311 वोट मिले।

हैपी मॉर्निंग

चिंटू: पेड़ पर उलटा लटका हुआ था।
चिंटू ने पूछा: क्या हो गया?
चिंटू: कुछ नहीं, सिर दर्द की गोली खाई है, कहीं पेट में ना चली जाए।

मौसम

अधिकतम तापमान 22.7°

5.3° न्यूनतम तापमान

सूर्यास्त 5:50 सोमवार | सूर्योदय 7:14 मंगलवार

हिमालय क्षेत्र में 23 जनवरी से सबसे अधिक बर्फबारी हो सकती है।

नाराजगी प्रयागराज के माघ मेले में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के अनुयायियों के साथ धक्का-मुक्की, धरने पर बैठ गए ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य

काफिला रोका गया, शंकराचार्य ने नहीं किया स्नान

■ **NBT रिपोर्ट, प्रयागराज:** माघ मेले में मौनी अमावस्या स्नान के लिए जा रहे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के काफिले को संगम घाट से पहले ही रोक लिया गया। इस दौरान, पुलिस और शंकराचार्य के शिष्यों के बीच धक्का-मुक्की हुई। शंकराचार्य की पालकी को भी पुलिस ने हटा दिया। इसके बाद पुलिस पर साधु-संतों के साथ मारपीट का आरोप लगाते हुए शंकराचार्य धरने पर बैठ गए। उन्होंने मौनी अमावस्या के स्नान का बहिष्कार किया। पुलिस का कहना था कि जुलूस के साथ संगम तट तक जाने की अनुमति नहीं है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती

PTI

शनिवार आधी रात से ही घने कोहरे के बावजूद घाटों पर लोग पहुंचने लगे थे।

4 करोड़ ने लगाई पवित्र डुबकी

माघ मेले में मौनी अमावस्या के मौके पर रविवार को करीब 4 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में पवित्र डुबकी लगाई। अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालु शनिवार आधी रात से ही घने कोहरे के बावजूद घाटों पर पहुंचने लगे थे। रविवार सुबह तक हर दिशा से लोगों का आना जारी रहा। एक सीनियर मेला अधिकारी ने बताया कि यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सुबह हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं पर फूल भी बरसाए गए। इससे पहले, मकर संक्रांति पर लगभग 1.03 करोड़ लोगों ने संगम में पवित्र स्नान किया था।

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 19 जनवरी 2026

> आधुनिक खेलों की पहचान उनकी संगठित व्यवस्था, नियमों और संस्थागत नियंत्रण से होती है।
> – एलन गुटमैन, खेल समाजशास्त्री

प्रशासनिक नाकामी

इंडिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट आखिरकार खत्म हुआ। खिलाड़ियों के प्रदर्शन से ज्यादा यह याद रह जाएगा बदइंतजामी की शिकायतों के लिए। जो टूर्नामेंट एक विश्वस्तरीय आयोजन का उत्सव बन सकता था, आखिर में प्रशासनिक नाकामी का उदाहरण बनकर रह गया।

गंदगी की शिकायत । यह टूर्नामेंट शुरू से ही खेल से इतर वजहों से चर्चा में रहा। दुनिया के नंबर 3 रैंक खिलाड़ी डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन ने दिल्ली के वायु प्रदूषण के चलते अपना नाम वापस ले लिया। इसके बाद कभी चिड़िया की बीट कोर्ट पर गिरी, कभी बंदर घुस आया। डेनमार्क की शटलर मिया ब्लिचफेल्ड ने साफ-सफाई की कमी का मुद्दा उठाया। अफसोस कि पिछले साल भी उन्होंने ऐसी ही शिकायत की थी। यानी साल बीता, पर उससे सबक नहीं लिया गया।

टूर्नामेंट में अव्यवस्था

खराब हवा । इस टूर्नामेंट की खामियां दो चीजों की ओर ध्यान खींचती हैं - व्यवस्था और मौसम। दिल्ली की खराब हवा का प्रत्यक्ष असर अब दूसरी गतिविधियों पर दिख रहा है। टूर्नामेंट से हटने के कारण एंडर्स एंटोनसेन को बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन की पेनल्टी भुगतनी पड़ेगी। सोचने वाली बात है कि एक खिलाड़ी सजा भुगतने को तैयार है, पर खेलना नहीं चाहता।

लगातार लापरवाही । समस्या यह है कि पहले जो कमियां पकड़ में आ चुकी हैं, उन पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा। पिछले साल दिल्ली में ही, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप हुई थी, जहां आवारा कुत्ते ने दो विदेशी कोच को काट लिया था। तब भी केंद्र शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी।

रखरखाव में कमी । टूर्नामेंट जिस इंदिरा गांधी इनडोर स्टेडियम में खेला गया, वह भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के पास है। इसके रखरखाव और देखभाल की जिम्मेदारी साई की है। टूर्नामेंट के पहले संबंधित संघों को स्टेडियम किराये पर उपलब्ध कराया जाता है। इस टूर्नामेंट ने रखरखाव की पोल खोल दी है।

क्षमता पर सवाल । पिछले दिनों जो कुछ हुआ, वह केवल इसी टूर्नामेंट तक रहने वाली बात नहीं है। इस साल इसी वेन्यू पर भारत को बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी करनी है। साथ ही देश अब विश्वस्तरीय खेल आयोजन कराना चाहता है। 2030 में अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ गेम्स होंगे, जबकि 2036 के ओलिंपिक्स की दावेदारी की तैयारी है। लेकिन, इंडिया ओपन की वजह से यह सवाल उठता है कि क्या देश वाकई तैयार है। इन कमियों को छोटी घटनाएं कहकर खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि इनका असर खेल के आगे पूरे देश की छवि पर पड़ता है।

नश्तर

पार्क और ट्रंप

कॉलोनी की कल्याण समिति के महामंत्री ने एक रोज घोषणा की, 'मैं पार्क को अपने घर में मिला लूंगा। बीच में एक सड़क ही तो है और पार्क की बाउंड्री भी बहुत ऊंची नहीं।' मुझे बात का सिर-पैर ही नहीं समझ आया तो पूछा, 'आप कहां से प्रेरणा ले रहे हैं?' बोले, 'दुनिया के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति से।' मैंने दिव्य पुरुष का दि... ही बोला था कि उन्होंने भारी-सी आवाज में कहा 'डॉनल्ड ट्रंप' और मेरे अरमान रौंद डाले।

सौरभ श्रीवास्तव

मैं अचरज से सिर खुजलाने लगा तो उन्होंने साफ किया, 'देखिए, अमेरिका की सुरक्षा को खतरा है तो वह ग्रीनलैंड ले रहा है कि नहीं, वैसे ही मुझे खतरा है तो मैं सामने वाला पार्क अपने घर में मिला लूंगा।' 'कैसा खतरा?' 'पार्क में बच्चे खेलते हैं तो पौधे खराब होते हैं। प्रेमी जोड़े बैठते हैं। अश्लीलता फैलाते हैं।' 'पर बच्चों को तो प्रेमी जोड़ों से कोई दिक्कत नहीं!' महामंत्री बोले, 'वे तो बच्चे हैं, वे क्या जानें।' 'प्रेमियों को देखकर दिक्कत अगर बड़े होने पर होती है, तो काश ये बच्चे ही रहें।'

मैंने अपने लहजे को पूरी मशक्कत से तंजिया किया। महामंत्री का चेहरा सख्त हो गया। त्योरी तानते हुए बोले, 'क्या चाहते हो तुम, पार्क में जो हो रहा है होता रहे?' 'मेरे चाहने से क्या होता है? मैंने तो कई बार प्रयास किया कि प्रेमियों को देखकर बच्चे भड़क जाएं, पर उन्हें खेलने से फुर्सत हो तब ना।' महामंत्री और भड़क उठे, 'क्या कहना चाहते हो, मेरे पास कोई काम नहीं?' 'मेरा ऐसा कोई इरादा था। मेरे कहे का निहितार्थ आपने ही निकाला।' मैंने खुद का बचाव किया। बात 'देख लूंगा' तक पहुंचे इससे पहले मैंने रवानगी डालना बेहतर समझा। कुछ दिनों बाद पार्क में एक बोर्ड लगाया गया - पार्क में खाली बैठना, खेलना मना है। थोड़ी ही देर में किसी बच्चे ने चॉक से बोर्ड पर लिखा - इस पार्क को अपने घर में रख लें। मन किया कि इस बच्चे को ढूंढ़कर नोबेल दे दूं पर मचाडो ने वह भी ट्रंप को दे दिया।

एकदा

संकलन : दीनदयाल मुरारका

ठंड में दंड बैठक

तब देश गुलामी की जंजीर में जकड़ा हुआ था। एक बार की बात है। कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। एक अंग्रेज पुलिस अफसर एक निर्दोष भारतीय के साथ सरेआम अभद्र व्यवहार कर रहा था। पास ही सात-आठ वर्ष का एक बालक यह दृश्य देख रहा था। उससे यह सहा नहीं गया। गुस्से में आकर उसने एक पत्थर उठाया और उस अंग्रेज अफसर पर दे मारा। पत्थर लगने से अफसर घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। काफी खोजबीन के बाद वह बालक पकड़ लिया गया। अंग्रेज अफसर ने उसे बुरी तरह डांटा और सबक सिखाने के लिए कठोर सजा दी, कड़ाके की ठंड में खुले मैदान में पूरी रात नंगे खड़े रहने की। पहरे के लिए दो चौकीदार तैनात कर दिए गए। कुछ समय बाद ठंड से बचने के लिए चौकीदार कंबल ओढ़कर सो गए। आधी रात को जब उनकी नींद खुली, तो वे यह देखकर दंग रह गए कि वह बालक भयानक ठंड से बेपरवाह लगातार दंड-बैठक कर रहा था और उसके शरीर से पसीना बह रहा था। न ठंड का डर, न सजा का भय, उसके चेहरे पर अद्भुत दृढ़ता थी। यह साहसी और निडर बालक आगे चलकर चंद्रशेखर आजाद के नाम से मशहूर हुआ।

Subrata Dhar

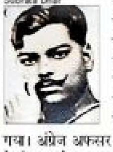

भारत-EU के बीच बढ़ा सहयोग, जर्मन चांसलर के दौरे से मज़बूत हुए रिश्ते

भविष्य में और गहरी होगी दोस्ती

इस महीने की शुरुआत में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्तों को नई दिशा दी। यह मौका दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी के 25 साल और राजनयिक संबंधों के 75 साल पूरे होने का भी था।

हर्ष वी. पंत

इस दौरे की बड़ी बात यह रही कि आपसी रिश्ता अब सिर्फ व्यापार और निवेश तक सीमित न होकर, मजबूत रणनीतिक साझेदारी में बदल रहा है। इस दौरान 19 अहम समझौतों पर सहमति बनी। इससे यूरोप की आधुनिक टेक्नॉलजी और भारत की उत्पादन क्षमता के बीच गैप कम होगा।

रक्षा सहयोग । डिफेंस इंडस्ट्रियल कोऑपरेशन को लेकर साझा घोषणा को इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण बात कह सकते हैं। इससे भारत और जर्मनी का रिश्ता महज विक्रेता और ग्राहक से आगे बढ़ेगा। दोनों देश मिलकर हथियारों का विकास और निर्माण करेंगे। उम्मीद है कि इससे निर्यात आसान होगा और जर्मनी की अहम रक्षा तकनीक भारत पहुंचेगी। चांसलर मर्ज के साथ बड़ी पनडुब्बी कंपनियों के प्रतिनिधि भी थे। इससे संकेत मिलता है कि 6 आधुनिक पनडुब्बियों की अरबों डॉलर की परियोजना आगे बढ़ी है।

अहम समझौते । दुनिया में बढ़ते संरक्षणवाद के बीच दोनों नेताओं ने सप्लाई चेन को विविध बनाने की जरूरत पर बात की। एक नया CEO फोरम बनाया गया, ताकि सरकारी निवेश पर फैसला लेने वाली समितियों में बिजनेस लीडर्स की सीधी भागीदारी हो सके। सेमीकंडक्टर, क्रिटिकल मिनरल्स और टेलीकम्युनिकेशन में समझौते किए गए। जर्मन चांसलर ने उम्मीद जताई कि इस महीने के आखिर तक भारत-EU के बीच FTA भी फाइनल हो सकता है।

संबंधों को नई दिशा
- व्यापार में विविधता चाहते हैं भारत और यूरोप
- अमेरिका व चीन से दोनों को मिल रही चुनौती
- रणनीतिक साझेदारी, टेक ट्रांसफर पर फोकस

मदद का वादा । जर्मनी ने 'ग्रीन एंड सस्टेनेबल डिवेलपमेंट पार्टनरशिप' के लिए 1.24 अरब यूरो की अतिरिक्त मदद का वादा किया है। इन पैसों का इस्तेमाल ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक वाहनों और जलवायु परिवर्तन का सामना कर सकने वाले अर्बन इंफ्रस्ट्रक्चर के विकास में किया जाएगा। भारत की AM Green और जर्मनी की Uniper के बीच ग्रीन अमोनिया पर समझौता महत्वपूर्ण रहा।

आपसी संपर्क । इस दौरे में दो महत्वपूर्ण घोषणाएं हुईं। एक है वीजा फ्री ट्रांजिट। अब भारतीय पासपोर्ट धारक जर्मनी के एयरपोर्ट से बिना वीजा के ट्रांजिट कर सकेंगे। दूसरी घोषणा शिक्षा के क्षेत्र में आई। जर्मनी के विश्वविद्यालय भारत में भी कैंपस खोलेंगे। जर्मनी में भारतीय हेल्थकेयर और आईटी प्रफेशनल्स को मौके मिलेंगे।

मैक्रों की यात्रा । अगले महीने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 'इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट' में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आने वाले हैं। पहली बार ग्लोबल साउथ में वैश्विक AI सम्मेलन होने जा रहा है। मैक्रों ने भारत की इस बात का समर्थन किया है कि तकनीक का फायदा विकासशील देशों के साथ भी बांटा जाना चाहिए।

EU नेताओं का दौरा । पीएम मोदी के निमंत्रण पर यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सांतोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमिशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेन 25 से 27 जनवरी तक भारत का राजकीय दौरा करेंगे। दोनों नेता 77वें गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और 27 जनवरी को 16वें भारत-EU शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे।

वैश्विक बदलाव । भारत-EU संबंधों पर भू-राजनीतिक बदलाव का असर पड़ा है। ट्रंप की नीतियों, विश्व व्यवस्था में अस्थिरता, चीन की हठी और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की जरूरत ने भारत-EU को पास लाया है, खासकर हिंद प्रशांत क्षेत्र में।

चीन पर नजर । दोनों के बीच अब भी आर्थिक संबंध सबसे अहम हैं। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, निवेश की सुरक्षा और मजबूत सप्लाई चेन में दोनों पक्षों की दिलचस्पी है। यह दिखाता है कि भारत और यूरोप व्यापार में विविधता लाना चाहते हैं, ताकि चीन पर अति निर्भरता न रहे। EU की नजर में भारत तेजी से बढ़ता बाजार है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाइड्रोजन और क्लाइमेट एक्शन पर सहयोग बढ़ा है। हालांकि EU की कार्बन बॉर्डर जैसी नीति की वजह से थोड़ा टकराव भी है।

नई व्यवस्था । भारत और EU ऐसी बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था चाहते हैं, जहां उन्हें महाशक्तियों के बीच अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता बनाए रखने का मौका मिले। इसी वजह से दोनों स्वाभाविक साझेदार बनकर उभरे हैं। आने वाले समय में यह रिश्ता और मजबूत होने की उम्मीद है।

(लेखक लंदन के किंग्स कॉलेज में प्रफेसर हैं)

मूंगफली के साथ कर सकते हैं समय की सैर

टाइम ट्रैवल की चर्चा धर्म में भी है और विज्ञान में भी। इस यात्रा पर कोई गया भले न हो, पर विज्ञान कहता है कि यह बिल्कुल असंभव भी नहीं। अल्बर्ट आइंस्टाइन ने बताया कि समय नियत नहीं है, यह हर किसी के लिए एक-सा नहीं बहता। कोई चीज जितनी तेज चलती है, उसके लिए उतना ही धीमा हो जाता है समय। विज्ञान के इस गूढ़ रहस्य को समझने का शायद सबसे सरल उपाय है मूंगफली। इसके साथ भी वक्त की लय एक जैसी नहीं रहती। जब मूंगफली पास होती है, तो वक्त तब तक खत्म नहीं होता, जब तक मूंगफली खुद खत्म नहीं हो जाती। भले आइंस्टाइन की थिअरी के मुताबिक हम अभी तक ऐसा वीकल ईजाद नहीं कर पाए, जो प्रकाश की गति से भी तेज चल सके, पर मूंगफली के रूप में ऐसी चीज जरूर पा ली है, जो वक्त पर लगाम लगा दे।

समय की तरह ही स्वाद में भी शब्दों से परे है मूंगफली। यह शाही पकवान नहीं, आम लोगों की 'चिनिया बादाम' है, फिर भी अपनेपन से भर देती है सभी को। हल्की-सी गर्माहट लिए इसके छिलके जैसे ही खड़खड़ाहट के साथ टूटते हैं, एक सोंधी महक हवा में फैल जाती है। भूरे कवच में बंद गुलाबी दाने हथेलियों पर आकर और खिल उठते हैं।

फिर हर एक दाना दांतों से लड़ते हुए जो कुरकुराहट देता है, उसकी आवाज खुद के ही कानों को भली लगती है बहुत। कहा जाता है कि इंसान एक ही काम करते हुए ऊब जाता है और इसका असर पड़ता है क्वॉलिटी पर, इसलिए जरूरत पड़ी मशीनों की, लेकिन मूंगफली उन कुछ कामों में से एक है, जिसे लेकर कभी ऊब नहीं होती। एक ही प्रक्रिया बार-बार चलती रहती है और कमाल है कि हर बार, मूंगफली का हर दाना उतना ही अनोखा लगता है, जितना पहला लगा था। और रही

AI Image

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

बात एफिशिएंसी और क्वॉलिटी की, तो मजाल है कि उसमें कोई कमी आए। इसे खाने की रफ्तार एक-सी चलती रहती है।

स्क्रीन ने सबका वक्त चुरा लिया, पर मूंगफली अब भी बची है। मूंगफली को खाते समय ध्यान रहता है सिर्फ इस पर। न एक भी दाना इधर से उधर होता है और न आखिर में एक भी फली साबुत बचती है। मूंगफली का असली मजा इसकी लय में है - पहले दाने, फिर मसालेदार नमक और आखिर में हरी चटनी... रिपीट।

समय को यूं थामने वाली मूंगफली खुद भी समय से लड़ते हुए पहुंची है यहां तक। 7,500 साल पहले दक्षिण अमेरिका के लोगों ने खोज कर ली थी इसकी। उनके लिए यह केवल भोजन ही नहीं, धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक भी थी। बाद में स्पेनिश और पुर्तगाली व्यापारियों के साथ यह अफ्रीका पहुंची और वहां से एशिया। आज यह हिंदुस्तान में फसल ही नहीं, लोक-संस्कृति का हिस्सा है - सर्दियों की शाम और चार लोगों की जुटान की पहचान। उन यादों से जुड़ी, जहां कोई भी मेला इसकी खरीदारी बिना पूरा नहीं होता था। सफर की साथी, जिसके साथ समय का पता नहीं चलता।

कांटे की बात

सत्ता सेकुलर हो सकती है, लेकिन मनुष्य या सृष्टि की कोई चीज बिना धर्म के नहीं हो सकती। जब तक भारतवर्ष को धर्म ड्राइव करेगा, वह विश्वगुरु रहेगा। जातिगत भेदभाव खत्म करने के लिए मन से जाति को निकालना होगा।

मोहन भागवत, RSS प्रमुख

डेटा Window

दिल्ली में 10 से 18 जनवरी तक चले विश्व पुस्तक मेला में युवाओं की खासी दिलचस्पी देखने को मिली। वहीं, हमेशा सुर्खियां बटोरने वाले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आज आखिरी दिन है। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के बावजूद देश में किताबें मजबूती से टिकी हुई हैं।

कैसी है किताबों की दुनिया

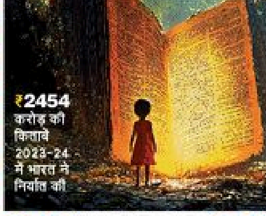

बुक पब्लिशिंग में भारत दुनिया में 10वें नंबर पर

देश	
अमेरिका	2.75 लाख
चीन	2.10 लाख
ब्रिटेन	1.8 लाख
जापान	1.3 लाख
भारत	90 हजार

(हर साल पब्लिश बुक टाइटल)

हिंदी का जलवा नॉन फिक्शन में
- 26% हिंदी में पब्लिश किताबें
- 24% के साथ अंग्रेजी सेकंड
- 9% तमिल भाषा में किताबें
- 7% बंगाली और
- 7% मराठी

- 70% लगभग बिकती हैं शैक्षणिक किताबें
- 30% हिस्सेदारी है फिक्शन और नॉन-फिक्शन की
- 9000 से ज्यादा पब्लिशर, कई एक्टिव नहीं

- 10.4 अरब डॉलर था बुक मार्केट भारत का साल 2024 में
- 14.6 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है साल 2030 तक
- 6% की दर से ग्रोथ दर्ज कर रहा है देश का बुक मार्केट

जनता जंक्शन इरफान

तकनीक तो ठीक है, पर किताबें भी पढ़नी होंगी

यह अभूतपूर्व संभावनाओं का दौर है। ज्ञान, सूचना और तकनीक ने जीवन आसान बनाया है। डिजिटल माध्यम ने सीखने के द्वार खोले हैं। सूचनाएं तुरंत आ जाती हैं। मगर, इससे ध्यान-क्षमता कम होने वाली संस्कृति भी शुरू हो गई है। खासकर यह स्टूडेंट्स और किशोरों के लिए बड़ी चुनौती है। इसमें सतही सूचनाएं तो रहती हैं, लेकिन विषय की गहराई से समझ की कमी है।

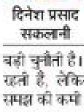
दिनेश प्रसाद सकलानी

गहन चिंतन जरूरी

आज बच्चों का ज्यादातर समय मोबाइल, टैबलेट, लैपटॉप के सामने बीतता है। मां-बाप के लिए स्क्रीन टाइम सबसे बड़ी चिंता है। रील्स, शॉर्ट विडियो के जमाने में दिमाग भी तुरंत संतुष्टि चाहता है। नतीजतन, आज के अधिकतर स्टूडेंट्स के लिए लंबे समय तक कोई चैप्टर पढ़ना, किसी विषय पर सोचना कठिन हो गया है। सोशल मीडिया पर ज्यादा समय बिताने से दिमाग की डीप अटेंशन क्षमता प्रभावित होती है। यही कारण है कि आज के बच्चे किताबों को पूरी तरह पढ़ने के बजाय समरी, नोट्स और विडियो के भरोसे रहते हैं। इससे न केवल परीक्षा के परिणाम पर असर पड़ता है, बल्कि यह सोचने-समझने की क्षमता भी प्रभावित करती है।

यही कारण है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा को सिर्फ सूचना आधारित नहीं, बल्कि समझ आधारित बनाने पर जोर है। नीति का मानना है कि शिक्षा का उद्देश्य रटंत विद्या नहीं, बल्कि क्रिटिकल थिंकिंग, क्रिएटिविटी और समग्र विकास होना चाहिए। इसमें बचपन से ही पढ़ने की आदत विकसित करने पर जोर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का परीक्षा पर चर्चा जैसा कार्यक्रम केवल परीक्षा के तनाव को कम करने का माध्यम नहीं है। इससे संदेश दिया जाता है कि शिक्षा का उद्देश्य नंबर नहीं, बल्कि समझ और आत्मविश्वास है। लेकिन, प्रधानमंत्री भी समय-समय पर डिजिटल उपवास पर जोर देते हैं। उनका मानना है कि आधुनिक तकनीक के साथ-साथ खेल, पुस्तक, संवाद और प्रकृति से जुड़ाव भी जरूरी है।

AI Image

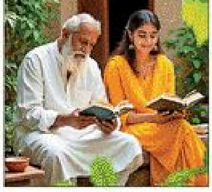

हालांकि, इसका समाधान सिर्फ सरकार या नीति से नहीं होगा। मां-बाप और स्कूलों को भी आगे आना होगा। घर से पढ़ाई की शुरुआत होनी चाहिए। अगर घर में किताबें नहीं होंगी, बच्चे अपने मां-बाप को पढ़ते नहीं देखेंगे, तो वे कैसे पढ़ेंगे। हम यह भी नहीं कह सकते कि तकनीक से पूरी तरह दूरी बना ली जाए। डिजिटल माध्यम ने ज्ञान को सर्वसुलभ बनाया है। प्रश्न तकनीक के होने या न होने का नहीं है, बल्कि उसके उपयोग का है। अगर स्क्रीन गहन पठन, शोध और संवाद का जरिये बने, तो अवसर है।

सोचने के लिए पढ़िए

स्क्रीन टाइम और ध्यान-क्षमता का प्रश्न केवल आज का मुद्दा नहीं है। यह उस पीढ़ी के भविष्य से जुड़ा है, जो कल समाज, अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र का नेतृत्व करेगी। यदि वह पीढ़ी पढ़ना नहीं सीखेगी, तो वह सोच भी नहीं पाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और प्रधानमंत्री का संदेश इसी का संकेत है। अंततः सवाल यह नहीं है कि स्टूडेंट्स कितनी जल्दी पढ़ते हैं, बल्कि यह है कि वे कितनी गहराई से समझते हैं। इसलिए नीति कहती है कि –

शनैः पन्थाः शनैः कन्था शनैः पर्वतलङ्घनम्। शनैर्विद्या शनैर्वित्तं पञ्चैतानि शनैः शनैः ॥

(लेखक NCERT के निदेशक हैं)

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

काम शुरू करने से पहले अपने मन से तो पूछ लीजिए

ब्रह्मा कुमारी शुक्ला

जिस प्रकार हमारे शरीर को स्वस्थ रहने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मन को भी सही खुराक चाहिए। यदि हमारे भीतर अशुभ सोच, चिंता, भय या तनाव भरा रहता है, तो ये मन को कमजोर बना देते हैं। इसके विपरीत शुद्ध संकल्प और शुभ भावनाएं मन को शक्ति प्रदान करती हैं। जैसे सात्विक और संतुलित आहार शरीर को स्वस्थ और दीर्घायु बनाता है, वैसे ही सात्विक सोच मन को स्वस्थ रखती है, जबकि अपवित्र, उत्तेजक और नकारात्मक विचार मन को रोगी और दुर्बल बना देते हैं।

यह देखना आवश्यक है कि हमारे संकल्प किस प्रकार के हैं और उनका प्रभाव स्वयं व दूसरों पर क्या पड़ेगा।

सामान्य रूप से मन में चार प्रकार के संकल्प चलते रहते हैं- व्यर्थ, आवश्यक, नकारात्मक और सकारात्मक। इनमें व्यर्थ और नकारात्मक संकल्प सबसे अधिक हानिकारक होते हैं। ये मन, बुद्धि और कर्मेंद्रियों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, जिससे मनोबल कमजोर हो जाता है। मनोबल के कमजोर होने पर व्यक्ति बाहरी परिस्थितियों और जीवन की चुनौतियों का सामना ठीक से नहीं कर पाता। नकारात्मक संकल्पों के कारण हम स्वयं भी दुखी रहते हैं और अनजाने में दूसरों के लिए भी तनाव का कारण बन जाते हैं।

AI Image

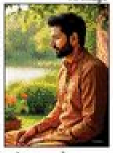

इसके बावजूद हमारे भीतर सकारात्मक सोच की कुछ शक्ति सदैव बनी रहती है, जिसके कारण हम स्वयं को और दूसरों को सुख और शांति का अनुभव करा पाते हैं। इस शक्ति को बढ़ाने के लिए आवश्यक है कि हम अपनी आंतरिक शांति, स्नेह और खुशी जैसे आत्मिक गुणों का नियमित चिंतन करें। यही सात्विक सोच कहलाती है। सात्विक चिंतन से परमात्मा के सत्य स्वरूप, उनके सकारात्मक गुणों और दिव्य शक्तियों का अनुभव सहज होने लगता है, और आत्मा पुनः स्वस्थ, स्वच्छ, शक्तिशाली और प्रसन्न बनती है।

इन बातों को जीवन में उतारने के लिए हमें प्रतिदिन कुछ समय स्व-अध्ययन और मनन-चिंतन के लिए अवश्य निकालना चाहिए। मन को शांत और स्थिर रखें, वाणी और संकल्पों को मधुर व संयमित बनाएं।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

समझौते से उम्मीद

यह पत्र 17 जनवरी के संपादकीय 'यूरोप से खुशखबरी' से संबंधित है। वर्ष 2025 में ब्रिटेन, ओमान और EFTA के साथ हुई व्यापार संधियों के बाद, यूरोपीय संघ (EU) से व्यापार समझौते का भी सकारात्मक प्रभाव पड़ना तय है। इससे भारत की अपने दो बड़े व्यापारिक साझेदारों अमेरिका और चीन पर निर्भरता कम होगी। असंभव नहीं कि भारत की बढ़ती व्यापारिक क्षमता को देखते हुए ये देश व्यापार में अधिक रियायतें देने को तैयार हो जाएं। उम्मीद की जानी चाहिए कि इसके बाद अन्य देशों के साथ भी नई व्यापार संधियों के रास्ते खुलेंगे।

लीलाधर पंत, केशवपुरम

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: rajesh.mishra Time: 01-18-2026 23:02 Color:

फटाफट खबरें

राहुल आज केरल में, कल जाएंगे रायबरेली

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली के दौरे पर रहेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, वह मनरेगा और एसआईआर कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को संदेश देंगे। इससे पहले राहुल सोमवार को केरल के कोच्चि में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे और उन्हें संबोधित करेंगे।

प्रदूषण पर कांग्रेस ने केंद्र पर बोला हमला

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** कांग्रेस ने रविवार को वायु प्रदूषण पर आई वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश के मुताबिक, इस रिपोर्ट में कहा गया है कि गंगा के मैदानी इलाकों और हिमालय की तलहटी वाले क्षेत्रों में प्रदूषण की वजह से हर साल 10 लाख लोगों की वक्त से पहले मौत हो रही है।

7 गैर हिंदी भाषाओं को तमिलनाडु में पुरस्कार

■ **पीटीआई, चेन्नै:** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने रविवार को सात गैर-हिंदी भाषाओं के लिए राज्य सरकार की ओर से सालाना साहित्यिक पुरस्कार देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री के अनुसार, पहले चरण में तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, ओड़िया, बंगाली और मराठी भाषाओं की सर्वश्रेष्ठ साहित्यिक कृतियों को यह सम्मान दिया जाएगा।

कांग्रेस ने असम की मिट्टी घुसपैठियों को सौंपी, अब वोटरों की पसंद BJP: मोदी

■ **पीटीआई, कालियाबोर (असम):** प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर असम में घुसपैठियों को बढ़ावा देने और राज्य की सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि असम में अपने शासन के दौरान कांग्रेस ने सिर्फ वोटों के लिए राज्य की जमीन घुसपैठियों के हवाले कर दी। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार असम की पहचान बचाने के लिए घुसपैठियों को हटा रही है। कलियाबोर में 6,957 करोड़ रुपये के काजीरंगा एलीवेटेड कॉरिडोर की नींव रखते हुए पीएम ने विकास और पर्यावरण की रक्षा का नया मॉडल पेश किया। उन्होंने गैंडों के शिकार पर लगाम और रेल बजट में भारी बढ़ोतरी को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया।

यहां एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि कांग्रेस के दशकों पुराने राज में घुसपैठ लगातार बढ़ती रही। उन्होंने कहा कि अवैध घुसपैठियों ने जंगलों, जानवरों के रास्तों (कोरिडोर) और पारंपरिक संस्थानों पर कब्जा कर लिया। उन्होंने कहा, बीजेपी सरकार उन घुसपैठियों को हटाकर असम की पहचान और संस्कृति की रक्षा कर रही है, जिन्होंने जमीन हड़प ली थी।

पीएम ने कहा, घुसपैठिए जनसंख्या का संतुलन बिगाड़ रहे हैं, हमारी संस्कृति पर हमला कर रहे हैं, गरीबों और युवाओं की नौकरियां छीन रहे हैं। उन्होंने आदिवासी इलाकों में फर्जी तरीके से जमीन पर कब्जा कर लिया है, जो असम और देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है।

पीएम ने दावा किया कि कांग्रेस और उसके साथी पूरे देश में यही कर रहे हैं। उन्होंने बिहार चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी घुसपैठियों को बचाने के लिए रैलियां की गईं, लेकिन लोगों ने उन्हें पूरी तरह नकार दिया। असम के लोग भी उन्हें ऐसा ही करारा जवाब देंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नकारात्मक राजनीति करती है, इसलिए लोगों ने उस पर से भरोसा खो दिया है। अब देश के वोटरों की पहली पसंद बीजेपी है। लोग सुशासन और विकास के लिए बीजेपी पर भरोसा करते हैं। बिहार में 20 साल सत्ता में रहने के बाद भी पार्टी को रेकॉर्ड वोट मिले। महाराष्ट्र के नगर निकाय चुनावों और केरल के स्थानीय चुनावों में भी बीजेपी की जीत इसका सबूत है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि देश उनकी नकारात्मक राजनीति को बार-बार ठुकरा रहा है क्योंकि उनके पास विकास का कोई एजेंडा नहीं है। ऐसा दल न तो असम की सेवा कर सकता है और न ही काजीरंगा की।

पीएम मोदी ने असम के कलियाबोर में रविवार को 6,957 करोड़ रुपये के काजीरंगा एलीवेटेड कॉरिडोर की नींव रखी।

PTI

डिब्रुगढ़ में भीड़ उमड़ी। पीएम मोदी ने अमृत भारत ट्रेन को दी हरी झंडी

काजीरंगा को सौगात

- **काजीरंगा कॉरिडोर:** 6,957 करोड़ की लागत से बनने वाला यह रास्ता जानवरों के लिए सुरक्षित गलियारा बनेगा।
- **ऐतिहासिक :** 35 किमी लंबा एलीवेटेड कॉरिडोर, वन्यजीवों को सड़क हादसों से बचाएगा।
- **बड़ी उपलब्धि:** 2025 में शिकार के कारण एक भी गैंडे की मौत नहीं हुई, जो एक बड़ी उपलब्धि है।
- **गैंडों** के शिकार पर लगाम और रेल बजट में बढ़ोतरी को पीएम ने उपलब्धि बताया।
- **रेल बजट में उछाल:** असम का रेल बजट 2,000 करोड़ से बढ़ाकर 10,000 करोड़ रुपये किया गया।

AIUDF से अलायंस नहीं: गौरव गोगोई

असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने रविवार को साफ कर दिया कि आने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी बदरुद्दीन अजमल की AIUDF के साथ कोई चुनावी समझौता नहीं करेगी। उन्होंने सीएम सरमा को राज्य का 'सबसे बेईमान' मुख्यमंत्री बताया। गोगोई ने आरोप लगाया कि सरमा ने अपनी पत्नी और बेटे के नाम पर बेहिसाब दौलत जमा की है। जैसे ही कांग्रेस सत्ता में आएगी, वह ऐसी तमाम संपत्तियों को जब्त कर लेगी। गौरव गोगोई ने अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय तरुण गोगोई का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस राज्य में फिर से शांति बहाल करेगी।

दिल्ली के आगे नहीं झुकेगा बंगाल: अभिषेक

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी (TMC) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने बंगाल की 'अस्मिता' और 'फंड' के मुद्दे पर बीजेपी को घेरा है। नादिया की रैली में उन्होंने कहा कि बंगाल का पैसा रोककर जनता को झुकाया नहीं जा सकता। अभिषेक ने दावा किया कि 2026 में बंगाल में टीएमसी की चौथी बार जीत होगी और यही जीत दिल्ली से बीजेपी की विदाई का रास्ता साफ करेगी। बनर्जी ने कहा कि बंगाल के लोग 'बाहरी और दिल्ली के जमींदारों' के सामने नहीं झुकेंगे। अभिषेक ने कहा कि तंज कसते हुए कहा कि पहले पीएम राज्य में अपनी रैलियों की शुरुआत 'जय श्री राम' से करते थे, अब वे 'जय मां काली' कहने लगे हैं।

अध्यक्ष के लिए नामांकन आज, BJP देगी कई संदेश

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

नितिन नवीन

■ **नई दिल्ली :** बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए आज नामांकन होगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित सभी सीनियर नेताओं के रहने की उम्मीद है। कई राज्यों से मुख्यमंत्री और सीनियर नेता भी दिल्ली पहुंच रहे हैं। इस नामांकन और चुनावी प्रक्रिया का नतीजा सबको लगभग पता है कि कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ही निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाएंगे। लेकिन तब भी बीजेपी यह पूरी प्रक्रिया करके कई संदेश देना चाहती है।

पार्टी में लोकतंत्र

बीजेपी इस प्रक्रिया के जरिए यह संदेश देना चाहती है कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है और पार्टी लोकतंत्र पर विश्वास रखती है। बीजेपी के एक नेता ने कहा कि भले ही अब तक भी अध्यक्ष निर्विरोध चुने जाते रहे हैं लेकिन यह साफ संदेश देता है कि पद किसी की मेहरबानी या किसी की पसंद नापसंद से नहीं मिलता बल्कि पार्टी के संविधान के तहत तय प्रक्रिया से ही मिलता है।

व्यक्ति से ऊपर संगठन

बीजेपी कहती रही है कि पार्टी में व्यक्ति बड़ा नहीं होता और किसी भी नेता से बड़ा संगठन है। इसलिए चुनावी प्रक्रिया को पूरा कर संगठन की मजबूती का संदेश भी देना चाहती है। निर्विरोध चुने जाने का मतलब है कि पार्टी में सभी एकमत हैं। बीजेपी नेता ने कहा कि इससे दिखता है कि पार्टी में एकजुटता है और अनुशासन है और सर्वसम्मति से फैसले लिए जाते हैं। साथ ही पूरी चुनावी प्रक्रिया के जरिए बीजेपी यह भी दिखाती है कि बीजेपी कैडर बेस्ड पार्टी है। इसलिए बूथ स्तर से चुनाव शुरू होता है और राष्ट्रीय स्तर तक पार्टी के संविधान के हिसाब से चुनावी प्रक्रिया का पालन होता है।

कोई हाईकमान नहीं

बीजेपी हमेशा ही कांग्रेस सहित दूसरी पार्टियों पर आरोप लगाती है कि वहां परिवारवाद है और परिवार से ही अध्यक्ष बनाया जाता है। बीजेपी इस चुनावी प्रक्रिया के जरिए यह भी दिखाना चाहती है कि पार्टी में एक तय सिस्टम से चुनाव होता है और जो भी क्राइटीरिया पूरा करता है वह पार्टी का अध्यक्ष हो सकता है। एक नेता ने कहा कि हमारी पार्टी में दूसरी पार्टियों की तरह हाईकमान की मर्जी से अध्यक्ष नहीं बनता।

तेजस्वी ने सीएम नीतीश को घेरा

■ **पीटीआई, पटना:** आरजेडी (RJD) नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को पटना में नीट (NEET) छात्रा की मौत और महिलाओं पर हो रहे कथित अत्याचारों को लेकर नीतीश सरकार को घेरा। आरोप लगाया कि राज्य की एनडीए सरकार इन घटनाओं को लेकर संवेदनहीन है और अपराधियों को बढ़ावा देरही है। उन्होंने सीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

...तो 10 साल में खत्म हो जाएगा जातिगत भेदभाव: मोहन भागवत

FILE

RSS प्रमुख मोहन भागवत

■ **पीटीआई, छत्रपति संभाजीनगर:** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा है कि अगर हम समाज से जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव को जड़ से खत्म करना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें अपने दिमाग से जाति की बात निकालनी होगी। शनिवार को आरएसएस के शताब्दी वर्ष के मौके पर आयोजित एक जन-संवाद कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि पुराने समय में जाति का सीधा संबंध इंसान के पेशे और उसके काम से होता था। लेकिन बाद में यह समाज में इतनी गहराई से पैठ गई कि इसकी वजह से ऊंच-नीच और भेदभाव शुरू हो गया। भागवत ने लोगों से अपील की कि वे इसे अपने मन से पूरी तरह निकाल दें।

उन्होंने कहा, अगर हम सब मिलकर ईमानदारी से ऐसा करें, तो अगले 10 से 12 साल के भीतर जातिगत भेदभाव समाज से पूरी तरह खत्म हो जाएगा। वहीं, भागवत ने कहा कि जब तक भारत धर्म के रास्ते पर चलेगा, वह विश्वगुरु बना रहेगा। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत को अपने पूर्वजों से एक समृद्ध आध्यात्मिक विरासत मिली है और हमें आज भी संतों-महापुरुषों से मार्गदर्शन मिल रहा है।

तमिलनाडु में पार्टी नेता बयानबाज़ी से बचें: कांग्रेस

FILE

■ **NBT रिपोर्ट, नईदिल्ली :** तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के भीतर गठबंधन को लेकर मंथन तेज हो गया है। राज्य कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को दिल्ली पहुंचकर केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात की और चुनावी रणनीति पर अपनी राय रखी।

बैठक के दौरान तमिलनाडु कांग्रेस के नेताओं में मतभेद भी सामने आए। एक धड़ा सत्तारूढ़ डीएमके के साथ मौजूदा गठबंधन को बनाए रखने और चुनाव के बाद सत्ता में हिस्सेदारी का स्पष्ट आश्वासन लेने की बात कर रहा है। वहीं, कुछ नेताओं ने डीएमके के बजाय अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के साथ संभावित गठबंधन का सुझाव दिया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस हाईकमान ने साफ कहा कि चाहे सीट बंटवारे का सवाल हो या गठबंधन के स्वरूप का, अंतिम फैसला केंद्रीय स्तर पर ही लिया जाएगा। इसके साथ ही राज्य नेताओं को यह भी निर्देश दिया गया कि गठबंधन को लेकर कोई भी सार्वजनिक बयान या अटकलें न लगाई जाएं। इस निर्देश को राजनीतिक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के भीतर यह संदेश गया है कि फिलहाल कांग्रेस डीएमके के साथ ही चुनावी मैदान में उतरने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

AAP विधायक ने छोडी कैबिनेट रैंक

■ **पीटीआई, चंडीगढ़:** पंजाब के बंगा से विधायक सुखविंदर कुमार सुखी ने रविवार को पंजाब स्टेट कंटेनर एंड वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन (Conware) के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके साथ ही उन्होंने अपना कैबिनेट रैंक भी छोड़ दिया है। सुखी ने कहा कि रसोखाना श्री नभ कंवल राजा साहिब गुरुद्वारे पर जो सवाल उठाए गए हैं, उससे उन्हें गहरी ठेस पहुंची है। सुखविंदर सुखी 2024 में शिरोमणि अकाली दल छोड़कर AAP में शामिल हुए थे। उनका इस्तीफा CM भगवंत मान के उस बयान के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें मान ने कहा था कि गुरुद्वारे से श्री गुरु ग्रंथ साहिब की 169 पवित्र प्रतियां (स्वरूप) मिली हैं। पंजाब पुलिस की एसआईटी (SIT) मामले की जांच कर रही है।

ET NOW पर दावोस डायरीज़, बजट यात्रा

■ **NBT रिपोर्ट :** देश का जाना-माना बिजनेस न्यूज चैनल ET NOW सोमवार से दुनिया के सबसे बड़े आर्थिक मंच, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की सालाना बैठक की हर छोटी-बड़ी खबर दिखाएगा। इसके विशेष प्रोग्राम दावोस डायरीज (Davos Diaries) के जरिए आपको स्विट्जरलैंड के दावोस से सीधी जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही ET NOW और ET NOW Swadesh पर 'बजट यात्रा 2026' भी जारी रहेगी। 5 से 25 जनवरी तक चलने वाली इस यात्रा में बड़े शहरों से दूर, देश के आम लोगों और छोटे कारोबारियों की बजट से जुड़ी उम्मीदों को दिखाया जा रहा है। बताया गया है कि दावोस डायरीज प्रोग्राम को ET NOW और ET NOW Swadesh पर KIA Seltos और Motorola के सहयोग से पेश किया जा रहा है।

मैने मुंबई में क्रिकेट खेलना शुरू किया था और फिर इस खेल को छोड़कर अमेरिका चला गया। क्रिकेट ने मुझे फिर से मुंबई में खेलने का मौका दिया है। टी20 वर्ल्ड कप में यहां पहुंचने के बाद मेरी कई पुरानी यादें ताजा हो जाएंगी। -सौरभ नेत्रवलकर, पेसर, अमेरिका

3113

रन बनाए हैं सचिन तेंडुलकर ने श्रीलंका के खिलाफ वनडे इंटरनैशनल में। यह किसी एक टीम के खिलाफ वनडे में सर्वाधिक रन बनाने का रेकॉर्ड है। दूसरे स्थान पर भी सचिन तेंडुलकर ही हैं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3077 वनडे रन बनाए हैं

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. किसी एक देश के खिलाफ सर्वाधिक वनडे इंटरनैशनल रन बनाने का रेकॉर्ड किस प्लेयर के नाम है?
A) विराट कोहली B) सचिन तेंडुलकर C) ब्रायन लारा D) रिकी पॉन्टिंग
2. अलेक्जेंडर ज्वेरेव किस देश के टेनिस प्लेयर हैं?
A) जर्मनी B) इंग्लैंड C) स्पेन D) इटली

कल के जवाब
1. D) केएल राहुल 2. B) ऑस्ट्रेलिया

लकी WINNER

1. संगीता पांडे, बेगमपुर, दिल्ली
2. नीलिमा सिंघल, गाजियाबाद, यूपी
3. भूमि, फरीदाबाद, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

न्यूजीलैंड ने इतिहास में पहली बार भारतीय धरती पर जीती वनडे इंटरनैशनल सीरीज़

टेस्ट के बाद अब तोड़ा वनडे का भी गुरूर

भारत Vs न्यूजीलैंड
वनडे सीरीज, तीसरा मैच

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** न्यूजीलैंड की टीम पिछली बार साल 2024 में जब भारत दौरे पर आई थी तब उसने घरेलू धरती पर टेस्ट फॉर्मेट में भारत के बरसों से चले आ रहे दबदबे को समाप्त किया था। अब वनडे फॉर्मेट में घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के गुरूर को तोड़ने का काम भी कीवी टीम ने ही किया। इंदौर में खेले गए सीरीज के तीसरे और निर्णायक मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टीम इंडिया को 41 रन से हराकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। साल 1989 में द्विपक्षीय वनडे इंटरनैशनल सीरीज के लिए भारत का दौरा कर रही कीवी टीम के लिए यहां पहली वनडे सीरीज जीत है। मार्च 2019 के बाद से भारत ने भी अपने घरेलू मैदान पर कोई द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं गंवाई थी, लेकिन यह अजेय क्रम रविवार को उस मैदान पर थमा, जहां भारत ने कभी कोई वनडे मुकाबला नहीं गंवाया था।

खूब लड़े विराट: न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (137 रन, 131 बॉल, 15 फोर, 3 सिक्स) के लगातार दूसरे शतक और ग्लेन फिलिप्स (106 रन) के तूफानी सैकड़े की बदौलत आठ विकेट पर 337 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ इससे पहले वनडे में कभी 320 प्लस का टारगेट हासिल नहीं किया था। पिछले रेकॉर्ड के लिहाज से भारत के लिए यह रन चेज आसान नहीं होने वाला था और जब उसने 13 ओवर्स में ही सिर्फ 71 रन पर चार बड़े विकेट गंवा दिए, तो लड़ाई एकतरफा लगने लगी। हालांकि, विराट कोहली (124 रन, 108 बॉल, 10 फोर, 3 सिक्स) ने एक छोर को संभाले रखा। बीच में नितीश रेड्डी (53 रन, 57 बॉल) ने विराट के साथ 88 रन की साझेदारी करके भारतीय फैंस की उम्मीदों को बनाए रखा। नितीश के आउट होने के बाद हर्षित राणा ने भी विराट का साथ निभाया। हर्षित ने 43 बॉल पर 52 रन बनाए (4 फोर, 4 सिक्स) और सातवें विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। इस बीच विराट ने 91 बॉल पर अपने वनडे इंटरनैशनल करियर का 54वां शतक पूरा किया। आठ विकेट गिरने के बाद उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट्स खेलने की कोशिश में विकेट गंवा दिया और भारतीय टीम का अभियान थम गया।

मिचेल, फिलिप्स ने बदला रुख: इससे पहले, भारतीय बोलर्स ने अच्छी शुरुआत की थी। पारी के पहले ही ओवर में अर्शदीप सिंह ने विकेट निकाल लिया था। न्यूजीलैंड ने पहले दो ओवर्स में पांच रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। भारत एक समय पूरी तरह हावी था और उसने मेहमान टीम के 58 रन पर तीन विकेट झटक लिए थे। शुरुआती झटकों के बाद मिचेल और फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंद में 219 रन की साझेदारी करके पारी की पूरी तस्वीर बदल दी। पूरी सीरीज में भारतीय बोलर्स की खबर लेने वाले मिचेल ने संयम और नियंत्रण के साथ पारी को संभाला जबकि फिलिप्स ने आक्रामक अंदाज में रन गति बढ़ाई। इससे सतर्क शुरुआत के बाद न्यूजीलैंड की पारी का रुख ही बदल गया।

प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज रहे डेरिल मिचेल

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

'बी' टीम ने दे दी शिकस्त

न्यूजीलैंड की यह जीत बेहद खास कही जाएगी क्योंकि यह एक तरह से उनकी 'बी' टीम थी, जिसमें कई स्टार प्लेयर शामिल नहीं थे। नियमित कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण सीरीज से बाहर थे, जबकि टॉम लैथम अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट गए थे। पूर्व कप्तान केन विलियमसन साउथ SA20 लीग में अपनी टी20 प्रतिबद्धताओं को निभा रहे थे। ओपनर रचिन रविंद्र और पेसर जैकब डफी को आराम दिया गया था। पिछली की चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टी20 सीरीज पर ध्यान दे रहे हैं। मौजूदा टीम के आठ खिलाड़ी पहली बार भारत आए थे।

स्कोरकार्ड

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे कॉ रोहित बो राणा 5, हेनरी निकोल्स बो अर्शदीप 0, विल यंग कॉ जाडेजा बो राणा 30, डेरिल मिचेल कॉ कुलदीप बो सिराज 137, ग्लेन फिलिप्स कॉ राहुल बो अर्शदीप 106, माइकल ब्रेसवेल नॉट आउट 28, मिचेल हे एलबीडब्ल्यू बो कुलदीप 2, जैक फॉक्स कॉ कुलदीप बो अर्शदीप 10, क्रिस्टियन क्लार्क बो राणा 11, काइल जेमीसन नॉट आउट 0 **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 50 ओवर्स में आठ विकेट पर 337 रन **विकेट:** 1-5, 2-5, 3-58, 4-277, 5-283, 6-286, 7-304, 8-327 **बोलिंग:** अर्शदीप 10-1-63-3, हर्षित राणा 10-0-84-3, मोहम्मद सिराज 10-0-43-1, नितीश रेड्डी 8-0-53-0, कुलदीप यादव 6-0-48-1, रविंद्र जाडेजा 6-0-41-0

भारत: रोहित शर्मा कॉ क्लार्क बो फॉक्स 11, शुभमन गिल बो जेमीसन 23, विराट कोहली कॉ मिचेल बो क्लार्क 124, श्रेयस अय्यर कॉ फॉक्स बो क्लार्क 3, केएल राहुल कॉ फिलिप्स बो लेनोक्स 1, नितीश रेड्डी कॉ यंग बो क्लार्क 53, रविंद्र जाडेजा कॉ यंग बो लेनोक्स 12, हर्षित राणा कॉ निकोल्स बो फॉक्स 52, मोहम्मद सिराज कॉ हे बो फॉक्स 0, कुलदीप यादव रन आउट 5, अर्शदीप सिंह नॉट आउट 4 **एक्स्ट्राज:** 8 **टोटल:** 46 ओवर्स में 296 रन **विकेट:** 1-28, 2-45, 3-68, 4-71, 5-159, 6-178, 7-277, 8-277, 9-292, 10-296 **बोलिंग:** काइल जेमीसन 9-0-58-1, जैक फॉक्स 9-0-77-3, क्रिस्टियन क्लार्क 9-0-54-3, जेडन लेनोक्स 10-0-42-2, डेरिल मिचेल 1-0-10-0, ग्लेन फिलिप्स 8-0-54-0

सौराष्ट्र को हराकर विदर्भ पहली बार बना चैंपियन

अथर्व ताइडे ने जड़ी लिस्ट-ए की तीसरी सेंचुरी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** विदर्भ ने सौराष्ट्र को खिताबी मुकाबले में 38 रन से हराकर पहली बार विजय हजारे ट्रॉफी जीत ली है। विदर्भ की जीत में उसके ओपनर अथर्व ताइडे (128 रन, 118 बॉल, 15 फोर, 3 सिक्स) की सेंचुरी का खास योगदान रहा। यश राठौड़ (54 रन) ने भी फिफ्टी बनाई और अथर्व के साथ दूसरे विकेट के लिए 133 रन की साझेदारी निभाई। विदर्भ को अथर्व और सीजन के हाईएस्ट स्कोरर अमन मोखाड़े ने शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 80 रन की साझेदारी की। रविकुमार समर्थ (25 रन) और हर्ष दुबे (17 रन) ने टीम को 50 ओवर्स में 8 विकेट पर 317 रन तक पहुंचाया। जवाब में सौराष्ट्र की टीम प्रेरक मांकड़ (88 रन) और चिराग जानी (64 रन) की फिफ्टी के बावजूद 48.5 ओवर्स में 279 रन पर सिमट गई। विदर्भ के पेसर यश ठाकुर ने 50 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट झटके।

विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26

ब्रीफ स्कोर
विदर्भ: 50 ओवर्स में 317/8 (अथर्व ताइडे 128, यश राठौड़ 54, अंकुर पवार 4/65)
सौराष्ट्र: 48.5 ओवर्स में 279 (प्रेरक मांकड़ 88, चिराग जानी 64, यश ठाकुर 4/50)

सबालेंका का उम्दा आगाज़, रेकॉर्ड बनाकर वीनस बाहर

■ **एपी, मेलबर्न:** विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्कारास और आरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, लेकिन सबसे उमरदराज खिलाड़ी का रेकॉर्ड बनाने वाली वीनस विलियम्स को जीत के करीब पहुंचने के बावजूद पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा। अल्कारास ने ऑस्ट्रेलिया के एडम वॉल्टन को 6-3, 7-6, 6-2 से हराकर मैच अपने नाम किया। सबालेंका ने पहले तीन गेम गंवा दिए। इसके बाद उन्होंने लय हासिल करके तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। दिग्गज खिलाड़ी रॉड लेवर और रोजर फेडरर भी इस मैच को देखने के लिए दर्शकों के बीच उपस्थित थे।

AO ऑस्ट्रेलियन ओपन

बढ़त बनाने के बाद हारीं: तीसरे सेट में 4-0 से आगे होने के बावजूद वीनस को तीन सेट तक चले मैच में ओल्गा डैनिलोविच से 7-6, 3-6, 4-6 से पराजय झेलनी पड़ी। वीनस ने सबसे उमरदराज खिलाड़ी बनने के रेकॉर्ड के मामले में जापान की किमिको दाते (44 साल) को पीछे छोड़ा। वहीं, जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कनाडा के 24 वर्षीय खिलाड़ी गैब्रियल डियालो को 6-7, 6-1, 6-4, 6-2 से मात दी।

ब्रिटेन की एमा राडुकानू ने पहले राउंड में आसान जीत दर्ज की

45 वर्ष की वीनस विलियम्स ग्रैंडस्लैम टेनिस में विमिंस सिंगल्स का मैच खेलने वाली सबसे उमरदराज खिलाड़ी बन गई हैं

अंडर आर्म सर्विस!
कोरेंटिन माउटेट ने टूर्नामेंट के पहले दिन मैच पॉइंट पर अंडरआर्म सर्विस करके लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। दर्शकों ने उनकी हूटिंग भी की, लेकिन 32वीं वरीयता प्राप्त माउटेट विचलित नहीं हुए। फ्रांस के इस खिलाड़ी ने बाद में कहा कि उन्होंने ट्रिस्टन स्कूलकेट पर 6-4, 7-6, 6-3 की जीत हासिल करने के लिए जो करना था, वह किया।

अर्जुन ने प्रग्गनानंदा को दी मात, गुकेश का मैच ड्रॉ

■ **एजेंसियां, विज्क आन जी (नीदरलैंड्स):** शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रग्गनानंदा को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स चेस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, जबकि वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश ने पहले राउंड में उज्बेकिस्तान के वर्ल्ड कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला। प्रग्गनानंदा ने शुरू में ही एक गलती कर दी, जिससे उनका किंग बीच में फंस गया। अर्जुन ने फायदा उठाते हुए बाजी 32 चाल में जीत ली।

टाटा स्टील मास्टर्स चेस

ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी

तीन मिनट में तीन गोल, टाइगर्स जीते

■ **एजेंसियां, भुवनेश्वर:** श्राची बंगाल टाइगर्स ने मेंस हॉकी इंडिया लीग के पूल स्टेज के अपने आखिरी मैच में दो गोल से पिछड़ने के बाद जबर्दस्त वापसी करते हुए एसजी पाइपर्स को 3-2 से हराया। इस रोमांचक मैच में पाइपर्स के लिए दिलराज सिंह और थॉमस डोमेन ने गोल किए। इसके बाद मैच के 45वें मिनट में जुगराज सिंह और अभिषेक ने गोल किए और 48वें मिनट पर अक्सान सूकुर ने विजयी गोल दागा। वहीं, वेदांता कलिंगा लांसर्स ने अपना मैच शूटआउट में जीता।

हॉकी इंडिया लीग (HIL)

आन और लिन को खिताब

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** चीनी ताइपे के लिन चुन यी और साउथ कोरिया की आन से यंग ने रविवार को इंडिया ओपन बैडमिंटन सुपर-750 टूर्नामेंट में क्रमशः मेंस और विमिंस सिंगल्स का खिताब अपने नाम किया। मेंस सिंगल्स में लिन ने फाइनल में जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से मात दी। विमिंस सिंगल्स में मौजूदा चैंपियन यंग ने चीन की वांग झियी को 21-13, 21-11 से पराजित कर सीजन का अपना दूसरा खिताब जीता।

शटल कॉर्नर

साउथ कोरिया की आन से यंग

टाइम क्लॉक पर राय बंटी: वर्ल्ड बैडमिंटन फेडरेशन इंडोनेशिया मास्टर्स में 25 सेकंड 'टाइम क्लॉक' का ट्रायल जारी रखेगा। कुछ प्लेयर्स इसे सकारात्मक मान रहे हैं, जबकि मानते हैं कि रेस्ट के लिए यह समय कम है।

फटाफट खबरें

मनु, सम्राट भी उतरेंगे

■ **नई दिल्ली:** भारतीय घरेलू शूटिंग सीजन सोमवार से शुरू होगा। दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में 19 से 25 जनवरी तक नैशनल सिलेक्शन ट्रायल्स होंगे। इसमें देश के टॉप राइफल और पिस्टल शूटर शामिल होंगे। इनमें अनीश भानवाला, सम्राट राणा, मनु भाकर, स्वप्निल कुसाले, सरबजोत सिंह, ईशा सिंह शामिल हैं।

चैलेंजर्स-जायंट्स मैच

■ **वडोदरा:** अब तक अपने चारों मैच जीत कर उत्साह से भरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम गुजरात जायंट्स के खिलाफ सोमवार को विमिंस प्रीमियर लीग के मुकाबले में अपना विजय अभियान जारी रखने के लिए मैदान पर उतरेगी।

पाकिस्तानी मूल के प्लेयर्स को मिला वीजा

■ **पीटीआई, नई दिल्ली:** इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल ने भारत में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों की वीजा प्रक्रिया आसान करने के कदम उठाए हैं। टूर्नामेंट में भाग ले रही टीमों से जुड़े कुल 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों को इसका लाभ मिलेगा। इंग्लैंड के आदिल रशिद, रेहान अहमद और साकिब महमूद के वीजा पहले ही मंजूर हो चुके हैं। नीदरलैंड्स टीम और कनाडा सपोर्ट स्टाफ के शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल गया है। अन्य टीमों के लिए प्रक्रिया जारी है।

टी20 वर्ल्ड कप अपडेट

पहली कोशिश में ही चैंपियन बन गए संजीवनी, कार्तिक

Bhavin.Pandya@timesofindia.com

■ **मुंबई:** मुंबई का मौसम संडे को भले ही रनिंग के अनुकूल रहा हो, लेकिन कोस्टल रोड, बांद्रा-वर्ली सी लिंक और पेडर रोड फ्लाई ओवर के चढ़ाव-ढलान ने धावकों की कड़ी परीक्षा ली। इनक्लाइन से भरे इन हिस्सों ने रेस को तकनीकी रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। पिछले साल की तुलना में रूट और मुश्किल होने के कारण इस बार कोई भी धावक कोर्स रेकॉर्ड नहीं बना सका। एक रोचक बात यह जरूर रही कि एलीट भारतीय रनर्स कैटिगरी में पुरुषों के चैंपियन डॉक्टर कार्तिक करकेरा और महिलाओं वर्ग की चैंपियन संजीवनी जाधव ने करियर में पहली बार 42 किलोमीटर की फुल मैराथन दौड़ी। कार्तिक ने पिछले साल मुंबई मैराथन की 21 किलोमीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल किया था। संजीवनी ने निरमा बेन ठाकोर को 11 सेकंड के अंतर से पीछे छोड़ा, जो 2024 और 2025 में मुंबई मैराथन की एलीट इंडियन रनर्स कैटिगरी में चैंपियन रही थीं।

मुंबई मैराथन

डॉक्टर कार्तिक करकेरा

संजीवनी जाधव

Photos: Kaushik Naik

ताडू, येशी जीते: पुरुषों में ओवरऑल विनर इथियोपिया के ताडू अबाते (2:09:55) रहे, जबकि महिलाओं में ओवरऑल विनर इथियोपिया की येशी चेकोले (2:25:13) रहीं। येशी ने पहली बार किसी बड़ी मैराथन रेस में जीत हासिल की।

मुंबई मैराथन के विनर्स
एलीट फुल मैराथन (मेंस) ताडू अबाते 2:09:55
एलीट फुल मैराथन (इंडियन मेंस) कार्तिक करकेरा 2:19:55
एलीट फुल मैराथन (विमिंस) येशी चेकोले 2:25:13
एलीट फुल मैराथन (इंडियन विमिंस) संजीवनी जाधव 2:49:02
हाफ मैराथन (मेंस) गौरव माथुर 1:07:18
हाफ मैराथन (विमिंस) रीनू 1:18:02

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज का दिन आप कोई विशेष व्यवस्था करने में बिताएंगे। आपको धन लाभ के अवसर भी दिनभर प्राप्त होंगे। बिजनेस के मामले में आज के दिन कुछ बदलाव किए जा सकते हैं। सावधानी के साथ आज के दिन आप वही काम करने की चेष्टा करें, जिससे आपका आत्मसम्मान बढ़े।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आपकी राशि का स्वामी शुक्र मकर राशि में संचार कर रहा है। शुक्र संपूर्ण शुभ दृष्टि से कर्क राशि को देख रहा है। आज के दिन राज्य-मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा संतान पक्ष से भी शुभ समाचार मिलेगा। आज के दिन किसी भी संपत्ति को खरीदने से पहले उसके सभी पहलुओं पर अच्छे से विचार कर लें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
आपकी राशि का स्वामी बुध अष्टम शत्रु चिह्न स्थान केतु, आयु भाव में सूर्य से अस्त एवं विकल है। इसके फलस्वरूप आज का आपका दिन भागदौड़ और विशेष चिंता में व्यतीत होगा। परिवार में किसी सदस्य के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। आज के दिन कोई पुराना मित्र अतिथि बनकर आ सकता है।

CANCER 22 Jun - 22 July
कर्क राशि चंद्रमा की राशि है। आज राशि से सप्तम चंद्रमा उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है, जिसमें कुछ खर्चा भी संभव है। संतान पक्ष से हर्षवर्धक समाचार व परिवार में आमोद-प्रमोद का वातावरण रहेगा। आज का दिन शुभ है, हो सके तो घर-परिवार में सुख-शांति का आनंद उठाएं।

LEO 23 July - 22 Aug
राशि का स्वामी सूर्य मकर राशि का होकर षष्ठम प्रभुत्व शत्रु भाव में भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। बुध का साथ होने से कार्यक्षेत्र में स्थान परिवर्तन आपके लिए आज मोद सिद्ध होगा। व्यापार में अपने सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और मधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आएंगे। आपको अपनी क्षमतानुसार सभी की मदद करनी है। हो सकता है यही लोग आगे चलकर आपके काम आएं। नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में चुप रहना ही आज लाभकारक होगा। किसी भी व्यक्ति से आज बहसबाजी में बिल्कुल न उलझें।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज का आपका दिन आनंद में बीतेगा। किसी करीबी के लिए पैसे जुगाड़ने पड़ सकते हैं। आपकी दूसरों की सहायता कर संतोष प्राप्त होता है, इसलिए आज भी आपका मन प्रसन्न रहेगा। निवेश के मामले में हो सके तो आज थोड़ा सावधान रहें और जोखिम बिल्कुल भी न उठाएं। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक से कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
राशि का स्वामी मंगल तृतीय पराक्रम भाव में व चंद्रमा तृतीय घर में विजय विभूति कारक है। आज का दिन बिगड़े काम को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आज आपके लिए भविष्य में आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आपकी मौज-मस्ती के दिन आने वाले हैं।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आर्थिक दृष्टि से देखें तो आज का आपका दिन शुभ है। आपको दिन भर धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। आप अपने कर्त्तव्यों पर ही अपनी समस्याओं का सुलझाने का प्रयास करेंगे, तभी कोई स्थायी समाधान मिलेगा। माता-पिता का भी ध्यान रखें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज दिन के पहले हिस्से में आप अधिक व्यस्त रहेंगे। बेहतर होगा कि आप जरूरी कामों को पहले निपटा लें। दोपहर बाद भी कई काम एक साथ हाथ में आने से व्यस्तता बढ़ जाएगी। सायंकाल के समय कहीं बाहर घूमने का मन बनाया जा सकता है। आज के दिन की गई यात्रा सफल होगी।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
आज आपकी राशि का स्वामी शनि द्वितीय भाव में आपके भाग्य की वृद्धि करेगा। संतान पक्ष से भी हर्षवर्धक समाचार मिलेगा, जिससे समाज में आपके सम्मान की वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में आपकी तरक्की से विरोधियों का मनोबल गिरेगा। भविष्य के किसी प्रोजेक्ट पर अभी से काम किया जा सकता है।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आपकी राशि का स्वामी बृहस्पति कर्क राशि का होकर पंचम स्थान भाव में चल रहा है। आज के दिन आपको विशेष सफलता मिलेगी। धार्मिक स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। आज विशेष कार्यों में फैसले लेते समय आपकी राय भी ली जाएगी। धार्मिक कार्यों में रुचि व निकट की यात्रा संभव है। रात्रि का कुछ समय आज अपने परिवार के साथ बिताए तो अच्छा रहेगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(19 जनवरी - 25 जनवरी 2026)

आचार्य नंदिता पांडे

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आपके प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। इस सप्ताह से आपकी कार्यशैली में भी काफी बदलाव रहेगा एवं कोई नया प्रोजेक्ट आपको अपनी तरफ आकर्षित करेगा। इस सप्ताह धन वृद्धि के शुभ संयोग बन रहे हैं एवं निवेशों द्वारा धन लाभ की प्रबल स्थितियां रहेंगी। इस सप्ताह लव लाइफ में भी खुशियां दस्तक देंगी। सप्ताह के उत्तरार्ध का भी समय अनुकूल रहेगा

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं जीवन में सफलता के मार्ग प्रशस्त होंगे। इस सप्ताह आप अपने प्रोजेक्ट की सफलता से प्रसन्न रहेंगे एवं रिलैक्स महसूस करेंगे। इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में भी खुशियां दस्तक दे रही हैं एवं आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा। इस सप्ताह आर्थिक मामलों की तरफ आपको ध्यान देना चाहिए। सप्ताह के अंत में भावनात्मक कारणों की वजह से समय प्रतिकूल रहेगा।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह आपका मन प्रसन्न रहेगा और नए विचार भी आपके दिमाग में आएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ में सुख-समृद्धि के योग बन रहे हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ कहीं बाहर घूमने-फिरने का मन भी बना सकते हैं। इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में किसी प्रोजेक्ट से दूरी स्थापित हो सकती है। सप्ताह के उत्तरार्ध में अपनी सोच पर अडिग रहेंगे तो अधिक उन्नति करेंगे।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
कार्यक्षेत्र में किसी नए प्रोजेक्ट द्वारा सफलता हासिल होगी एवं सुख समृद्धि के संयोग भी बनेंगे। आर्थिक मामलों में भी सफलता हासिल होगी एवं आय के नए स्रोत खुलते जाएंगे। इस सप्ताह बिजनेस ट्रिप्स द्वारा भी सफलता हासिल होगी एवं धन लाभ के शुभ संयोग बनते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम में वृद्धि होगी एवं लव लाइफ रोमांटिक रहेगी। सप्ताहांत में किसी समाचार को प्राप्त कर मन दुखी हो सकता है।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
इस सप्ताह आपके प्रेम संबंध में खुशियां दस्तक दे रही हैं एवं मन प्रसन्न रहेगा। यह सप्ताह कार्यक्षेत्र के लिए भी शुभ सप्ताह है एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। हो सकता है कि आपकी अपेक्षाओं से कमतर हो लेकिन फिर भी सफलता अवश्य मिलेगी। आर्थिक मामलों में लाभ होगा। सप्ताहांत में आप अपने व्यवहार से बहुत कुछ हासिल करने में सक्षम रहेंगे।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं आप अपनी लव लाइफ में प्रसन्न रहेंगे। जीवन में सुख समृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे एवं उन्नति के द्वार खुलेंगे। आर्थिक मामलों में सोच-समझ कर फैसले लेंगे तो बेहतर होगा। प्रेम संबंधों में सुधार संभव है।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में आपकी उन्नति होगी एवं समय अनुकूल होता जाएगा। प्रेम संबंध में आपसी समझ काफी बेहतर होगी एवं लव लाइफ में सुखद अनुभव रहेंगे। इस सप्ताह आर्थिक मामलों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, अन्यथा आपकी लापरवाही की वजह से व्यय अधिक हो सकते हैं। सप्ताहांत में मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
इस सप्ताह प्रेम संबंध में समय अनुकूल रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से आपका समय उत्तम है एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां भी बन रही हैं। इस सप्ताह आपका आकर्षण किसी निवेश की तरफ बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में भी धीरे-धीरे उन्नति होगी।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्यक्षेत्र में सप्ताह की शुरुआत में सुखद समाचार मिल सकता है एवं प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में एक बैलेंस बना कर रखेंगे तो आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बनती जाएंगी एवं इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। सप्ताहांत में किसी भी बात को लेकर मन चिंतित रहेगा।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष मंगल वर्ष का स्वामी है। चंद्रमा सप्तम भाव में होने से आपके विशेष परिश्रम को उजागर करेगा। बौद्धिक प्रवासी में भी अप्रत्याशित सफलता का हर्ष होगा। कुछ जातकों को जनवरी-फरवरी में अनियोजित तरीके से धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। मार्च-अप्रैल में मंगल ग्रह आपके कर्म क्षेत्र में हावी रहेगा। यह समय मई से। जून तक रहेगा। जुलाई से अगस्त तक का समय नए व्यापारिक कार्य करने के लिए श्रेष्ठ है। सितंबर के उपरांत अधिकांश जातकों का भाग्योदय अपने पुरुषार्थ एवं बुद्धिबल से होगा। अक्टूबर से नवंबर आठ तक बड़ी मात्रा में धन प्राप्ति के योग हैं। विद्यार्थियों के लिए वर्ष उत्साहजनक होगा। महिलाओं के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध दाम्पत्य जीवन सुखी व समृद्धिकारक विशेष रूप से रहेगा। दिसंबर में हनुमान जी पर प्रत्येक शनिवार को चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर चढ़ाना शुभ रहेगा। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 20 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति पौष 30, शक संवत 1947, माघ शुक्ल, द्वितीया, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 7, रजब 30, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 20 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल दोपहर 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। द्वितीया तिथि अर्धरात्रोत्तर 4 बजकर 4 मिनट तक। श्रवण नक्षत्र मध्याह्न 1 बजकर 3 मिनट तक। चंद्रमा अर्धरात्रोत्तर 1 बजकर 35 मिनट तक मकर उपरांत कुंभ राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार श्री वल्लभ जयंती, गुप्त नवरात्रारंभ।

सुडोकू

9				8			2	5
1		5	9			8		
	4						7	
			7		3		4	
2				6				7
	9		4		1			
	1						3	
		9			8	7		6
3	6			4				1

TELEVISION

09:00 बबलू डबलू
10:00 बद्दपु बहुरानी
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 चक्रधारी अजय कृष्ण
13:30 भ से भाई
14:30 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीरा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH13 User: cci Time: 01-18-2026 22:52 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, JANUARY 19, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

अनिल कपूर जल्द ही चार दशक बाद तेलुगू सिनेमा में वापसी करेंगे

जो चीज आप से नहीं होती उसे स्वीकार करें: अमिताभ

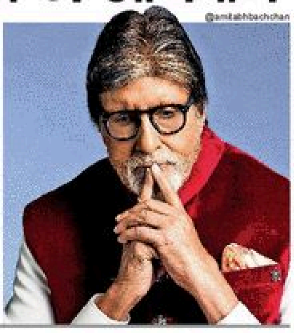
@amitabhbachchan

अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने ब्लॉग में बढ़ती उम्र से जुड़ी समस्याओं और उनके हल पर बात की। उन्होंने कहा कि जो चीज आप से नहीं होती उसे स्वीकार करना सीखें।

बिग बी ने लिखा, 'कई बार पछतावा होता है कि जो चीजें आज सीखनी पड़ रही हैं, काश वे बहुत पहले सीख ली होतीं। हालांकि यह पछतावा और बढ़ जाता है, क्योंकि आज जिन चीजों को सीखने की कोशिश की जा रही है, वे पहले मौजूद ही नहीं थीं। उम्र बढ़ने के साथ सीखने की इच्छा, मेहनत और ऊर्जा भी कम होते रहती है और यही सच्चाई मुझे बार-बार सोचने पर मजबूर करती है।'

उन्होंने यह भी कहा कि इंसान के लिए सच्चाई को अपनाना ही समझदारी होती है। उन्होंने लिखा, 'अगर किसी व्यक्ति को कोई काम खुद नहीं आता है या उससे नहीं होता है तो इसे स्वीकार करना ही समझदारी है। उसे स्वीकार करें, एक्सपर्ट को हायर करके काम को पूरा करवाएं।'

@bhumisatishpednekkar

भूमि ने बिना दवा के घटाया अपना वजन

भूमि ने 40 किलो से ज्यादा वजन घटाया था

इंडस्ट्री में बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर भूमि पेडनेकर की हमेशा तारीफ हुई है। हालांकि इसके बावजूद कुछ लोगों का मानना यह रहा है कि भूमि ने वजन घटाने के लिए दवाओं का सहारा लिया है। अब भूमि ने इन चर्चाओं पर अपना जवाब दिया है। भूमि ने कहा है कि उन्होंने अपना वजन बिना किसी दवा या इंजेक्शन के घटाया है। एक बातचीत में जब भूमि से पूछा गया कि क्या उन्होंने अपने वेट लॉस जर्नी में दवा का सहारा लिया है, तो उन्होंने कहा, 'सच्चाई यह है कि मैंने 40 किलो से ज्यादा वजन बिना किसी इंजेक्शन के घटाया है।' इसके साथ ही भूमि ने यह भी कहा कि उनका यह बदलाव लगभग 10 सालों की मेहनत, सही खान-पान और अनुशासन का नतीजा है।

'असफलताएं ही आपको बनाती हैं मज़बूत'

@theshilpashetty
शिल्पा शेट्टी

संदास जावेद

शिल्पा शेट्टी ने एक कार्यक्रम में अपने 30 साल के फिल्मी सफर पर बात की है। उन्होंने कहा है कि जब वह इंडस्ट्री में न्यूकमर थीं तो शुरुआत में उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, 'मैं जब इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरी उम्र लगभग 17 साल थी। मैं कुछ भी नहीं जानती थी।' बिना भाषा की जानकारी के फिल्मों में आने पर वह कहती हैं, 'मैं किस्मत में विश्वास करती हूं। शायद मुझे ऐक्टर ही बनना था। किसी ने मुझे देखा, मेरी पहली फिल्म हिट हो गई, लेकिन सफलता के साथ रिजेक्शन भी मिला।' बकौल शिल्पा, 'जल्दी सफलता मिलने पर लगता है कि सब आसान रहेगा, लेकिन असल में आपको मजबूत बनाने का काम असफलताएं या फिर रिजेक्शन्स करते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद को बार-बार नया बनाए रखना, रिलेवेंट बने रहना और खुद से सीखना था। मुझे गर्व है कि 30 साल बाद भी मैं यहां बैठकर कह सकती हूं कि मैंने सब अपने तरीके से किया।'

'आस्था और विश्वास हैं अहम'

इस बातचीत में शिल्पा ने मेंटल हेल्थ को फिजिकल हेल्थ से भी ज्यादा अहम बताया। उन्होंने कहा, 'मानसिक स्वास्थ्य, शारीरिक स्वास्थ्य से भी ज्यादा जरूरी है। असल वेलनेस आपकी फिटनेस और डाइट तक सीमित नहीं है। हम इतनी तेज जिंदगी जी रहे हैं कि माइंडफुल ब्रीदिंग और माइंडफुल लिविंग भी आवश्यक हो गई है।' शिल्पा का कहना है कि आस्था और विश्वास ही उनके मार्गदर्शन की ताकत है। उन्होंने कहा, 'अगर आप बाहर मुश्किलों का सामना कर रहे हैं लेकिन अंदर से संतुलित हैं तो आपको शांति महसूस होती है। मेरे लिए सेहत के तीन आधार फिजिकल, इमोशनल और स्प्रिचुअल हैं। तीनों में संतुलन जरूरी है और इन्हें जोड़ने का काम आस्था करती है।'

> आपको मजबूत बनाने का काम असफलताएं या फिर रिजेक्शन्स करते हैं। मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती खुद को बार-बार नया बनाए रखना, रिलेवेंट बने रहना और खुद से सीखना था। मुझे अपने 30 साल के सफ़र पर गर्व है

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

लेखक मंच में 'प्रकृति पथ-नंदा पथ' का लोकार्पण

नंदा देवी राजजात 2026 पर परिचर्चा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: विश्व पुस्तक मेले में शनिवार को हॉल नंबर दो-तीन में डॉ सर्वेश उनियाल और हरीश भट्ट की ट्रैवलर्स हैंडबुक 'प्रकृति पथ-नंदा पथ' का लोकार्पण किया गया और नंदा देवी राजजात 2026 पर परिचर्चा की गई। लोकार्पण हंसराज कॉलेज की प्राचार्य प्रो. रमा, उत्तर प्रदेश प्रशासनिक अकादमी के पूर्व उप निदेशक निशीथ कुमार, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र के निदेशक गणेश खुगशाल 'गणी', शिक्षाविद व गढ़वाल हितैषिणी सभा, दिल्ली के महासचिव पवन कुमार मैठाणी और महाराष्ट्र से आए हिमालयन ट्रैवलर रामचंद्र बाबूराव जाधव की ओर से किया गया।

मकर संक्रांति पर परंपरा, सेवा और एकता का अद्‌भुत नज़ारा

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर दिल्ली के चिल्ला गांव में आज भी दान-दक्षिणा और विशाल भंडारे की वर्षों पुरानी परंपरा श्रद्धा और उल्लास के साथ निभाई गई। इस अवसर पर पूरे गांव ने सामूहिक रूप से भागीदारी करते हुए सेवा और सहयोग की मिसाल पेश की।

गुर्जर समाज से जुड़े विरेंद्र डेढ़ा ने बताया कि मकर संक्रांति का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। यह पर्व उस दिन मनाया जाता है, जब पौष मास में सूर्य धनु राशि को छोड़कर मकर राशि में प्रवेश करता है। इस दिन से सूर्य की उत्तर दिशा की ओर गति शुरू होती है, जिसे उत्तरायण कहा जाता है। देश के अलग-अलग हिस्सों में

मकर संक्रांति की सुबह आस्था और सामूहिक सहयोग का सुंदर संगम देखने को मिला। हवन संपन्न हुआ, जिसके बाद कन्याओं को प्रसाद खिलाया गया।

यह पर्व विभिन्न नामों और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। तमिलनाडु में इसे पोंगल, जबकि कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश में संक्रांति के रूप में जाना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस दिन दान करना शुभ माना जाता है।

उन्होंने बताया कि इसी परंपरा को जीवंत रखते हुए चिल्ला गांव में मकर संक्रांति के मौके पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ग्रामवासियों ने दूध, चावल और अन्य खाद्य सामग्री का दान कर भंडारे में सहयोग किया। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, वर्षों पहले बाबा महकूलाल नामक संत चिल्ला गांव के प्राचीन मंदिर में आए थे।

उन्हीं के मार्गदर्शन में मकर संक्रांति के दिन भंडारा करने की परंपरा शुरू हुई, जो आज भी निरंतर जारी है। भंडारे से पूर्व मंदिर परिसर में 24 घंटे तक सीताराम का पाठ किया गया।

> दिल्ली के चिल्ला गांव में भव्य उत्सव के दौरान दिखी श्रद्धा की विरासत

मकर संक्रांति की सुबह हवन संपन्न हुआ, जिसके बाद कन्याओं को प्रसाद खिलाया गया। इसके पश्चात खीर, पूरी और सब्जी के प्रसाद के साथ पूरे दिन भंडारा चलता रहा। इस वर्ष भी चिल्ला गांव में मकर संक्रांति का पर्व एक धार्मिक आयोजन से आगे बढ़कर सामाजिक एकता और सेवा भाव के उत्सव के रूप में मनाया गया, जहां परंपरा, आस्था और सामूहिक सहयोग का सुंदर संगम देखने को मिला।

तुस तुसारी जनम कियारी मण्डप पुजू, पुजू रे माघ तुसारी

Roushan.Jha@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: मकर संक्रांति के दिन से अगली संक्रांति तक मिथिला में कुंआरी कन्याएं तुसारी पूजती हैं। यह पूजा कुंआरी कन्याओं से उनके माता-पिता तब करवाना शुरू करते हैं, जब अगले दो-चार साल में उनकी शादी करने का मन बना लेते हैं। एक बार शुरू करने के बाद यह पूजा लगातार हर साल तब तक करनी होती है, जब तक उनकी शादी न हो जाए। इस व्रत का समापन लड़की की शादी के बाद करने का नियम है।

> मकर संक्रांति के दिन मिथिला में कुंआरी कन्याएं शुरू करती हैं तुसारी पूजा

मिथिला संस्कार की जानकार कल्पना झा बताती हैं कि पूरे माघ मास सुबह पौ फटने से पहले पूजा करनी पड़ती है। चूंकि ठंड का मौसम रहता है, शायद इसलिए इतनी छूट रहती है कि स्नान करके यह पूजा करने की विवशता नहीं रहती। बस अंतिम दिन, मतलब फाल्गुन संक्रांति के दिन, स्नान कर नए वस्त्र धारण कर पूजा करनी होती है। अंतिम दिन सूर्योदय के

गौरी पूजा करने का विधान है

बाद यह पूजा होती है। अंतिम दिन की पूजा थोड़ा बड़ी (या विस्तृत) होती है। पूरे आंगन में अरिपन बनाया जाता है। पूजा के दौरान चौड़ा मिट्टी के बर्तन (कोहा) में चूड़ा, पुआ इत्यादि भरकर आंगन में रखा जाता है, जो सुहागनों में बांट दिया जाता है।

पूरे महीने बस तीन रंग (सफेद, पीला, गुलाबी) के सूखे पिठार (पिसे हुए चावल) से तीन दिशाओं (पूर्व, उत्तर

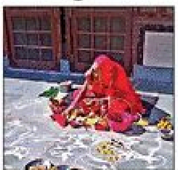
पूरे आंगन में अरिपन बनाया जाता है

और दक्षिण) में अरिपन बनाकर बेलपत्र के टुकड़े रखकर, गौरी पूजा करने का विधान है। सूर्य, चंद्रमा और नवग्रह भी बनाने का नियम है। पूजा के दौरान कन्या को तलवे के नीचे सौन (जूट/पटुआ) की बनी गेरुली (रिंग टाइप) रखनी होती है। तीनों दिशाओं में घूमते हुए, हर बार पैर के नीचे उस गेरुली को रखना होता है। तीनों दिशाओं में गौरी पूजने के लिए अलग-अलग मंत्र हैं। पूर्व दिशा के लिए मंत्र है- 'तुस तुसारी जनम कियारी/मण्डप पुजू, पुजू रे माघ तुसारी/माए गौरी बाप महादेव/हुनकर बेटी हम रानी/आंचर तर सं पांच ब्राह्मणक पर बेन परसब/गौरी नमोस्तुते नमोस्तुते नमोस्तुते।' इसी तरह उत्तर और दक्षिण दिशा के लिए भी मंत्र है।

जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए पहल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: हिमाचल प्रदेश की अग्रणी सामाजिक संस्था ज्वालामुखी विकास सभा ने 'नर सेवा नारायण सेवा' को चरितार्थ करते हुए एक पहल की है। संस्था की टीम ने भीषण ठंड के बीच दिल्ली की सड़कों पर रात, मध्य रात्रि और तड़के सुबह अभियान चलाकर जरूरतमंद लोगों को कंबल और गर्म कपड़े वितरित किए।

> अभियान चलाकर कंबल और गर्म कपड़े बांटे

इस दौरान ज्वालामुखी विकास सभा के अध्यक्ष अमर चंद कमल, उप प्रधान प्यार सिंह, कोषाध्यक्ष रमेश कौंडल, संयुक्त सचिव कुलदीप डोगरा और महासचिव राकेश चंद्र उपस्थित रहे। साथ ही, टीम का उत्साह बढ़ाने के लिए प्रचार सचिव रविंद्र भारद्वाज, कार्यकारिणी सदस्य दिनेश भारद्वाज, समाजसेवी प्रीतम चंद, हिमाचल पालमपुर सुधार सभा के अध्यक्ष विनय डोगरा और समाजसेवी राजेंद्र ठाकुर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

'कहीं भी रहें, जड़ों से जुड़े रहें'

पहाड़ के विकास पर महामंथन, परंपराओं से जुड़े रहने की अपील

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:

उत्तराखंड के विकास, संभावनाओं और प्रेरणादायक पहल पर चर्चा के लिए शनिवार को कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के मावलंकर सभागार में 'रैबार-7' का आयोजन किया गया। आयोजन 'हिलमेल' पत्रिका ने किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल थे। विशिष्ट अतिथियों में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल डीजी असम राइफल्स विकास लखेड़ा, हरिद्वार लोकसभा सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, पौड़ी गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी और कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत थे।

लेफ्टिनेंट जनरल एपी सिंह, ब्रिगेडियर विनोद नेगी, शालिनी रावत, कैबिनेट मंत्री उत्तराखंड सरकार सुबोध उनियाल, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल एवं डीजी

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब के मावलंकर सभागार में 'रैबार-7' का आयोजन

इंडियन स्पेस एसोसिएशन अनिल भट्ट, अतिरिक्त सचिव विदेश मंत्रालय आईएफएस आलोक अमिताभ डिमरी भी उपस्थित थे। जागर सम्राट पद्मश्री प्रीतम भरतवाण ने जागर गायन और ढोल वादन भी किया। हिलमेल प्रतिष्ठान की चेयरपर्सन चेतना नेगी व मनजीत नेगी भी उपस्थित थे। पौड़ी गढ़वाल से सांसद अनिल बलूनी ने कहा कि उत्तराखंड के पर्वतीय अंचल में दस से पंद्रह प्रतिशत

वोट कम हो रहे हैं। इससे राजनीतिक प्रतिनिधित्व कम होगा। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि वे रैबार-7 श्रृंखला में हुई चर्चाओं और सुझावों को राज्य सरकार को जरूर भेजें। हमें सीमांत क्षेत्र में सुरक्षा और पर्यावरण पर ध्यान देना होगा। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि हम विदेश में प्रवासी जनों को अंचल के रीति-रिवाज मनाते देखता हूं। हम कहीं भी रहें, अपनी जड़ों से जुड़े रहें।

परिषद ने पेश किया सालाना लेखा-जोखा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली में उत्तराखंडियों की 49 वर्ष पुरानी संस्था टिहरी उत्तरकाशी जन विकास परिषद की 11 जनवरी को दिल्ली के गढ़वाल भवन में आम सभा की बैठक हुई। महासचिव निर्मल सिंह धनोला की ओर से लिखित में एक साल के कार्यों का विस्तृत विवरण और कोषाध्यक्ष/उपकोषाध्यक्ष की ओर से आय-व्यय का लिखित ब्योरा दिया गया। बैठक में महादेव प्रसाद बलूनी, लाखीराम डबराल, अजय सिंह बिष्ट, आजाद सिंह नेगी, शैलेंद्र सिंह नेगी, मुरली सिंह रावत, विनोद नौटियाल, देवेंद्र जोशी, रोशनी चमोली, निर्मला नेगी, सुरेशानंद बडोलियाल, निर्मल सिंह धनोला, परिपूर्णानंद मैठाणी, भीम सिंह राणा, सचिव गणेश जोशी, कुसुम बिष्ट और बृजमोहन सेमवाल उपस्थित थे।

> 49 वर्ष पुरानी संस्था टिहरी उत्तरकाशी जन विकास परिषद की बैठक

दिल्ली में होगा जीत सिंह नेगी का जयंती समारोह

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली की ओर से 1 फरवरी को उत्तराखंड की लोक संस्कृति के पितामह जीत सिंह नेगी की 99वीं जयंती समारोह का आयोजन DPMI सभागार, न्यू अशोक नगर में किया जाएगा। साथ ही, अगले साल 2027 में जीत सिंह नेगी की 100वीं जयंती समारोह के लिए 'जीत सिंह नेगी शताब्दी समारोह समिति' का गठन किया जाएगा।

उत्तराखंड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के संयोजक दिनेश ध्यानी ने बताया कि वह उत्तराखंड के ऐसे पहले लोकगायक थे, जिनके गीतों का ग्रामोफोन रिकॉर्ड 1949 में जारी

जीत सिंह नेगी

हुआ। वह संगीतकार और रंगकर्मी भी थे। नेगी ने दो हिंदी फिल्मों में भी बतौर सहायक निर्देशक कार्य किया। उत्तराखण्ड लोक-भाषा साहित्य मंच, दिल्ली के संरक्षक डॉ. विनोद बछेती ने बताया कि हमारा प्रयास है कि नई पीढ़ी के नौनिहालों को जीत सिंह नेगी के व्यक्तित्व से परिचित कराया जा सके।

मैसाम की नई कार्यकारिणी का गठन

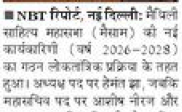

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मैथिली साहित्य महासभा (मैसाम) की नई कार्यकारिणी (वर्ष 2026-2028) का गठन लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत हुआ। अध्यक्ष पद पर हेमंत झा, जबकि महासचिव पद पर आशीष नीरज और अरुण कुमार मिश्र विजयी रहे। सचिव पद के लिए कविता पाठक, राहुल झा वत्स, संजय कुमार झा और आनंद दास निर्वाचित हुए। उपाध्यक्ष पद के लिए सूर्यनारायण यादव और निवेदिता झा ने बाजी मारी। इसके अतिरिक्त कोषाध्यक्ष पद पर सरोज निर्विरोध निर्वाचित हुए।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHBP User: ccl Time: 01-18-2026 23:46 Color:

NBT AI टाइम मशीन

आज त्रिपुरा मना रहा Kokborok Day

आज कोकबोरोक है (Kokborok Day) है। आज ही के दिन 1979 में कोकबोरोक को त्रिपुरा की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिला था। 'कोक' का मतलब है भाषा और 'बोरोक' का मतलब है लोग। यह दिन त्रिपुरा के ट्राइबल समुदायों की पहचान और प्राचीन संस्कृति का प्रतीक है। दिलचस्प बात यह है कि कोकबोरोक भाषा का संबंध तिब्बती-बर्मी भाषा परिवार से है, जो इसे भारत की अन्य भाषाओं से अलग और खास बनाती है।

NBT

Front Page-2

नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली

सोमवार, 19 जनवरी 2026

भाषाओं के संरक्षण में AI होगा अहम

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में भारतीय लोकल और ट्राइबल भाषाओं के संरक्षण में आधुनिक तकनीक अहम भूमिका निभाएगी। AI, डिजिटल आर्काइव और स्पीच-टू-टैक्स्ट जैसी तकनीकें इन भाषाओं की बोलचाल, लोककथाओं और ज्ञान परंपराओं को सुरक्षित करेंगी। भाषा-लर्निंग ऐप्स, डिजिटल शिक्षा और सोशल मीडिया इन्हें नई पीढ़ी से जोड़ेंगे। तकनीक भाषाओं को सिर्फ संरक्षित नहीं करेगी, बल्कि फिर से संवाद, शिक्षा और पहचान की जीवित भाषा बनाने में मदद करेगी।

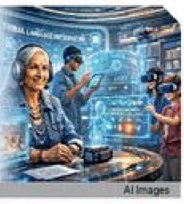

AI Images

SPEED News

बांग्लादेश के गाजीपुर में केले के विवाद में

हिंदू कारोबारी की पीट-पीटकर हत्या में 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है। शनिवार को हुई हत्या में पकड़े गए तीनों आरोपी एक ही परिवार के हैं।

पाकिस्तान में पंजाब की CM मरियम नवाज

के बेटे जुनैद की शादी को लेकर विवाद हो रहा है। जुनैद की बीवी ने भारतीय डिजाइनर का डिजाइन किया आउटफिट पहना था।

सीरिया ने SDF के साथ सीज़फायर

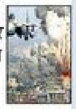

का रविवार को ऐलान किया। इसके साथ ही सरकार ने देश के करीब पूरे हिस्से पर कंट्रोल कर लिया है। कुर्द ताकतें अब निष्क्रिय हो गई है।

सर्बिया में भ्रष्टाचार के खिलाफ हजारों छात्रों

का गुस्सा रविवार को फूट पड़ा। इन युवाओं ने सरकार विरोधी रैली निकालकर लड़ाई का ऐलान किया।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश, पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की चेतावनी

1901 के बाद पहली बार हिमालय इतना सूखा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

ठंड और शीतलहर से परेशान हैं तो तैयारी कर लें। दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस आ रहे हैं। इनकी वजह से भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने कहा कि दिसंबर से जनवरी का यह ठंड का दौर हिमालय के लिए 1901 के बाद के सबसे शुष्क दौर में रहा है। एक मजबूत वेस्टर्न डिस्टर्बेंस शुष्क ठंड के इस दौर को खत्म कर सकता है। अगले हफ्ते पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में लगातार दो वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो रहे हैं। इनकी वजह से 23 जनवरी को कुछ जगहों पर भारी बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 22 से 24 जनवरी के दौरान उत्तर पश्चिमी भारत के के मैदानी इलाकों में भी बारिश की संभावना है।

22 से 24 जनवरी तक दिल्ली में भी हो सकती है बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, दिसंबर से जनवरी में उत्तराखंड में बिल्कुल बारिश नहीं हुई है। हिमाचल प्रदेश में 1901 के बाद से दिसंबर में छठी बार सबसे कम बारिश हुई। वहीं, जम्मू-कश्मीर में बारिश और बर्फबारी दोनों ही कमी हुई है। इसी वजह से मौसमी बारिश को लेकर बढ़ती अनिश्चितता, जल सुरक्षा, वन अग्नि की संवेदनशीलता और कृषि उत्पादकता को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इंटरनैशनल सेंटर ऑफ इंटीग्रेटेड माउंटेन डिवेलपमेंट (ICIMOD) के सैटलाइट डेटा बता रहे हैं कि हिमालय में बीते दो दशकों की सबसे कम बर्फबारी हुई है। बीते 23 सालों में ऐसा कमजोर स्नो सीजन नहीं दिखा। एक्सपर्ट के अनुसार, धरती का तापमान ऐसे ही बढ़ता रहा तो बर्फबारी का मौसम और छोटा होगा।

जम्मू कश्मीर के हिल स्टेशन गुलमर्ग में 4 जनवरी को हुई थी बर्फबारी।

हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी का अनुमान

मौसम विभाग के अनुसार, 21 जनवरी तक जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश व बर्फबारी का अनुमान है। 22 से 24 जनवरी के दौरान काफी बड़े इलाके में बारिश और बर्फबारी होगी। 23 और 24 जनवरी को उत्तराखंड के काफी बड़े हिस्से में बारिश की संभावना है। 23 जनवरी को सबसे अधिक बर्फबारी हो सकती है। इस दौरान 22 से 24 जनवरी तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। इस दौरान गरज के साथ दिल्ली में भी बारिश के आसार बन रहे हैं।

देरी से बर्फबारी के गंभीर परिणाम

देरी से बर्फबारी होने का ग्लेशियरों, नदियों और जलप्रवाहों पर असर पड़ रहा है। दिसंबर और जनवरी के शुरुआती दिनों में गिरने वाली बर्फ लंबे समय तक कम तापमान की वजह से जमी रहती है। इसलिए यह धरती को लंबे समय तक नम रखती है। इसकी वजह से नदियों और पानी में प्रवाह धीरे धीरे बढ़ता है। लेकिन जनवरी के अंत, फरवरी और मार्च में उच्च तापमान की वजह से बर्फ जल्दी पिघलती है और सतह को अधिक देर तक नम नहीं रखती। वह जल्दी पानी बनकर बहने लगती है और प्रवाह बढ़ाती है।

ग्रीनलैंड में ट्रंप का विरोध, यूरोपीय देश बोले- ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी

■ एपी, नूक (ग्रीनलैंड)

ग्रीनलैंड की राजधानी नूक (NUUK) में शनिवार को हजारों लोग बर्फ से ढंकी सड़कों मार्च करते दिखे। यह मार्च ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बयान के खिलाफ था। रणनीतिक और खनिज संपन्न आर्कटिक द्वीप ग्रीनलैंड पर अमेरिका ने कंट्रोल की बात दोहराई थी। प्रदर्शनकारियों ने ग्रीनलैंड का राष्ट्रीय झंडा लहराया, हाथों में तख्तियां उठाई और नारे लगाए- 'ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है।' यह मार्च नूक के छोटे से डाउनटाउन इलाके से शुरू होकर करीब 2 किमी दूर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक गया। जैसे ही मार्च खत्म हुआ, फ्लोरिडा से ट्रंप ने ऐलान किया कि फरवरी से वह 8 यूरोपीय देशों से आने वाले सामान पर 10% का टैरिफ लगाएंगे। ये 8 देश ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण का विरोध कर रहे हैं। यूरोपीय देशों ने कहा कि टैरिफ की ब्लैकमेलिंग नहीं चलेगी।

मार्च में शामिल 21 साल की ग्रीनलैंड निवासी मलिक डोलरुप शाइबेल ने कहा कि उन्हें लग था दिन इससे ज्यादा हालात खराब नहीं हो सकता, लेकिन ट्रंप के टैरिफ का ऐलान हालात को और बिगाड़ने वाला है। शाइबेल ने कहा, यह दिखाता है कि ट्रंप को इंसानी भावनाओं की कोई परवाह नहीं है। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स फ्रेडरिक नील्सन (Jens Frederik Nielsen) भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। आयोजकों के मुताबिक, यह नूक के इतिहास का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन था, जिसमें शहर की लगभग एक चौथाई आबादी शामिल हुई। इसके अलावा डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन और कनाडा के नुनावुत (Nunavut) में भी एकजुटता रैलियां निकाली गईं।

AP

'इतिहास का सबसे बड़ा प्रदर्शन': ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में लोगों ने कहा- हमारा देश बिकाऊ नहीं, हजारों लोग प्रदर्शन में हिस्सा लेने के लिए अपने बच्चों के साथ पहुंचे, फिर 2 किमी दूर US दूतावास तक मार्च किया

यूरोप के 8 देशों पर ट्रंप का 10% टैरिफ

ट्रंप ने यूरोप के 8 देशों पर 10% टैरिफ लगा दिया है। ये देश ग्रीनलैंड पर अमेरिका के कब्जे की धमकी का विरोध कर रहे थे। ट्रंप ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, नीदरलैंड और फिनलैंड टैरिफ के दायरे में आएंगे। इन पर 1 फरवरी से टैरिफ लागू होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं होता है, तो 1 जून से यह टैरिफ बढ़ाकर 25% कर दिया जाएगा।

टैरिफ पर यूरोपीय देश बोले, धमकियों की जगह नहीं

■ **एपी, कोपेनहेगन (डेनमार्क):** 8 यूरोपीय देशों पर टैरिफ के मामले में ट्रंप का कहना है कि 10% का ये टैरिफ ग्रीनलैंड में यूरोपीय देशों की प्रतीकात्मक सैन्य तैनाती के जवाब में लगाए जाएंगे, जबकि यूरोपीय देशों का तर्क है कि यह कदम आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करने के लिए उठाया गया था। डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने कहा कि आर्कटिक अब कम तनाव वाला क्षेत्र नहीं रहा है और इसी कारण नाटो साझेदार मिलकर पारदर्शिता के साथ सुरक्षा बढ़ा रहे हैं। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोरे ने कहा कि सहयोगियों के बीच धमकियों की कोई जगह नहीं है। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टरसन ने टैरिफ धमकी को ब्लैकमेल करार देते हुए कहा कि यह सिर्फ कुछ देशों का नहीं बल्कि पूरे यूरोपीय संघ का मुद्दा है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि किसी भी तरह की धमकी या दबाव, चाहे वह यूक्रेन हो या ग्रीनलैंड, स्वीकार्य नहीं है और टैरिफ की धमकियों का इस संदर्भ में कोई स्थान नहीं है। जर्मनी की संघीय सरकार ने कहा कि वह यूरोपीय साझेदारों के साथ करीबी समन्वय में है और सही समय पर उचित प्रतिक्रिया तय की जाएगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि ग्रीनलैंड का भविष्य ग्रीनलैंडवासियों और डेनमार्क का विषय है। नाटो की सामूहिक सुरक्षा के लिए उठाए गए कदमों पर सहयोगियों पर टैरिफ लगाना पूरी तरह गलत है। नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वान वील ने कहा कि व्यापार से असंबंधित मामलों में टैरिफ का इस्तेमाल अनुचित है और संवाद होना चाहिए, दबाव नहीं।

गैर व्यापारिक मामलों में टैरिफ लगाना अनुचित है: नीदरलैंड्स

प्रदर्शन को ग्रीनलैंड ने ऐतिहासिक बताया है, कहा कि शहर की एक चौथाई आबादी इसमें शामिल होने पहुंची थी।

गाज़ा पर ट्रंप के 'पीस बोर्ड' में भारत भी, तुर्किये-कतर पर इस्राइल हुआ नाराज़

AP

गाजा में मृतकों के शव ढूंढने में लगी है एजेंसियां

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के प्रस्तावित 'बोर्ड ऑफ पीस' में भारत को भी न्योता दिया गया है। अमेरिका के नए राजदूत सर्जियो गोर ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। ट्रंप ने गाजा शांति योजना को शानदार और असाधारण योजना बताया है। वहीं, तुर्किये और कतर के शामिल कराने पर इस्राइल ने नाराजगी जताई है। अब सिर्फ गाजा में इस्राइल-हमास युद्ध तक यह बोर्ड सीमित नहीं रहने वाला है। यह बोर्ड धीरे-धीरे एक ऐसे वैश्विक मंच के रूप में आकार ले रहा है, जिसका मकसद बड़े संघर्षों को सुलझाना भी हो सकता है। एक्सपर्ट इसे UN के विकल्प के रूप में देख रहे हैं।

गाजा में अगले कदमों की निगरानी के लिए बनाए गए एग्जिक्यूटिव बोर्ड में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट के सीईओ मार्क रोवन, ब्रिटेन के पूर्व पीएम टोनी ब्लेयर और विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा शामिल हैं। बोर्ड ऑफ पीस की औपचारिक घोषणा स्विट्जरलैंड के दावोस में होने वाली वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम बैठक के दौरान किए जाने की संभावना है।

पाकिस्तान ने कहा, हमें भी पत्र मिला है

जिन अन्य नेताओं को निमंत्रण भेजे जाने की पुष्टि हुई है, उनमें कनाडा के पीएम मार्क कार्नी, इजिप्ट के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप अर्दआन शामिल हैं। पाकिस्तान ने कहा कि पीएम शहबाज शरीफ को भी बोर्ड में शामिल होने का पत्र मिला है।

इस्राइली पीएम ने बुलाई मीटिंग

इस्राइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा को लेकर बने पैनल पर आपत्ति जताने के बाद रविवार को अपनी सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार की बैठक बुलाई। नेतन्याहू कार्यालय ने कहा कि बोर्ड की संरचना इस्राइल से परामर्श किए बिना तय की गई है और यह नीति के विपरीत है।

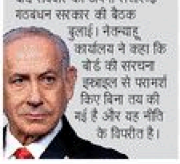

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान सोमवार से भारत दौरे पर है। वह किस देश के शासक है?
A. अबू धाबी B. ईरान C. इराक
2. महाराष्ट्र के किस नगर निगम के एक वॉर्ड में शिवसेना (UBT) उम्मीदवार ने एक वोट से बीजेपी कैंडिडेट को हराया?
A. पुणे B. BMC C. परभणी
3. ग्रीनलैंड मसले का विरोध करने वाले यूरोप के कितने देशों पर ट्रंप ने टैरिफ लगाया है?
A. 10 B. 8 C. 5
4. वर्ल्ड इकॉनमिक समिट सोमवार से दावोस में शुरू हो रही है, यह किस देश में है?
A. स्विट्जरलैंड B. श्रीलंका C. डेनमार्क
5. पीएम नरेन्द्र मोदी ने काजियावोर में 6,957 करोड़ रुपये के काजीरंगा एलीवेटेड कॉरिडोर की नींव रखी। यह किस राज्य में है?
A. केरल B. पश्चिम बंगाल C. असम

कल के जवाब

A1 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन A2 C. अवामी लीग A3 A. युगांडा A4 B. पाले A5 MT Valiant Roar

लकी विनर्स

1. अंशुल चौधरी, ग्रेटर नोएडा
2. अशोक शर्मा, दिल्ली
3. मधु सरदाना, जनकपुरी, दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

10 महीनों में 13 देशों के 18 पोर्ट तक पहुंचेगी भारतीय नेवी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंडियन नेवी का सेल ट्रेनिंग शिप (पाल वाला जहाज) INS सुदर्शिनी 20 जनवरी को अपने फ्लैगशिप अभियान 'लोकायन-26' पर रवाना होगा। यह 10 महीने का ट्रांसओशेनिक अभियान है, यानी ये महासागरों को पार करते हुए जाएगा। इसके तहत INS सुदर्शिनी 22 हजार से अधिक नॉटिकल मील की यात्रा करते हुए 13 देशों के 18 बंदरगाहों पर जाएगा। इंडियन नेवी के प्रवक्ता कैप्टन विवेक मधवाल ने कहा कि यह अभियान भारत की समृद्ध समुद्री विरासत और 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को दुनिया के महासागरों तक ले जाएगा।

इस लंबी समुद्री यात्रा के दौरान INS सुदर्शिनी दो प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टॉल-शिप आयोजनों में भी हिस्सा लेगा। इनमें फ्रांस के एस्केल आ सेते (Escale Ste) और अमेरिका के न्यूयॉर्क में SAIL 250 शामिल हैं। इन आयोजनों में INS सुदर्शिनी भारत की गौरवशाली समुद्री परंपराओं का प्रतिनिधित्व करेगा। इस अभियान के दौरान इंडियन नेवी और इंडियन कोस्ट गार्ड के 200 से अधिक ट्रेनी गहन सेल ट्रेनिंग से गुजरेंगे यानी उन्हें पाल वाले जहाज की समुद्री यात्रा के बारे में व्यावहारिक जानकारियां दी जाएंगी। इसके साथ ही विभिन्न देशों की नेवी के ट्रेनी के साथ संवाद और जॉइंट एक्टिविटी के मौके भी मिलेंगे। जिससे पेशेवर आदान-प्रदान और आपसी मित्रता को बढ़ावा मिलेगा।

'लोकायन-26' पर रवाना होगा नेवी का सेल ट्रेनिंग शिप

मित्र देशों के साथ ट्रेनिंग में भी लेगा हिस्सा: INS सुदर्शिनी इस यात्रा के दौरान मित्र देशों की नेवी के साथ ट्रेनिंग इंटरेक्शन और समुद्री साझेदारी कार्यक्रमों में भी भाग लेगा। इंडियन नेवी के प्रवक्ता के मुताबिक यह पहल समुद्री सहयोग को मजबूत करने और MAHASAGAR के विजन को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम है। लोकायन-26 सांस्कृतिक कूटनीति का सशक्त प्रतीक है। नेवी का दूसरा सेल ट्रेनिंग शिप INS सुदर्शिनी 1.40 लाख से अधिक नॉटिकल मील की यात्रा पूरी कर चुका है।

ईरान बोला, खामेनेई पर हमला तो जंग

ईरान में अब बाजार खुलने लगे है।

■ **एएफपी/एपी, दुबई:** ईरान में हालिया राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के बीच हालात अब सुधरने लगे हैं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने कहा कि ईरान में तूफान छंट गया। स्कूल, कॉलेज और बाजार खुलने लगे हैं। खामेनेई ने ऐलान किया कि हम जीत गए हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को चेतावनी दी कि खामेनेई पर कोई भी हमला युद्ध का ऐलान माना जाएगा। कुछ रिपोर्ट में दावा किया गया कि 16,000 से अधिक लोगों की हत्या हुई है।

इंडिगो पर जुर्माने के बाद नियामक संस्था DGCA की अब होगी जांच

Maneesh Aggarwal
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** पिछले साल 3 से 5 दिसंबर के बीच देशभर में इंडिगो की उड़ानों से जुड़ी दिक्कत में नियामक संस्था DGCA की जांच कमिटी ने भले ही इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगा दिया हो, लेकिन अब DGCA की भी जांच होगी। नागर विमानन मंत्रालय ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए DGCA के इंटरनल सिस्टम की जांच के आदेश भी दिए हैं। इसका मकसद यह पता लगाना है कि DGCA के कामकाज में कहां-कहां कमियां हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है।

File

पर्याप्त पायलट से जुड़ी इंडिगो को राहत 10 फरवरी तक

सूत्रों के मुताबिक, DGCA ने इंडिगो को फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिट (FTL) के नए नियम लागू करने से 10 फरवरी तक की राहत दी थी। अब 11 फरवरी से इंडिगो को नए FTL नियमों के तहत ही अपने फ्लाइट ऑपरेशंस चलाने होंगे। इसे इंडिगो के लिए एक नई चुनौती माना जा रहा है। इससे पहले DGCA को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इंडिगो पूरी तरह तैयार है, ताकि दोबारा ऐसी स्थिति पैदा न हो। इस पूरे मामले को लेकर DGCA के अंदर भी सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि जब पिछले साल 1 नवंबर से FTL नियमों का दूसरा चरण लागू किया गया था, तब DGCA ने यह पहले से क्यों नहीं जांचा कि एयरलाइनों के पास पर्याप्त पायलट हैं या नहीं।

US ने मिनिसोटा के लिए अलर्ट की सेना

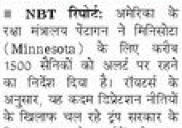

■ **NBT रिपोर्ट:** अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने मिनिसोटा (Minnesota) के लिए करीब 1500 सैनिकों को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। रॉयटर्स के अनुसार, यह कदम डिपोर्टेशन नीतियों के खिलाफ चल रहे ट्रंप सरकार के खिलाफ चल रहे प्रदर्शनों की वजह से उठाया गया है। वॉशिंगटन पोस्ट ने रक्षा अधिकारियों के हवाले से बताया कि सेना ने सैनिकों को अलर्ट रहने के लिए कहा है।

AI का दम डॉक्टरों को तस्वीर देखकर रेटिना की बीमारी के डायग्नोसिस में लगे ढाई मिनट, ChatGPT ने 22 सेकंड में की पहचान

डॉक्टर से पहले AI ने बता दी आंख में रेटिना की बीमारी

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** एम्स रायबरेली की एक नई रिसर्च में सामने आया है कि आंखों की रेटिना से जुड़ी बीमारियों की पहचान में आज भी डॉक्टर सबसे ज्यादा भरोसेमंद हैं, लेकिन आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) टूल्स जैसे ChatGPT और Gemini भी तेजी से अपनी क्षमता साबित कर रहे हैं। यह अध्ययन आम लोगों के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि रेटिना की बीमारियां समय पर न पकड़ी जाएं तो अंधेपन तक का कारण बन सकती हैं।

इस रिसर्च में एम्स रायबरेली के नेत्र रोग विभाग ने 30 मरीजों के मामलों का अध्ययन किया। हर मरीज के लिए आंख की फंडस फोटो (रेटिना की तस्वीर) और बीमारी से जुड़ी जरूरी जानकारी दी गई। इन मामलों का आकलन तीन स्तरों पर किया गया, एक अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ (डॉक्टर), ChatGPT और Gemini। इसके बाद तीनों के नतीजों की तुलना विशेषज्ञों द्वारा तय किए गए सही डायग्नोसिस से की गई। रिसर्च के नतीजों में सबसे ज्यादा सटीकता डॉक्टरों की पाई गई। डॉक्टरों ने 30 में से करीब 29 मामलों में सही बीमारी की पहचान की, यानी उनकी सटीकता लगभग 97% रही। वहीं ChatGPT ने 90% मामलों में सही नतीजे दिए, जबकि Gemini की सटीकता 87% दर्ज की गई।

ChatGPT ने सबसे तेज रिजल्ट दिया: समय के लिहाज से तस्वीर बिल्कुल उलट रही। ChatGPT को किसी केस का जवाब देने में औसतन सिर्फ 22 सेकंड लगे, जबकि Gemini ने करीब 26 सेकंड में परिणाम दे दिए। डॉक्टरों को हर मरीज को समझने और अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने में औसतन ढाई मिनट यानी लगभग 150 सेकंड का समय लगा। रिसर्च में यह भी सामने आया कि बीमारी को समझाकर बताने के मामले में डॉक्टर सबसे बेहतर रहे।

AI Image

किन बीमारियों को पकड़ने में सफल रहा

एम्स रायबरेली के नेत्र रोग विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर एम्बिल शिकहल और उनकी टीम ने इस स्टडी के लिए 30 मरीजों के रेटिना के फंडस इमेज का इस्तेमाल किया। इनमें ChatGPT और Gemini ने डायबिटिक रेटिनोपैथी बीमारी को 100% सटीकता से पहचान लिया। इसके अलावा ऑप्टिक एट्रॉफी, रेटिनल डिटैचमेंट, मायोपिक फंडस जैसी बीमारियों को भी पूरी सटीकता से पहचान लिया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWDFP User: ccl Time: 01-17-2026 22:28 Color:

नई दिल्ली / एनसीआर › 19-25 जनवरी 2026 › वर्ष 2, संख्या 3 › पेज 6 › मूल्य ₹6.00

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

EV खरीदना चाह रहे हैं? ये टिप्स काम के
सिर्फ कम रनिंग कॉस्ट देखकर EV लेने जा रहे हैं, तो कैलकुलेशन गड़बड़ भी हो सकता है। सही तरीका जानें।
देखें PG-5

सिर्फ पैसा नहीं, सही वक्त बनाता है अमीर
जल्दी निवेश की शुरुआत आजादी और सम्मान से भरी जिंदगी दे सकती है। जानें क्या हो निवेश की सही स्ट्रैटजी।
देखें PG-2

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

ग्लोबल मार्केट का गेटवे बने ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स

ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स भारतीय निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। अमेरिका, यूरोप, ताइवान और ब्राजील जैसे बाजारों में निवेश से बेहतर रिटर्न और जोखिम संतुलन की उम्मीद बढ़ी है। टैक्स नियमों में बदलाव, ग्लोबल वैल्यूएशन और करंसी बेनिफिट ने इन फंड्स को आकर्षक बनाया है। हालांकि, ऊंचे रिटर्न के साथ उतार-चढ़ाव, रेगुलेटरी लिमिट और सही टाइमिंग का जोखिम भी जुड़ा है। सवाल यह नहीं कि विदेश में निवेश करें या नहीं, बल्कि कितना करें और कैसे करें। सीमित एंट्री के बावजूद, सही संतुलन के साथ ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स लंबी अवधि में पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकते हैं।

देखें PG-3

IPO में पैसा क्यों फंसता है, क्या है सही तरीका?

भारत में हर कुछ साल में IPO को 'गोल्डन मौका' बताकर बेचा जाता है, लेकिन इतिहास कुछ और ही कहानी कहता है। 1995 से लेकर 2025 तक IPO का हर बूम लगभग एक जैसे नतीजे पर खत्म हुआ है। आंकड़े बताते हैं कि 2022-25 के बीच आए 961 IPO में से करीब 45% आज इश्यू प्राइस से नीचे ट्रेड कर रहे हैं और 130 से ज्यादा IPO ने निवेशकों की आधी से ज्यादा पूंजी डुबो दी है। ओवरसब्सक्रिप्शन, ग्रोथ स्टोरी और ब्रांड नाम निवेश की सुरक्षा नहीं बनते। प्रमोटर एग्जिट, ऊंचे वैल्यूएशन और जल्दबाजी रिटेल निवेशकों को बार-बार नुकसान की ओर ले जाती है। वेल्थ कोच समीर रस्तोगी बता रहे हैं कि IPO क्रेज क्यों बार-बार फेल होता है और निवेशकों को इससे क्या सबक लेना चाहिए।

देखें PG-4

काम की खबरें

AI Image

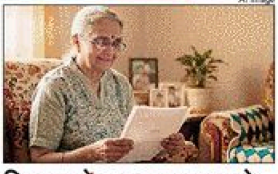

रिटायरमेंट बाद NPS से पक्की पेंशन का इंतजाम!

PFRDA ने NPS सब्सक्राइबर्स के लिए रिटायरमेंट के बाद नियमित और सुनिश्चित पेंशन की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। PFRDA ने 15 सदस्यीय एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है, जो लॉक-इन पीरियड, विड्रॉल लिमिट, फीस स्ट्रक्चर और मार्केट-बेस्ड गारंटी जैसे पहलुओं पर नियम सुझाएगी। अभी NPS पूरी तरह मार्केट-लिंक्ड है, जबकि यह पहल यूनिफाइड पेंशन स्कीम (UPS) जैसी अश्योर्ड पेंशन व्यवस्था दे सकती है।

MF में BER का फॉर्म्युला, निवेशकों की होगी बचत

SEBI ने म्यूचुअल फंड नियमों में अहम बदलाव किए हैं, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे। अब फंड हाउस को खर्च दिखाने के लिए बेस एक्सपेंस रेश्यो (BER) का तरीका अपनाना होगा, जिसमें मैनेजमेंट फीस और टैक्स (GST, STT) अलग-अलग बताने होंगे। इससे निवेशकों को खर्च की साफ जानकारी मिलेगी। अभी तक फंड हाउस टोटल एक्सपेंस रेश्यो (TER) के नाम पर सारा खर्च एक साथ दिखाते थे। तय सीमा से ज्यादा खर्च AMC को खुद उठाना होगा। इससे निवेशकों की बचत होगी।

CGHS लाभार्थियों के लिए परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष

CGHS लाभार्थियों के लिए 'परिपूर्ण मेडिक्लेम आयुष बीमा योजना' शुरू की गई है। यह CGHS से अतिरिक्त हेल्थ इंश्योरेंस है। इसमें कैशलेस, आयुष और आधुनिक इलाज, देशभर के बड़े अस्पतालों में इन-पेशेंट कवरेज मिलेगा। अधिकतम 6 सदस्य, ₹20 लाख तक सम इंश्योर्ड विकल्प हैं। को-पेमेंट विकल्प होगा। GST इस पर भी नहीं लगेगा।

सेबी का प्रस्ताव, बार-बार डॉक्युमेंट देने से निजात

SEBI निवेशकों के लिए खाता खोलने की प्रक्रिया आसान कर रहा है। प्रस्ताव है कि KRA के पास जानकारी सेंट्रलाइज होगी, जिससे अलग ब्रोकरों को बार-बार डिटेल न देना पड़े। आधार से लिंक मोबाइल, अपडेटेड पैन-आधार पर अलग वेरिफिकेशन नहीं होगा। 182 दिन से ज्यादा भारत में रहने वाले OCI कार्डधारकों को विदेशी पते से राहत मिलेगी। खाता बंद होने की सूचना 3 दिन और रिकॉर्ड अपडेट 2 दिन में करना होगा।

बढ़ रही ग्लोबल टेंशन के बीच

ऐसे बनेंगे पैसे...

तनाव के दौर में मौके भी हैं, बस सही सेक्टर चुनना और धैर्य रखना निवेशकों के लिए सबसे बड़ी कुंजी है।

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1@timesofindia.com

ग्लोबल टेंशन और टैरिफ, युद्ध जैसे जोखिमों के बीच भारतीय निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि पैसा कहां लगाएं? ऐसे माहौल में बाजार की नब्ज समझना, सही सेक्टर चुनना, जोखिम से बचाव की रणनीति बनाना पहले से ज्यादा जरूरी है।

मार्केट में दौलत बनाने का सीक्रेट सिर्फ इतना है कि सस्ता खरीदें, ऊंचे भाव पर बेचें। सोच-समझकर कदम बढ़ाएं और इस राह पर टिके रहें। वॉरेन बफेट सहित तमाम दिग्गज ऐसी बातें याद दिलाते रहे हैं। अमेरिकी टैरिफ और रूस-यूक्रेन युद्ध से बने हालात के बीच वेनेजुएला और ईरान संकट को देखते हुए सोच-समझकर कदम बढ़ाने की बात अहम हो गई है।

पिछले साल से अमेरिकी प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिखा है। सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर समीर रस्तोगी कहते हैं कि अगर साल की शुरुआत में कोई यह अनुमान लगाता कि टैरिफ बढ़ेंगे, रुपये में बड़ी गिरावट आएगी और रूस-यूक्रेन के साथ वेनेजुएला और ईरान जैसे संकट गहराएंगे, तो शायद ही कोई मानता कि बाजार पॉजिटिव रिटर्न देगा। इसके बावजूद 2025 में बाजार का रिटर्न FD से बेहतर रहा, तो इसे अच्छा ही कहेंगे। हालांकि टैरिफ को लेकर अनिश्चितता अभी बनी हुई है, जिससे निवेशक असमंजस में हैं। रस्तोगी का कहना है कि जिन सेक्टरों की कमाई विदेशों पर ज्यादा निर्भर है, उनमें सतर्कता जरूरी है, जबकि डोमेस्टिक फोकस्ड सेक्टर अगले 8-10 साल तक बेहतर मौके दे सकते हैं। इसकी वजह मजबूत भारतीय अर्थव्यवस्था, घटती ब्याज दरें, GST में राहत और आठवें वेतन आयोग का असर है।

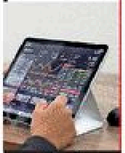

इनसे बन सकता है पैसा

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ऐसे टॉप 7 सेक्टर हैं, जिन पर मौजूदा हालात में दांव लगाया जा सकता है:

1. कंजम्पशन:

रस्तोगी ने कहा, 'कंजम्पशन को दो भागों में देखें। FMCG और ड्यूरेबल्स। FMCG की वैल्यूएशंस हिस्टॉरिकल पर्सपेक्टिव से अट्रैक्टिव दिख रही हैं। ड्यूरेबल्स भी धीरे-धीरे आकर्षक हो रहा है। कंजम्पशन थीम अभी ही नहीं, अगले एक दशक में भी अच्छी रहने वाली है।'

देश में प्रीमियम प्रोडक्ट्स की डिमांड बढ़ रही है। इनोवेटिव प्रोडक्ट्स से FMCG कंपनियों का मार्जिन बेहतर हो सकता है। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'अच्छी GDP ग्रोथ के साथ लोगों के पास खर्च करने लायक आमदनी बढ़ रही है। रूरल वेज ग्रोथ भी अच्छी है। कंपनियों का मुनाफा बढ़ने, आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों और कम ब्याज दरों से शहरों में भी वेतन बढ़ने की उम्मीद है। इसका पॉजिटिव असर कंजम्पशन से जुड़ी कंपनियों पर दिखेगा।'

एलारा कैपिटल के मुताबिक, 'शहरी उपभोग से जुड़ी कंपनियों का प्रदर्शन ग्रामीण के मुकाबले बेहतर रहेगा। मुख्य रूप से पेंट्स, ज्वेलरी, प्रीमियम टू-व्हीलर्स, डिस्क्रीशनरी रिटेल एंड लाइफस्टाइल, ट्रैवल, एविएशन और हॉस्पिटैलिटी और प्रीमियम रियल एस्टेट में अच्छी मांग और प्राइसिंग दिखेगी।'

2. बैंकिंग

रस्तोगी ने कहा, 'बैंकिंग और फाइनैंशल सर्विसेज को नजरअंदाज नहीं कर सकते क्योंकि इसमें कंजम्पशन का भी रोल है और वैल्यूएशंस आकर्षक हैं। इंडियन इकॉनमी के बढ़ने के साथ यह सेक्टर भी बढ़ेगा। सरकार रिफॉर्म्स पर जोर दे रही है, जिसका असर बैंकिंग पर भी पड़ता है। पिछले सालभर की अच्छी परफॉर्मेंस आगे भी बनी रहेगी।'

RBI ने पिछले सालभर में रेपो रेट 125 बेसिस पॉइंट्स घटाया है। CRR में भी कमी की है, जिससे बैंकों को कर्ज देने में आसानी हो। GDP ग्रोथ बढ़ने के अनुमानों का मतलब है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इससे कर्ज की मांग भी बढ़ेगी।

HDFC सिक्योरिटीज के मुताबिक, 'मार्जिन प्रेशर घटने और डेट पर खर्च बढ़ने के चलते क्रेडिट ग्रोथ तेज होने से BFSI सेक्टर 2026 में दमदार प्रदर्शन कर सकता है। अधिकतर बैंकों की बैलेंस शीट्स पर NPA का बोझ घट गया है। माइक्रोफाइनैंस से जुड़ा दबाव भी जल्द खत्म होने की उम्मीद है।'

3. रियल एस्टेट:

रस्तोगी ने कहा, 'हाउसिंग सेक्टर भी दमदार है। इसमें केवल रियल एस्टेट कंपनियां ही नहीं, टाइल्स से लेकर केबल और सीमेंट जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। शहरीकरण का ट्रेंड बढ़ेगा। मौजूदा साइकल अगले 5-10 साल तक तेजी से चलने वाला है।'

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने कहा, 'रियल एस्टेट सेक्टर पिछले सालभर से कंसॉलिडेशन फेज में रहा है और घरों की बिक्री कम रही है। RBI के रेट कट से बिक्री बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, शहरीकरण बढ़ने के बीच लग्जरी और अल्ट्रा लग्जरी सेगमेंट में डिमांड बनी हुई है। इससे टियर 1 और टियर 2 शहरों में लॉन्ग टर्म ग्रोथ मजबूत रहेगी। रियल्टी सेक्टर का वैल्यूएशन भी वाजिब स्तर पर है। इस सेक्टर का आउटलुक पॉजिटिव है।'

HDFC सिक्योरिटीज के मुताबिक, 'PM आवास योजना के अलावा छोटे शहरों में रियल एस्टेट की डिमांड से सीमेंट कंपनियों की अच्छी बिक्री होगी। लॉजिस्टिक्स पार्क और डेटा सेंटरों सहित इंडस्ट्रियल और कमर्शल कंस्ट्रक्शन से भी सपोर्ट मिलेगा।'

4. इंफ्रास्ट्रक्चर:

इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े स्टॉक्स ने पिछले 3 वर्षों में निफ्टी 50 से करीब दोगुना रिटर्न दिया है। सड़कों और रेलवे सहित विभिन्न सेक्टरों में सरकारी पूंजीगत खर्च में दमदार बढ़ोतरी और विभिन्न सेक्टरों में प्राइवेट कैपिटल एक्सपेंडिचर बढ़ने से आने वाले दिनों में भी इंफ्रा स्टॉक्स का प्रदर्शन बेहतर रह सकता है। हाइवे, रोड, एयरपोर्ट, एविएशन, सीपोर्ट, लॉजिस्टिक्स, एनर्जी, पावर, स्टील, सीमेंट, डेटा सेंटर, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टरों में निवेश की योजनाओं को देखते हुए इनसे जुड़े शेयरों में साल 2030 तक अच्छी ग्रोथ दिखने की संभावना है।

लोटसड्यू के फाउंडर अभिषेक बनर्जी ने कहा, 'इंडिया में इंफ्रा इनवेस्टमेंट आने वाले वर्षों में बहुत ज्यादा होने वाला है। साल 2030 तक InvIT की असेट्स करीब 25 लाख करोड़ रुपये हो सकती हैं।' वहीं, कंपाउंडिंग वेल्थ एडवाइजर्स के फाउंडर राकेश पुजारा ने कहा, 'वित्त वर्ष 2025 में सरकार के रेकॉर्ड 11.11 लाख करोड़ रुपये के कैपिटल एक्सपेंडिचर और वित्त वर्ष 2026 के लिए 11.21 लाख करोड़ रुपये के कैपेक्स गाइडेंस के चलते भारत अभी इंफ्रास्ट्रक्चर सुपरसाइकल में दिख रहा है।'

एक्सपर्ट्स ने बताई बाजार की नब्ज

समीर रस्तोगी, डायरेक्टर, सक्षम वेल्थ प्राइवेट लिमिटेड

विनोद नायर, रिसर्च हेड, जियोजीत इनवेस्टमेंट लिमिटेड

अभिषेक बनर्जी, लोटसड्यू के फाउंडर | राकेश पुजारा, कंपाउंडिंग वेल्थ एडवाइजर्स

5. डिफेंस सेक्टर

पिछले साल में निफ्टी में करीब 9% बढ़त के बीच निफ्टी डिफेंस इंडेक्स में करीब 20% की बढ़त दर्ज की गई। सक्षम वेल्थ के समीर रस्तोगी ने कहा, 'जियोपॉलिटिकल डिवेलपमेंट्स और भारत की अपनी रक्षा जरूरतों के चलते डिफेंस सेक्टर की अच्छी ग्रोथ आने वाले वर्षों में भी बनी रहेगी। रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए देसी डिमांड के साथ विदेश से भी अच्छी मांग आ सकती है।'

रक्षा मंत्रालय ने इस वित्त वर्ष में दिसंबर तक 1.82 लाख करोड़ रुपये के रक्षा उपकरणों के लिए कॉन्ट्रैक्ट दिए हैं। इस बार के कुल कॉन्ट्रैक्ट वित्त वर्ष 2025 में 2.1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े से ज्यादा हो सकते हैं। इस वित्त वर्ष में रक्षा मंत्रालय का मॉडर्नाइजेशन बजट 1.49 लाख करोड़ रुपये का है। अगले वित्त वर्ष के लिए यह 20% बढ़ सकता है। PL कैपिटल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'डिफेंस कैपेक्स लगातार बढ़ रहा है। सरकार स्वदेशी पर जोर बनाए हुए है। इससे देश में रक्षा उपकरण बनाने वाली कंपनियों के लिए ऑर्डर्स और मुनाफे की तस्वीर कई वर्षों के लिए बेहतर हुई है।'

6. ऑयल एंड गैस

वेनेजुएला में दुनिया का सबसे अधिक तेल भंडार है। वहां अमेरिकी हमले और सत्ता परिवर्तन के बाद क्रूड ऑयल प्रोडक्शन बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। सक्षम वेल्थ के रस्तोगी ने कहा, 'ऑयल अभी सबसे ज्यादा शॉर्ट सेल किया जा रहा है। वेनेजुएला संकट के पहले से लोग इस पर बेयरिश हैं। वेनेजुएला मामले के बाद लगा कि दुनिया में सप्लाई बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसा जल्द नहीं होने वाला है। वहीं, जियोपॉलिटिकल टेंशन से अगर सप्लाई प्रभावित हुई तो क्रूड 100 डॉलर के पार भी जा सकता है। तस्वीर यह है कि प्राइस बढ़ने पर तेल उत्पादन करने वाली कंपनियों के शेयर भागेंगे। वहीं, क्रूड और सस्ता हुआ तो ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को फायदा होगा। एनर्जी वैसे भी लॉन्ग टर्म स्टोरी है।'

एलारा सिक्योरिटीज ने कहा, 'इंटरनैशनल एनर्जी एजेंसी की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक मुताबिक, 2026 में डिमांड के मुकाबले ग्लोबल ऑयल सप्लाई 38.4 लाख बैरल प्रतिदिन ज्यादा रह सकती है। हम क्रूड ऑयल के दाम में नरमी और रिफाइनिंग मार्जिन में बढ़ोतरी के बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों पर ओवरवेट हैं।'

7. हेल्थकेयर

फार्मा सेक्टर पर अमेरिकी टैरिफ का दबाव है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों और स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के चलते हेल्थकेयर सेक्टर की ग्रोथ की संभावना है। जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'हेल्थकेयर डिलीवरी इंडस्ट्री की ग्रोथ 12% सालाना से ज्यादा रह सकती है। हॉस्पिटल कंपनियों को नई कैपेसिटी और CGHS के रेट्स में हुए बदलावों का लाभ मिलेगा। डोमेस्टिक फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री की ग्रोथ 9% तक रह सकती है। दो वर्ष अच्छी रफ्तार रहेगी।'

इन सेक्टरों से रहें सतर्क

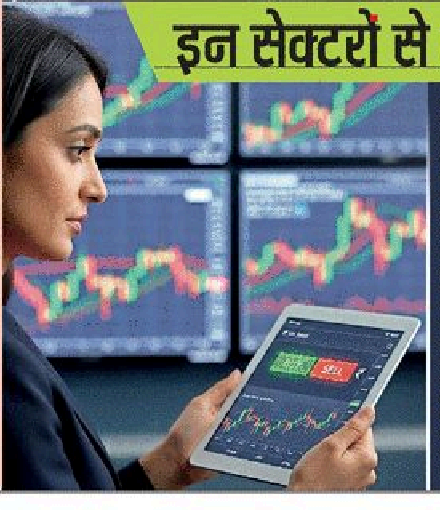

एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिन सेक्टरों की कमाई का बड़ा हिस्सा निर्यात, खासतौर से US से जुड़ा है, उनके बारे में सतर्कता बरतनी चाहिए। इनमें IT, टेक्सटाइल्स, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर एंड फुटवियर और कुछ हद तक ऑटोमोबाइल्स एंड एंसिलरी हैं। हालांकि रस्तोगी ने कहा, 'ऑटोमोबाइल्स सेक्टर पर टैरिफ का कुछ असर तो है, लेकिन इसकी कमाई का बड़ा हिस्सा देश में खपत से भी जुड़ा है। वहीं, टैरिफ और AI के असर के चलते कुछ लोग IT पर बेयरिश हैं। इन वजहों से पिछले कुछ समय से इन कंपनियों का अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा है, लेकिन अब इनका वैल्यूएशन आकर्षक हो गया है और ध्यान देने वाली बात यह है कि भारतीय कंपनियां AI के लिए खुद को रीमॉडल कर रही हैं। AI के इम्प्लिमेंटेशन में भारतीय कंपनियों का बड़ा रोल रहने वाला है।'

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 01-17-2026 22:25 Color:

रिटायरमेंट प्लानिंग में न करें महंगाई को नज़रअंदाज़

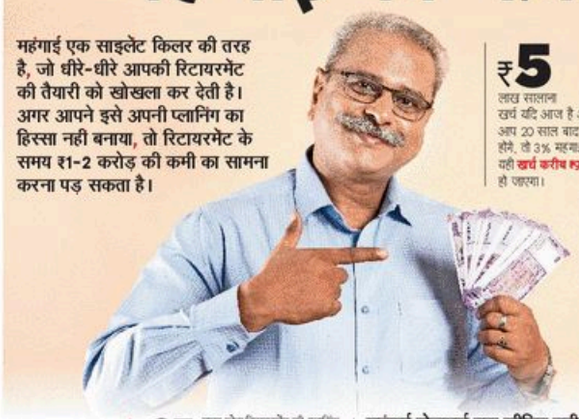

महंगाई एक साइलेंट किलर की तरह है, जो धीरे-धीरे आपकी रिटायरमेंट की तैयारी को खोखला कर देती है। अगर आपने इसे अपनी प्लानिंग का हिस्सा नहीं बनाया, तो रिटायरमेंट के समय ₹1-2 करोड़ की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

₹5 लाख सालाना खर्च यदि आज है और आप 20 साल बाद रिटायर होंगे, तो 3% महंगाई पर यही **खर्च करीब ₹9 लाख** हो जाएगा।

समीर भारद्वाज
Sameer.Bhardwaj
@timesofindia.com

महंगाई को नजरअंदाज करने से रिटायरमेंट प्लानिंग की पूरी गणित बिगड़ जाती है। सही अनुमान, सही असेट एलोकेशन और महंगाई दर को ध्यान में रखकर बनाया गया कॉर्पस ही लंबी रिटायरमेंट लाइफ में आर्थिक आत्मनिर्भरता और मानसिक शांति दे सकता है।

अक्सर लोग रिटायरमेंट की प्लानिंग करते समय सोचते हैं कि अगर आज जितने पैसे में उनका खर्च ठीक से चल रहा है, उतने में भविष्य में भी चल जाएगा। यही सबसे बड़ी गलती है। इसकी वजह है महंगाई, यानी समय के साथ चीजों का महंगा होते जाना। महंगाई धीरे-धीरे आपकी बचत की ताकत को कम कर देती है, और आपको पता भी नहीं चलता कि कब आपकी जमा पूंजी आपके लिए पूरी नहीं है।

महंगाई का असर ऐसा होता है कि आज जो पैसा आपको पर्याप्त लगता है, वही पैसा 10-15 साल बाद आधी चीजें भी नहीं खरीद पाता। उदाहरण के तौर पर, अगर महंगाई की दर औसतन 5% रहे, तो करीब 14-15 साल में चीजों के दाम दोगुने हो जाते हैं। अगर महंगाई 6% रही, तो यह काम 12 साल में ही हो जाता है। मान लीजिए, आज आपका सालाना खर्च 3 लाख है और आप सोचते हैं कि 15 साल बाद रिटायरमेंट के लिए 45 लाख जमा कर लेंगे, तो यह रकम कागज पर भले ही बड़ी लगे, लेकिन 5% महंगाई के हिसाब से इसकी असली ताकत आधी रह जाएगी। यानी 45 लाख से आप वही खर्च नहीं चला पाएंगे, जो आज 3 लाख में हो रहा है।

महंगाई रोजमर्रा तक सीमित नहीं:

महंगाई का असर किराना, बिजली या पेट्रोल तक सीमित नहीं है। कुछ खर्च ऐसे होते हैं, जिनकी कीमतें सामान्य महंगाई से भी तेज बढ़ती हैं। जैसे बच्चों की पढ़ाई और हेल्थकेयर। अस्पताल, डायग्नोस्टिक, इलाज और इंश्योरेंस का खर्च आने वाले सालों में और तेजी से बढ़ने वाला है।

रिटायरमेंट सबसे संवेदनशील लक्ष्य:

रिटायरमेंट सबसे लंबा फाइनेंशल टौर है, जहां 20-25 साल तक जमा पूंजी पर निर्भर रहना पड़ता है। आम गलती यह है कि भविष्य के खर्च आज के हिसाब से आंके जाते हैं। सही प्लानिंग में महंगाई को 2 बार जोड़ना जरूरी है- रिटायरमेंट तक और उसके बाद के खर्चों।

खर्च का अनुमान कैसे लगाएं:

रिटायरमेंट खर्च के सही अनुमान के लिए आज के रोजमर्रा, मेडिकल और ट्रैवल खर्च को तय महंगाई दर से बढ़ाकर देखें। इससे रिटायरमेंट की जरूरत समझ आती है। उदाहरण के तौर पर, आज 5 लाख का सालाना खर्च 6% महंगाई पर 20 साल में करीब 16 लाख हो सकता है।

असेट एलोकेशन से मुकाबला:

महंगाई से लड़ने के लिए सही असेट एलोकेशन जरूरी है। सिर्फ डेट निवेश कमजोर पड़ता है। इक्विटी लंबे समय में महंगाई को मात देती है। रिटायरमेंट प्लानिंग में इक्विटी और डेट का संतुलन रखें, इक्विटी को खत्म न करें।

रिटायरमेंट के दिन आपको कितनी रकम चाहिए?

रिटायरमेंट कॉर्पस को पानी की उस टंकी मानें, जिससे 20-25 साल तक पानी लेना है, लेकिन थोड़ा-बहुत पानी भरता भी रहेगा। यानी बचत से हर साल खर्च निकालना है, और बंची पैसा निवेश होकर कुछ रिटर्न भी देता रहेगा। अगर आप रिटायरमेंट के समय सालाना ₹15 लाख खर्च का अनुमान लगाते हैं और यह 25 साल तक चलना है, तो केवल खर्च जोड़ने से काम नहीं चलेगा। यह भी देखना होगा कि पैसा किस रिटर्न पर निवेश रहेगा। इसी से तय होगा कि रिटायरमेंट के दिन कितनी रकम चाहिए।

महंगाई सालाना खर्च को कैसे प्रभावित करती है?

मान ले आज का सालाना खर्च ₹5 लाख है। महंगाई 5% रही और आप 20 साल बाद रिटायर होंगे, तो वही खर्च 20 साल बाद ₹13.27 लाख होगा। यानी वही जिंदगी जीने के लिए ढाई गुना से ज्यादा पैसा चाहिए होगा।

महंगाई दर

रिटायरमेंट	3%	4%	5%	6%
10 साल	1.34	1.48	1.63	1.79
15 साल	1.56	1.80	2.08	2.40
20 साल	1.81	2.19	2.65	3.21
25 साल	2.09	2.67	3.39	4.29

महंगाई मल्टीप्लायर

इसे ध्यान में रखें

(आज के खर्च को महंगाई मल्टीप्लायर से गुणा करें, रिटायरमेंट का खर्च मिल जाएगा।)

3% महंगाई	5% महंगाई	6% महंगाई
पर ₹5 लाख, 20 साल बाद ₹9 लाख हो जाता है	पर ₹5 लाख, 20 साल बाद ₹13.27 लाख हो जाता है	पर ₹5 लाख, 20 साल बाद ₹16 लाख हो जाता है
(₹500000 × 1.81)	(₹500000 × 2.65)	(₹500000 × 3.21)

महंगाई को शामिल करने पर आती असली तस्वीर

यहां माना है कि खर्च हर साल महंगाई के साथ बढ़ेगा।

जिस दर से कॉर्पस बढ़ेगा (या डिस्काउंट रेट)

महंगाई दर	6.5%	7.5%	9%	12%
3%	14.83	13.73	12.31	10.11
4%	16.11	14.87	13.28	10.82
5%	17.54	16.14	14.35	11.60
6%	19.13	17.56	15.54	12.46

इसे ध्यान में रखें

20 साल रिटायरमेंट के बाद के लिए:
₹30 लाख सालाना खर्च और कॉर्पस के 7.5% सालाना बढ़ने की स्थिति में

- **4% महंगाई** पर 60 वर्ष की उम्र में जरूरी कॉर्पस होगा ₹4.46 करोड़ (₹30 लाख × 14.87)
  - यह ₹3.29 करोड़ से 26.3% ज्यादा है, अगर आप महंगाई को नजरअंदाज करते हैं।
- **6% महंगाई** पर जरूरी कॉर्पस होगा ₹5.27 करोड़ (₹30 लाख × 17.56)
  - यह ₹3.29 करोड़ से 37.6% ज्यादा है, अगर आप महंगाई को नजरअंदाज करते हैं।

EPFO वेज सीलिंग

₹15,000 से ₹21,000 हो तो किसे फायदा-नुकसान?

स्नेहा कुलकर्णी
NBTwealth
@timesofindia.com

अगर सरकार EPFO की वेज सीलिंग ₹15,000 से बढ़ाकर ₹21,000 करती है, तो यह सैलरीड क्लास के लिए बड़ा बदलाव होगा। इससे ज्यादा कर्मचारी सामाजिक सुरक्षा के दायरे में आएंगे और रिटायरमेंट बचत मजबूत होगी।

AI Image

काफी समय से कर्मचारी संगठनों की मांग रही है कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) की मौजूदा वेज सीलिंग 15,000 को बढ़ाया जाए। अब इस मांग को और मजबूती तब मिली है, जब एक्टिविस्ट नवीन प्रकाश नौटियाल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि वह चार महीने के भीतर इस सीमा पर विचार करे। अगर सरकार वेज सीलिंग को 15,000 से बढ़ाकर 21,000 करती है, तो इसका असर लाखों कर्मचारियों की सैलरी, रिटायरमेंट बचत और पेंशन पर पड़ेगा।

वेज सीलिंग वह अधिकतम सैलरी सीमा होती है, जिस तक EPF (प्रोविडेंट फंड), EPS (पेंशन स्कीम) और EDLI (इंश्योरेंस) में योगदान जरूरी होता है। अभी यह सीमा 15,000 प्रति माह है, जिसमें कर्मचारी की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता (DA) शामिल होता है। इसका सीधा मतलब है कि अगर किसी कर्मचारी की बेसिक सैलरी और DA मिलाकर 15,000 या उससे कम है, तो उसका EPF, EPS और EDLI में शामिल होना जरूरी है। लेकिन अगर सैलरी 15,000 से ज्यादा है, तो उसके लिए EPF और EDLI जरूरी नहीं होते, जब तक कि कर्मचारी और नियोक्ता दोनों सहमत न हों।

2014 में तय हुई सीमा

फिलहाल EPFO की वेज सीलिंग सितंबर 2014 से 15,000 पर ही अटकी हुई है। इस दौरान महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन सीमा में कोई बदलाव नहीं हुआ। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि यह सीमा अब पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुकी है और इसे कम से कम 21,000 किया जाना चाहिए, ताकि ज्यादा कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह दलील दी गई कि 15,000 से ज्यादा बेसिक सैलरी पाने वाले लाखों कर्मचारी EPF और पेंशन जैसी योजनाओं से बाहर रह जाते हैं। कोर्ट ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए सरकार को चार महीने का समय दिया है।

वेज सीलिंग बढ़ी तो किसके लिए अच्छा?

अगर वेज सीलिंग ₹21,000 कर दी जाती है, तो सबसे बड़ा फायदा उनको होगा, जिनकी बेसिक सैलरी ₹15,000 से ₹21,000 के बीच है। अभी ये कर्मचारी EPF और EPS से बाहर हैं या आंशिक रूप से जुड़े हुए हैं। चार्टर्ड अकाउंटेंट राहुल सिंह के मुताबिक, वेज सीलिंग बढ़ने से बड़ी संख्या में कर्मचारी फॉर्मल सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के दायरे में आ जाएंगे।

- **सैलरी पर क्या असर पड़ेगा?:** वेज सीलिंग बढ़ने से EPF की 12% कटौती ज्यादा बेसिक सैलरी पर होगी, जिससे टेक-होम सैलरी घट सकती है। कर्मचारी और नियोक्ता का योगदान बढ़ेगा। इससे रिटायरमेंट कॉर्पस मजबूत बनेगा। CA नौरव मखीजानी के अनुसार, यह बदलाव लंबी अवधि में फायदेमंद है, लेकिन शुरुआत में नकदी पर दबाव डाल सकता है।
- **EPS पर क्या असर होगा?:** EPF की सदस्यता के बिना कोई कर्मचारी EPS-95 पेंशन स्कीम का सदस्य नहीं बन सकता। 2014 के बाद नियम है कि कोई ₹15,000 से ज्यादा बेसिक सैलरी पर जॉइन करता है, तो वह EPF में तो शामिल हो सकता है, लेकिन EPS में नहीं। वेज सीलिंग बढ़ने पर ज्यादा कर्मचारियों को EPS का फायदा मिल सकता है।

यह बदलाव किनके लिए अच्छा है?

यह बदलाव उनके लिए ज्यादा फायदेमंद होगा, जो रिटायरमेंट के लिए लंबी अवधि की सुरक्षित बचत चाहते हैं। जिनको हर महीने ज्यादा नकदी की जरूरत होती है, उन्हें शुरुआत में यह बोझ लग सकता है।

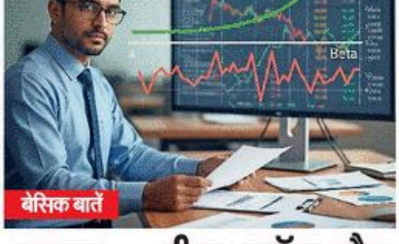

बेसिक बातें

अल्फा vs बीटा: स्टॉक और MF इन्वेस्टर हैं, तो ध्यान दें

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

जब आप किसी स्टॉक या म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं, तो दो सवाल अहम होते हैं- इस निवेश ने कितना रिटर्न दिया और उस रिटर्न के लिए कितना जोखिम लिया गया। Alpha और Beta इन्हीं दो सवालों का जवाब देते हैं।

निवेश की दुनिया में सिर्फ रिटर्न देखना काफी नहीं होता, यह समझना भी जरूरी है कि वह रिटर्न किस जोखिम पर मिला है। अल्फा और बीटा ऐसे ही दो इंडिकेटर हैं, जो निवेशकों को किसी स्टॉक या म्यूचुअल फंड के प्रदर्शन और उसके जोखिम स्तर को साफ-साफ समझने में मदद करते हैं।

अल्फा क्या है?

अल्फा बताता है कि किसी स्टॉक या MF ने बाजार या बेंचमार्क के मुकाबले कैसा प्रदर्शन किया। सीधे शब्दों में, अल्फा यह दिखाता है कि आपका निवेश बाजार से बेहतर चला या खराब। मान लीजिए, बाजार ने 10% रिटर्न दिया और आपके फंड ने 12% रिटर्न दिया। इसका मतलब हुआ कि आपका निवेश बाजार से 2% आगे रहा। इसे 'पॉजिटिव अल्फा' कहा जाएगा। अगर आपके फंड ने सिर्फ 8% रिटर्न दिया, तो वह बाजार से पीछे रहा।

बीटा क्या है?

बीटा बताता है कि किसी निवेश ने कितना उतार-चढ़ाव या जोखिम है। 'पॉजिटिव बीटा' का मतलब बाजार की दिशा में चलना, और 'नेगेटिव बीटा' का मतलब है बाजार के उलट दिशा में चलना। बीटा की बेस वैल्यू 1 होती है। बीटा 1 का मतलब है निवेश बाजार के साथ-साथ चलेगा। बीटा 1 से ज्यादा है, तो निवेश बाजार से ज्यादा तेज ऊपर-नीचे होगा, यानी जोखिम ज्यादा है। बीटा 1 से कम है, तो उतार-चढ़ाव कम होगा।

निवेशकों के लिए सीख

अल्फा बताता है कि निवेश कितना अच्छा रहा और बीटा बताता है कि उसके लिए कितना जोखिम लिया गया। अच्छा निवेश वही माना जाता है, जिसमें अल्फा अच्छा हो और बीटा आपकी जोखिम लेने की क्षमता के मुताबिक हो। सिर्फ ज्यादा रिटर्न देखना काफी नहीं, यह समझना भी जरूरी है कि वह रिटर्न किस जोखिम पर मिला है।

उम्र जलवों में बसर हो, ये मुमकिन है मगर, शर्त इतनी है, निवेश की शुरुआत जल्द हो

बचत जितनी जल्दी निवेश की शक्ल अख्तियार कर ले, अमीर बनने की संभावना उतनी ज्यादा बढ़ती है

दो टूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari
@timesofindia.com

दौलत केवल धन का खेल नहीं, बल्कि समय, अनुशासन और सोच का नतीजा होती है। जो लोग निवेश को देर से शुरू करते हैं, वे अक्सर कमाई के असली फायदे से चूक जाते हैं। जल्दी शुरुआत करना सिर्फ पैसे जोड़ने की रणनीति नहीं, बल्कि बेहतर और स्वतंत्र जीवन की तैयारी है।

आमतौर पर हमें यह लगता है कि पहले कमाओ, फिर खर्च करो और जो बच जाए, उसे बचत कह दो। इस सोच में धन बढ़ने की संभावना बहुत सीमित रहती है। बचत जितनी जल्दी निवेश की शक्ल अख्तियार कर ले, अमीर बनने की संभावना उतनी ज्यादा बढ़ती है। अगर एक रुपया भी सालाना औसत प्रतिफल की दर से निवेश किया जाए, तो वह लगभग छह साल में दोगुना हो जाता है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, चक्रवृद्धि की शक्ति से इसका असर कई गुना हो जाता है। ये लाभ सबके लिए बराबर हैं, फर्क सिर्फ इतना है कि शुरुआत कौन कब करता है। औसत भारतीय अब भी निवेश की जगह खर्च को प्राथमिकता दे रहा है।

जब आप युवा होते हैं, तभी निवेश की शुरुआत होनी चाहिए। तब उतार-चढ़ाव वाले साधनों में पैसा लगाना मुमकिन है, क्योंकि आपके पास समय होता है। उम्र बढ़ने के साथ धीरे-धीरे सुरक्षित निवेश की ओर झुकना समझदारी होती है। शुरुआत पर इतना जोर क्यों? बहुत से लोग अमीर तब बनते हैं जब वे भीतर से थक चुके होते हैं। पैसा आजादी खरीद सकता है, लेकिन उसका इस्तेमाल कब करना है, ये देखना होगा। जब त्याग की कसावट ढीली पड़ने लगती है और दुनिया का आकर्षण भी फीका हो जाता है। असली मंत्र सिर्फ यह नहीं है कि बूढ़े होने से पहले अमीर बनो। असली बात यह है कि इतनी जल्दी अमीर बनो कि जब पैसा आए, तब तुम्हें जिंदा महसूस करना आता हो। जो लोग यह बात जल्दी समझ लेते हैं, वे उम्र से पहले नहीं, थकान से पहले अमीर बनने की कोशिश करते हैं। जीवनशैली का असर भी वेल्थ क्रिएशन पर सीधा पड़ता है। सेहत पर ध्यान देना भी इसी का हिस्सा है, बीमार शरीर न केवल जीवन की गुणवत्ता गिराता है, बल्कि वर्षों की बचत भी खत्म कर सकता है।

समय हमारी धन यात्रा में सबसे कम आंका गया संसाधन है। जल्दी शुरुआत करने से गलती करने, सीखने और रास्ता बदलने की गुंजाइश मिलती है। जो लोग विलंब योजना को टालते रहते हैं, वे अक्सर खुद से तय जिम्मेदारियों के चक्र में फंस जाते हैं। बूढ़े होने से पहले अमीर बनना असल में समाज में अपना सम्मान बनाए रखने और आजादी से जुड़ा हुआ विषय है। इसका मतलब जल्दी रिटायर होना भी नहीं, बल्कि सोच-समझकर जीना है। यह उस स्थिति तक पहुंचने की बात है, जहां पैसा हमारे फैसलों को कंट्रोल करना बंद कर दे। जल्दी अमीर बनने का असली मतलब महंगी चीजें खरीदना नहीं, बल्कि विकल्प खरीदना है। कब रुकना है, किससे मिलना है, और किस दर को नजरअंदाज करना है। उम्रदराज होने से पहले अमीर बनने की कोशिश दरअसल भविष्य को प्रभावित करने की नहीं, बल्कि अतीत को ठीक करने की कोशिश होती है। जल्दी आय पैसा आगे की जिंदगी तो बदलता ही है, पीछे छूट गई चीजों का बोझ हल्का करता है। जो समय रहते कमाता है, वह सिर्फ भविष्य नहीं खरीदता, वह अपने अतीत के घावों को भी चुपचाप भर देता है।

AI Image

जल्दी अमीर बनने का मतलब महंगी चीजें खरीदना नहीं, बल्कि विकल्प खरीदना है। यह उस स्थिति तक पहुंचने की बात है, जहां पैसा आपके फैसलों को नियंत्रित करना बंद कर दे। सही समय पर किया गया निवेश भविष्य ही नहीं, बीते हुए समय के बोझ को भी हल्का कर देता है।

वेल्थ क्रिएशन से पहले एक मजबूत नींव तैयार करना बेहद जरूरी है। सबसे पहले ऐसा इमरजेंसी फंड होना चाहिए, जो कम से कम छह से बारह महीने के घरेलू खर्च को संभाल सके। यह पैसा किसी ऐसी जगह पर होना चाहिए, जिसे जरूरत पड़ने पर तुरंत निकाला जा सके। भारत में इसके लिए ज्यादा ब्याज वाला बचत खाता, स्वीप एकाउंट या लिक्विड म्यूचुअल फंड ठीक माने जाते हैं। बीमा भी इस नींव का एक अहम हिस्सा है। टर्म लाइफ इंश्योरेंस परिवार को उस स्थिति में सुरक्षा देता है, जब कमाने वाले के साथ कुछ अनहोनी हो जाए। हेल्थ इंश्योरेंस बढ़ते मेडिकल खर्च से बचाता है। बिना बीमा के की गई बचत एक ही बीमारी या दुर्घटना में खत्म हो सकती है।

मजबूत नींव के बाद कर्ज पर ध्यान देना चाहिए। क्रेडिट कार्ड या पर्सनल लोन जैसे महंगे कर्ज सबसे पहले चुकाने चाहिए, क्योंकि इनका ब्याज कमाई की असली ताकत को धीरे-धीरे खत्म कर देता है। होम लोन ठीक हो सकता है, बशर्ते जिस प्रॉपर्टी के लिए लिया गया हो, उसमें खुद रहते हैं। टैक्स की समझ भी जरूरी है। सही टैक्स प्लानिंग से कमाई का बड़ा हिस्सा सरकार को देने के बजाय निवेश में लगा रह सकता है। इनकम टैक्स कानून में मौजूद छूटों, कटौतियों का समझदारी से इस्तेमाल करने पर लंबे समय में रिटर्न में बढ़ोतरी हो जाती है।

जब आधार मजबूत हो जाए, तब निवेश के विभिन्न साधनों की ओर बढ़ा जा सकता है। अलग-अलग तरह की संपत्तियों में निवेश करने से जोखिम कम होता है। अगर किसी एक क्षेत्र में गिरावट आती है, तो पूरा भविष्य खतरे में नहीं पड़ता। भारत में इक्विटी म्यूचुअल फंड लंबे समय में अच्छे रिटर्न देने के लिए जाने जाते हैं। सीधे शेयरों में निवेश करने के लिए अनुशासन और समझ दोनों चाहिए। दूसरों की सलाह पर चलने से जोखिम बढ़ सकता है। सुरक्षित निवेश चाहने वालों के लिए पीएफ और पीपीएफ जैसी योजनाएं स्थिर और टैक्स-फ्री रिटर्न देती हैं। नेशनल पेंशन सिस्टम यानी एनपीएस में इक्विटी और डेट का संतुलन होता है और अतिरिक्त टैक्स लाभ भी मिलता है। रियल एस्टेट भारत में आम भी लोकप्रिय है, क्योंकि किराये से नियमित आय मिल सकती है। इसमें बड़ी पूंजी और सही स्थान का चुनाव बेहद अहम होता है। सोना महंगाई से बचाव का काम करता है और पोर्टफोलियो को संतुलन देता है।

अमीर बनना अब सिर्फ विरासत या बहुत ऊंची सैलरी वालों तक सीमित नहीं रहा। हमारा देश आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां धन कमाने के असाधारण अवसर पैदा हो रहे हैं। जनसंख्या का लाभ बड़ा स्केल दे सकता है। तेजी से बढ़ते शहर खपत को बढ़ा रहे हैं। डिजिटल क्रांति ने घर-घर दस्तक दे दी है। ये सच है कि अपना काम शुरू करना, धन बढ़ाने के सबसे तेज तरीकों में एक है। लेकिन यह सबसे गलत समझा गया रास्ता भी है। भारत की स्टार्टअप सफलता की कहानियां अक्सर कई वर्षों की कठिनाई, असफलता और अनिश्चितता को छुपा लेती हैं। धन निर्माण की राह में बहुत बड़ी बाधा फाइनेंशल एजुकेशन की कमी है। बहुत से लोग निवेश को जुआ समझते हैं या गलत सलाह के कारण नुकसान उठा लेते हैं। इस कमी को दूर करने के लिए पढ़ना, सीखना और अनुभवी लोगों से जुड़ना जरूरी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 01-17-2026 22:24 Color:

ओवरसीज म्यूचुअल फंड

लिमिटेड एंट्री मगर अनलिमिटेड रिटर्न का मौका!

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali
@timesofindia.com

निवेशकों की रुचि बीते एक साल में ओवरसीज या इंटरनैशनल म्यूचुअल फंड्स में बढ़ी है। अमेरिका, यूरोप, एशिया, ताइवान, चीन और ब्राजील जैसे देशों की इकोनॉमी में निवेश करने वाली स्कीमों में निवेशकों का झुकाव साफ दिख रहा है।

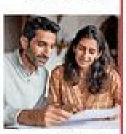

सही रणनीति यही है कि भारत के साथ 10-15% ग्लोबल निवेश जोड़कर संतुलन और सुरक्षा दोनों बनाई जाए।

ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स को लेकर निवेशकों की दिलचस्पी तेजी से बढ़ी है। पिछले एक साल में विदेशी फंड-ऑफ-फंड्स कैटिगरी में निवेशकों के अकाउंट करीब 2.3 लाख बढ़कर 16 लाख हो गए हैं। अमेरिका, चीन, एशिया, ताइवान, यूरोप और ब्राजील जैसी विदेशी अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करने वाली स्कीमों की लोकप्रियता इतनी बढ़ गई है कि कुछ निवेशक अपने पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा भी इन फंड्स में लगाने लगे हैं। हालांकि, एक्सपर्ट्स सावधान रहने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स में रेगुलेटरी लिमिट्स की वजह से स्कीमें कभी खुलती हैं, तो कभी बंद हो जाती हैं। इसलिए जैसे ही निवेश की विंडो खुले, बिना सोचे-समझे पैसा लगाना सही रणनीति नहीं है। सही फैसला वही है, जो योजना और संतुलन के साथ लिया जाए।

Wealthy.in के को-फाउंडर आदित्य अग्रवाल के मुताबिक, ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स में बढ़ती रुचि की सबसे बड़ी वजह टैक्स नियमों में बदलाव है। पहले इंटरनैशनल फंड्स पर टैक्स ज्यादा लगता था, इसलिए ये आम निवेशकों के लिए ज्यादा आकर्षक नहीं थे। लेकिन 2025 के बाद टैक्स का फर्क काफी कम हो गया है। अब 2 साल से ज्यादा निवेश रखने पर इन फंड्स पर 12.5% लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगता है, जिससे ये लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प बन गए हैं। दूसरी अहम वजह है वैल्यूएशन बैलेंसिंग। जब भारतीय शेयर बाजार महंगे लगने लगते हैं, तब फंड मैनेजर दुनिया के दूसरे बाजारों की ओर देखते हैं। कई बार विदेशी बाजार उस समय बेहतर वैल्यू देते हैं। ऐसे में निवेश को ग्लोबल बाजारों में फैलाने का फायदा मिलता है।

साल में 150-170% तक रिटर्न!

बीते साल ओवरसीज MF का प्रदर्शन मजबूत रहा। कुछ सेक्टोरल इंटरनैशनल फंड्स, खासकर गोल्ड माइनिंग से जुड़े फंड्स ने साल में 150-170% तक रिटर्न दिया। US बाजार से जुड़े फंड्स में मिराए असेट का S&P 500 आधारित ETF ने 32% रिटर्न दिया। एशिया में निप्पॉन इंडिया ताइवान इक्विटी फंड ने 54%, जबकि इमर्जिंग मार्केट कैटेगरी में HSBC ब्राजील फंड ने करीब 58% रिटर्न दिया। हालांकि एक्सपर्ट्स यह भी साफ कहते हैं कि ऐसे ऊंचे रिटर्न हर साल नहीं मिलते। इसलिए सिर्फ पिछला प्रदर्शन देखकर निवेश करने के बजाय, लंबी अवधि और सही संतुलन के साथ फैसला लेना ज्यादा जरूरी है।

निवेश पर लिमिट जानें

ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स में निवेश पर रेगुलेटरी लिमिट लगी हुई है, इसलिए इनमें एंट्री हमेशा खुली नहीं रहती। SEBI ने पूरी म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री के लिए ओवरसीज निवेश की कुल सीमा $7 बिलियन तय की है, जबकि हर फंड हाउस के लिए यह सीमा $1 बिलियन है। जैसे ही कोई फंड अपनी तय सीमा के करीब पहुंचता है, वह नई सब्सक्रिप्शन अस्थायी रूप से बंद कर देता है।

'करंसी बेनिफिट छिपा हुआ फायदा'

मनी हनी फाइनैंशल सर्विसेज के फाउंडर अनूप मैया कहते हैं कि अगर पूरा पैसा सिर्फ भारत में लगा हो, तो निवेशक AI, एडवांस टेक्नोलॉजी, ग्लोबल हेल्थकेयर और इनोवेशन से जुड़े उन सेक्टर्स से चूक जाते हैं, जिनकी कई बड़ी कंपनियां भारत के बाहर स्थित हैं।

उनका कहना है कि भारत में कई भरोसेमंद म्यूचुअल फंड हाउस अब डेडिकेटेड इंटरनैशनल फंड, फीडर फंड और ग्लोबल थीमेटिक फंड ऑफर कर रहे हैं। इनमें निवेश करना न सिर्फ सरल है, बल्कि मौजूदा नियमों के तहत कई मामलों में टैक्स के लिहाज से भी ठीक माना जाता है, खासकर लंबी अवधि के निवेश के लिए।

इंटरनैशनल निवेश का छिपा फायदा करंसी बेनिफिट भी है। अगर किसी अमेरिकी फंड ने 0% रिटर्न दिया, लेकिन उसी दौरान रुपया डॉलर के मुकाबले 4% कमजोर हुआ, तो भारतीय निवेशक को रुपये में 4% का फायदा मिल सकता है। इसलिए एक्सपर्ट्स इंटरनैशनल अलोकेशन की सलाह देते हैं।

क्या 2026 में भी इंटरनैशनल फंड्स बेहतर प्रदर्शन करेंगे?

2025 में इंटरनैशनल म्यूचुअल फंड्स ने घरेलू फंड्स से बेहतर रिटर्न दिया, जिसमें AI से जुड़े खर्च और कमोडिटी कीमतों की तेजी ने अहम भूमिका निभाई। इसी कारण निवेशकों की नजर 2026 पर है, लेकिन सावधानी जरूरी है। सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर पल्लव अग्रवाल के मुताबिक, AI और टेक शेयरों के ऊंचे वैल्यूएशन से करेक्शन का जोखिम बना है। सोने के दाम गिरे तो गोल्ड माइनिंग फंड्स में मुनाफावसूली भी हो सकती है।

इन स्कीमों में अभी मौके

जनवरी 2026 तक कुछ फंड हाउसेज ने अपनी स्कीमें नए निवेश के लिए दोबारा खोली हैं।

- Aditya Birla Sun Life Mutual Fund की स्कीमें आदित्य बिड़ला सन लाइफ इंटरनैशनल इक्विटी फंड, आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल इमर्जिंग अपॉर्चुनिटीज फंड और आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल एक्सीलेंस इक्विटी फंड ऑफ फंड।
- **Invesco Mutual Fund India की स्कीमें इन्वेस्को इंडिया-इन्वेस्को ग्लोबल इक्विटी इनकम फंड ऑफ फंड और इन्वेस्को इंडिया-इन्वेस्को पैन यूरोपियन इक्विटी फंड ऑफ फंड।**
- PGIM इंडिया ग्लोबल इक्विटी अपॉर्चुनिटीज, एडलवाइस ग्रेटर चाइना इक्विटी, ICICI प्रूडेंशियल US ब्लूचिप इक्विटी, मोतीलाल ओसवाल नैस्डैक 100 फंड ऑफ फंड आदि।

ओवरसीज MF को जानें

- ओवरसीज MF ऐसी स्कीमें होती हैं, जो भारत के बाहर की कंपनियों और सरकारों में निवेश करती हैं। इससे निवेशक अमेरिका, यूरोप, एशिया जैसे बाजारों में निवेश से बेहतर डायवर्सिफिकेशन पाते हैं।
- इन फंड्स के जरिए निवेशक NVIDIA, Microsoft, Apple, Amazon और Meta जैसी ग्लोबल दिग्गज कंपनियों में हिस्सेदारी ले सकते हैं, जो नई टेक्नॉलजी और उभरते सेक्टर्स में लीड कर रही हैं।

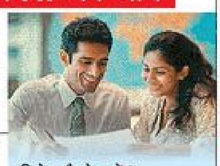

निवेश कैसे करें?
ओवरसीज MF में निवेश इंटरनैशनल इक्विटी फंड, ETF या फंड ऑफ फंड्स के जरिए कर सकते हैं। निवेश SIP या एकमुश्त, दोनों तरीकों से संभव है।

71 MF में अभी मौके

भारत में करीब 71 इंटरनैशनल म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें 28 अभी नए निवेश स्वीकार कर रहे हैं, जबकि 6 ग्लोबल ETF स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग के लिए उपलब्ध हैं। इसके अलावा RBI ने भी सीधे विदेशी निवेश और इंटरनैशनल ETF एक्सपोजर के लिए अलग-अलग $1 बिलियन की सीमा तय की है। फंड हाउसेज को इन सीमाओं के भीतर ही सख्ती से काम करना होता है।

'जोखिम बांटने का जरिया'

- आदित्य अग्रवाल के मुताबिक, ओवरसीज म्यूचुअल फंड निवेश का सबसे बड़ा फायदा जोखिम का बंटवारा है। ग्लोबल तनाव के दौर में ये भारतीय बाजार की गिरावट का असर कम करते हैं और निवेश को सुरक्षा देते हैं।
- **इसके अलावा, सिर्फ भारत में निवेश करने से कई बड़े ग्लोबल सेक्टर्स छूट जाते हैं। ओवरसीज म्यूचुअल फंड के जरिए NVIDIA, ASML और Eli Lilly जैसी ग्लोबल लीडर कंपनियों में निवेश का मौका मिलता है।**
- असल में दुनिया की कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन में भारत की हिस्सेदारी करीब 4% ही है। ओवरसीज म्यूचुअल फंड निवेशकों को AI, सेमीकंडक्टर्स और एयरोस्पेस जैसे ग्लोबल ग्रोथ सेक्टर्स में भागीदारी का मौका देते हैं।

तो क्या विदेश में ही करें निवेश?

इस सवाल पर एक्सपर्ट्स साफ तौर पर सावधानी बरतने की सलाह देते हैं। Wealthy.in के को-फाउंडर आदित्य अग्रवाल का कहना है कि चाहे ओवरसीज म्यूचुअल फंड्स के रिटर्न कितने भी आकर्षक क्यों न दिखें, अपना बड़ा पैसा विदेश में शिफ्ट करना समझदारी नहीं है। निवेशकों को पोर्टफोलियो का 80-85% हिस्सा भारत में ही रखना चाहिए, ताकि देश की आर्थिक ग्रोथ का फायदा मिले। सिर्फ 10-15% निवेश ग्लोबल या US फंड्स में हो। इससे एक तरफ करंसी में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा मिलती है और दूसरी तरफ दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों में निवेश का मौका भी मिलता है।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	Returns
Quant Small Cap Fund(G)	22.97
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.11
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.06
Quant Infrastructure Fund(G)	20.81
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	20.76

14 Jan 2016 to 14 Jan 2026 — % ANNUALISED RETURNS As on: 15 Jan 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटिगरी के आधार पर सबसे ज्यादा और सबसे कम रिटर्न वाले टॉप 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक प्रदर्शन को आसानी से समझ सकें।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल	रिटर्न	फिसड्डी	रिटर्न
Nippon India Large Cap Fund(G)	18.75	PGIM India Large Cap Fund(G)	11.28
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	17.66	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	11.83
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	17.58	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	12.04
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	17.45	Union Largecap Fund-Reg(G)	12.37
Bandhan Large CapFund-Reg(G)	17.38	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	12.56

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल	रिटर्न	फिसड्डी	रिटर्न
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.25	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	2.41
HDFC Flexi Cap Fund(G)	21.51	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	10.93
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.14	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.75
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.69	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.53
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	20.41	Taurus Flexi Cap Fund-Reg(G)	12.83

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल	रिटर्न	फिसड्डी	रिटर्न
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	26.03	Quant Mid Cap Fund(G)	12.87
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	25.39	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	12.88
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.26	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	15.25
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	24.96	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	16.68
Nippon India Growth Mid Cap Fund	24.78	SBI Midcap Fund-Reg(G)	17.10

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल	रिटर्न	फिसड्डी	रिटर्न
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	29.13	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	13.03
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	24.17	PGIM India Small Cap Fund	13.10
Mahindra Manulife Small Cap Fund	23.81	Kotak Small Cap Fund(G)	14.24
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	23.34	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	14.29
Nippon India Small Cap Fund(G)	20.20	Canara Robeco Small Cap Fund-Reg(G)	15.08

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल	रिटर्न	फिसड्डी	रिटर्न
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	19.11	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	11.17
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	17.78	Quant Aggressive Hybrid Fund(G)	11.30
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.76	Groww Aggressive Hybrid Fund	11.41
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	16.47	Shriram Aggressive Hybrid Fund	11.49
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.37	Tata Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	11.50

ANNUALISED RETURNS IN %, As on: 15 Jan 2026

₹8 लाख करोड़ का झटका!

शेयर खरीदने का यह सही समय है?

निखिल अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

2026 की शुरुआत शेयर बाजार के लिए झटके भरी रही है। कुछ ही दिनों में निवेशकों की दौलत में लाखों करोड़ की कमी आई है। ऐसे माहौल में सबसे बड़ा सवाल यही है कि गिरते बाजार में शेयर खरीदें या अभी इंतजार करना ज्यादा समझदारी होगी।

साल 2026 की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए अच्छी नहीं रही। नए साल के शुरुआती कुछ ट्रेडिंग सेशंस में ही निवेशकों की संपत्ति में करीब 8 लाख करोड़ की कमी आ चुकी है। यह पिछले 10 सालों में किसी भी कैलेंडर ईयर की सबसे कमजोर शुरुआत मानी जा रही है। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों करीब 2% तक गिर चुके हैं, जबकि BSE में लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप करीब 7.6 लाख करोड़ घटकर 468 लाख करोड़ रह गया है। यह गिरावट अचानक नहीं आई, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा दबाव आया है विदेशी निवेशकों (FII) की ओर से, जो एक बार फिर भारतीय बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह ग्लोबल मनी फ्लो यानी दुनिया भर के निवेशकों का रुख है। विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) इस समय इंडेक्स फ्यूचर्स में करीब 92% शॉर्ट पोजिशन में हैं। कहने का मतलब है कि वे बाजार के और गिरने की तैयारी में बैठे हैं।

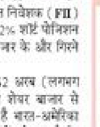

अब तक 2026 में FII करीब $2 अरब (लगभग 1.66 लाख करोड़ रुपये) भारतीय शेयर बाजार से निकाल चुके हैं। इसकी बड़ी वजह है भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ डील में देरी। निवेशकों को डर है कि अगर इस डील में ज्यादा समय लगा या शर्तें सख्त रहीं, तो भारतीय कंपनियों के एक्सपोर्ट और मुनाफे पर असर पड़ सकता है। हालांकि उम्मीद है कि इस हफ्ते फिर से बातचीत शुरू हो सकती है, लेकिन बाजार को अब तक इससे कोई ठोस राहत नहीं मिली है। LGT Wealth के CIO (इक्विटी) चक्री लोकप्रिया का कहना है कि 'बाजार इस वक्त सिर्फ एक शब्द का इंतजार कर रहा है- टैरिफ। जब तक इस पर साफ तस्वीर नहीं आती, बाजार एक दायरे में ही फंसा रहेगा।'

विदेशी फैक्टर्स के साथ-साथ एक घरेलू वजह भी है, जिसने निवेशकों को सतर्क कर रखा है- फरवरी में आने वाला यूनियन बजट। पिछले दो सालों में सरकार का कैपिटल एक्सपेंडिचर (इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च) उम्मीद से कमजोर रहा है। अब बाजार को उम्मीद है कि 2026 के बजट में सरकार फिर से खर्च बढ़ाएगी। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो बाजार की निराशा और बढ़ सकती है। इसी अनिश्चितता की वजह से बड़े निवेशक फिलहाल ज्यादा रिस्क लेने से बच रहे हैं।

बाजार एक दायरे में, न तेजी न बड़ी गिरावट

- टेक्निकल एनालिसिस के नजरिये से भी बाजार में कोई साफ दिशा नजर नहीं आ रही।
- **निफ्टी फिलहाल 25,473 से 25,900 के दायरे में घूम रहा है।**
- 25,600-25,500 का स्तर अहम सपोर्ट माना जा रहा है।
- **ऊपर की तरफ 25,835 के आसपास मजबूत रेजिस्टेंस।**

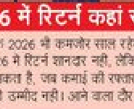

LKP Securities के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रुपक डे के मुताबिक 'शॉर्ट टर्म में सेंटिमेंट कमजोर रह सकता है। 25,600 के नीचे निफ्टी गया, तो गिरावट गहरी हो सकती है। ऊपर की तरफ अभी मजबूती नहीं दिख रही।' अभी बाजार साइडवेज है, यानी न तेजी का भरोसा है और न ही तेज गिरावट का।

2026 में रिटर्न कहां से आएगा?

कई निवेशकों को लग रहा है कि 2026 भी कमजोर साल रहेगा, लेकिन एक्सपर्ट्स ऐसा नहीं मानते। हर्ष उपाध्याय के मुताबिक, 2026 में रिटर्न शानदार नहीं, लेकिन 2025 से बेहतर हो सकता है। असली सुधार FY27 में दिख सकता है, जब कमाई की रफ्तार तेज हो सकती है। हालांकि 2020 से 2024 जैसी जबरदस्त तेजी की उम्मीद नहीं। आने वाला दौर धीमी और संतुलित रिकवरी का होगा।

क्या वैल्यूएशन सस्ते हुए हैं?

- गिरावट के बाद निवेशकों के मन में सवाल उठता है कि क्या अब शेयर सस्ते हो गए हैं? इसका जवाब थोड़ा संतुलित है।
- **लार्जकैप शेयरों में कुछ हद वैल्यूएशन सही हुए हैं।**
- मिडकैप और स्मॉलकैप में अब भी कई शेयर महंगे नजर आते हैं।

कोटक महिंद्रा AMC के CIO हर्ष उपाध्याय कहते हैं, लार्जकैप में वैल्यूएशन सुधरे हैं, पर स्मॉलकैप की कमजोर कमाई से तेजी मुश्किल है।

कमाई तय करेगी बाजार की दिशा

BofA Securities के इंडिया इक्विटी हेड अमिश मेहता... BofA Securities के इंडिया इक्विटी हेड अरविंद महेश्वरी कहते हैं कि 2026 में निफ्टी का रिटर्न वैल्यूएशन बढ़ने से नहीं, बल्कि कमाई से आएगा। निफ्टी फिलहाल 21-21.5 गुना फॉरवर्ड PE पर ट्रेड कर रहा है। वैल्यूएशन और बढ़ने की ज्यादा गुंजाइश नहीं है। 2026 के लिए निफ्टी का टारगेट करीब 29,000 है, यानी करीब 11% अपसाइड, जो पूरी तरह EPS ग्रोथ पर आधारित है।

FY26 EPS ग्रोथ: करीब 7% ■ **FY27 EPS ग्रोथ: करीब 14%**

डर में खरीदारी करें या इंतजार?

अनिश्चितता में घबराने के बजाय धैर्य रखना जरूरी है। Geojit के वी.के. विजयकुमार के मुताबिक, स्मार्ट निवेशक बाजार में टिके रहते हैं और धीरे-धीरे क्वालिटी शेयर खरीदते हैं। नुवामा मानता है कि 2026 संतुलन का साल हो सकता है, न कि तुरंत तेज तेजी का।

2026 के लिए क्या हो रणनीति?

2026 की शुरुआत भले कमजोर हो, लेकिन घबराना नहीं है। विदेशी निवेशक सतर्क हैं और पॉलिसी स्पष्टता का इंतजार है। यह दौर तेज मुनाफे का नहीं, बल्कि समझदारी और धैर्य का है। क्वालिटी शेयरों में टिके निवेशकों के लिए यही डर आगे चलकर मौका बन सकता है।

नया रूप, लेकीन भरोसा वही।

एक नयी पहचान ले कर , समय के साथ हम बदले हैं।

लेकिन जो नहीं बदला, वह है - आप पर हमारा विश्वास और आपके साथ हमारा रिश्ता।
इस नई पहचान के साथ हम अधिक स्पष्ट, आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार हुए हैं।
पर हमारी मूल सोच आज भी वही है - आपकी ज़रूरतों को समझना, हर कदम पर आपका साथ देना, और वर्षों से बनाए गए भरोसे को निभाना। दशकों से चले आ रहे रिश्तों को संभालते हुए, हम आज भी उसी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ हम नई पीढ़ी की सेवा के लिए तैयार हैं।
हम हैं - डिजिटल क्षेत्र में आगे, लेकिन मूल में मानवीय"। "क्योंकि... रिश्ता आप से है, सिर्फ़ ऐप से नहीं"।"

Federal Bank

24x7 1800 420 1199
1800 425 1199
+91 484 2630994/5 (NRI)
www.federal.bank.in

IPO फीवर: 1995 से 2025 तक के सबक- हर IPO बड़ा मौका नहीं

निवेश में कहां होती हैं गलतियां?

समीर रस्तोगी
NBTwealth
@timesofindia.com

हर IPO को 'गोल्डन मौका' बताने की कहानी भारत में नई नहीं है। लेकिन आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर IPO निवेशकों की उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। यहां आप जानेंगे कि IPO का क्रेज क्यों बार-बार नुकसान में बदलता है और रिटेल निवेशकों को इससे क्या सीखना चाहिए।

1995

का सबक साफ था कि जब इश्यू की बाढ़ आती है, तो रिटर्न सूख जाते हैं। IPO बूम बेचने वालों के बारे में होते हैं, खरीदने वालों के नहीं। IPO तब आते हैं, जब VC, PE, और प्रमोटर्स को बहुत ज्यादा वैल्यूएशन पर बेचना आसान लगता है।

Adobe Stock

हर कुछ साल में भारतीय निवेशकों को जानी-पहचानी कहानी सुनाई जाती है कि 'इस बार अलग है।', 'ये अच्छी कंपनियां हैं।', 'मौका मत छोड़ो।' और हर कुछ साल में निवेश में नुकसान के रूप में सच्चाई सामने आ जाती है। 2022 से 2025 तक भारत में मेनबोर्ड और SME प्लेटफॉर्म पर 961 IPO आए। आज, उनमें से लगभग 45% अपने इश्यू प्राइस से नीचे ट्रेड कर रहे हैं। लगभग हर चार में से एक IPO 30% से ज्यादा नीचे है, और 130 से ज्यादा IPO ने निवेशकों की आधी से ज्यादा पूंजी खत्म कर दी है।

अगर IPO दौलत कमाने का तेज रास्ता होते, तो रिटेल निवेशक अभी जश्न मना रहे होते। इसके बजाय, कई लोग एक बार फिर सीख रहे हैं कि तेज रास्ता अक्सर टोल बूथ पर खत्म होता है। रुकें और एक आसान सवाल पूछें कि अगर इतने सारे IPO लिस्टिंग के बाद निराश करते हैं, तो लिस्टिंग से पहले वे इतना क्रेज क्यों पैदा करते हैं? इसका जवाब बैलेंस शीट से कम और इंसानी व्यवहार से ज्यादा जुड़ा है। क्योंकि IPO सिर्फ शेयर नहीं बेचते। वे उम्मीद, कमी और जल्दबाजी बेचते हैं। बदले में, लोग ओवरवैल्यूड स्टॉक के लिए बहुत ज्यादा कीमत चुकाते हैं। और भारत यह फिल्म पहले भी देख चुका है।

1995 की IPO पार्टी याद है?

- अधिकतर लोग सोचते हैं कि भारत में पहला IPO डिजास्टर 1995 में MS शूज स्कैम से शुरू हुआ था। ऐसा नहीं था। 1994 के आखिर तक, पार्टी पहले ही बेकाबू हो चुकी थी। भारत ने अभी-अभी लिबरलाइजेशन किया था। इक्विटी मार्केट खुल रहे थे। निवेशकों की एक नई पीढ़ी का मानना था कि हर इश्यू ज्यादा कीमत पर लिस्ट होगा। मर्चेंट बैंकर आक्रामक थे, रेगुलेटर अब भी अपने पैर जमा रहे थे और वैल्यूएशन डिसिप्लिन चुपचाप कमरे से बाहर निकल गया था।
- उस समय के आंकड़े आज लगभग अवास्तविक लगते हैं। अकेले जनवरी 1995 में 145 इक्विटी इश्यू आए थे। फरवरी के एक ही हफ्ते में, 78 कंपनियां मार्केट में आईं। FY 1994-95 में लगभग 1,400 IPO आए। आज भारत में सालाना औसतन 250-300 IPO आते हैं।
- वह पूंजी निर्माण नहीं था। वह पूंजी निकालना था। जब MS शूज डूबी, तो इससे पार्टी तुरंत खत्म नहीं हुई लेकिन इसने भरोसे को तोड़ दिया। और एक बार प्राइमरी मार्केट में भरोसा टूट जाए, तो रिकवरी में सालों लग जाते हैं। उनमें से सैकड़ों कंपनियां कभी आगे नहीं बढ़ पाईं। कई कंपनियों ने सिंगल डिजिट रिटर्न दिया। कई कंपनियां मर्जर या डीलिस्टिंग के जरिए चुपचाप गायब हो गईं।

ज्यादातर IPO तब आते हैं जब...

अगर पैटर्न देखें, तो 2021-22 में वेंचर कैपिटल एग्जिट चरम पर था, 2023-24 में प्राइवेट इक्विटी ने मुनाफावसूली तेज की और 2024-25 में रिटेल निवेशकों की भागीदारी बढ़ी। यह क्रम संयोग नहीं है। राकेश झुनझुनवाला की चेतावनी थी कि अधिकतर IPO तब आते हैं, जब प्रमोटर बेचना चाहते हैं।

Paytm ₹2,150 पर लिस्ट हुआ, एक साल के अंदर ₹400 से नीचे गिर गया।	Zomato ₹76 पर लिस्ट हुआ, बहुत बाद में स्थिर होने से पहले ₹40 से नीचे गिर गया।	LIC, भारत का सबसे बड़ा IPO, ₹949 पर लिस्ट हुआ और जल्द ही ₹530 के आसपास ट्रेड करने लगा।

ये कोई अनजान बिजनेस नहीं थे। ये राष्ट्रीय स्तर के इवेंट थे। फिर भी, इवेंट कैपिटल की रक्षा नहीं करता। प्रमोटर का एग्जिट छिपा हुआ नहीं था, हमने बस देखा नहीं।

OFS को नजरअंदाज करना सही नहीं

IPO के उत्साह के दौरान अक्सर एक असहज सच्चाई को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि पैसा असल में कहां जाता है। कई बड़े IPOs में, एक बड़ा हिस्सा ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए जुटाया गया था, जिसका मतलब है कि मौजूदा शेयरहोल्डर पैसे निकाल रहे थे।

Paytm	Zomato	LIC
50% OFS	75% OFS	सरकारी हिस्सेदारी कम करना, ग्रोथ कैपिटल नहीं

उदय कोटक ने एक बार चेतावनी दी थी: 'जब प्रमोटर IPO स्टेज पर आक्रामक तरीके से अपनी हिस्सेदारी कम करते हैं, तो माइनॉरिटी शेयरहोल्डर्स को पूछना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है।' सब्सक्रिप्शन हफ्तों के दौरान, कोई नहीं पूछता। लिस्टिंग के बाद, सबको याद आता है कि अंदर के लोग अपना एक्सपोजर कम कर रहे थे।

ओवरसब्सक्रिप्शन उत्साह, अच्छी कंपनी का सबूत नहीं

एक IPO जो 50 या 80 गुना सब्सक्राइब होता है, वह शानदार हेडलाइन बनाता है। लेकिन ओवरसब्सक्रिप्शन भावना को मापता है, सहनशक्ति को नहीं।

- **Nykaa:** 82 गुना सब्सक्राइब हुआ, बाद में पीक से 70% से अधिक गिर गया।
- **PB Fintech (Policybazaar):** 16 गुना सब्सक्राइब, लिस्टिंग के बाद 60% से ज्यादा गया।
- **CarTrade:** 20 गुना सब्सक्राइब हुआ, सालों तक इश्यू प्राइस से नीचे ट्रेड किया।
- फंड मैनेजर प्रशांत जैन ने कहा: 'हाई सब्सक्रिप्शन लिक्विडिटी और सेंटिमेंट दिखाता है, लॉन्ग-टर्म वैल्यू नहीं।'

IPO 'इन्वेस्टिंग' नहीं, मुनाफा कमाने की ट्रेडिंग!

IPO में पैसा लगाना अक्सर असली निवेश नहीं, बल्कि ट्रेडिंग का ही छिपा रूप होता है। पराग पारिख कहा करते थे कि जिसे हम IPO इन्वेस्टिंग कहते हैं, वह निवेश नहीं, ट्रेडिंग है। हाल के साइकल में एक ही साल में 100 से ज्यादा मेनबोर्ड और 250 से ज्यादा SME IPO आए, जिनसे करीब ₹1.7 लाख करोड़ जुटाए गए। इसके बावजूद औसत लिस्टिंग गेन अब सिंगल डिजिट में सिमट चुका है और कई IPO इश्यू प्राइस से नीचे ट्रेड कर रहे हैं। जबकि भारत में पहले से 5,000 लिस्टेड कंपनियां हैं, जिनकी कमाई साबित है।

अलग-अलग दौर, एक जैसा व्यवहार

इन्वेस्टर कहानियों से आकर्षित होते हैं। कहानी हर साइकल के साथ बदलती रहती है। भारत के IPO साइकल और कहानियों को साथ-साथ रखें:

- **1995:** उदारीकरण का आशावाद
- **2007:** इन्फ्रास्ट्रक्चर और रियल एस्टेट बूम
- **2021-25:** प्राइवेट इक्विटी एग्जिट

कहानियां हर दौर में बदलीं, लेकिन निवेशकों की साइकोलॉजी और ऊंची कीमतें वही रहीं। DLF 2007 में 646 रुपये पर लिस्ट हुआ, बुलबुला फूटते ही 81 रुपये तक गिरा और पुराना स्तर पाने में 17 साल लगे। रिलायंस पावर 240 रुपये से 1.20 रुपये तक टूट गया था।

हर साइकल उसी नतीजे पर खत्म होती है कि अगर आप ओवरवैल्यूड स्टॉक खरीदते हैं, तो आपको कई सालों तक नुकसान उठाना पड़ेगा। वैल्यूएशन हमेशा मायने रखता है। पिछले तीन साल का डेटा (961 IPO लगभग आधे घाटे में) इस बात की पुष्टि करता है।

रिटेल निवेशकों को क्या सीखना चाहिए?

IPO स्कैम नहीं है। लेकिन वे निश्चित रूप से सेल्स इवेंट है। सेल्स इवेंट उन सेलर्स के पक्ष में होते हैं, जो टाइमिंग, स्टोरीटेलिंग और इमोशन को समझते हैं। रिटेल निवेशकों को कुछ आसान व्यावहारिक सच्चाइयों को समझना चाहिए:

- ऊंची कीमतों पर पेमेंट करने से भविष्य का रिटर्न सीमित हो जाता है।
- कमाई बढ़ने से पहले ही एक्साइटमेंट खत्म हो जाता है।
- धैर्य लगातार पार्टिसिपेशन से कहीं ज्यादा बेहतर होता है।

याद करें कि इतिहास ने हमें 1995 दिया। हाल की लिस्टिंग ने हमें Paytm, LIC, Nykaa दिए। पराग पारिख ने दशकों पहले साइकोलॉजी समझाई थी। बाजार नहीं बदले। सिर्फ पैकेजिंग बदली। समझदारी IPO से नफरत करना नहीं है। बल्कि उन्हें डिफॉल्ट मौके मानना बंद करना है। पहले देखें। नंबरों का इंतजार करें। वैल्यूएशन को सेटल होने दीजिए। क्योंकि बाजारों में, दौलत जल्दी आने से नहीं बनती। यह सही समय पर, सही कीमत पर सही होने से बनती है।

लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स से कैसे बचूं?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई सवाल है? भेजिए हमें। हमारे एक्सपर्ट देंगे आपके सवालों के सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में।

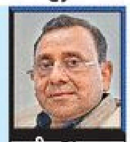

सुशील अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

Q मैंने 7 साल पहले एक फ्लैट खरीदा था। क्या उसे बेचने पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा? अगर, पहले फ्लैट को बेचने से मिले पैसे से हाल ही में खरीदे गए दूसरे फ्लैट का होम लोन चुकाएं तो टैक्स से बच सकते हैं? टैक्स से बचने के और क्या उपाय हैं?

- अविनाश चंचल, ग्रेटर नोएडा

- आपके सात साल पहले खरीदे हुए फ्लैट को बेचने पर होने वाले कैपिटल गेन पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। इस टैक्स से छूट लेने के लिए आप दूसरी हाउस प्रॉपर्टी में इन्वेस्ट कर सकते हैं। यह दूसरी प्रॉपर्टी यदि आपने फ्लैट बेचने से एक साल पहले या बेचने के 2 साल बाद तक खरीदी है तो आपको टैक्स से छूट मिल सकती है। प्रॉपर्टीज के रजिस्ट्रेशन की तिथियां खरीदने और बेचने के बीच का समय निश्चित करेंगी। लोन चुकाने का इस मामले से कोई सरोकार नहीं है।
- यदि आप इस श्रेणी में टैक्स की छूट नहीं ले पा रहे हैं तो आप कैपिटल गेन्स अकाउंट खोलकर पैसे उसमें जमा कर सकते हैं और अगले दो वर्षों में नई प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं या फिर तीन वर्षों में नई प्रॉपर्टी कंस्ट्रक्ट करा सकते हैं। आप कैपिटल गेन्स बॉन्ड में 50 लाख तक का इन्वेस्ट करके भी छूट क्लेम कर सकते हैं। टैक्स का रेट 12.5% है।

Q न्यू टैक्स रिजीम और ओल्ड टैक्स रिजीम में किसे चुनना ज्यादा फायदेमंद है और किन हालात में?

- रवि शर्मा, गाजियाबाद

- हर वर्ष टैक्स रिजीम चुनने की सुविधा केवल नॉन-बिजनेस कैटिगरी यानी सैलरी इत्यादि से आमदनी वाले टैक्स पेयर्स के लिए ही है। साधारणतया दोनों रिजीम में टैक्स कैलकुलेट करने के बाद जहां टैक्स कम बनता है वही रिजीम चुना जाना चाहिए। ओल्ड रिजीम में आपको टैक्स की विभिन्न छूटों को लेने का फायदा मिल सकता है, जबकि न्यू रिजीम में किसी प्रकार की छूट का प्रावधान नहीं है। न्यू रिजीम में टैक्स रेट्स कम हैं जिससे किसी भी प्रकार की छूट नहीं ले पाने से होने वाली हानि की कुछ हद तक भरपाई हो पाती है।
- यदि आप किसी खास हालात के बारे में बताएं तो यह बताना आसान होगा कि आपके लिए क्या उचित है। अन्यथा सभी प्रावधानों को यहां बताने से कन्फ्यूजन बढ़ सकता है। हर व्यक्ति और परिस्थिति के हिसाब से टैक्स गणना में बदलाव आ सकता है।

Q क्या बोनस, ग्रैच्युटी और लीव इनकैशमेंट पर पूरा टैक्स लगता है?

- प्रतिमा पाण्डेय, नोएडा

- बोनस एक प्रकार से सैलरी ही है और सैलरी के साथ जुड़कर इस पर टैक्स लगता है। ग्रैच्युटी अधिकतर रिटायरमेंट या किसी अन्य कारण से जॉब छोड़ने पर दी जाती है। इसका कैलकुलेशन हर कंप्लीटेड ईयर ऑफ सर्विस पर 15 दिन की सैलरी के हिसाब से होता है। यदि आप सरकारी कर्मचारी नहीं हैं तो 20 लाख तक की ग्रैच्युटी की छूट लाइफटाइम में मिल सकती है। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह टैक्स फ्री है।

Q क्या डिजिटल क्रिएटर्स के लिए GST रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी है?

- डिम्पल ओझा, लखनऊ

- हां GST रजिस्ट्रेशन जरूरी है, मगर सभी के लिए नहीं। वैसे ब्लॉगर्स या यूट्यूबर्स को GST पंजीकरण की जरूरत होती है, जिनका कुल पैन-आधारित टर्नओवर एक वित्तीय वर्ष के लिए 20 लाख रुपये से अधिक है।

(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)

अपने सवाल ई-मेल करें

*पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल है, कोई बात समझ में नहीं आ रही है तो हमें बताएं। ई-मेल करें **NBTwealth@timesofindia.com** पर और सब्जेक्ट में **'Wealth QA'** लिखना न भूलें। ई-मेल में अपना और शहर का नाम भी लिखें।*

क्रेडिट स्कोर एक रात में नहीं सुधरता, मगर समय पर पेमेंट, सही कर्ज और अनुशासन से दोबारा मजबूत बनाया जा सकता है

CIBIL स्कोर खराब है? कोई जादू नहीं, इन तरीकों से ही सुधरेगा

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1
@timesofindia.com

कई बार EMI चूक, बढ़ता क्रेडिट कार्ड ड्यू या गलत फाइनैंशल आदतें CIBIL स्कोर को नुकसान पहुंचा देती हैं। इसका असर लोन मिलने, ब्याज दर और फाइनैंशल भरोसे पर पड़ता है। अच्छी बात यह है कि खराब हुआ CIBIL स्कोर सुधर सकता है, लेकिन इसके लिए जादू नहीं, बल्कि सही कदम, अनुशासन और समय चाहिए।

कभी-कभी पैसों की कमी की वजह से हम समय पर लोन की EMI नहीं चुका पाते हैं। समय पर पेमेंट नहीं करने की वजह से कई लोगों का क्रेडिट कार्ड ड्यू काफी बढ़ जाता है। जानकारी की कमी से भी कई लोग क्रेडिट कार्ड का बकाया रकम नहीं चुका पाते हैं। यह गलत प्रवृत्ति है। इससे लोन मिलने में दिक्कत आती है और कई बार महंगा लोन मिलता है। साथ ही इससे आपका CIBIL स्कोर कम हो जाता है। हालांकि, इसे बढ़ने में थोड़ा वक्त लगता है, लेकिन कम हुए CIBIL स्कोर को आप कुछ स्मार्ट टिप्स से बढ़ा सकते हैं।

डिफॉल्ट लोन सेटल नहीं, क्लोज करें

CIBIL की वेबसाइट पर अपना क्रेडिट स्कोर और रिपोर्ट देखें। इससे आपको पता चलेगा कि आपके कितने लोन चल रहे हैं। अगर कोई लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया है तो सबसे पहले उसे चुकाएं। बकाए लोन को चुकाने के लिए आप अपने PF खाते से रकम निकाल सकते हैं, म्यूचुअल फंड भुना सकते हैं या अपने वैकल्पिक निवेश से भी रकम जुटा सकते हैं। लोन चुकाने के बाद बैंक या NBFC से लोन क्लोजर लेटर लें। लोन के सेटलमेंट से बचें।

पुराने क्रेडिट कार्ड को बंद न करें

CA मनीष कुमार सिन्हा के मुताबिक, क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के बाद उसे बंद न करें। क्रेडिट हिस्ट्री CIBIL स्कोर सुधारती है। आगे के लिए ध्यान रखें कि इतना ही खर्च करें, जितना चुका सकें।

फिक्स्ड डिपॉजिट पर क्रेडिट कार्ड लें

खराब CIBIL स्कोर को सुधारने का असरदार तरीका सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड लेना है, जो FD के बदले मिलता है। आमतौर पर इसकी क्रेडिट लिमिट FD की करीब 70-80% होती है। यानी अगर आपकी FD ₹1 लाख की है, तो कार्ड पर ₹70-80 हजार लिमिट मिल सकती है। इस कार्ड से हर महीने सीमित खर्च करें और ड्यू डेट से पहले पूरा भुगतान करते रहें। इससे CIBIL स्कोर बढ़ने लगता है। हालांकि, डिफॉल्ट होने पर बैंक FD से बकाया रकम काट सकता है। कार्ड बंद करने से पहले पूरा बिल चुकाना जरूरी होता है।

80%

तक की लिमिट मिलती है FD के बदले मिलने वाले सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड में।

क्रेडिट यूटिलाइजेशन लिमिट का ध्यान रखें

सिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड मिलने के बाद भी क्रेडिट यूटिलाइजेशन लिमिट का ध्यान रखें। कार्ड की कुल लिमिट का 30-40% ही खर्च करना सही है। ₹1 लाख की लिमिट पर ₹30-40 हजार से ज्यादा खर्च न करें। सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर तारेश भाटिया के मुताबिक, पूरी लिमिट का इस्तेमाल आपकी वित्तीय स्थिति पर दबाव दिखाता है।

समय-समय पर सिबिल स्कोर देखते रहें

आप CIBIL, Experian और Equifax की वेबसाइट पर जाकर अपना क्रेडिट स्कोर और रिपोर्ट नियमित रूप से देख सकते हैं। सर्टिफाइड फाइनेंशल प्लानर तारेश भाटिया के मुताबिक, अगर रिपोर्ट में कोई गलती दिखे तो तुरंत उसकी औपचारिक शिकायत दर्ज करानी चाहिए। अगर कोई लोन या क्रेडिट कार्ड ड्यू चुकाने के बाद भी रिकॉर्ड में दिख रहा है, तो बैंक से बात करें। इसके अलावा, सिक्योर्ड लोन जैसे गोल्ड लोन, कार लोन या मॉर्गेज लोन भी CIBIL सुधारने में मदद कर सकते हैं, बशर्ते उनकी EMI समय पर चुकाई जाए।

40%

से ज्यादा क्रेडिट यूटिलाइजेशन होने पर CIBIL स्कोर पर निगेटिव असर पड़ता है, भले ही पेमेंट समय पर हो।

बार-बार लोन न लें

सिक्योर्ड कार्ड या सिक्योर्ड लोन से CIBIL स्कोर सुधारने के दौरान नए लोन के लिए बार-बार अप्लाई न करें। CA मनीष कुमार सिन्हा के मुताबिक, हर आवेदन पर CIBIL चेक होता है, जिससे स्कोर और गिर सकता है।

गुड-बैड लोन में समझें अंतर

फाइनैंस एक्सपर्ट्स के मुताबिक गुड और बैड लोन में फर्क समझना जरूरी है। जो कर्ज आय, स्थिरता या लंबी अवधि की सुरक्षा बनाए, वह अच्छा होता है। वहीं, ऊंचे ब्याज वाले उपभोग आधारित कर्ज CIBIL पर सबसे ज्यादा निगेटिव असर डालते हैं।

'स्कोर बढ़ा दूंगा' झांसे में न आएं

अगर कोई एजेंसी या व्यक्ति CIBIL स्कोर ठीक करने का दावा करे, तो उसके झांसे में न आएं। तारेश भाटिया के मुताबिक कानूनी रूप से ऐसा कोई नहीं कर सकता। क्रेडिट स्कोर केवल लोन और ड्यू समय पर चुकाने से ही सुधरता है। किसी जादुई उपाय पर भरोसा न करें।

> क्रेडिट स्कोर तब ही सुधरता है, जब आप पेमेंट समय पर करते हैं। चूक होने की स्थिति में भी बातचीत जारी रखें, ताकि बैंक या NBFC को ऐसा नहीं लगे कि आप कर्ज नहीं चुकाना चाहते हैं और आप इरादतन डिफॉल्टर हैं। - *तारेश भाटिया, CFP*

> *एक से ज्यादा लोन लेने से बचना चाहिए। EMI समय पर चुकाने की आदत डालनी चाहिए। क्रेडिट कार्ड का बिल ड्यू डेट से पहले चुका दें और समय-समय पर अपनी क्रेडिट हिस्ट्री भी देखते रहें। - मनीष कुमार सिन्हा, चार्टर्ड अकाउंटेंट*

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: cci Time: 01-17-2026 22:24 Color:

घर बेचने से पहले ये बातें ज़रूर समझ लें

घर बेचना सिर्फ एक प्रॉपर्टी ट्रांजैक्शन नहीं, बल्कि बड़ा आर्थिक और कानूनी फैसला होता है। गलती यहां महंगा नुकसान करा सकती है। सही कागजात, सही कीमत, सही तैयारी और सही बायर–अगर ये सब संतुलित हों, तभी सौदा सुरक्षित और फायदेमंद बन पाता है।

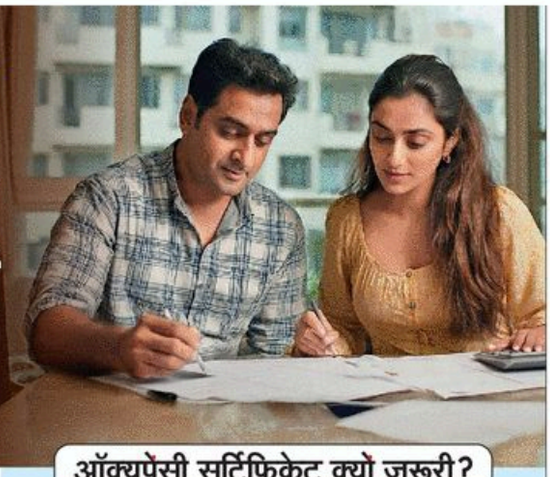

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti
@timesofindia.com

अगर घर बेचने से पहले सभी जरूरी कागजात तैयार हों तो बेहतर कीमत मिलती है। अधूरे या गलत पेपर न सिर्फ लोन में रुकावट है, बल्कि डील टूटने का जोखिम भी बढ़ाते हैं।

ज़रूरी पेपर

- सेल डीड
- चेन ऑफ टाइटल (पिछले मालिकों की पूरी कड़ी)
- अप्रूव्ड बिल्डिंग प्लान
- कंप्लीशन सर्टिफिकेट
- ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट
- प्रॉपर्टी टैक्स रसीद
- बिजली और पानी के बिल
- गैस बिल
- सोसायटी के NOC (अगर लागू हो)

घर बेचना, घर खरीदने की तुलना में अक्सर आसान माना जाता है। ज्यादातर मामलों में बायर ढूंढने के लिए ज्यादा मशक्कत भी नहीं करनी पड़ती। दो-चार लोगों से बात कर लें, किसी एजेंट को बता दें, आम तौर पर खरीदार अपने-आप मिल जाते हैं। लेकिन केवल बायर मिल जाना ही काम पूरा होना नहीं है। असल बात तो यह समझने की है कि घर बेचना मकान बेचने जैसा नहीं है। घर सिर्फ ईंट और सीमेंट की दीवार भर नहीं होता। उसमें यादें, भावनाएं और पूरे परिवार का इतिहास जुड़ा होता है। जब कोई अपना घर बेचने का फैसला करता है और उससे जुड़ा होने लगता है, तो कई बार आंखें भीग जाती हैं, खासकर महिलाओं और बच्चों का लगाव ज्यादा होता है। ऐसे में कई बार सेलर छोटी-सी बात पर खरीदार से चिढ़ जाता है, खासकर तब, जब वह घर में कमियां निकालने लगे। जल्दबाजी में या तो वह ऐसे खरीदार को मना कर देता है, जो शायद ज्यादा कीमत दे सकता था, या फिर किसी मीठी बात करने वाले बायर के चक्कर में पड़कर घर कम कीमत पर बेच देता है, सिर्फ इसलिए कि वह कहता है कि 'मैं इस घर को अपना समझकर संभालूंगा।' नतीजा यह होता है कि मार्केट रेट से काफी कम दाम मिल जाते हैं और नुकसान हो जाता है। कई बार उलटा भी होता है। थोड़े से पैसों के लिए लचीलापन नहीं दिखाया जाता और डील छोड़ दी जाती है। बाद में वही घर महीनों तक बिकता नहीं और बेचने वाले को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए घर बेचते समय भावनाओं और फैसलों के बीच संतुलन बनाए रखना सबसे जरूरी है।

इस तरह के घर बेचने में हो सकती है परेशानी

- OC नहीं मिला हो।
- अप्रूव्ड प्लान में फर्क हो।
- किसी वजह से प्रॉपर्टी पर कानूनी मुकदमा चल रहा हो।
- बहुत पुरानी इमारत हो। अमूमन 30-40 साल पुरानी इमारत को बेचना मुश्किल होता है।
- घर की कीमत बहुत ज्यादा हो। इससे चुनिंदा बायर ही उसे खरीद पाते हैं।
- गलत लेआउट हो।
- अगर सामने खुला नाला, कचड़े का ढेर लगता हो या हाई टेंशन लाइन गुजरती हो।
- तीन फ्लोर से ऊपर अमूमन लिफ्ट की जरूरत होती है, खासकर बुजुर्गों को। इसलिए लिफ्ट वाली प्रॉपर्टी जल्दी बिकती है।

ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट क्यों ज़रूरी?

ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट (OC) को स्थानीय विकास प्राधिकरण या नगरपालिका तब जारी करती है, जब यह सुनिश्चित हो जाए कि इमारत स्वीकृत नक्शे के अनुसार बनी है और रहने के लिए सुरक्षित है। अगर किसी प्रॉपर्टी के पास OC नहीं है, तो इसका मतलब होता है कि निर्माण में या तो कोई कमी है या फिर कुछ नियमों का पालन नहीं किया गया। ऐसे घर में न तो निश्चित होकर रहा जा सकता है, न ही उसे बेचने में आसानी होती है। ऑनलाइन होने पर खरीदार कम मिलते हैं, लोन मिलने में दिक्कत होती है और आखिर कीमत भी 10-30% तक कम करनी पड़ जाती है। OC की अहमियत पर पिछले अंक में आर्टिकल छपा है। उसे पढ़ सकते हैं।

ऐसे तय करें कीमत

पहले प्रॉपर्टी की सही कीमत तय करें। कई बार हम इसमें गलती कर देते हैं। पड़ोसी ने जितने में बेचा, वही कीमत रख दी। यह देख लेना चाहिए कि दोनों प्रॉपर्टी में क्या कॉमन है और क्या अलग? दोनों की स्थितियों में कितना फर्क है? क्यों दोनों बुड वर्क एक ही तरह से कराए हैं? कई बार बिल्डर रेट को ही रिलीज रेट मान लिया जाता है। यह भी सही नहीं है।

घर को भी करें तैयार

घर को बेचने से पहले खुद के साथ उसे भी तैयार करना होता है। यह ठीक वैसे ही है जैसे कोई अपना माल बेचने के लिए उसका लुक सही रखता है। हकीकत यह है कि खरीदार पहली बार घर देखकर 70% फैसला कर लेते हैं कि उसे खरीदना है या नहीं। घर में कुछ छोटे काम कराने भर से न सिर्फ उसे बेचना आसान होगा, उसकी कीमत भी अच्छी मिलेगी।

यह है सही तरीका?

- पिछले एक साल तक के एक्युअल रजिस्ट्री की कीमत देखे।
- सेम फ्लोर, सेम फेसिंग यानी पार्क फेसिंग या फिर कुछ और और सबसे अहम सेम साइज है या नहीं? इन सभी बातों पर जरूर गौर करें।
- मार्केट में मांग और सप्लाई का सही आकलन करें। ऐसा न हो कि कीमत कम करके बेच दें और बाद में पछताते रहें या फिर कीमत इतनी ज्यादा कर दें कि बायर फटके ही नहीं और घर महीनों अटका रहे।
- जो भी डील करें, रजिस्टर्ड करें।

क्या काम कराएं?

- साफ-सफाई रखें। बाथरूम, हॉल सभी साफ हों।
- टूटे नल, स्विच, दरवाजे ठीक कराएं। कई बार टूटी चीजों को देखकर बायर का मूड खराब हो जाता है।
- दीवारों में सीलन हो या पेंट हट गए हों तो उन पर हल्की पेंटिंग करा दें। ज्यादा खराब हो तो पूरी पेंटिंग करा दें। दरअसल, पेंटिंग पर अगर 50 हजार रुपये खर्च होता है तो पेंटिंग न होने पर बायर उसके लिए सेलर से 1 लाख तक या इससे भी ज्यादा कम करवा लेते हैं।
- अगर बेकार या कबाड़ सामान ज्यादा हो तो उन्हें भी हटा दें। हॉल, घर जब खाली हो तो वे बड़े दिखते हैं।

> घर खरीदने में जितनी तैयारी लेनी चाहिए, उतनी ही तैयारी बेचते समय भी लेनी चाहिए। जिस तरह हम खरीदने से पहले सही कीमत वाली प्रॉपर्टी खोजने में वक्त लगाते हैं, उसी तरह सही कीमत मिले, इसके लिए भी रिसर्च और तैयारी बेहद जरूरी है। नहीं तो दूसरे लोग इसमें फायदा कमा लेंगे। वहीं बेचने से पहले घर को जरूरत भर का तैयार कर लें। इससे कीमत कुछ ज्यादा मिल जाती है।
> – राकेश कुमार सिंह, रियल एस्टेट एक्सपर्ट

> घर बेचने के दौरान अपने सभी फेयर जरूर मजबूत रहने चाहिए। वैसे इसकी असल तैयारी तो उस घर को खरीदते समय ही हो जाती है। अगर किचाइन वाली प्रॉपर्टी या फ्लैट खरीदा है तो स्वाभाविक तौर पर उसे बेचने में भी परेशानी होगी। अगर खरीदते समय कोई गलती हुई है तो उसे बेचने से पहले दुरुस्त कर लें। इससे बायर को कुछ ज्यादा कीमत देने में भी परेशानी नहीं होती।
> – मुरारी तिवारी, पूर्व चेयरमैन, दिल्ली बार काउंसिल

महंगाई के दौर में अब भी ज़बरदस्त हैं ये स्मार्टफोन

गैजेट गुरु

आकृति राणा

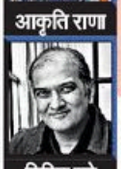

निमिष दुबे
NBTwealth
@timesofindia.com

महंगाई के इस दौर में जब नए लॉन्च फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स के दाम आसमान छू रहे हैं, तब कुछ ही पुराने हुए फोन आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये कम कीमत में दमदार परफॉर्मेंस और फ्लैगशिप वाला अनुभव देते हैं।

नए साल के साथ ही स्मार्टफोन्स में महंगाई का दौर शुरू हो गया है। यह किस कारण हो रहा है और कब तक चलेगा, यह तो इस समय कहा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक यह चल रहा है, हमें नए स्मार्टफोन्स के लिए पहले से कहीं अधिक रकम निकालने की आदत डालनी पड़ेगी। महंगाई की वे मार खासकर उन्हें फ्लैगशिप स्मार्टफोन खरीदने वालों को लग रही है, क्योंकि इनके दाम ही अब 70-75 हजार रुपयों से शुरू हो रहे हैं। मात्र एक साल पहले आपको एक नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन 50 से 60 हजार रुपयों में मिल सकता था, लेकिन आज के दिन यह संभव नहीं। नए iPhones में से केवल एक है (सबसे बेसिक iPhone 17) जो आपको एक लाख रुपये से कम में मिलेगा। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि अच्छी परफॉर्मेंस के लिए आपको अपने बैंक अकाउंट को 70 हजार से ऊपर की चपत लगानी ही चाहिए। पिछले साल के कई फ्लैगशिप अभी भी शानदार परफॉर्मेंस दे रहे हैं, और यही नहीं, इनके दाम भी बड़े नहीं, बल्कि कुछ घटे ही हैं।

तो अगर आप 2026 के महंगाई के दौर में कम दाम पर फ्लैगशिप परफॉर्मेंस चाहते हैं तो 2025 के कुछ फ्लैगशिप आपका काम बन सकते हैं, जो डम्प में थोड़े ज्यादा हैं, लेकिन दाम में कम और परफॉर्मेंस में अब भी जबरदस्त हैं।

iPhone 16

अब भी ये जवान है

Rs 64,900

iPhone 17 की भले ही ज्यादा चर्चा हो, लेकिन उसकी कीमत भी भारी है। अगर आप शानदार iPhone एक्सपीरियंस चाहते हैं और 80,000 से ज्यादा खर्च नहीं करना चाहते, तो iPhone 16 अब भी मजबूत विकल्प है। इसका डिस्प्ले iPhone 17 से थोड़ा छोटा है और रिफ्रेश रेट 120 Hz ही है, प्रोसेसर का परफॉर्मेंस दमदार है। कैमरा क्वालिटी शानदार है, हेवी गेम्स बेहद स्मूद चलते हैं और नया iOS 26 भी बिना किसी दिक्कत के रन करता है। यह अब भी बढ़िया प्रदर्शन कर रहा है।

OnePlus 13s

छोटे मियां सुब्हान-अल्लाह!

Rs 54,999

2025 में आए छोटे फोन्स में OnePlus 13s ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा। साइज भले ही कॉम्पैक्ट हो, लेकिन हार्डवेयर पूरी तरह फ्लैगशिप है। इसमें 6.32 इंच का शानदार डिस्प्ले, दो 50 मेगापिक्सेल कैमरे और क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट प्रोसेसर मिलता है, जो आज भी दमदार परफॉर्मेंस देता है। इसकी 5850 mAh की बड़ी बैटरी आराम से एक से डेढ़ दिन चल जाती है। 70,000 से ऊपर की कीमत वाले OnePlus 15 से 15-20 हजार सस्ता OnePlus 13s जबरदस्त वैल्यू ऑफर करता है।

Pixel 9a: अब भी A+

Rs 39,999

गूगल के Pixel फोनों की A सीरीज कम दाम में भरोसेमंद परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। भले ही कुछ महीनों में Pixel 10a आने की चर्चा हो, लेकिन साफ-सुथरा एंड्रॉयड, शानदार कैमरा और असली Pixel एक्सपीरियंस चाहने वालों के लिए Pixel 9a आज भी मजबूत विकल्प है। करीब 40,000 में यह फोन बेहतरीन AI फीचर्स, लंबा सॉफ्टवेयर सपोर्ट और संतुलित बैटरी देता है। मैमिंग में यह थोड़ा पीछे जरूर है, लेकिन शुद्ध एंड्रॉयड और भरोसेमंद कैमरे चाहने वालों के लिए Pixel 9a अब भी A+ साबित होता है।

Vivo X200 FE

चलता-फिरता स्टूडियो

Rs 54,999

Vivo ने 2025 में कॉम्पैक्ट सेगमेंट में Vivo X200 FE लॉन्च किया था। भले ही अब Vivo X300 बाजार में मौजूद हो, लेकिन X200 FE आज भी एक 'वैल्यू-फॉर-मनी' फ्लैगशिप है। इसका 6.31 इंच का डिस्प्ले आकार में छोटा जरूर है, लेकिन विडियो देखने का अनुभव शानदार देता है। डाइमेंसिटी 9300+ प्रोसेसर इसकी परफॉर्मेंस को फ्लैगशिप लेवल पर बनाए रखता है। इसकी सबसे बड़ी ताकत Zeiss के साथ तैयार किए गए कैमरे और एडवांस एडिटिंग ऑप्शंस हैं, जो इसे चलता-फिरता स्टूडियो बना देते हैं। इसमें 6500 mAh की दमदार बैटरी है, जो करीब दो दिन आराम से चल जाती है।

EV खरीदने जा रहे हैं? पहले ये 5 चीजें जान लें

खालिद अमीन
Khalid.Amin
@timesofindia.com

पेट्रोल-डीजल महंगा होता जा रहा है, प्रदूषण की चिंता है और सरकार भी EV को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में अधिकतर लोग सोच रहे कि EV बेस्ट है। लेकिन अगर सही जानकारी और प्लानिंग नहीं हुई, तो जो कार आपको सस्ती, फायदेमंद लग रही है, वही बाद में सिरदर्द भी बन सकती है। आइए जानते हैं कुछ जरूरी टिप्स, जो सही फैसला लेने में मददगार साबित हो सकती हैं।

1 अपनी ज़रूरत समझें: बहुत लोग सिर्फ यह देखते हैं कि पेट्रोल-डीजल से EV की चार्जिंग सस्ती है। लेकिन खरीदने से पहले खुद से पूछें कि रोज आपकी ड्राइविंग कितनी है, क्या ज्यादातर सफर शहर के अंदर होता है और क्या घर या ऑफिस में चार्जिंग की सुविधा है। EV उनके लिए फायदेमंद है, जो रोज 30-80 किमी शहर में चलाते हैं और

2 सिर्फ 'कम खर्च' न देखें: कम रनिंग कॉस्ट पर ही फैसला न लें। पेट्रोल कार में 6-8 रुपये प्रति किमी खर्च आता है, तो EV में 1-1.5 रुपये हो सकता है। लेकिन EV की शुरुआती कीमत ज्यादा है और बैटरी सबसे महंगा हिस्सा होती है। चार्जिंग भी हर जगह उपलब्ध नहीं है। यह जरूर देखें कि आप रोज कितनी दूरी तय करते हैं,

3 बैटरी को हल्के में न लें: *EV की जान बैटरी होती है और यही सबसे महंगा पार्ट भी है। बैटरी की लाइफ 6-8 साल या 1.5-2 लाख किमी मानी जाती है। ध्यान रहे कि बैटरी बदलवाने का खर्च 4-7 लाख हो सकता है। इसलिए बैटरी की वारंटी जरूर चेक करें। EV सस्ती तभी है जब बैटरी लंबे समय तक ठीक चले। ये भी जांच लें कि इस्तेमाल में बैटरी कवर है या नहीं।*

4 चार्जिंग की प्लानिंग पहले करें: बहुत से लोग EV ले लेते हैं और बाद में सोचते हैं कि अब चार्जिंग कैसे करेंगे? फिर शुरू होती है परेशानी, सोसायटी में चार्जिंग की अनुमति, मीटर लगाने की दिक्कत, तार खींचने का झंझट। इसलिए EV लेने से पहले जरूर देखें कि घर में चार्जिंग पॉइंट संभव है या नहीं? सोसायटी से लिखित अनुमति लें। ऑफिस में चार्जिंग

5 रेंज को लेकर ज्यादा भरोसा न करें: कंपनियां EV की रेंज आदर्श हालात में बताती हैं, जबकि AC चलाने, तेज स्पीड या ज्यादा वजन होने पर रेंज काफी घट जाती है। कंपनी 350 किमी रेंज कहती है, तो असल 200-250 किमी मानकर चलें। यानी जरूरत से 30-40% ज्यादा रेंज वाली EV चुनें। यह भी समझें कि EV में मेंटेनेंस कम है, लेकिन शून्य नहीं। अपने

SYNDICATE FINANCE
www.syndicatefinance.in
LICENSED ENTITY
Estd. 1977
BUSINESS LOAN
Against mortgage of immovable property
Long Term & Easy Instalment Facilities.
Pioneering a New Era of Smart Lending for Corporates & MSMEs
Scan For Details
(022) 6581 0001 / 3565 7754 / 3565 7941
E-mail : info@syndicatefinance.in
428, Rawal Bldg. No. 1, 1st Floor Lamington Road, Mumbai-400 004
Contact : 11 am to 5 pm

MCX METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND
TRUE OR TRAP?
Not everything that sounds right is right.

Statements:	True	Trap
1. High returns can be earned without risk	☐	☐
2. Intermediaries should be verified before you invest	☐	☐
3. Scammers often pressurise investors to act quickly	☐	☐
4. Social media tips are always reliable	☐	☐
5. Guaranteed returns mean low risk	☐	☐
6. Understanding risks is important	☐	☐
7. Rushed decisions reduce losses	☐	☐
8. Verified platforms follow regulations	☐	☐
9. All profitable schemes are safe	☐	☐
10. Taking time helps avoid fraud	☐	☐

Awareness helps investors avoid misleading claims.
Trade Smart. Trade Safe.
Scan QR code to visit the SEBI Investor Service Centres
Scan QR code to view MCX Investor Awareness Videos
Scan QR code to view MCX Investor Service Centres
Answers: 1-Trap; 2-True; 3-True; 4-Trap; 5-Trap; 6-True; 7-Trap; 8-True; 9-Trap; 10-True.
Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 01-18-2026 23:46 Color:

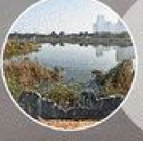

नोएडा के सेक्टर-150 स्थित ती बैंडिओस मोड़ पर हुए दर्दनाक हादसे ने अधिकारियों की लापरवाही उजागर की है। -p5

बारापूला फेज-3 फ्लाईओवर के निर्माण में एक दशक का समय लग गया। इससे कॉस्ट करीब 374.40 करोड़ बढ़ गई है। -p7

440 रहा AQI संडे को, दोपहर 2 बजे यह 448 के स्तर तक पहुंच गया था

5.3 डिग्री रहा रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान। यह सामान्य से 2.3 डिग्री कम रहा

www.delhi.nbt.in

संडे को प्रदूषण ने लगाई 'इमरजेंसी'

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

रविवार इस साल का सबसे प्रदूषित दिन रहा। वहीं, 2016 से अब तक यह जनवरी का चौथा सबसे प्रदूषित दिन रहा है। प्रदूषण के स्तर में बीते शनिवार से ही तेजी से इजाफा हुआ। प्रदूषण रविवार दोपहर दो बजे तक 448 के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद इसमें कमी आना शुरू हो गई। स्मॉग की परत के बीच रविवार को काफी अधिक परेशानियां महसूस हुईं। पूर्वानुमान के अनुसार, सोमवार को प्रदूषण में कमी आएगी। यह कम होकर बेहद खराब स्तर पर पहुंच सकता है।

साल का रहा सबसे प्रदूषित दिन, घुटा दम, छाई स्मॉग

प्रदूषण का स्तर शनिवार शाम चार बजे 400 था। यह रात 9 बजे तक बढ़कर 431 हो गया। सुबह सात बजे इसका स्तर 437 था। इसके बाद इसमें दोपहर दो बजे तक इजाफा हुआ। दो बजे यह 448 के स्तर पर पहुंच गया। सीपीसीबी के एयर बुलेटिन के अनुसार, दिल्ली का औसत एक्यूआई 440 रहा। फरीदाबाद में यह 247, गाजियाबाद में 458, ग्रेटर नोएडा में 402, गुरुग्राम में 378 और नोएडा में 430 रहा।

कई जगह प्रदूषण इमरजेंसी के स्तर पर: 32 जगहों पर प्रदूषण गंभीर स्थिति में रहा। इनमें से 19 जगह प्रदूषण की मेडिकल इमरजेंसी रही। इनमें आनंद विहार का एक्यूआई 478, अशोक विहार का 481, बवाना का 483, बुराड़ी का 470, चांदनी चौक का 472, डीटीयू का 468, द्वारका सेक्टर-8 का 453, आईटीओ का 466, जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम का 469, मुंडका का 483, नेहरू नगर का 473, नार्थ कैंपस का 473, पटपड़गंज का 470, पंजाबी बाग का 465, आर के पुरम का 470, रोहिणी का 483, सोनिया विहार का 472, वजीरपुर का 475 रहा। पांच जगहों पर प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहा।

जनवरी के सबसे प्रदूषित दिन

460	447	444	440
16 जनवरी 2021	15 जनवरी 2024	18 जनवरी 2019	18 जनवरी 2026

कोहरा इतना घना था कि लोगों को गाड़ियों की हेडलाइट जलानी पड़ी

सुबह के समय विज़िबिलिटी ज़ीरो, फिर धूप ने दी राहत

मौसम का मिजाज इस समय जुदा चल रहा है। रविवार को एक बार फिर मौसम में बदलाव हुआ और दिन की शुरुआत जबर्दस्त कोहरे से हुई। कई जगहों पर करीब पांच से छह घंटे तक विजिबिलिटी जीरो बनी रही। नौ बजे के बाद धूप निकली। इसके बाद विजिबिलिटी में सुधार हुआ। इस हफ्ते भी मौसम के रंग कुछ ऐसे ही रहेंगे। आने वाले दो से तीन दिनों में दोपहर का तापमान बढ़कर 26 डिग्री तक जा सकता है। वहीं 23 जनवरी को तेज हवा के बारिश आएगी। इसके साथ ही ठंड और कोहरे का एक और स्पैल शुरू हो सकता है। 26 जनवरी पर भी मौसम खराब रहने और कोहरा बने रहने की संभावनाएं बढ़ गई हैं। आने वाले कुछ दिनों में इसे लेकर स्थितियां स्पष्ट होंगी। रविवार को अधिकतम तापमान 22.7 डिग्री रहा। यह सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री रहा। यह सामान्य से 2.3 डिग्री कम रहा। हवा में नमी का स्तर 61 से 100 प्रतिशत रहा। पालम में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री, लोदी रोड में 6.8 डिग्री, रिज और आया नगर में 7.2 डिग्री रहा।

23 जनवरी को बारिश की जताई जा रही है संभावना

पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आंशिक बादल रह सकते हैं। सुबह के समय कई जगहों पर मध्यम कोहरा और कुछ जगहों पर घना कोहरा रह सकता है। अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री तक रह सकता है। 20 से 22 जनवरी तक आंशिक बादल रहेंगे।

ट्रेनों की लेटलतीफी लोगों के लिए बन रही मुसीबत

ट्रेनों के इंतज़ार में ठिठुर रही ज़िंदगियां

Abhishek.Gautam1@timesofindia.com

राजधानी के रेलवे स्टेशनों पर सर्द रातों में सिर्फ ट्रेनों की देरी नहीं दिखी, बल्कि इंसानी मजबूरियों की लंबी कतारें भी नजर आईं। कड़ाके की ठंड के बीच नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, निज़ामुद्दीन और आनंद विहार रेलवे स्टेशन मानो सब्र की परीक्षा के केंद्र बन गए हैं। प्लैटफॉर्म पर बैठे लोग घड़िया नहीं अपनी किस्मत देख रहे थे। लेटलतीफी का आलम यह था कि एक ट्रेन करीब 7 घंटे की देरी से आई, लेकिन यात्रियों की राहत ज्यादा देर नहीं टिकी। यह ट्रेन दो घंटे खड़ी रही। ठंड से कांपते हाथों में सामान, आंखों में उम्मीद और चेहरे पर थकान एनबीटी की पड़ताल में साफ नजर आई। एनबीटी ने शुक्रवार और शनिवार की रात निज़ामुद्दीन, आनंद विहार, नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशनों की पड़ताल की। पेश है रिपोर्ट:

NBT रिएलिटी चेक

आनंद विहार: देरी से आई ट्रेन

स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ थी। हर कोई अपनी-अपनी ट्रेन के इंतजार में था। रात करीब 10:30 बजने वाले थे। दरभंगा से आनंद विहार आने वाली ट्रेन नंबर 15557 करीब 9 घंटे की देरी से यहां पहुंची। मोहम्मद राज ने बताया कि उनकी सीट S-12 में है। वह पत्नी और बच्चे को लेकर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। यह ट्रेन दोपहर करीब 3 बजे आने वाली थी, जो 7 घंटे की देरी से पहुंची। स्टेशन पर ट्रेन दो घंटे और रुकी। यानी 12 बजे के बाद इसके चलने का अनाउंस किया गया। राज ने बताया कि इस ठंड में बच्चे को लेकर ट्रेन का इंतजार करना रूह कांपने के बराबर है।

आनंद विहार रेलवे स्टेशन

नई दिल्ली : वैशाली सहित कई ट्रेनें हुईं लेट

नई दिल्ली स्टेशन पर रात 9:30 बजे प्लैटफॉर्म नंबर-16 पर भारी संख्या में बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं और युवा वैशाली एक्सप्रेस का इंतजार करते नजर आए। यात्रियों के मुताबिक, इस गाड़ी के इस स्टेशन से चलने का टाइम करीब 8:30 बजे है, लेकिन यह दो घंटे की देरी से आई। एक यात्री ने बताया कि गाड़ी नंबर 12030, 12003, 15566 सहित कई ट्रेनें घंटों की देरी से चल रही हैं। हालांकि, स्टेशन पर भीड़ को कंट्रोल करने के लिए जगह-जगह आरपीएफ के जवान तैनात नजर आए।

पुरानी दिल्ली पर भी ट्रेनें चल रही लेट

पुरानी दिल्ली स्टेशन पर शनिवार को करीब 10:30 बजे कई यात्री अपनी-अपनी ट्रेनों का इंतजार करते दिखे। गाड़ी संख्या 14118 के इंतजार में कई यात्री दिखे। जब उनसे बात की गई तो उन्होंने बताया कि कालिंदी एक्सप्रेस का इंतजार कर रहे हैं। स्टेशन से इसके चलने का टाइम 10:50 बजे का है, लेकिन अब तक ट्रेन नहीं आई है। यह ट्रेन करीब एक घंटे की देरी से चल रही है। इसके अलावा गाड़ी संख्या 12311 भी स्टेशन पहुंची। इसमें यात्रा करने वाले यात्रियों ने बताया कि यह गाड़ी करीब दो घंटे की देरी से चल रही है। वहीं, प्लैटफॉर्म पर कई यात्री ट्रेन के इंतजार में ठंड से ठिठुरते दिखे।

निज़ामुद्दीन में यात्रियों के लिए विशेष सुविधाएं

निज़ामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार रात को करीब 10 बजे एनबीटी ने पड़ताल की, जहां ज्यादातर ट्रेनें राइट टाइम चलती हुई नजर आईं। हालांकि, यहां सैकड़ों यात्री ऐसे मिले, जो सुबह की ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। रेलवे प्रशासन ने ऐसे यात्रियों के लिए विशेष प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई है। प्लैटफॉर्म नंबर-1 के पास अस्थाई तौर पर एक विंटर रेस्टिंग फैसिलिटी बनाया गया है। जहां यात्री ठंड से बचकर ट्रेनों का इंतजार करते हुए नजर आए। हालांकि, कई ऐसे भी यात्री भी नजर आए, जो पूछताछ केंद्र और प्लैटफॉर्म पर खुले में एक पतली चादर ओढ़े सुबह का इंतजार कर रहे थे।

वैशाली एक्सप्रेस करीब दो घंटे की देरी से नई दिल्ली स्टेशन पहुंची। ठंड में ट्रेन के इंतजार में सब परेशान हो गए। ट्रेन के आते ही चढ़ने और उतरने वाले यात्रियों के बीच भारी धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ा। - अवधेश

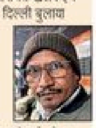

मां की तबीयत खराब है। इसलिए दिल्ली बुलाया है, लेकिन ट्रेन नंबर 15557 करीब 7 घंटे लेट आनंद विहार पहुंची। बच्चे, पत्नी और मां को काफी दिक्कतें हुईं। ट्रेन समय पर आती तो इतनी परेशानी नहीं होती। -मुनेद आलम

हैदराबाद में एग्जाम है। गाड़ी नंबर 12311 हावड़ा से लेट चल रही है। पुरानी दिल्ली पहुंचने में करीब दो घंटे की देरी हुई है। अगर समय से यह नहीं छूटी तो एग्जाम का क्या होगा। -रिजवान

गणतंत्र दिवस

करीब से दिखाई देती और महसूस होती है देशभक्ति

गणतंत्र दिवस की परेड से जुड़ी हर भारतीय की अपनी एक कहानी है। हमने अपने रीडर्स से 26 जनवरी की परेड से जुड़े उनके खास अनुभव साझा करने को कहा है। जिस पर हमें रोजाना ढेरों रिस्पॉन्स मिले और उन्हीं में से कुछ चुनिंदा रिस्पॉन्स आज हम यहां छाप रहे हैं।

'तीनों सेनाओं की ताकत देख कर खुशी होती है'

मैं पिछले चार सालों से गणतंत्र दिवस परेड के आयोजन में कर्तव्य पथ पर जा रहा हूं। इस आयोजन में शामिल होने पर अपने देश के प्रति गर्व महसूस होता है। अपने देश की संस्कृति और तीनों सेनाओं की ताकत देख कर खुशी होती है। हमारी भारतीय वायुसेना की ताकत और हैरतअंगेज करतब देखकर मन रोमांचित हो उठता है। *-पुरुषोत्तम गर्ग*

'जवानों का कदमताल देखना गर्व से भर देता है'

मैं दिल्ली पुलिस में कार्यरत हूं। चार साल गणतंत्र दिवस की ड्यूटी की है। खाकी वर्दी में खड़े होकर देश के अलग-अलग राज्यों की झांकियां, सेनाओं और अर्धसैनिक बलों की कदमताल देखना गर्व से भर देता है। राष्ट्रीय ध्वज के नीचे देशभक्ति गीतों के बीच फर्ज और कर्तव्य निभाना एक ऐसा अनुभव है, जिसे शब्दों में बयान करना मुश्किल है। *-मोहित कुमार*

RDAY लाइव ▶

कर्तव्य पथ पर एक साथ उठते कदम और अनुशासन में सजी ये पंक्तियां सिर्फ परेड की तैयारी नहीं, बल्कि गणतंत्र दिवस की यादों की शुरुआत भी है। 26 जनवरी से जुड़ा आपका अनुभव क्या है। क्या आप कभी इस परेड का हिस्सा रहे हैं या दर्शक दीर्घा में बैठकर इसे लाइव देखा है? अपनी यादें, किस्से और एहसास हमारे साथ साझा करें।

अपने अनुभव आप हमें 9220747220 पर वॉट्सऐप कर सकते हैं या फिर nbtreader@timesofindia.com पर मेल कर सकते हैं। सब्जेक्ट में RDay जरूर लिखें।

26 जनवरी पर कर्तव्य पथ जा रहे हैं? गूगल बताएगा कहां है पार्किंग

■ कृष्णा कुणाल सिंह, नई दिल्ली : 26 जनवरी के मौके पर कर्तव्य पथ पर होने वाली परेड देखने जाने वाले लोगों को गाड़ी पार्क करने में परेशानी न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस बार ट्रैफिक पुलिस गूगल के साथ मिलकर काम कर रही है। कर्तव्य पथ पर परेड देखने जाने वाले आमंत्रित लोग या टिकट धारक गूगल मैप्स या मैपल्स मैप की मदद से सीधे अपनी गाड़ी लेकर पार्किंग स्थल तक पहुंच सकेंगे। यह सुविधा सिर्फ 26 जनवरी के लिए ही नहीं, बल्कि 29 जनवरी को होने वाली बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी के दौरान भी रहेगी।

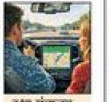

रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर पार्किंग के लिए एनिमेटेड वीडियो मौजूद

नई दिल्ली रेंज के डीसीपी ट्रैफिक राजीव कुमार ने बताया कि 26 जनवरी पर कर्तव्य पथ पहुंचने वाले लोग या टिकट धारक गूगल मैप्स या मैपल्स मैप यूज कर सकते हैं। इसके जरिए उन्हें यह जानकारी मिल जाएगी कि किस रूट से कर्तव्य पथ जाना है और उनकी गाड़ी की पार्किंग कहां होगी। इस सुविधा से लोग सीधे अपनी गाड़ी लेकर कर्तव्य पथ पहुंच सकेंगे और आसानी से पार्किंग कर पाएंगे।

टूट रही कोहरे की परत, दिख रहे हैं Fog Hole

हरियाली वाले इलाकों में कोहरा टिक रहा, आबादी वाले हिस्सों में जल्दी खत्म हो रहा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शहरीकरण के साथ फॉग होल की समस्या भी बढ़ रही है। दिसंबर और जनवरी के दौरान छाने वाली फॉग में होल दिखाई दे रहे हैं। रविवार को घने कोहरे के बावजूद राजधानी समेत पंजाब, हरियाणा, उत्तर पूर्वी राजस्थान, उत्तरी उत्तर प्रदेश और उत्तर पूर्वी बिहार में कई जगहों पर फॉग होल नजर आए।

अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन की एक रिसर्च के अनुसार, करीब दो दशकों की फॉग होल पूरी दुनिया में नजर आ रहे हैं, लेकिन दिल्ली-एनसीआर में यह अन्य क्षेत्रों की तुलना में काफी अधिक है। यह फॉग होल ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में ही नजर आ रहे हैं और खास तौर पर दिल्ली में अधिक हैं। बीते कुछ सालों से घने और प्रदूषित फॉग इंडो गंगेटिक प्लेन जैसे नॉर्थ इंडिया, पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश के लिए समस्या बन गई है। इसका असर हवाई, रेल और सड़क मार्ग पर भी हर साल देखने को मिल रहा है।

दिल्ली में दिखे 90 से ज्यादा फॉग होल

नासा की सैटलाइट इमेज से फॉग होल को लेकर स्टडी की गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, फॉग होल एशिया, यूरोप और यूएस के घनी आबादी वाले क्षेत्रों में नजर आ रहे हैं। इस तरह के सबसे अधिक फॉग होल दिल्ली में दिखे हैं। प्रदूषण की वजह से फॉग के बनने की प्रक्रिया धीमी हो रही है। स्टडी में दिल्ली में दिसंबर और जनवरी में 90 से अधिक फॉग होल पाए गए।

AI Image

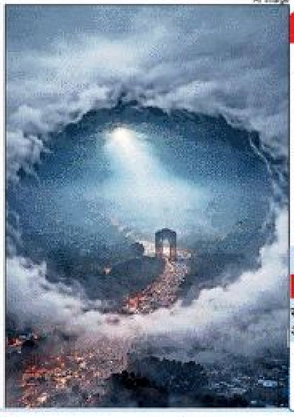

क्यों बन रहे हैं फॉग होल?

आकलन में कहा गया है कि अर्बन हीट की वजह से यूरोप और यूएस में लॉन्ग टर्म फॉग घट रही है। अब यह भारत में भी दिखने लगा है। स्काईमेट के चीफ मेट्रोलॉजिस्ट डॉ. महेश पलावत के अनुसार, दिल्ली में फॉग होल की समस्या बढ़ रही है। घनी आबादी वाले क्षेत्र में तापमान में वृद्धि और प्रदूषण की वजह से फॉग जल्दी खत्म हो रही है। फॉग होल उन क्षेत्रों में बन रहे हैं, जहां हरियाली कम है और ट्रैफिक, आबादी व अन्य गतिविधियां अधिक हैं। फॉग होल का प्रदूषण पर असर पड़ता है। इसके होने से एक निश्चित क्षेत्र में स्मॉग होती है। वहां तापमान अधिक होता है, प्रदूषण देर तक रहता है। इस बारे में अधिक रिसर्च की जरूरत भी है। उन्होंने कहा कि रिज, अरावली, आया नगर आदि क्षेत्रों में हरियाली की वजह से फॉग देर तक बना रहता है। वहीं, साउथ एक्स, आर के पुरम, पंजाबी बाग जैसी क्षेत्रों में फॉग जल्दी खत्म हो रहा है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

सर्दियों में कोहरा क्यों है ज़रूरी ?

जहां फॉग जल्दी खत्म होता है, वहीं फॉग होल दिख रहे हैं। फॉग होल उसे कहते हैं, जब चारों तरफ कोहरा हो लेकिन एक छोटे एरिया में न रहे। फॉग सर्दियों के लिए जरूरी है। आबादी वाले क्षेत्रों में फॉग होल बनने से वहां फॉग कम हो रहा है। इस वजह से जमीन की नमी कम होने लगती है और उस जगह पर तापमान भी अधिक रहता है। फॉग होल वाली जगहों पर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में काफी अंतर पाया जाता है, जिसकी वजह से लोग अधिक बीमार होते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह की सुरक्षा में 20 हज़ार जवान चप्पे-चप्पे पर होंगे तैनात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर होने वाले मुख्य समारोह को लेकर पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था की पूरी तैयारी कर ली है। पुलिस का उद्देश्य है कि समारोह पूरी तरह सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो। एडिशनल सीपी देवेश कुमार महला के अनुसार 26 जनवरी को कर्तव्य पथ और उसके आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

एडिशनल सीपी ने बताया कि कर्तव्य पथ, इंडिया गेट, आसपास की सड़कों और संवेदनशील स्थानों पर दिल्ली पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के करीब 20 हजार जवानों की तैनाती की गई है। हर आने-जाने वाले व्यक्ति और वाहन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसके अलावा पूरे इलाके में करीब एक हजार सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। इन सभी सीसीटीवी को आधुनिक फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) से जोड़ा गया है। वहीं आसमान से किसी भी खतरे पर नजर रखने के लिए एंटी-ड्रोन टीमें लगाई गई हैं। इसके साथ ही ऊंची इमारतों पर स्नाइपर टीमें भी तैनात की गई हैं। इसके अलावा डिस्ट्रिक्ट के सभी होटल, गेस्ट हाउस, किराएदारों और घरेलू सहायकों का सत्यापन किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि को पहले ही रोका जा सके।

पुलिस ने सभी आमंत्रित गेस्ट और टिकट धारकों से अपील की है कि वे अपने पास पर दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़ें और निर्धारित मार्गों का ही इस्तेमाल करें। रूट मैप, पार्किंग व्यवस्था और एनक्लोजर से संबंधित पूरी जानकारी रक्षा मंत्रालय और दिल्ली पुलिस की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। सभी मेट्रो स्टेशनों पर नियमित घोषणाएं भी की जा रही हैं।

इन मेट्रो स्टेशन पर उतरें

ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु और झेलम एनक्लोजर में जाने वाले अतिथियों को उद्योग भवन मेट्रो स्टेशन, जबकि कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेनार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना एनक्लोजर के लिए केंद्रीय सचिवालय मेट्रो स्टेशन पर उतरने की सलाह दी गई है।

इन चीजों पर रहेगी रोक

एनक्लोजरों के भीतर बैग, ब्रीफकेस, खाने-पीने का सामान, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण (मोबाइल को छोड़), पानी की बोतल, पावर बैंक, छाता, लाइटर, माचिस, चाकू, कैंची, हथियार, ज्वलनशील पदार्थ और कोई भी प्रतिबंधित चीज ले जाने पर रोक रहेगी। पुलिस ने अपील की है कि कोई भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिसकर्मी को दें या 112 पर कॉल करें।

काइट फेस्टिवल: रेकॉर्ड लोगों ने लिया हिस्सा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: डीडीए के तीसरे अंतरराष्ट्रीय पतंग उत्सव में इस बार रेकॉर्ड लोगों ने हिस्सा लिया। पिछले साल की तुलना में इस बार यहां दोगुने से भी अधिक लोग पहुंचे। डीडीए के अनुसार तीन दिनों के दौरान यहां 27 हजार से अधिक लोग पहुंचे। अगले साल यह पतंग उत्सव और व्यापक रूप में वापस आएगा। बांसेरा में यह पतंग उत्सव 16 से 18 जनवरी तक मनाया गया। एलजी वीके सक्सेना के नेतृत्व में यह पूरा आयोजन सफलता के साथ संपन्न हुआ।

तीन दिन में 27 हजार से अधिक लोग पहुंचे : DDA

डिजिटल दौर में कायम रहा किताबों का जादू

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: नई दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 रविवार को खत्म हो गया। आखिरी दिन भी मेले में किताबों के चाहने वालों की भारी भीड़ उमड़ी और सभी हॉल में चहल-पहल दिखी। नौ दिनों तक चले इस मेले में करीब 20 लाख लोगों की भागीदारी दर्ज की गई। इस दौरान हर उम्र के लोग यहां अपनी पसंदीदा किताबों की तलाश में स्टॉलों के बीच घूमते दिखे। किताबों की खरीद के साथ-साथ लोगों ने यहां हुए सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कवि सम्मेलनों और दूसरी गतिविधियों का भी भरपूर आनंद लिया।

संडे को बुक फेयर खत्म, 20 लाख लोग पहुंचे थे इस बार

NBT जन्मदिन मुबारक

रोहित कुमार

19 जनवरी 1990 को जन्मे रोहित कुमार प्रो कबड्डी लीग के स्टार रेडर हैं। उनकी कप्तानी में बेंगलुरु बुल्स ने सीजन 6 का खिताब जीता। खेल कोटे से नेवी में शामिल हुए।

श्रीराम चंद्रा

19 जनवरी 1986 को जन्मे श्रीराम चंद्र 'इंडियन आइडल 5' के विजेता रहे हैं। 'सुभानल्लाह' जैसे सुपरहिट गाने गाए और एक्टिंग और रियलिटी शोज में पहचान बनाई।

करुण चंडोक

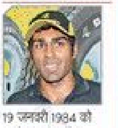

19 जनवरी 1984 को जन्मे करुण चंडोक फॉर्मूला वन में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं। वे रेसिंग छोड़ने के बाद अब दुनिया के मशहूर मोटरस्पोर्ट्स कमेंटेटर बन चुके हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 01-17-2026 22:23 Color:

2026 के लिए पिछले साल का सबक

आपने कब खरीदा से अहम है कि खरीदा क्या है!

विजय पथ

विजय केडिया
NBTwealth
@timesofindia.com

2025 ने सिखाया कि सही समय पर खरीदने से ज्यादा जरूरी सही शेयर चुनना है। 2026 में भी यही अहम होगा कि खरीदा क्या है।

साल 2025 भारतीय शेयर बाजार के लिए सिर्फ मुनाफे का साल नहीं था, यह समझ और परिपक्वता का साल भी रहा। यह वह साल था जब बाजार ने आम निवेशक से बिना लाग-लपेट के कह दिया कि 'रफ्तार कम रखो और नजर दूर रखो।' साल 2025 की शुरुआत निराशा उम्मीदों से भरी लग रही थी। अर्थव्यवस्था मजबूत दिख रही थी, सरकारी खर्च बढ़ रहा था, इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर था और घरेलू निवेशकों की भागीदारी हर महीने नया रिकॉर्ड बना रही थी। इसी भरोसे में बाजार नई ऊंचाइयों तक पहुंचा और ऐसा लगा कि तेजी का यह दौर लंबा चलेगा। लेकिन जैसे-जैसे साल आगे बढ़ा, बाजार ने अपना असली स्वभाव दिखाया। कड़ी तेज गिरावट आई, कई अचानक उछाल दिखा और कई बार निवेशक यह समझ ही नहीं पाए कि अगला कदम क्या होना चाहिए। 2025 ने यह साफ कर दिया कि बाजार अब एक-सा रिटर्न देने वाला नहीं रहा। यह वह दौर नहीं है जब 'कुछ भी खरीदो और पैसा बन जाएगा।' यही 2026 के लिए 2025 की सबसे बड़ी सीख रही।

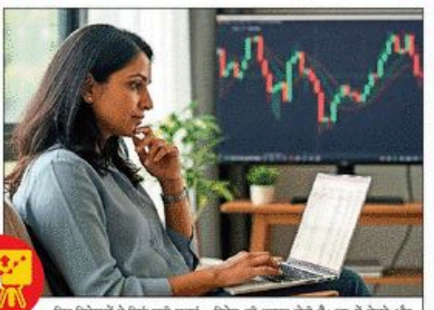

जिन निवेशकों ने सिर्फ सुनी-सुनाई बातों या भीड़ के पीछे चलकर निवेश किया, उन्हें निराशा हाथ लगी। वहीं, जिन लोगों ने बिजनेस को समझा, बैलेंस शीट देखी, मैनेजमेंट पर भरोसा किया और उतार-चढ़ाव में धैर्य बनाए रखा, बाजार ने अंततः उन्हें सम्मान दिया। बाजार ने यह भी सिखाया कि भावनाएं निवेश की दुश्मन होती हैं। डर में बेचने और लालच में खरीदने वालों के लिए 2025 आसान नहीं रहा। हर गिरावट के साथ उड़ने वाली खबरें आईं, जैसे कभी वैश्विक तनाव, कभी ब्याज दरों की चिंता, तो कभी विदेशी निवेशकों की बिकवाली। लेकिन हर बार दिखा कि मजबूत कंपनियां समय के साथ फिर खड़ी हो जाती हैं।

हर शेयर सस्ता नहीं

भारत की लंबी अवधि की कहानी 2026 में भी मजबूत है। लेकिन सच्चाई भी है कि हर शेयर सस्ता नहीं है और हर तेजी दिखाऊ नहीं होती। 2026 में बाजार शायद एक ही सवाल बार-बार पूछेगा कि आपने क्या खरीदा है?', न कि 'आपने कब खरीदा है?' अब सही समय पकड़ने से ज्यादा जरूरी है सही बिजनेस चुनना। अच्छी कंपनी अगर सही कीमत पर खरीदी जाए और उसे समय दिया जाए, तो बाजार की अस्थिरता खुद-ब-खुद छोटी लगने लगती है।

समय के साथ असली फायदा

आगे वाले साल में आम निवेशक के लिए सबसे जरूरी होगा कम लेन-देन, ज्यादा धैर्य और सही आदतों पर भरोसा। 2025 ने सिखाया कि बाजार हर साल पैसा नहीं बनाता, लेकिन जो टिके रहते हैं, वही लंबी अवधि में कमाते हैं। असली फायदा समय देता है, जल्दबाजी नहीं। हर हाल में बने रहना ही सबसे बड़ी रणनीति है, खेल अभी जारी है।

(लेखक अनुभवी निवेशक और पेल्थ कोच हैं।)

FIU-IND की सख्ती से अब कोई भी गुमनाम रहकर नहीं कर सकेगा निवेश

क्रिप्टो पर पहरा बढ़ा, क्या करें निवेशक?

Crypto Class

एडुल पटेल
NBTwealth
@timesofindia.com

भारत में क्रिप्टोकरंसी का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। जहां एक तरफ सरकार ने FIU-IND के जरिए नियमों को बहुत सख्त कर दिया है, वहीं दूसरी ओर निवेशक और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स बजट 2026 से बड़ी राहत की उम्मीद कर रहे हैं।

पिछले कुछ सालों में क्रिप्टोकरंसी भारत के बड़े शहरों से निकलकर टीयर-2 और टीयर-3 शहरों तक पहुंच चुकी है। आज लाखों भारतीय अपनी जमा-पूंजी डिजिटल असेट्स में लगा रहे हैं। हाल ही में भारत सरकार ने 'निगरानी' और 'टैक्सेशन' को लेकर नए कदम उठाए हैं, जिनके बारे में जानना जरूरी है।

FIU-IND ने क्या किए हैं बदलाव?

हाल ही में फाइनैंशल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया (FIU-IND) ने क्रिप्टो एक्सचेंजों के लिए नए और कड़े दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें क्रिप्टो एक्सचेंजों को वर्चुअल डिजिटल असेट (VDA) सर्विस प्रोवाइडर माना गया है। इसका मतलब है कि अब उन्हें ग्राहकों की पहचान और लेनदेन की लाइव जांच भी करनी होगी। इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति गुमनाम रहकर क्रिप्टो का इस्तेमाल न कर सके।

अडवांस KYC: KYC केवल डॉक्यूमेंट अपलोड तक सीमित नहीं रहेगा। एन्हांस्ड ड्यू डिलिजेंस (EDD) लागू करना जरूरी होगा। इसे सामान्य KYC से एक कदम आगे माना जाता है। ग्राहक, ट्रांजैक्शन या अकाउंट में ज्यादा जोखिम पर EDD लागू की जाती है।

जियो-टैगिंग: अकाउंट बनाते समय यूजर की लोकेशन, IP ऐड्रेस और टाइमस्टैम्प रिकॉर्ड करना अनिवार्य हो गया है।

बैंक अकाउंट वेरिफिकेशन: एक्सजेंज अब आपके बैंक अकाउंट की सत्यता जांचेंगे। अकाउंट वेरिफिकेशन जरूरी है।

अवैध टूल्स पर रोक: 'क्रिप्टो मिक्सर्स' और 'टम्बलर्स' (जो ट्रांजैक्शन के स्रोत को छुपाते हैं) को हतोत्साहित किया गया है।

नियमों का क्या होगा असर?

शुरुआत में ये सख्त KYC नियम निवेशकों को थोड़े असहज लग सकते हैं, लेकिन लंबी अवधि में ये उनके लिए सुरक्षा कवच का काम करेंगे। FIU-IND के नए नियमों का मकसद अवैध धन को सिस्टम में आने से रोकना और आवारा फंडिंग पर लगाम लगाना है। हर क्रिप्टो लेनदेन को ट्रेस करने पर जोर दिया गया है। सरकार चाहती है कि क्रिप्टो भी बैंकिंग और शेयर बाजार जैसे पारदर्शी नियमों के दायरे में आए।

भरोसे की बहाली: जब एक्सचेंज सरकार के पास रजिस्टर्ड होंगे, तो रातों-रात गायब होने वाली कंपनियों का डर खत्म हो जाएगा।

सुरक्षित निवेश: सख्त निगरानी से स्कैम्स की संभावना कम हो जाती है, जिससे रिटेल निवेशक बेझिझक निवेश कर सकते हैं।

SIP का ट्रेंड: अब भारतीय निवेशक क्रिप्टो को 'जुआ' नहीं मान रहे हैं। इसीलिए क्रिप्टो में SIP लगातार बढ़ रही है।

क्या टैक्स में राहत देगा इस साल का बजट?

क्रिप्टो से होने वाले मुनाफे पर फिलहाल 30% फ्लैट टैक्स और हर लेनदेन पर 1% TDS है। यह व्यवस्था तब लाई गई, जब क्रिप्टो को लेकर रेगुलेटरी स्पष्टता कम थी। अब जब निगरानी तंत्र मजबूत हो चुका है, तो इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स को बजट 2026 से तीन प्रमुख उम्मीदें हैं...

TDS में कटौती: 1% TDS से निवेशकों की पूंजी ब्लॉक हो जाती है। इसे 0.01% करने से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ेगी और निवेशक भारतीय प्लैटफॉर्म्स का रुख करेंगे।

घाटे की भरपाई: अभी एक क्रिप्टो में फायदा और दूसरे में नुकसान हुआ है, तो आप नुकसान को मुनाफे के साथ एडजस्ट नहीं कर सकते। 'लॉस सेट-ऑफ' की अनुमति की उम्मीद है।

टैक्स स्लैब के अनुसार टैक्स: मुनाफे पर सीधा 30% टैक्स लगाने के बजाय, इसे व्यक्ति की कुल आय के अनुसार टैक्स स्लैब में शामिल करने की मांग की जा रही है।

...तो बढ़ेगा टैक्स रेवेन्यू

भारत क्रिप्टो अपनाने में दुनिया के अग्रणी देशों में है। यदि बजट 2026 में संतुलित नीतियां आती हैं, तो भारत Web3 और ब्लॉकचेन तकनीक का ग्लोबल हब बन सकता है। राहत मिलने पर निवेशक भारतीय एक्सचेंजों पर वापस लौटेंगे, जिससे सरकार को ज्यादा सटीक डेटा और टैक्स रेवेन्यू मिलेगा।

(लेखक Mudrex के CEO हैं।)

काम की खबर

घर बैठे यूं जमा करिए DLC

अब EPS पेंशनरों को डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट (DLC) जमा करने के लिए न बैंक जाना होगा, न EPFO ऑफिस। EPFO और इंडिया पोस्ट की मुफ्त डोरस्टेप सेवा के तहत पोस्टमैन घर आकर DLC बनाएंगे। यह सुविधा बुजुर्ग, बीमार और स्मार्टफोन न रखने वाले पेंशनरों के लिए है।

इस तरह होगा काम

- **स्टेप 1:** IPPB कस्टमर केयर नंबर 033-22029000 पर कॉल कर डोरस्टेप सेवा के लिए अनुरोध करें।
- **स्टेप 2:** IPPB का कर्मचारी देखेगा कि DLC ड्यू है या अगले 30 दिनों में जरूरी होने वाला है, तो वह PPO (पेंशन पेमेंट ऑर्डर) और आधार कार्ड में नाम और जन्मतिथि का मिलान करेगा। इसके साथ ही DLC जेनरेशन का प्रोसेस शुरू हो जाएगा।
- **स्टेप 3:** प्राथमिक तौर पर फेस ऑथेंटिकेशन टेक्नॉलजी (Face Authentication) का इस्तेमाल होगा। यदि यह संभव न हो, तो फिंगरप्रिंट या अन्य बायोमेट्रिक तरीके अपनाए जाएंगे और डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट तैयार किया जाएगा।

किंडेलबर्गर की किताब फाइनैंशल बबल से बचाने में हो सकती है मददगार

बाज़ार में बुलबुला बने तो कैसे बचाएं पूंजी?

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

शेयर बाजार में तेजी जब हद से आगे बढ़ती है, तो वह बुलबुले का रूप ले लेती है। इतिहास गवाह है कि ऐसे बुलबुले फूटने पर निवेशकों की पूंजी मिनटों में खाक हो जाती है। चार्ल्स पी. किंडेलबर्गर (Charles P. Kindleberger) की किताब में अलग-अलग फाइनैंशल बबल्स की जानकारी दी गई है।

IMF की चीफ इकॉनमिस्ट रह चुकीं गीता गोपीनाथ ने कुछ अरसा पहले इकॉनमिस्ट मैगजीन में लिखे लेख में दावा किया कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) में बुलबुला बन चुका है और यह फूटा तो निवेशकों को 35 ट्रिलियन डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारत में 2024 सितंबर के बाद से विदेशी निवेशकों की जो बिकवाली चल रही है, उसका एक कारण AI इनोवेशन में पिछड़ने को भी बताया जा रहा है। ऐसे में चार्ल्स पी. किंडेलबर्गर (Charles P. Kindleberger) की किताब 'Manias, Panics, and Crashes: A History of Financial Crises' को पढ़ना दिलचस्प हो सकता है। इतिहास में अलग-अलग financial bubbles के बारे में इसमें डीटेल्ड जानकारी दी गई है।

■ बुलबुले तो बनेंगे ही: चार्ल्स लिखते हैं कि बुलबुला हमेशा स्पेकुलेशन यानी सट्टेबाजी बढ़ने की वजह से बनता है, लेकिन इसकी कीमत उन लोगों को भी चुकानी पड़ती है, जो इससे दूर रहते हैं। 2008-09 के सब-प्राइम क्राइसिस को शायद ही निवेशक भूले होंगे। यह संकट शुरू तो अमेरिका से हुआ था, लेकिन उसकी कीमत दुनिया भर के देशों ने चुकाई। यूं तो चार्ल्स की इस किताब को आए चार दशक से कुछ अधिक वक्त हो चला है (समय-समय पर इसे अपडेट भी किया जाता रहा है), लेकिन आज दुनिया में जो भी चल रहा है, उसे समझने में यह बहुत मददगार हो सकती है। इससे मिले सबक आने वाले वित्तीय संकट से बचने में काम आ सकते हैं। चार्ल्स लिखते हैं कि ऐसे संकट इकाइ-दुक्का घटनाएं नहीं हैं। ये पूंजीवादी व्यवस्था के साथ गहरे जुड़े हैं। इसकी जड़ में लोगों की साइकोलॉजी और क्रेडिट सिस्टम (कर्ज व्यवस्था) है।

■ स्मार्ट इन्वेस्टर्स पर नजर रखें: चार्ल्स लिखते हैं कि जब लंबे समय तक असेट क्लास में स्थिरता रहती है तो निवेशक लापरवाह हो जाते हैं और इसी वजह से वे अधिक जोखिम उठाने लगते हैं। यह कोई नई बात नहीं है। अर्थशास्त्री Hyman Minsky ने यह थिअरी दी थी। चार्ल्स के मुताबिक, कोई भी बुलबुला कई चरणों में बनता है। जैसे, कोई टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन, युद्ध या नीतियों में बदलाव। गीता गोपीनाथ ने AI में जिस बुलबुले का जिक्र किया है, वह इसी कैटिगरी में आता है।

चार्ल्स के मुताबिक, बुलबुले किसी दुर्घटना की तरह नहीं आते, बल्कि कर्ज, लालच और निवेशकों की लापरवाही से धीरे-धीरे बनते हैं। इतिहास में हर बड़े वित्तीय संकट

बुलबुले के दौर में ऊंची कीमतों को सही ठहराने वाली थिअरी और कथित एक्सपर्ट्स की बाढ़ आ जाती है। सतर्कता, डायवर्सिफिकेशन और भीड़ से अलग चलना ही निवेशकों को असली सुरक्षा दे सकता है।

चार्ल्स लिखते हैं कि जब ऐसी स्थिति बनती है, तब बैंकों की ओर से अधिक कर्ज दिया जाने लगता है। वे तब कर्ज देने की शर्तों को नरम करते हैं। ऐसे में शेयरों, रियल एस्टेट या कमॉडिटी जैसे असेट्स की मांग बढ़ती है। निवेशक कर्ज लेकर इनमें निवेश बढ़ाते हैं। इससे असेट की जो असल कीमत होनी चाहिए, वह उससे कहीं अधिक हो जाती है। ऊपर की कीमतों या वैल्यूशन पर भी निवेशक उसमें पैसा लगाते रहते हैं। वहीं, स्मार्ट इन्वेस्टर्स ऊपरी स्तरों पर अपना मुनाफा निकाल लेते हैं, जिससे पैनिक का माहौल बनता है। यह पैनिक धीरे-धीरे निवेशकों के बड़े समूह को अपनी चपेट में ले लेता है। चार्ल्स यह भी लिखते हैं कि पैसों के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रवाह बढ़ने से भी बुलबुले का रिस्क और बढ़ता है। इससे किसी देश विशेष का संकट वैश्विक बन जाता है।

■ जब 90% गिरा डाओ जोंस: किताब में 1637 के ट्यूलिप मैनिया के बारे में बताया गया है, जो यूरोप का पहला बुलबुला था। तब वापस बाजार में ट्यूलिप फूल की कीमतें नीदरलैंड में घरों की कीमतों से अधिक हो गई थीं। इसके बाद वह बुलबुला फूटा था। 1720 के साउथ सी बबल (South Sea Bubble) के बारे में भी उन्होंने लिखा है, जो ब्रिटेन में हुआ था। इसकी वजह फ्रॉड थी और इसमें माइंटिस्ट आइजैक न्यूटन को भी नुकसान हुआ था। किताब में 1929 के वॉल स्ट्रीट क्रैश का भी जिक्र है, जिससे अमेरिका में महामंदी शुरू हुई थी। तब बेंचमार्क इंडेक्स डाओ जोंस में 90% की गिरावट आई थी। चार्ल्स ने जापान के 1980 के दशक में रियल एस्टेट और शेयर बाजार के बुलबुले के बारे में भी लिखा है। यह क्राइसिस इसलिए शुरू हुआ था क्योंकि तब वहां ब्याज दरें शून्य फीसदी चल रही थीं। किताब में 1973-74 के क्रूड ऑयल शॉक के बारे में भी बताया गया है, जिससे इमर्जिंग मार्केट्स कर्ज संकट में फंस गए थे।

■ उन्मादी माहौल में प्रॉफ्ट भी बढ़ते हैं: चार्ल्स लिखते हैं कि जब असेट क्लास को लेकर उन्माद का माहौल बनता है, तब बुनियादी सिद्धांत भूला दिए जाते हैं। ऐसे दौर में कुछ कथित एक्सपर्ट्स असेट की ऊंची कीमतों को सही ठहराने के लिए थिअरी देते रहते हैं, जिस पर अक्सर छोटे निवेशक यकीन कर लेते हैं। इसलिए जब भी बुलबुला फूटता है, उससे उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है। किताब में लिखा गया है कि बुलबुला फूटने पर 7-8 साल में असेट क्लास में जो तेजी बनी होती है, वह 1-2 साल में खत्म हो जाती है। पानी कम समय में सारा मुनाफा हवा हो जाता है। चार्ल्स यह भी बताते हैं कि उन्माद के माहौल में फ्रॉड के मामले भी बढ़ते हैं। इस संदर्भ में उन्होंने एनरॉन की मिसाल दी है।

■ बुलबुले से कैसे बचें? चार्ल्स बताते हैं कि नीतिगत स्तर पर अगर सक्रियता बरती जाए तो बुलबुला बनने से रोका जा सकता है। चार्ल्स के मुताबिक, अगर यहां चूक हो जाए और वित्तीय संकट खड़ा हो तो केंद्रीय बैंकों को आगे आना चाहिए। 2008-09 में जिस तरह से अमेरिका में फेडरल रिजर्व ने विशाल राहत पैकेज देकर वहां के बैंकों को बचाया था। इस सिलसिले में वह 1929 की महामंदी का जिक्र करते हैं, जब अमेरिकी सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। इस वजह से वह संकट बहुत बड़ा हो गया। वह बताते हैं कि किसी बुलबुले की भविष्यवाणी के बजाय निवेशकों को सतर्कता, डायवर्सिफिकेशन और भीड़ से अलग चलने की आदत ऐसे संकटों से बचा सकती है।

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(19-25 जनवरी 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
इस सप्ताह की शुरुआत आर्थिक रूप से काफी अच्छी रहेगी। आपकी मेहनत रंग लाएगी और आय बढ़ने के संकेत मिलेंगे। निवेश, शेयर बाजार या पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकता है, जिससे मन थोड़ा अशांत रह सकता है। सोना-चांदी, बैंकिंग, बीमा, हेल्थ और सोलर पावर से जुड़े कामों में लाभ की संभावना बन रही है। सोच-समझकर खर्च करें।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
यह सप्ताह आर्थिक उन्नति के संकेत दे रहा है। निवेश और बिजनेस ट्रिप से फायदा हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को बॉस का सहयोग मिलेगा। सप्ताह के दूसरे हिस्से में शेयर बाजार या प्रॉपर्टी से लाभ संभव है। इस सप्ताह आप IT, फार्मा, केमिकल इंडस्ट्री, ऑयल-पेट्रोलियम, लोहा, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन इंडस्ट्री से विशेष लाभ प्राप्त करेंगे। यह समय आपके अनुकूल है लेकिन जल्दबाजी में निवेश से बचें।

मिथुन (22 मई-21 जून)
सप्ताह की शुरुआत में आर्थिक उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। इससे मन थोड़ा परेशान रह सकता है। साझेदारी में किया गया निवेश लाभ दे सकता है। बुधवार के बाद हालात सुधरेंगे और आय के नए अवसर बनेंगे। अप्रत्याशित धन लाभ के संकेत हैं। लेदर, ड्राइंग मैनेजमेंट, मेटल, IT और ऑटोमोबाइल से जुड़े कामों में फायदा हो सकता है। भावनाओं में आकर खर्च न करें।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
इस सप्ताह धन लाभ के अच्छे योग हैं। जीवनसाथी या साझेदारी से आर्थिक फायदा मिल सकता है। सप्ताह के मध्य में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए निवेश सोच-समझकर करें। हालांकि शुक्रवार यानी सप्ताह के अंत में भाग्य साथ देगा और अचानक से धन लाभ की स्थितियां बनती जाएंगी। इस सप्ताह आपको डेयरी प्रोडक्ट्स, हिफेस, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर से जुड़े क्षेत्रों से फायदा संभव है। निवेश में जल्दबाजी से बचें।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
आर्थिक स्थिति इस सप्ताह मजबूत रहेगी। आपके लिए आय के नए स्रोत बन सकते हैं और पुराने कर्ज से राहत मिलने की संभावना दिख रही है। साझेदारी में किया गया काम फायदेमंद रहेगा। सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकता है, जिससे मन थोड़ा विचलित हो सकता है। इस सप्ताह आपको सोना-चांदी, बैंकिंग, इंश्योरेंस, ट्रेडिंग, हिफेस और हेल्थ सेक्टर में निवेश से लाभ के संकेत हैं।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
सप्ताह की शुरुआत यानी सोमवार से ही हालात बेहतर होते जाएंगे। कर्ज से राहत मिल सकती है और नियमित काम से भी आय बढ़ेगी। जीवनसाथी के सहयोग से आर्थिक लाभ संभव है। साझेदारी से जुड़े कामों में फायदा होगा। होटल, मीडिया, बैंकिंग, इंश्योरेंस, सोना-चांदी, डेयरी प्रोडक्ट्स, ट्रेडिंग, मोबाइल और कंप्यूटर से जुड़े क्षेत्रों में लाभ के संकेत हैं। खर्च और बचत में संतुलन बनाए रखें।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
सप्ताह की शुरुआत में आप अपनी मेहनत से धन अर्जित करने में सक्षम रहेंगे और आय के नए स्रोत भी खुलते जाएंगे। सप्ताह के बीच में भावनात्मक कारणों से खर्च बढ़ सकते हैं। घर की मरम्मत या साज-सज्जा पर पैसा लग सकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में आय बढ़ेगी और नए अवसर मिलेंगे। होटल, कन्ज्यूमर गुड्स, बैंकिंग, बीमा और सोलर पावर से जुड़े कामों में लाभ की संभावना है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)
इस सप्ताह आप अपनी मधुर वाणी और व्यवहारकुशलता से दूसरों को प्रभावित करेंगे और धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। निवेश से फायदा मिलेगा और PR रिलेट्स से सफलता मिलेगी। घर से जुड़ी चीजों पर खर्च हो सकता है। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल होगा और अचानक से धन लाभ की स्थितियां बनेंगी। सोलर एनर्जी, मेटल, हिफेस, डेयरी और जल से जुड़े प्रोजेक्ट्स में फायदा संभव है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
यह सप्ताह आपके लिए आर्थिक रूप से शुभ रहने वाला है। समझदारी से किए गए निवेश लाभ देंगे। आप अपनी बातचीत से दूसरों को प्रभावित करेंगे और आपकी नेटवर्किंग से आय के नए स्रोत बनेंगे। मेहनत का पूरा फल मिलेगा। सप्ताह के अंत में कुछ खर्च हो सकते हैं, लेकिन संतुलन बना रहेगा। बैंकिंग, बीमा, मेटल, हेल्थ और टेक्नोलॉजी से जुड़े क्षेत्रों में लाभ के संकेत हैं।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
इस सप्ताह सोमवार से बेहतर स्थितियां होती जाएंगी और धन लाभ के अवसर बनेंगे। निवेश से फायदा मिलेगा और नए संपर्क बनेंगे, जो भविष्य में काम आएंगे। आपकी वाणी और व्यवहार लोगों को प्रभावित करेगा। जीवन में सुख-समृद्धि के शुभ संयोग भी बनते जाएंगे। बैंकिंग, IT, डेटा एनालिटिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल और एयरलाइन सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल है। खर्च पर नियंत्रण रखें।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में खर्च ज्यादा रह सकते हैं, इसलिए निवेश पर खास ध्यान दें। सप्ताह के दूसरे हिस्से में हालात सुधरेंगे और मेहनत का फल मिलेगा। आय के नए अवसर बनेंगे और मन प्रसन्न रहेगा। बैंकिंग, ट्रेडिंग, IT, मीडिया और फार्मा सेक्टर से जुड़े कामों में लाभ संभव है। जल्दबाजी में फैसले न लें।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
इस सप्ताह धन लाभ के मजबूत योग हैं। मेहनत और समझदारी से कमाई बढ़ेगी। सप्ताह के मध्य में शेयर बाजार, रियल एस्टेट या पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है। बुधवार और गुरुवार को खर्च बढ़ सकते हैं, सावधानी रखें। सप्ताह के अंत में हालांकि स्थितियां बेहतर होती जाएंगी और धन लाभ होगा। शीन एनर्जी, बैंकिंग और हिफेस सेक्टर में लाभ के संकेत हैं।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: cci Time: 01-18-2026 23:02 Color:

मीटर 'डाउन', मनमर्ज़ी ऑन

NBT रिएलिटी चेक

*कहने को तो दिल्ली की सड़कों पर ऑटो रिक्शा आम आदमी की सबसे सुलभ और सस्ती सवारी मानी जाती है, लेकिन हकीकत इसके उलट है। नियम-कानून कागजों पर सिमट चुके हैं और सड़कों पर सिर्फ ऑटो चालकों की मनमानी का 'मीटर' चलता है। 15 से 18 जनवरी के बीच **NBT** ने राजधानी के अलग-अलग इलाकों में जाकर यह जानने की कोशिश की कि क्या दिल्ली में मीटर से सफर करना आज भी संभव है? नतीजा बेहद निराशाजनक रहा। पूनम गौड़, कात्यायनी उप्रेती, प्राची यादव, अश्वनी शर्मा, राजेश पोद्दार, बृजेश सिंह और राहुल आनंद ने पाया कि दिल्ली में मीटर से चलना अब 'अपवाद' बन चुका है।*

'मीटर कौन चलाता है? ऑनलाइन का जमाना है'

17 जनवरी की रात आईटीओ मेन रोड पर स्ट्रीट लाइटें बंद थीं। अंधेरे का फायदा उठाकर ऑटो वाला मनमानी कीमत वसूल रहे थे। रिपोर्टर ने ऑटो ड्राइवर राजीव से एंड्रयूज गंज जाने के लिए पूछा। जवाब मिला, ₹100 रुपये लगेंगे। जब मीटर से चलने की बात कही, तो ड्राइवर ने साफ कह दिया, 'मीटर कौन चलाता है? ऑनलाइन का जमाना है।' अंत में उसने 20 रुपये कम करने की पेशकश तो की, लेकिन मीटर पर नहीं आया। एक अन्य ड्राइवर अब्दुल करीम ने तो उसी दूरी के लिए 250 रुपये मांगे। मीटर का नाम सुनते ही वह चिढ़ गया और अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाड़ी भगा ले गया। तीसरे ऑटो वाले ने तो हद ही कर दी और 300 रुपये की डिमांड रख दी।

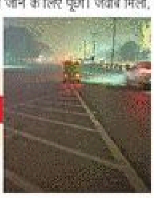

लोकेशन 1 — 9:00 बजे रात — आईटीओ मेट्रो स्टेशन

'पुराने ऑटो में मीटर नहीं चलते, सवारी...'

लोकेशन 2 — दोपहर का समय — मंगलापुरी और द्वारका

मंगलापुरी टर्मिनल पर ड्राइवर शहजाद ने नई दिल्ली जाने के लिए 350 रुपये मांगे। जब मीटर की बात हुई, तो उसने बहानों की झड़ी लगा दी- 'पुराने ऑटो में मीटर नहीं चलते, सवारियां उबली लगा देती हैं, पानी चला जाता है।' वहीं द्वारका फ्लाईओवर पर ड्राइवर शशि भूषण ने बताया कि ऐप बेस्ड कैब ने मार्केट बिगाड़ दिया है। ड्राइवर के मुताबिक, सवारियां खुद ऑनलाइन रेट देखकर फिक्स करती हैं और सरकारी मीटर रेट पर उन्हें भरोसा नहीं रहा है।

'मीटर सही है, चलेगा नहीं'

16 जनवरी को मुनिरका में भी स्ट्रीट लाइटें बंद मिलीं। वहां ड्राइवर कमल ने एम्स जाने के लिए 150 रुपये मांगे। नाइट चार्ज शुरू होने से पहले ही वह एकमुश्त पैसे मांग रहा था। उसका तर्क था, 'सर्दी बहुत है और वहां से वापसी में सवारी नहीं मिलेगी।' जब मीटर के बारे में पूछा तो उसने हंसते हुए स्वीकार किया कि मीटर सही है, लेकिन चलेगा नहीं। चलना है तो 10 रुपये कम दे देना, नहीं तो दूसरा देख लो, यह उसका अंतिम जवाब था।

लोकेशन 3 — 9:30 बजे रात — मुनिरका मेट्रो स्टेशन

एक बार में ही मीटर से चलने को हुए तैयार

ऑटो ड्राइवर देवेंद्र से मीटर से चलने को पूछा तो वह तैयार मिले। देवेंद्र ने कहा, हमें मीटर से ही ठीक लगता है पर सवारी तैयार नहीं होती। उन्हें लगता है मीटर महंगा है, जबकि मीटर उनके लिए, हमारे लिए दोनों के लिए सही है। मीटर के रेट बढ़ा भी दिए जाएं, तो सवारी देगी नहीं। ऊपर से ऐप बेस्ड कैब सर्विस की वजह से कॉम्पिटिशन आया है, तो फायदा होना नहीं। तो मेरे लिए भी अब ऐप से जाना बेहतर रहता है, मैं डेढ़ साल से ऑटो चला रहा हूं।

लोकेशन 6 — 12:00 बजे दोपहर — सादिक नगर

ऑटो वालों ने रखा पक्ष

'लागत निकालना भी मुश्किल हुआ'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राजधानी में ऑटो वालों पर मीटर से न चलने और डेस्टिनेशन पर जाने के लिए सीधे ही मना करने के आरोप लगते रहे हैं। उधर, ऑटो वालों का कहना है कि कॉम्पिटिशन के चलते इन्हें खर्च निकालना मुश्किल हो गया। यही वजह है कि अब वह फिक्स किराये के तहत मीटर से चलने के बजाए बगैर मीटर के सफर को लेकर प्राथमिकता देते हैं। उनका कहना है कि सीएनजी महंगी हो गई है, फिटनेस पर फीस लगा दी है। नया ऑटो खरीदना महंगा हो गया है। किराया कई-कई साल तक नहीं बढ़ता है। अगर मीटर से चलेंगे तो खर्च निकालना मुश्किल हो जाएगा।

क्यों नहीं चलते मीटर से, ऑटोवालों ने रखा पक्ष

दिल्ली में 95 हजार ऑटो

दिल्ली में ऑटो परमिट का कोटा अधिकतम 1 लाख है। वर्तमान में इसमें 95 हजार से अधिक ऑटो चल रहे हैं। इनका कोई रूट फिक्स नहीं होता है वह दिल्ली के किसी भी हिस्से में जा सकते हैं। मीटर का किराया फिक्स होता है जो उसमें लगे मीटर के हिसाब के हिसाब तय होता है।

यूनियन का क्या है कहना

यहां दूसरे राज्यों की टैक्सी चल रही है। प्राइवेट नंबर वाली बाइकें चल रही हैं। उसपर कार्रवाई नहीं हो रही है। सरकार ऑटो चालकों का खर्च बढ़ाती जा रही है। *-राजेंद्र सोनी, महासचिव ऑटो टैक्सी यूनियन, भारतीय मजदूर संघ*

ऑटो किराये की सूची

मद	2020	2023
मीटर डाउन (1.5 km.)	25रु	30रु
प्रति किलोमीटर	9.5रु	11रु
वेटिंग चार्ज (प्रति मिनट)	.75रु	.75रु
अतिरिक्त सामान	7.50रु	10रु

'डीएम हो क्या? अब मीटर कोई नहीं पूछता'

दिन के उजाले में भी स्थिति अलग नहीं थी। कनॉट प्लेस (सीपी) जाने के लिए ड्राइवर ने 250 रुपये मांगे। जब रिपोर्टर ने कहा कि भाई मीटर से चलो, तो ड्राइवर झुंझला गया और बोला, 'डीएम हो क्या? अब मीटर कोई नहीं पूछता।' एक अन्य ऑटो वाले ने भी वही रेट मांगा और मीटर खराब होने का पुराना बहाना चिपका दिया।

लोकेशन 4 — 11:00 बजे सुबह — मलाई मंदिर

'तीन साल में आप पहले हैं जो मीटर के लिए बोला'

जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन पर जब रिपोर्टर ने लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल जाने के लिए मीटर की बात की, तो ड्राइवर ने जो कहा वह सिस्टम की पोल खोलने वाला था। उसने कहा, 'पिछले 3 साल में आप पहले ग्राहक हैं जो मीटर की बात कर रहे हैं।' ड्राइवर का तर्क था कि मीटर महंगा पड़ेगा क्योंकि जाम में भी मीटर चलता रहता है। उसने 350 रुपये मांगे और अंत में 300 पर अड़ गया। नरेला जाने के लिए एक अन्य ड्राइवर ने 300 रुपये मांगे। उसने सीधा कह दिया कि वापसी में सवारी नहीं मिलती, इसलिए किराया डबल लगेगा। करीब आधे घंटे बाद यानी करीब डेढ़ बजे जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन के नीचे आजादपुर से अलीपुर रोड की तरफ। हम मेट्रो से नीचे उतरे। एक ऑटो ड्राइवर को नरेला मीटर से चलने के बारे में पूछा तो उसने कहा कि मीटर खराब है। आप ₹300 दे दीजिएगा, फिर मैंने पूछा कि भाई मीटर से क्यों नहीं चलते हो, इस पर उसने 50 रुपये कम देने को कहा।

लोकेशन 5 — 1:00 बजे दोपहर — जहांगीरपुरी

ITO से CP जाने के लिए मांगे 100 रुपये

हमारे रिपोर्टर ने एक ऑटो वाले से पूछा कि कनॉट प्लेस चलोगे? ऑटो वाले ने कहा, हां चलेंगे। फिर उसने पूछा कितना पैसा लोगे? उसने कहा कि कनॉट प्लेस में कहां जाना है? इनर सर्कल में जाने की बात सुनने के बाद उसने कहा कि 100 रुपये दे देना। रिपोर्टर ने जब मीटर से चलने की बात कही तो, उसने कहा ये नहीं चलता।

लोकेशन 7 — 2:55 बजे दोपहर — आईटीओ

कारोबारी के घर लाखों की चोरी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के पंजाबी बाग के मादीपुर इलाके में एक केबल कारोबारी के घर में एक करोड़ रुपये से अधिक के गहने और नकदी चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना के समय कारोबारी परिवार के साथ एक रिश्तेदार के यहां शादी में शामिल होने गए थे। कारोबारी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीसीपी दराडे शरद भास्कर ने बताया कि वारदात 17 जनवरी की है।

पंजाबी बाग के मादीपुर में वारदात, शादी में गया था परिवार

घरेलू सहायिका चोरी में गिरफ्तार

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के पंजाबी बाग इलाके में एक कारोबारी के घर हुई लाखों रुपये की चोरी की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस मामले में पुलिस ने कारोबारी के घर काम कर चुकी एक पूर्व घरेलू सहायिका को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला की पहचान सीसीटीवी (CCTV) फुटेज के जरिए हुई, जिसके बाद पुलिस ने उसके पास से चोरी की गई नकदी भी बरामद कर ली है।

एक कारोबारी के घर हुई थी लाखों की चोरी

लूटपाट करने में दो आरोपी पकड़े

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** पार्क में बैठे तीन दोस्तों से चाकू के बल पर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को न्यू उस्मानपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान फरदीन (18) और फैजान उर्फ फज्जी (23) के तौर पर हुई है। दोनों सीलमपुर के रहने वाले हैं। नॉर्थ ईस्ट जिला के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि 15 जनवरी की रात करीब 10:52 बजे न्यू उस्मानपुर पुलिस को एक लूट की सूचना मिली थी।

लूटपाट के दौरान बदमाशों ने चाकू से हमला भी किया था

कंबोडिया से ऑपरेट हो रही थी ठग 'कंपनी', आठ जालसाज़ गिरफ्तार

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट की साइबर थाना पुलिस ने कंबोडिया से संचालित साइबर ठगी के सिंडिकेट का खुलासा करते हुए गिरोह से जुड़े 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी निवेश के नाम पर मोटे मुनाफे का झांसा देकर लोगों को अपना शिकार बना रहे थे। आरोपियों के कब्जे से 10 मोबाइल फोन और कई म्यूल बैंक अकाउंट की डिटेल बरामद हुई हैं। इस गिरोह के म्यूल अकाउंट में 14 दिनों में 4 करोड़ रुपये जमा किए गए। एनसीआरपी पोर्टल पर गिरोह के खिलाफ 63 शिकायतें दर्ज पाई गई हैं। आरोपी कमीशन पर विदेश में बैठे जालसाजों के इशारे पर काम करते थे।

AI Image

डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि वसंत कुंज निवासी 42 वर्षीय महिला ने सात नवंबर 2025 को निवेश के नाम पर 15.58 लाख रुपये ठगी की शिकायत दर्ज कराई थी। इंस्पेक्टर प्रवेश कौशिक की टीम ने तकनीकी जांच, बैंक ट्रांजैक्शन और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर तेलंगाना के वनपतला सुनील की पहचान की। वह कमीशन पर फर्जी बैंक अकाउंट उपलब्ध कराता था। तेलंगाना में छापेमारी के बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

फर्जी खाते खोलते थे

पूछताछ में सुनील ने बताया कि उसने एक फर्जी फर्म खोलने के बाद साइबर धोखाधड़ी के लिए रमेल फाइनेंस बैंक में एक करंट अकाउंट खुलवाया था। उसके एक साथी शंकर को हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया। सुनील ने अपना अकाउंट मनोज को दिया था। यूपी में छापेमारी कर मनोज को संत कबीर नगर से गिरफ्तार किया गया। उसने बताया कि उसने आगे वह अकाउंट संदीप सिंह को दिया था, जो लखनऊ में अकाउंट ऑपरेशन मैनेज करता था। पुलिस ने छापेमारी कर संदीप सिंह को बनारस से दबोचा। उसकी निशानदेही पर आदित्य प्रताप सिंह को कोटा (राजस्थान) से गिरफ्तार किया गया, जो पूरे भारत में फर्जी खाते अरेंज करता था।

झगड़े में किया साथी पर डंडे से वार, मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गीता कॉलोनी में शनिवार रात शराब पीने के दौरान झगड़े में एक रिक्शा वाले ने दूसरे रिक्शा वाले पर डंडे से हमला कर दिया। इससे उसकी मौत हो गई। मरने वाले की पहचान हाथरस यूपी निवासी 36 वर्षीय टनुआ उर्फ लाल बत्ती के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक बंटी (26) निवासी अलीगढ़ को गिरफ्तार किया है।

AI Image

पुलिस ने आरोपी रिक्शा चालक को कुछ ही देर बाद कर लिया गिरफ्तार

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि 17 जनवरी की रात करीब 9:49 बजे गीता कॉलोनी पुलिस को एक पीसीआर कॉल मिली। कॉलर ने बताया कि सड़क किनारे एक शख्स खून से लथपथ पड़ा है। एसआई रणजीत सिंह टीम के साथ महिला कॉलोनी गांधी नगर स्थित एसकेवी नंबर-1 स्कूल की बाउंड्री वॉल के पास पहुंचे। वहां शख्स मृत हालत में मिला। उसके सिर पर गंभीर चोट थी और सिर के आसपास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। मृतक के शव को मेडिकल जांच के लिए जीटीबी अस्पताल भेजा गया।

BIM-MBA (2026 - 28) ADMISSIONS
BHARATHIDASAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
TIRUCHIRAPPALLI
influencing tomorrow
Two-year Full-time Residential MBA Programme
with specializations in Marketing, Finance, Digital Business & Analytics, Human Resources, and Operations Management
Apply by Jan 31st, 2026
Test scores : CAT 2025 / GMAT Jan 2024 to Jan 2026 / XAT 2026
- A premier B-School with 40+ years of legacy driven by values
- New age curriculum & pedagogy enabled through Real-Time Contextual Marketing Lab; Robotic Process Automation Lab; Financial Trading & Analytics Centre; Centre for Operations Excellence; Industry-designed, and industry-delivered courses on AI / ML
- Nurturing π-shaped professionals for new-age business order
- Eco-friendly green campus supporting holistic learning
- Academic Partner for TN CM's Fellowship Programme
- Outstanding Placement Record audited by CRISIL as per IPRS2
- BIM follows the Statutory Reservation Policy
- Collateral free scholar loan from State Bank of India, Canara Bank, Central Bank of India, and Union Bank of India
(Please visit www.bim.edu/admissions for more details)

5 करोड़ रुपये की ड्रग्स के साथ दो विदेशी गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंटरनैशनल ड्रग सिंडिकेट से जुड़े दो विदेशी नागरिकों को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नाइजीरिया के अबूजा निवासी फ्रैंक विटस और संडे ओटू के तौर पर हुई है। इस कार्रवाई में 418 ग्राम कोकीन और 925 एमडीएमए (एक्सटसी) टेबलेट बरामद की गई हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 5 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

क्राइम ब्रांच डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक टीम लंबे समय से दिल्ली में सक्रिय ड्रग्स डीलिंग नेटवर्क पर नजर बनाए हुए थी। इसी कड़ी में 2 दिसंबर को हेड कॉन्स्टेबल संदीप कादियान को सूचना मिली कि नाइजीरियाई नागरिक फ्रैंक विटस, जो पहले भी एनडीपीएस मामलों में रहा है, एक बार फिर साउथ दिल्ली के इलाकों में कोकीन और एमडीएमए जैसी प्रतिबंधित साइकोट्रॉपिक ड्रग्स की सप्लाई कर रहा है।

इंटरनैशनल ड्रग सिंडिकेट से जुड़े हैं दोनों गिरफ्तार आरोपी

एसीपी राजपाल डबास की निगरानी में इंस्पेक्टर अक्षय गहलोत, एसआई राहुल, मनोज टीम के बाकी सदस्य ने तकनीकी और मैनुअल सर्विलांस के जरिए आरोपी पर नजर रखी, जो साउथ और साउथ-वेस्ट दिल्ली के इलाकों में लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था। इनपुट के बाद आरोपी को ट्रेस कर रेड की गई, जिसमें फ्रैंक विटस को गिरफ्तार किया गया।

AI Image

एक आरोपी पहले भी हो चुका है ड्रग्स तस्करी में अरेस्ट

पूछताछ में फ्रैंक ने खुलासा किया कि वह दिल्ली और आसपास के राज्यों में ड्रग्स की सप्लाई करता है। इसके बाद पुलिस ने ड्रग्स के एक और स्रोत महरौली से नाइजीरियाई नागरिक संडे ओटू को गिरफ्तार किया। संडे ओटू ने बताया कि वह दो साल से समालपुर में रह रहा था और फ्रैंक को ड्रग्स की सप्लाई करता था। इस पूरे सिंडिकेट का सरगना नाइजीरिया में बैठा है और ड्रग्स की डिलिवरी दिल्ली में रहने वाली एक अफ्रीकी महिला के जरिए करवाई जाती थी। फ्रैंक ने बताया कि वह 2012 में कपड़ों के व्यापार के लिए बिजनेस वीजा पर भारत आया था। वर्ष 2015 में उसे एनसीबी ने एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था।

न्यू उस्मानपुर एरिया के एक पार्क में मिला नवजात बच्चे का शव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर स्थित श्यामगिरी पार्क में एक नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। फिलहाल शव को जीटीबी अस्पताल के मोर्चरी में रखवा दिया गया है। पुलिस अधिकारी के अनुसार, 16 जनवरी की दोपहर करीब 12:06 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली थी कि दूसरे पुश्ते के पास स्थित श्यामगिरी पार्क में एक नवजात का शव पड़ा है। मौके पर पहुंचे पुलिस दल को कॉलर आकाश चौधरी मिले, जिन्होंने शव के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने देखा कि पार्क के अंदर एक नवजात शिशु का शव पड़ा था, जिस पर कोई कपड़ा भी नहीं था।

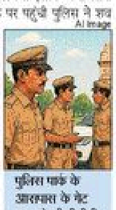

AI Image

पुलिस पार्क के आसपास के गेट पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है

पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पहले जय प्रकाश नारायण अस्पताल (जेपीसी) भेजा। आसपास के लोगों से काफी पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी शिशु को पार्क में लाते हुए नहीं देखा और न ही कोई उसकी पहचान कर सका। बाद में शव को सुरक्षित रखने के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया गया।

सारस्वत बैंक | सारस्वत को-ऑपरेटिव बैंक लि.
(शेड्यूल्ड बैंक)
बिल्डिंग ट्रस्ट अक्रॉस जनरेशन्स...
Strong & Steady returns with peace of mind.
FIXED DEPOSITS
आकर्षक ब्याजदर!
7.30% p.a. वरिष्ठ नागरिकों के लिए
6.80% p.a. अन्य ग्राहकों के लिए

अधिक जानकारी के लिए अपनी नज़दीकी शाखा से या बैंक की वेबसाईट www.saraswat.bank.in पर संपर्क करें।
शर्तें लागू
Follow us:

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 01-18-2026 22:59 Color:

कम टाइम में हेल्दी और टेस्टी स्नैक्स बनाना सीखें

एनबीटी रंगमंच क्लब आपके लिए लेकर आया है ट्रेडिशनल किचन रेसिपीज वर्कशॉप जिसमें फूड बिजनेस चलाने वाली शेफ शिवानी बहुगुणा आपको सिखाएंगी कि कैसे आप घर पर कम समय में हेल्दी इंडियन स्नैक्स और टेस्टी फूड तैयार कर सकते हैं। इसके साथ ही वह आपको चॉकलेट बनाने और केक बेकिंग के टिप्स भी देंगी। इसमें हिस्सा लेने के लिए आपको करवाना है बस रजिस्ट्रेशन।

शिवानी बहुगुणा (शेफ)

तारीखः 21 जनवरी 2026
समयः 3 से 4 बजे तक
फीस : निःशुल्क

रजिस्ट्रेशन के लिए 7003890071 पर कॉल या वट्सऐप करें

NDMC ने चलाया पौधरोपण अभियान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने पालिका ग्राम, एनडीएमसी फ्लैट्स, लक्ष्मीबाई नगर और नई दिल्ली में आवासीय कल्याण समिति के सदस्यों और स्थानीय निवासियों के साथ मिलकर विशेष वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। इस अवसर पर स्थानीय निवासी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और एनडीएमसी के सिविल, स्वास्थ्य, उद्यान एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

ई-चार्जिंग स्टेशन में MCD पिछड़ी, 1000 का टारगेट, सिर्फ 422 बना पाई

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : एमसीडी ई-चार्जिंग स्टेशन बनाने के मामले में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। एमसीडी को लगभग 1000 ई-चार्जिंग स्टेशन बनाने थे, लेकिन अभी तक टारगेट पूरा करना तो दूर, 50 पर्सेंट चार्जिंग स्टेशन भी नहीं बन पाए हैं। चार्जिंग स्टेशनों की कमी के कारण ही ज्यादातर लोग इलेक्ट्रिक कार लेने में हिचक रहे हैं।

दिल्ली में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के लिए हर एजेंसी को चार्जिंग स्टेशन बनाने का टारगेट दिया गया था। एमसीडी को भी करीब 1000 चार्जिंग स्टेशन बनाने थे, लेकिन अभी तक एमसीडी मुश्किल से 422 चार्जिंग स्टेशन ही बना पाई है। इस समय एमसीडी की पार्किंग साइट्स की संख्या करीब 420 है, लेकिन सभी साइट्स पर भी चार्जिंग स्टेशन नहीं बन पाए हैं। हेड ऑफिस के साथ एमसीडी के 12 जोनल ऑफिस हैं। इक्का-दुक्का जोनल ऑफिस को छोड़ दें तो ज्यादातर जोनल ऑफिस में भी ई-चार्जिंग स्टेशन नहीं है। तीन किलोमीटर की दूरी पर चार्जिंग स्टेशन होना चाहिए, लेकिन अभी तक दिल्ली इन मानकों पर खरी नहीं उतर पाई है।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने की कोशिशों को झटका

एमसीडी के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए भारत सरकार की एक कंपनी के साथ समझौता किया गया है। यह कंपनी ही उन जगहों की जानकारी देती है, जहां स्टेशन बनाए जाने हैं। इसके बाद एमसीडी कंपनी को चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए जगह उपलब्ध कराती है। अधिकारी ने यह भी बताया कि कंपनी ने अब तक जिन जगहों को चिन्हित किया था, वहां सभी जगहों पर चार्जिंग स्टेशन बनाए जा चुके हैं। जैसे ही कंपनी आगे की लिस्ट सौंपेगी, उन जगहों पर भी चार्जिंग स्टेशन बनाने के लिए जरूरी जगह उपलब्ध करा दी जाएगी।

मेट्रो की नई रफ्तार, ₹14,630 करोड़ से 47 Km का विस्तार

मेट्रो फेज IV के लिए दिल्ली सरकार ने किया फंड जारी

NBT 2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम बढ़ाया है। सरकार ने मेट्रो फेज IV के बचे हुए तीन कॉरिडोरों के लिए अपने हिस्से की राशि जारी कर दी है। 47 किलोमीटर से ज्यादा लंबे इन कॉरिडोरों के पूरा होने से राजधानी के उत्तर, मध्य और दक्षिणी इलाकों के साथ दिल्ली-एनसीआर को नई कनेक्टिविटी मिलेगी। सरकार का दावा है कि चार साल में पूरे होने वाले इन प्रोजेक्ट से न केवल मेट्रो नेटवर्क का दायरा बढ़ेगा, बल्कि निजी गाड़ियों पर निर्भरता घटेगी और प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलेगी।

सरकार का दावा, चार साल में पूरे होंगे बचे हुए तीन कॉरिडोर

मेट्रो फेज IV के इन तीनों कॉरिडोरों की कुल लंबाई 47.225 किलोमीटर होगी। इन प्रोजेक्ट पर करीब 14,630.80 करोड़ की लागत आएगी। इसमें से 3,386.18 करोड़ सरकार वहन करेगी। इन कॉरिडोरों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है और कुछ जगहों पर बेसिक काम भी शुरू हो चुका है। सभी कॉरिडोरों के चार साल में बनकर तैयार होने की संभावना है।

सीएम ने बताया कि पहला कॉरिडोर लाजपत नगर से साकेत जी-ब्लॉक तक प्रस्तावित है। इसकी लंबाई 8.385 किलोमीटर होगी, जिसमें आठ एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन होंगे। दूसरा कॉरिडोर इंद्रलोक से इंद्रप्रस्थ तक, जिसकी लंबाई 12.377 किलोमीटर है। इस लाइन पर एक एलिवेटेड और नौ अंडरग्राउंड समेत कुल 10 स्टेशन होंगे। इसे लाजपत नगर साकेत जी-ब्लॉक कॉरिडोर के साथ संयुक्त वित्तीय ढांचे में शामिल किया गया है। इन दोनों की संयुक्त लागत 8,399.81 करोड़ है, जिसमें से 1,987.86 करोड़ सरकार का अंश होगा। तीसरा और सबसे लंबा कॉरिडोर रिठाला से कुंडली तक है। यह कॉरिडोर पड़ोसी राज्य हरियाणा से जुड़ेगा। कुल लंबाई 26.463 किलोमीटर होगी और इसमें 21 मेट्रो स्टेशन होंगे।

इस परियोजना से निजी गाड़ियों पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी। सरकार राजधानी को विश्वस्तरीय शहर बनाने की दिशा में लगातार ठोस कदम उठा रही है और मेट्रो नेटवर्क का विस्तार इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। *-रेखा गुप्ता, सीएम*

इन इलाकों के लोगों को मिलेगी राहत

लाजपत नगर साकेत जी ब्लॉक कॉरिडोर पर मेट्रो लाजपत नगर, एंड्रूज गंज, जीके 1, चिराग दिल्ली, पुष्प भवन, साकेत डिस्ट्रिक्ट सेंटर और पुष्प विहार से होकर गुजरेगी। इंद्रलोक इंद्रप्रस्थ कॉरिडोर की मेट्रो इंद्रलोक, दयाबस्ती, सराय रोहिल्ला, अजमल खां पार्क, झंडेवालान, नबी करीम, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, दिल्ली गेट और दिल्ली सचिवालय आईजी स्टेडियम जैसे इलाकों से होकर गुजरेगी।

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

नीरज कुमार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक आदमी (फोटो में दर्शाया गया) जिसका नाम नीरज कुमार पुत्र अमर सिंह निवासी खसरा नं. 319, गानी रोड, पुरानी कोंडली, दिल्ली जो अपने घर से दिनांक 08.01.2026 को सुबह करीब 11.00 बजे से लापता / अपहृत है। इस संदर्भ में एक एफआईआर नं. /डीडी नं. 136ए दिनांक 13.01.2026 को थाना न्यू अशोक नगर, दिल्ली में दर्ज है। स्थानीय पुलिस ने इस आदमी का पता लगाने के लिए गंभीर प्रयास किए लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है।

जिसका हुलिया नीचे दिया गया है:-

लिंग: पुरुष, आयु: 37 वर्ष, कद: 5' 5" फीट, रंग: गोरा, चेहरा: लम्बा, शरीर: सामान्य, पहनावा: सफेद रंग की टी-शर्ट, सफेद रंग की जीन्स की पेन्ट और पैरों में सफेद रंग के जुते पहने हुए है।

अगर किसी को इस गुमशुदा/अपहृत आदमी के बारे में कोई जानकारी मिले तो निम्नलिखित पते पर सूचित करें:-

वेबसाइट: http://cbi.nic.in
ई-मेल: cic@cbi.gov.in
टेली. न.: 011-24368638/24368641
फैक्स नं.: 011-24368639

थाना प्रभारी
थाना: न्यू अशोक नगर, दिल्ली
फोन: 011-22610839, 22610954
मोबाइल: 8750870631, 8750075775

DP/698/ED/2026

'सरकार एक्टिव नहीं, इसलिए AQI 400 पार'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली सरकार के प्रदूषण नियंत्रण के प्रति एक्टिव नहीं होने की वजह से एक्यूआई 400 के पार पहुंच गया है। सरकार प्रदूषण की रोकथाम कर नहीं पा रही है, जिसकी वजह से प्रदूषण बढ़ते ही ग्रैप-4 लागू हो गया है, जिसका सीधा असर जनता, व्यापार और दैनिक गतिविधियों पर हो रहा है।

सड़क से ओपन जिम तक, आरके पुरम को ₹100 करोड़ का तोहफा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को आरके पुरम विधानसभा क्षेत्र में 100 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों और ओपन जिम जैसी सामुदायिक सुविधाओं में सुधार का वादा किया। सीएम ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा कि आरके पुरम विधानसभा में आज करीब 100 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ हुआ है। बीते 11 वर्षों तक दिल्ली के विकास पर ग्रहण लगा रहा, लेकिन पिछले 11 महीनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने दिल्ली के विकास को नई गति दी है।

सामुदायिक सुविधाओं में सुधार का वादा किया

संडे को विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सूर्य नारायण भगवान अपनी दिशा बदलते हैं, तब शुभ कामों की नई शुरुआत होती है। सीएम ने कहा कि वर्तमान सरकार ने झुग्गियों को हटाने नहीं, बल्कि वहां रहने वाले नागरिकों को सम्मानजनक जीवन, पक्के आवास, शौचालय, स्नानघर, सड़क, नाली, पार्क और बच्चों के लिए खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने का संकल्प लिया है। रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार ने वर्षों से बंद पड़ी पेंशन योजनाओं को दोबारा शुरू किया है। नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं, बिजली कनेक्शन से वंचित संपत्तियों को बिजली उपलब्ध कराई गई है, यमुना सफाई अभियान शुरू हुआ है, कूड़े के पहाड़ हटाए जा रहे हैं और इलेक्ट्रिक बसों के जरिए प्रदूषण कम करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं।

इस कार्यक्रम में सांसद बांसुरी स्वराज, आरके पुरम के विधायक अनिल शर्मा, निगम पार्षद धर्मवीर सिंह और निलाध्यक्ष रविन्द्र चौधरी मौजूद थे।

DDA की जनसाधारण आवास योजना रही हिट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

डीडीए की जन साधारण आवास योजना-2025 को जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला है। तीसरे फेज की इस स्कीम में बुकिंग 15 जनवरी से शुरू हुई थी। पहले ही दिन स्कीम में शामिल सभी 679 फ्लैट्स बुक हो गए। इस स्कीम के तहत डीडीए ने विभिन्न जगहों पर फ्लैट्स उतारे थे। इसमें 496 फ्लैट्स नरेला के ए-1 से ए-4 ब्लॉक, 130 फ्लैट्स नरेला के जी-7/8, 50 फ्लैट्स रोहिणी और 3 फ्लैट्स नसीरपुर में शामिल थे।

पहले ही दिन सभी फ्लैट हो गए बुक

डीडीए के अनुसार, स्कीम से डीडीए को करीब 86.81 करोड़ रुपये का रेवेन्यू मिलने की उम्मीद है। डीडीए के मुताबिक स्कीम को मिले रिस्पॉन्स से पता चल रहा है कि लोग डीडीए की अफोर्डेबल हाउसिंग स्कीम में अच्छा भरोसा कर रहे हैं। डीडीए के अनुसार नॉर्थ दिल्ली में नरेला अब डीडीए का मुख्य हाउसिंग डेस्टिनेशन बन चुका है। यहां पर बड़ी संख्या में रेजिडेंशियल डिवेलपमेंट हो रहा है। एरिया में हो रहा विकास, रोड नेटवर्क, इंडस्ट्रियल एरिया से नजदीकी, एजुकेशनल इंस्टिट्यूट और लॉन्ग टर्म अर्बन एक्सपेंशन प्लान लोगों को पसंद आ रहे हैं।

नरेला में दोनों जगहों पर उपलब्ध फ्लैट्स को जिस तरह से पसंद किया गया उससे डीडीए काफी उत्साहित है। डीडीए के अनुसार आगे भी लोगों के लिए इस तरह की तमाम जरूरतें पूरी करने के प्रयास किए जाएंगे। आगे भी लोगों की डिमांड और पॉलिसी को देखते हुए ऐसी स्कीमें लॉन्च की जाएंगी।

केजरीवाल और मान उतने ही दोषी, जितनी आतिशीः BJP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नेता प्रतिपक्ष और आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी के कथित बयान को लेकर रविवार को बीजेपी नेताओं ने आप नेताओं को घेरा है। प्रदेश बीजेपी महामंत्री और सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने सवाल किया कि आम आदमी पार्टी नेतृत्व बताए कि दिल्ली विधानसभा में आतिशी को कहां छुपा रखा है? दिल्ली विधानसभा में हुई घटना पर अगर उन्हें आपत्ति थी, तो उसकी एफआईआर दिल्ली में क्यों नहीं दर्ज की। चांदोलिया ने कहा है कि अब अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी सिख गुरु के अपमान के उतने ही दोषी हैं, जितनी आतिशी हैं। वहीं, इस मुद्दे को लेकर नई दिल्ली लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि आम आदमी पार्टी गवर्नमेंट मशीनरी का दुरुपयोग कर लोकतंत्र का, मीडिया का और किसी भी आलोचना का दमन कर रही है।

बीजेपी सांसद ने आप पर साधा निशाना

'विश्व शांति, संवाद और नैतिक नेतृत्व का मंच है राम कथा'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

भारत मंडपम में शुक्रवार से नौ दिवसीय राम कथा का शुभारंभ हुआ, जहां आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और वैश्विक शांति के संदेश को एक मंच पर समेटा जा रहा है। 17 से 25 जनवरी तक चलने वाला यह आयोजन आचार्य लोकेश मुनि द्वारा स्थापित अहिंसा विश्व भारती के तत्वावधान में विश्व शांति केंद्र मिशन के अंतर्गत हो रहा है।

भारत मंडपम में राम कथा शुरू

गुजरात के आध्यात्मिक गुरु एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राम कथा वाचक मोरारी बापू कथा का प्रवचन कर रहे हैं। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आयोजन समिति के अध्यक्ष के रूप में काम कर रहे हैं। राम कथा रोजाना सुबह 10 बजे से हो रही है। इस मौके पर दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि राम कथा केवल अतीत की कथा नहीं है, बल्कि भविष्य के लिए नैतिक मार्गदर्शक और विश्व शांति का आह्वान है। जब विश्व युद्ध, हिंसा और गहरे विश्वास संकट का सामना कर रहा है, श्रीराम का जीवन स्मरण कराते हैं कि सच्चा नेतृत्व चरित्र, करुणा, संयम और नैतिक साहस में निहित है। मोरारी बापू ने कहा कि राम कथा मानवता के साथ एक जीवंत आध्यात्मिक संवाद है, जो करुणा, आत्मचिंतन और नैतिक उत्तरदायित्व को जागृत करने में सक्षम है।

भगवान आदिनाथ के निर्वाणोत्सव पर रथयात्रा निकाली

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली: प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ के निर्वाणोत्सव पर श्री परमावती पुरवाल दि. जैन मंदिर धर्मपुरा से विशाल रथयात्रा चावड़ी बाजार, नई सड़क, चांदनी चौक, दरीबां कलां होते हुए निकाली गई, जिसका भव्य स्वागत किया गया। रथयात्रा में जिनेंद्र जैन, पुनीत जैन, कुलदीप जैन, पंकि जैन आदि शामिल रहे।

धर्म कर्म

दि. जैन मंदिर, अहिंसा खंड इंदिरापुरम में भी रविवार को विशाल रथयात्रा निकाली गई। तीर्थंकर जन्मकल्याणक समिति ने नया मंदिर धर्मपुरा में 213वां भगवान आदिनाथ पंचकल्याणक विधान संपन्न कराया और भगवान शीतलनाथ जन्म व तप कल्याणक भी मनाया। वहीं दि. जैन मंदिर बी-40 शकरपुर में आचार्य अतिवीरजी के सान्निध्य में रविवार को महामस्तकाभिषेक संपन्न हुआ। दि. जैन मंदिर गली नं.-2 कैलाश नगर में आचार्य प्रज्ञासागरजी के सान्निध्य में 10वां भक्तामर विधान, पालकी यात्रा और महाआरती आयोजित की गई।

रथयात्रा चावड़ी बाजार, नई सड़क, चांदनी चौक, दरीबां कलां होते हुए निकाली

शिव कथा: हरिहर उदासीन आश्रम, कमला मार्केट में शिव महापुराण कथा के मौके पर महंत प्रद्युम्न मुनि ने कहा कि यह कथा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों को प्रदान करने वाली है।

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

बिजनेस

बिजनेस प्रस्ताव

CARBON BLACK FROM EUROPE
We can offer quality stocks at low prices on a monthly basis as below:
CARBON BLACK N-220 100 MT
Please contact
Euro Exim Ltd
Manchester (UK)
Email:exports@euroeximltd.co.uk
WA No. - 00447766463661

जिम उपकरण

RUNNING Gym For Sale - Ready Profits From Day One Well-established fully operational gymnasium available for immediate sale. Prime location with loyal membership base •Life fitness cardio , Jerai being strong equipment & professional interiors •Strong monthly revenue with growth potential Ideal for investors, fitness professionals, or expansion brands . Fully equipped, no additional investment needed Excellent visibility & footfall Serious buyers only. Reason for sale: Personal commitments. Contact: 9810126062

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

अन्य रिक्तियां

चालक

10 से 15 वर्ष अनुभवी इलेक्ट्रिक कार ड्राइवर चाहिए, जिसे दिल्ली NCR के रास्तों की अच्छी जानकारी हो, वेतन 21 से 24 हजार। # 8826019445, 011-42175414

व्यक्तिगत

लापता

गुमशुदा

नामः जसविंदर सिंह @ रिंकू
उम्र 60 वर्ष, कद: 6' रंग: गेहुंआ काली जैकेट, सफेद पैंट व सफेद चप्पल पहने हुए हैं, 5/1/26, 10AM को मुखर्जी नगर, दिल्ली से TVS Metallic Maroonish Scooty, No. DL-1SAK 4418, लेकर लापता हैं
संपर्क करें # 8929660505
बताने वाले को इनाम देंगे

नाम परिवर्तन

I, Meghna Nand Kishore Shrimali R/o B-218, Hamilton Court, Dlf Phase Iv, Gurgaon 122002, Haryana have changed my minor daughter's name from Kaveri to Kaveri Nand Kishore Shrimali.

I, Suryakant Singh, S/o Ashutosh Singh, R/o Mayur Vihar, East Delhi-110091, have changed my name to Saransh Singh vide affidavit dated 16/01/2026. Henceforth, I shall be known as Saransh Singh for all purposes.

I, Om Prakash Shrivastava, S/o Kashi Nath, R/o GB-12A03, Assotech Windsor Court, Sector-78, Noida, Gautam Budhha Nagar, Uttar Pradesh-201307, have changed the spelling of his surname from Srivastav to Shrivastava, which shall be used for all future purposes.

I, Pramod Bansal S/o Late Sh. Raghubar Dayal R/o Plot No. 545, Flat No. 102, Niti Khand 1, Indirapuram, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201014 have changed my name from Pramod Kumar Bansal to Pramod Bansal. Henceforth I would be known by the name of Pramod Bansal for all future puroses.

मैं, निशा मुद्गल, बेटी स्वर्गीय श्री मवासी राम भारद्वाज, निवासी मकान नंबर 887 सेक्टर 6, बहादुरगढ़, झज्जर हरियाणा 124507, ने अपना नाम हमेशा के लिए बदलकर कुसुम मुद्गल कर लिया है।

HEALTH & WELLNESS

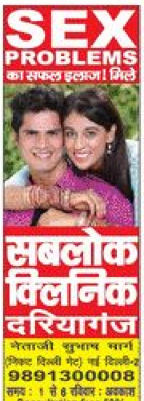

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

BOOK YOUR EDUCATION ADS
For booking please contact
Amit : 9811790649

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL | BUSINESS | PROPERTY
RECRUITMENT, EDUCATION | SHOPPING | SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
TENDER, PUBLIC NOTICE | CHANGE OF NAME, LOST & FOUND | BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.	Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649	West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460	Central Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
				Sunil Srivastava	99994 99496
Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496	Noida + East Delhi	Sumit Negi	98992 68321

TIMES TRIBUTE — PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

In Loving Memory Of
Shri. Atul kumar Jain

August 10, 1955 - January 18, 2026
With profound sorrow we inform you about the sad demise of Shri Atul Kumar Jain on 18.01.2026. May his pure soul attain eternal peace and continue its journey towards ultimate liberation.
UTHAONI
19.01.2026 | 10.00-12.00HRS
Chinmaya Centre of World Understanding (Chinmaya Mission), 89 Lodhi Road, Institutional Area, Lodhi Estate, New Delhi 110003
In Grief
Smt. Madhu Jain (Wife)
Anubhav & Shelly Jain (Son & Daughter In Law)
Ruchi & Saurabh Jain (Daughter & Son In Law)
Arham, Rishabh, Adresh, Anshika Jain (Grandchildren)
Entire Tansu Lal Jain family
APL Serving Beyond Boundaries — ANSHIKA POLYSURF LIMITED — Polymers | Surfactants

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088 &
PANKAJ : 81306 04727

REMEMBRANCE — SHARING MEMORIES
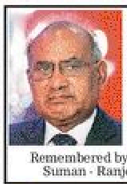
In loving memory of
Lt. Sh. Sukh Pal Singh
01.01.1954 - 19.01.2020
Time Flies Fast, But Some Memories Can Never Be Forgotten. You Will Always Remain In Our Thoughts.
Remembered by - Krishna, Anupama - Suman - Ranjeet, Rahul - Drashti

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".
The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

REMEMBRANCE — SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMA5 User: cci Time: 01-18-2026 23:58 Color:

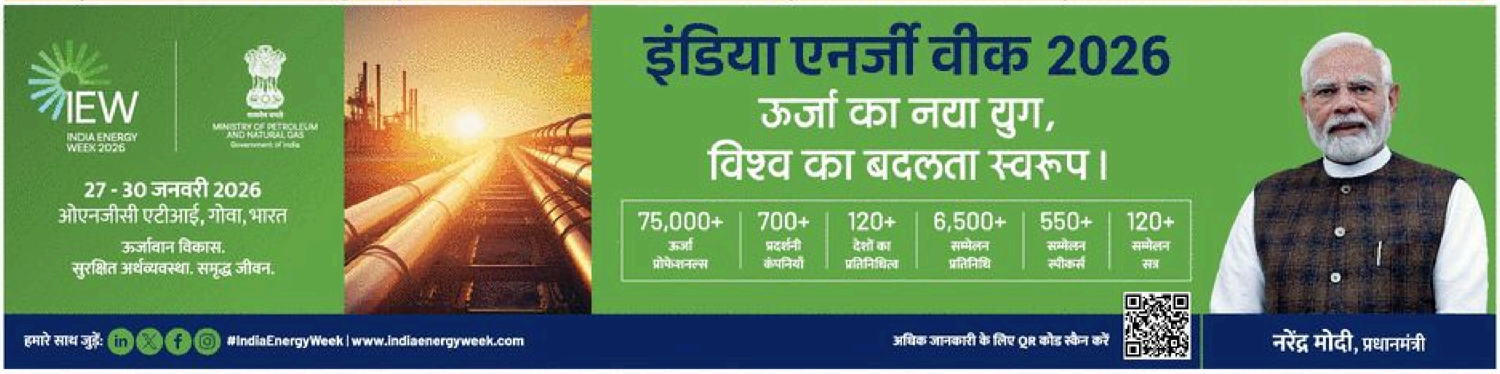

'सबसे लगाई गुहार, कोई तो बेटे को बचा ले'

नोएडा के सेक्टर-150 में हुआ दर्दनाक हादसा | पिता ने कहा, बेटे को मौत के मुंह में जाते देखा | ठंडे पानी-सरिए के डर से बचावकर्मी नहीं उतरे

■ NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा

पुलिस लीपापोती करते हुए कहती है जीरो विजिबिलिटी थी। पानी की गहराई भी अधिक थी। पानी ठंडा भी था। एक दूसरे अफसर पूरे मामले को एक तरह से क्लीनचिट देते हुए कहते हैं स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड व एसडीआरएफ ने तत्परता से कार्रवाही की...। लेकिन दूसरी ओर उस पिता की कातर निगाहों से पूछिए जो कह रही है- मैंने अपने सामने बेटे को धीरे-धीरे मौत के मुंह में समाते देखा है। सब वहीं थे, पुलिस और प्रशासन भी। वह गुहार लगा रहे थे कोई तो बेटे का बचा ले। पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और तमाम प्रशासनिक अमले के सामने युवराज डूबता रहा, लेकिन ठंडे पानी और सरिया होने आशंका के कारण उन्हें बचाने बचावकर्मी पानी में नहीं उतरे।

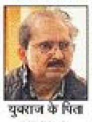

युवराज के पिता राजकुमार

गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया: तीनों प्राधिकरण, जिला प्रशासन, पुलिस, दमकल और एसडीआरएफ की तैयारियों पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने इसे आपराधिक लापरवाही बताया और अथॉरिटी, पुलिस और प्रशासन के खिलाफ रविवार को भी हंगामा किया। मृतक के पिता ने शनिवार को अथॉरिटी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को लिखित शिकायत दी थी, लेकिन केस दर्ज नहीं हुआ। रविवार को पुलिस ने मृतक के पिता की शिकायत पर लोटस ग्रीन परियोजना के अधिकारियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है।

रस्सी के अलावा कुछ नहीं था : पिता ने बताया कि रात करीब 12 बजे बेटे का फोन आया तो वह रोते हुए कह रहा था कि पापा गाड़ी खाई में गिर गई है उसे बचा लो। उन्होंने तुरंत अपने एक पुलिस विभाग में रिश्तेदार और लोगों को फोन किया। इसके बाद 35 मिनट में पुलिस और वह मौके पर पहुंच गए। देखा कि उनका बेटा चिल्ला रहा है और मोबाइल की टॉर्च जलाकर मदद की गुहार लगा रहा है। इस बीच फायर विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई। रस्सी के अलावा उनके पास कुछ नहीं था।

नोएडा सेक्टर-150 में शुक्रवार रात इसी जगह पर हुआ हादसा, कोहरे की वजह से कार दीवार तोड़ते हुए सीधे पानी में जा गिरी

युवराज

■ युवराज को कार दाएं साइड मोड़नी थी लेकिन कोहरे के कारण वह सीधे गहरे गड्ढे में चले गए

■ लोगों ने आपराधिक लापरवाही बताया और अथॉरिटी, पुलिस और प्रशासन के खिलाफ हंगामा किया

■ मृतक के पिता ने अथॉरिटी पर लापरवाही का आरोप लगाया

■ शनिवार को पुलिस को दी लिखित शिकायत, पर नहीं दर्ज हुआ कोई केस

'बार-बार रस्सी पानी में फेंकते और फिर खींच लेते'

पुलिस और फायर विभाग के अधिकारी केवल रस्सी पानी में फेंकते और उसे वापस खींच लेते। रस्सी उनके बेटे तक नहीं पहुंच रही थी। उनका कहना है कि अगर रस्सी भी उनके बेटे के हाथ आ जाती तो वह बच जाता। फिर क्रेन मंगाई गई लेकिन नहीं पहुंची। वह बेटे से कहते रहे कि बेटा जल्द मदद मिलेगी और आपको बचाया जाएगा। बचाव के लिए कोई इंतजाम नहीं थे।

> घटना वाली जगह पर रोड सेफ्टी से संबंधित काम कराने के लिए टीम मौके पर भेजी गई थी। रिफ्लेक्टर, लाइट, बैरिकेडिंग आदि काम करा दिए हैं, ताकि आगे कोई हादसा न हो। - एसपी सिंह, जीएम, नोएडा अथॉरिटी

> जीरो विजिबिलिटी थी। उसके कई लोग पानी में घुसे थे। पानी की गहराई भी अधिक थी। लेकिन तमाम प्रयास के बावजूद भी युवक को नहीं बचाया जा सका। -शाद मियां खान, डीसीपी ग्रेटर नोएडा

लोगों ने कहा- यह गड्ढा अब 'डेथ ज़ोन' बन चुका है

■ सोबिंद्र भाटी, ग्रेटर नोएडा: नोएडा के सेक्टर-150 स्थित टी पॉइंट/ड्रेन ओल्ड मोड़ पर हुए दर्दनाक हादसे ने अधिकारियों की लापरवाही उजागर की है। यहां की सोसायटियों के लोगों में आक्रोश रविवार को भी साफ देखा गया। उन्होंने हंगामा किया और आरोप लगाया कि पुलिस, प्रशासन व नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी लापरवाह न होते और 15 दिन पहले हुए ट्रक हादसे के बाद भी कदम उठा लेते तो इंजीनियर की जान न जाती। रविवार को टाटा यूरेका पार्क सोसायटी के निवासियों ने जोरदार हंगामा किया। सोसायटी निवासियों का कहना है कि मोड़ पर प्राधिकरण की ओर से सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। न तो स्पीड ब्रेकर, बैरिकेटिंग, रिफ्लेक्टर, दिशा-सूचक बोर्ड, और न ही रेड लाइट लगाई गई थी। सोसायटी निवासी पंकज ने कहा, यदि पुलिस प्रशासन समय पर तत्परता दिखाता तो मेरे दोस्त की जान बचाई जा सकती थी। मौके पर देरी और लापरवाही के कारण हालात और बिगड़ गए। शैफी त्यागी ने बताया कि यह गड्ढा अब 'डेथ जोन' बन चुका है। इसे बेसमेंट खोदा था, जिसमें अब पानी भरा है। बिल्डर ने कोई काम नहीं कर रहा।

टाटा यूरेका पार्क सोसायटी के लोगों ने लगाए आरोप

लोगों ने कहा, बैरिकेडिंग कर खानापूर्ति की

हादसे के दो दिन बाद रविवार को लोगों के आक्रोश के बीच पुलिस प्रशासन और प्राधिकरण के अधिकारी अचानक सक्रिय तो दिखाई दिए, लेकिन लोगों ने इसे खानापूर्ति बताया है। प्रशासन ने शनिवार को घटनास्थल के पास मलबा डाल दिया था तो रविवार को अस्थायी बैरिकेडिंग लगाई और औपचारिकता पूरी कर वापस लौट गया। इन पर भी रिफ्लेक्टिंग टेप नहीं लगाई है जो अंधेरे और कोहरे में दिख सके। इस पर सोसायटी वालों में गुस्सा देखने को मिला।

कदम-कदम पर बरती गई लापरवाही, लोग जताते रहे हादसे की आशंका, लेकिन नहीं लिया गया ऐक्शन

इतनी बड़ी सोसायटी के सामने बेसमेंट के गड्ढे को यूं ही खुला छोड़ दिया गया और किसी भी जिम्मेदार ने ध्यान नहीं दिया।

यहां वक्त के साथ आसपास की सोसायटियों का पानी भरता गया लेकिन अथॉरिटी ने बिल्डरों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया।

स्थानीय लोग काफी समय से यहां पर हादसा होने की आशंका भी जताते रहे लेकिन किसी के कान में जूं नहीं रेंगी

कुछ दिन पहले यहीं पर एक ट्रक जा टकराया और ट्रक ड्राइवर की जान पर पड़ रही। स्थानीय लोग ने मदद कर उसे बचाया। इससे भी किसी ने सबक नहीं सीखा

शुक्रवार रात जब हादसा हुआ तो न पुलिस न एनडीआरएफ कोई उस युवक की मदद नहीं कर सका, उसकी जान चली गई।

शनिवार सुबह अथॉरिटी ने हादसे वाली जगह कायदे से बैरिकेड्स लगाने की जगह मलबा डाल कर हाथ झाड़ लिए। संकेतक तक लगाने की जेहमत नहीं उठाई।

कितनी तैयार है ऐसे हादसों के लिए दिल्ली?

Poonam.Gaur@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** नोएडा में हुए दर्दनाक हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। एक्सपर्ट के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में नालों की वजह से सर्दियों, कोहरे और मॉनसून में जिस तरह से हादसे बढ़ रहे हैं, इनके लिए काम करने की जरूरत है।

अभी राजधानी में डीडीएमए (दिल्ली डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी) है। साउथ वेस्ट जिले के डीडीएमए से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि डीडीएमए का मुख्य काम को-ऑर्डिनेशन का है। इसमें सिविल डिफेंस के वॉलंटियर्स के सहारे काम किया जा रहा है। इनके पास भी कोई प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं होती। इसलिए यह ऐसे हादसों में अधिक कारगर नहीं है। रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान यह भीड़ को नियंत्रित करने और पब्लिक अवेयरनेस जैसे काम करते हैं। अधिकारी भी कई तरह के अन्य जिम्मेदारियों से जुड़े हुए हैं। यह को-ऑर्डिनेशन का काम करती है।

5-7 मिनट में मदद मिलना जरूरीः एक्सपर्ट

एक प्लानिंग इंस्टिट्यूट से जुड़े आर्किटेक्चर सुजात पुंडीर ने बताया कि ऐसे मामलों में इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी कमी दिखती है। हादसे न हों, इसके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना जरूरी है। ड्रेनेज सिस्टम और सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर में काफी कमियां हैं। दिल्ली में भी कई जगहों पर नालों में साइड वॉल और बैरिकेडिंग में बड़ी कमियां हैं। ड्रेनज पर फुटपाथ बने हैं और उन पर स्लैब नहीं हैं। अगर किसी हादसे की वजह से साइड वाल टूटी है, तो उसे तुरंत बनाने की जरूरत है।

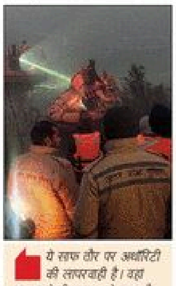

> ये साफ तौर पर अथॉरिटी की लापरवाही है। वहां पर पहले भी हादसा हो चुका है, वहां कॉशन का साइन लगाया जाना चाहिए था। इसमें फायर ब्रिगेड की भी गलती है। इनके पास इतना बजट और मैनपावर है, तब भी वक्त पर वे मदद नहीं दे सके। हमने कई रेस्क्यू ऑपरेशन किए हैं। इसमें तो एजेंसियों को पूरा वक्त मिला था लेकिन प्रोफेशनलिज्म की कमी थी। पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ सभी को बेसिक लाइफ सेविंग इक्विपमेंट्स दिए जाते हैं और अगर ऐसी घटनाओं में वक्त पर मदद नहीं पहुंचती है तो लोगों का भरोसा तो उठेगा ही। -अनिल शेखावत, डिजास्टर मैनेजमेंट एक्सपर्ट

एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि इस तरह के हादसों में 5 से 7 मिनट पर बचाव कार्य शुरू करने की जरूरत होती है। सर्दी और प्रदूषण की वजह से शरीर के विभिन्न अंग पहले ही प्रेशर में रहते हैं। इसलिए पांच मिनट में मदद मिले तो बचाव संभव होता है।

मल्टीएजेंसी की ज़रूरत

■ प्लानिंग इंस्टिट्यूट और अर्बन डिवेलपमेंट से जुड़े विक्रांत जैन ने बताया कि एक मल्टीएजेंसी की जरूरत है। जिसमें गोताखोर से लेकर प्राथमिक इलाज, फायर ब्रिगेड आदि सभी शामिल हों। हादसे की जानकारी मिलते ही यह टीमें पूरी तैयारी से पहुंचे। सिर्फ पुलिस तक जानकारी देने से समय पर मदद नहीं मिलती। मौजूदा व्यवस्था में पहले पुलिस मौके पर आती है, फिर वह जरूरत के हिसाब से फायर ब्रिगेड और गोताखोरों को बुलाती है। इसमें काफी समय बर्बाद हो जाता है।

■ ऑल द्वारका रेजिडेंट वेलफेयर असोसिएशन के प्रेसिडेंट अजीत स्वामी के अनुसार द्वारका में ही ड्रेन में गिरकर पिछले साल एक महिला की जान चली गई थी। फुटपाथ में गिरने से पिछले साल तीन लोगों के पैर में फ्रैक्चर हो गया। ऐसे मामलों में को-ऑर्डिनेशन की कमी नजर आती है। पुलिस के आने के बाद गोताखोरों को बुलाया जाता है। कई बार यह इंतजार आधे से पौने घंटे तक का होता है। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां भी आने में 15 से 20 मिनट का समय लेती हैं।

KMP पर भिड़ी पांच गाड़ियां, दो लोग ज़िंदा जले

■NBT रिपोर्ट, नूंह: कुंडली-मानेसर-पलवल (KMP) एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह अचानक एक के बाद एक पांच भारी वाहन आपस में टकरा गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि देखते ही देखते रोड़ी से लदा डंपर और एक कंपनी के माल से लदा कंटेनर आग का गोला बन गए। इस हादसे में डंपर चालक और हेल्पर की जिंदा जलने से मौत हो गई। हादसे के कारण एक्सप्रेसवे पर करीब 6 किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे हजारों यात्री घंटों तक फंसे रहे। फायर ब्रिगेड की टीम को साढ़े तीन घंटे का समय आग पर काबू पाने में लगा। पुलिस टीमें घंटों ट्रैफिक को सामान्य कराने में जुटी रहीं। बताया जा रहा है कि हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। तावडू सब डिविजन के मोहम्मदपुर अहिर थाना एरिया के गांव सबरस और गुढ़ी के बीच केएमपी एक्सप्रेसवे पर एक भारी वाहन के ड्राइवर ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगा दिए। स्पीड तेज होने के कारण पीछे आ रहे वाहन खुद को संभाल नहीं पाए और एक-एक करके पांच गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। टक्कर होते ही रोड़ी से लदे डंपर के केबिन में आग लग गई।

डंपर और एक कंटेनर आग का गोला बन गए

बच्ची को बचाया आंसुओं में डूबे पिता को पुलिस ने लौटाई 3 साल की बेटी की हंसी, खेलते वक्त उठा ले गए थे आरोपी

नहीं थीं मां, पिता आंखों से ओझल नहीं होने देते थे, किडनैप हुई बच्ची तो 100 पुलिसवालों ने तलाशा

NBT 3 मिनट में पढ़ें

Vishal.Sharma3@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** एक पिता की आंखों के आंसू पोंछने को दिल्ली पुलिस ने अपने 100 जवानों को लगा दिया। जी हां, यह मार्मिक घटना कश्मीरी गेट इलाके की है। पत्नी का निधन होने पर अपनी 3 साल की मासूम बेटी को एक पिता दिन रात घर और दुकान पर साथ रखता। लेकिन किडनैपर सिंडिकेट की नजर पड़ी और दुकान के बाहर से 3 साल की मासूम बच्ची को किडनैप कर लिया। नेपाल बेचने या निःसंतान दंपति को बेचने की फिराक में किडनैपर फैमिली को पुलिस ने पकड़ लिया।

डीसीपी राजा बांठिया ने बताया कि दरअसल 12 जनवरी को कश्मीरी गेट थाने में एक बेबसी की हालत में एक शख्स आया। अपना नाम मुजफ्फर अली बताया। कहा कि वह सुंदर नगरी में रहते हैं। 3 साल की मासूम बेटी है, जिसे किसी ने किडनैप कर लिया है। क्यों कि उनकी पत्नी का कुछ समय पहले निधन हो चुका है। इसलिए वह अपनी बेटी को हर समय अपने साथ रखते हैं। वह कश्मीरी गेट स्थित मिनर्वा सिनेमा रोड पर बनी अपनी दुकान पर हर रोज लेकर आते हैं, शाम को साथ ले जाते हैं। अचानक ही करीब 6:30 बजे बच्ची दुकान के पास से गायब हो गई। संवेदनशील मामला देखते हुए तुरंत किडनैपिंग का केस दर्ज किया।

लापता बच्ची को ढूंढने के लिए कई टीमें गठित की। घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज को सिलसिलेवार चेक किया। एक फुटेज से पता चला कि 3 साल की बच्ची को लगभग 6-7 साल की एक अन्य नाबालिग लड़की बहला-फुसलाकर पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन की ओर ले जा रही है। रेलवे स्टेशन पर CCTV फुटेज की। पता चला कि नाबालिग उस बच्ची को पहले से इंतजार में खड़े अपने परिवार के पास ले गई। इसके बाद किडनैपर फैमिली रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ में गायब हो गई।

नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट के लगभग 100 पुलिसवालों की टीमें बनाई। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के पूरे इलाके के साथ-साथ सब्जी मंडी, शाहदरा और साहिबाबाद जैसे आस-पास के रेलवे स्टेशनों, जिसमें सभी प्लेटफॉर्म, सर्कुलेटिंग एरिया, फुट-ओवर ब्रिज, रेलवे लाइनों के किनारे ट्रैक, वेटिंग हॉल और आस-पास की जगहों को सिस्टमैटिक ग्रिड में बांटकर अच्छी तरह से सर्च किया। लगभग 400 CCTV कैमरों को ध्यान से स्कैन किया।

पूरी जांच के दौरान एक छोटा लेकिन जरूरी सुराग तब मिला जब एक CCTV फुटेज में किडनैपर परिवार की एक छोटी सी झलक मिली। उस फुटेज में परिवार ओल्ड आयरन ब्रिज की तरफ से आ रहे एक ई-रिक्शा में सफर करता हुआ दिखाई दिया। टीम ने लगातार 12 किलोमीटर के इलाके में किडनैपर्स की संभावित मूवमेंट को ट्रैक किया। 17 जनवरी को यमुना बाजार के हनुमान मंदिर के पास से सुरक्षित रूप से रेस्क्यू करा लिया। पीड़ित बच्चा एक ऐसे परिवार के पास मिला जो भीख मांगता है। पुलिस मामले में आगे की तफ्तीश में जुटी है।

■ कश्मीरी गेट से किडनैप हुई थी मासूम, यमुना बाजार से छुड़ाया

■ पकड़े गए किडनैपर परिवार की योजना मासूम को नेपाल ले जाकर किसी निःसंतान दंपति या मानव तस्करी और अंग तस्करी सिंडिकेट को बेचने की थी

5 दिनों की कड़ी मशक्कत के बाद जब पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित रेस्क्यू कर पिता को सौंपा, तो मासूम को देख पिता फूट-फूटकर रोने लगे

अगवा कर मकान भी बदल लिया था

पकड़े गए ग्रुप में तीन आरोपी और दो नाबालिग (7 और 10 साल के) शामिल थे। इनकी पहचान सीलमपुर के वेलकम निवासी नजीमा, पति अनीस और नजीम के दामाद शमशाद आलम के तौर पर हुई। ये सभी किशनगंज, बिहार के रहने वाले हैं। 12 जनवरी को देखा कि बच्ची पुरानी दिल्ली स्टेशन के एग्जिट गेट के पास अकेली खेल रही है। आरोपियों ने नाबालिग सदस्य को बच्ची को स्टेशन लाने के लिए कहा, जहां से किडनैप कर लिया। उसी रात किराए का घर भी बदल दिया। आरोपियों ने बताया कि योजना नेपाल ले जाने की थी। वे बच्ची को किसी निःसंतान दंपती को या भीख मांगने वाले सिंडिकेट को या मुनाफे के आधार पर आगे की तस्करी के लिए बेचे जाने पर विचार कर रहे थे। पुलिस अफसर का कहना है कि बच्ची को जब उसके पिता को सौंपा तो वह फूट-फूटकर रोने लगे।

पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक सब-स्टेशन का काम हुआ पूरा

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (DMRC) ने सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के तहत पार्क स्ट्रीट इलेक्ट्रिक के रिसीविंग सब-स्टेशन (आरएसएस) को दूसरी जगह शिफ्ट कर दोबारा तैयार करने का काम पूरा कर लिया है। इससे दिल्ली की प्रमुख मेट्रो लाइनों को अब बिना रुकावट बिजली मिलती रहेगी और आने वाले मेट्रो प्रोजेक्ट्स को भी सहारा मिलेगा।

जानकारी के अनुसार, पार्क स्ट्रीट आरएसएस का निर्माण 2010 में दिल्ली मेट्रो के फेज-2 के दौरान किया गया था, जहां से एयरपोर्ट लाइन और वायलेट लाइन (लाइन-6) को बिजली मिलती थी। सेंट्रल विस्टा परियोजना के निर्माण के चलते 2021-22 में इस सब-स्टेशन को हटाया गया था। इसके बाद सीपीडब्ल्यूडी से उपलब्ध कराई गई वैकल्पिक भूमि पर 2023 में नए आरएसएस का निर्माण शुरू हुआ, जो दिसंबर 2025 में पूरा हुआ।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: anil.rana Time: 01-18-2026 23:17 Color:

AI के ताज़ा अपडेट्स

गूगल का नया ट्रांसलेशन मॉडल

AI Image

गूगल ने Translate Gemma नाम से नया ट्रांसलेशन मॉडल लॉन्च किया है। यह मॉडल खास तौर पर तेज और आसान ट्रांसलेशन के लिए बनाया गया है। इसे किसी भी डिवाइस पर चलाया जा सकता है। यह कम कम्प्यूटिंग पावर में भी अच्छा काम करता है। (NBT)

Apple की चिप इसी साल

AI Image

Apple इस साल से अपने AI सर्वर चिप्स का प्रोडक्शन शुरू कर सकता है। इससे कंपनी AI फीचर्स को बेहतर तरीके से विकसित करने, तेजी से चलाने और यूजर्स तक आसानी से पहुंचाने में सक्षम होगी। ये चिप बड़े डेटा सेंटर के लिए बन रहे हैं। (NBT)

OpenAI ब्रेन तकनीक में भी

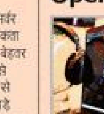
AI Image

OpenAI ने अपने CEO सैम ऑल्टमैन की ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस (BCI) स्टार्टअप Merge Labs में निवेश किया है। Merge Labs ऐसी तकनीक विकसित कर रही है, जिससे इंसानी दिमाग सीधे AI से जुड़ सके। किसी सर्जरी की जरूरत नहीं होगी। (NBT)

पूछें AI से जुड़ा कोई भी सवाल, हमारे एक्सपर्ट देंगे जवाब

AI Image

कैसे तय होगा कि AI मानवता के लिए काम करेगा? - पैम्पर तोमर, दिल्ली
जवाब: AI का विकास पारदर्शी, नैतिक और जवाबदेह ढंग से होगा, तभी यह संभव होगा कि AI मानवता के लिए काम करेगा। अगर नियम, निगरानी और जवाबदेही कड़ी होगी तो यह सही राह पर रहेगा।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

AI कंटेंट की लेबलिंग के लिए जल्द आएंगे नियम: IT सचिव

केंद्रीय आईटी सचिव ने कहा, AI इंपैक्ट समिट में जनभागीदारी पर फोकस, कई इवेंट्स पर रहेगा जोर

भारत में फरवरी में होने वाले AI इंपैक्ट समिट को लेकर बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है। पिछले साल पेरिस के बाद अब दिल्ली पर दुनिया की नजरें हैं। ये समिट भारत की टेक्नो-डिप्लोमेसी में कैसे मील का पत्थर साबित होगी, कौन से बड़े नाम इसमें शामिल होंगे, सोर्स कोड विवाद में IT मंत्रालय का दखल कब हुआ, सोशल मीडिया पर AI जेनरेटेड कंटेंट की लेबलिंग के लिए क्या है सरकार की तैयारी? NBT रिपोर्टर अल्पयु सिंह से बातचीत में ऐसे कई सवालों के जवाब दिए केंद्रीय आईटी सचिव एस. कृष्णन ने:

AI इंपैक्ट समिट COUNTDOWN

AI Image

NBT इंटरव्यू

Q AI इंपैक्ट समिट को लेकर भारत दुनिया को क्या ऑफर कर रहा है?

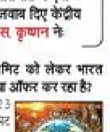

AI को लेकर 2023 में ब्रिटेन में हुए समिट का फोकस सुरक्षा था। उसके अगले साल सियोल में हुआ समिट इनोवेशन से जुड़ा था। पिछले साल पेरिस में जो समिट हुआ वह ऐक्शन पर केंद्रित था। इस बार भारत विश्व के सामने AI इंपैक्ट समिट रख रहा है। इसके केंद्र में AI का आम लोगों पर असर है। भारत का मानना है कि AI लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाएगा। ये भारत जैसे विकासशील देशों की तरक्की में मददगार साबित हो सकता है। AI को डिवेलपमेंट फोर्स की तरह देखना होगा। इसके रिस्क फैक्टर को समझते हुए ये देखना होगा कि हम निगेटिव चीजों के दायरे में ना आकर कैसे AI को पॉजिटिव तौर पर अपना सकते हैं। इसमें पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस का विचार अहम है। भारत इस बात से भी सहमत नहीं कि जो देश AI पर खर्चा कर रहे हैं, वही इसका सारा फायदा ले जाएंगे। भारत जानता है कि इसके लिए कंप्यूट फैसिलिटी और मॉडल दोनों चाहिए। लेकिन एप्लिकेशन को विकसित और तैनात करना जरूरी है, भारत इसमें आगे है। ये तीनों चीजें हम विश्व को दे सकते हैं।

Q मोबाइल के सोर्स कोड को लेकर क्या विवाद है?

इस मामले में बिना वजह विवाद खड़ा किया गया। ये मामला 2023 में टेलीकॉम मंत्रालय से जुड़ा है। डिवाइस की सेफ्टी के लिए पुराने रूल्स का ड्राफ्ट निकला था। साल 2025 में IT मंत्रालय इस सीन में आया। हम उससे जुड़े नियमों पर कंसल्टेशन कर रहे हैं। इन्हें लेकर ना तो इंडस्ट्री शिकायत कर रही है और ना ही इंडस्ट्री असोसिएशन। विमर्श के बाद पूरी चीज बदल सकती है। इंडस्ट्री ने तो विमर्श का समर्थन किया है। सरकार हजारों मुद्दों पर विमर्श करती है, हमने कोई फैसला नहीं लिया है। ऐसे कोई कैसे कह सकता है कि सरकार कंसल्टेशन भी ना करे।

Q क्या डेटा प्रोटेक्शन से जुड़े DPDP रूल्स बनाना और नोटिफाई करना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा?

नहीं, ये ज्यादा चैलेंजिंग नहीं रहा है। हमने कंसल्टेशन के लिए काफी वक्त दिया। ये नया क्षेत्र है और इसमें लोगों की जागरूकता जरूरी है। विमर्श के जरिए जागरूकता बढ़ाने की कोशिश की गई। 2023 में जब जब ऐक्ट पास हुआ, किसी ने कुछ नहीं कहा, जब नियम को लेकर डिस्कशन फाइनल स्टेज पर थी, तब सबने संशोधन को लेकर सवाल उठाया। दो प्रावधानों को लेकर 8(3) (जो RTI का हिस्सा था), इसे ही हटाया गया है। हालांकि एक और प्रोविजन 8(2) है। इसके मुताबिक अगर पब्लिक इंट्रेस्ट में है तो जानकारी देनी होगी।

Q हम ग्लोबल साउथ की आवाज उठाते रहे हैं, क्या तकनीक के जरिए भी हम यही कर रहे हैं?

दुनिया IT सेक्टर का भारत को लीडर मानती है। हमने DPI का सफल इस्तेमाल कर बहुत कुछ साबित किया है। भारत जैसे देश में अभी भी गरीबी है, ऐसे में हमने दिखाया कि तकनीक से DPI के जरिए किस तरह आम लोगों का जीवन बेहतर हो सकता है। हम AI के क्षेत्र में भी ऐसी ही दिशा दिखा सकते हैं। इसे सफल बना सकते हैं।

Q समिट में हम किस तरह की अंतर्राष्ट्रीय मौजूदगी की उम्मीद कर रहे हैं?

हमें उम्मीद है कि 12 से 15 राष्ट्र प्रमुख या सरकार के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। फ्रेंच राष्ट्रपति पहले ही कह चुके हैं। ब्राजील और स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति के आने की संभावना है। नीदरलैंड, फिनलैंड जैसे यूरोपीय देशों से भी भागीदारी होगी। 40-50 देशों से मंत्रिस्तरीय उपस्थिति होगी। ब्रिटेन के डिप्टी पीएम आएंगे। दूसरे देशों से भी उच्चस्तरीय पॉलिटिकल लीडर्स आएंगे। इस समिट में 50-60 CEO भी हिस्सा लेंगे। OpenAI के सैम ऑल्टमैन, गूगल के सुंदर पिचाई, Nvidia के सीईओ जेन्सेन हुआंग आदि के भी शामिल होने के संकेत मिले हैं। समिट के जरिए हम AI को आम आदमी तक ले जाना चाहते हैं। छात्रों और इनोवेटर्स के लिए बड़े एक्सपो का आयोजन कर रहे हैं। जनभागीदारी पर फोकस है। ऐसी कई इवेंट्स हो रहे हैं और होंगे, जिनसे लोग जुड़ेंगे।

Q AI का गलत इस्तेमाल भी लगातार हो रहा है, रोकने की क्या तैयारी है?

AI से जुड़े मामलों की निगरानी लगातार जारी रहने वाली प्रक्रिया है। हम जल्द ही सिंथेटिक AI जेनरेटेड कंटेंट को लेकर रूल भी निकाल रहे हैं। इन्हें सार्वजनिक किया गया था और उस पर बहुत सारे विचार सामने आए हैं। इस पर जो इनपुट मिला है, उसे हम जल्द जारी करेंगे। नियमों की ड्राफ्टिंग हो रही है। सरकार सक्रियता से कार्रवाई करती रही है। कानून साफ हैं और कंपनियों को ये मानने होंगे, वरना इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। हालांकि थोड़ा संभल कर इसलिए चलते हैं, क्योंकि हम एक खुला समाज हैं और फ्रीडम ऑफ स्पीच की कद्र करते हैं। लेकिन जो अवैध है या कानून के मुताबिक नहीं है, उस पर ऐक्शन जरूर होगा। हम ग्रोक के खिलाफ नोटिस निकालने वाले पहले देश हैं। इंडोनेशिया और मलयेशिया, जैसे देश जिन्होंने बैन किया, उनका लीगल सिस्टम थोड़ा अलग है।

Q सोशल मीडिया कंपनियां लगातार जवाबदेही से क्यों बचती रही हैं?

पिछले ढाई साल में हालात बेहतर हुए हैं। गलत कंटेंट दिखने पर जब हम उन्हें ब्लॉकिंग के लिए कहते हैं तो ज्यादातर सोशल मीडिया कंपनियां उस पर ऐक्शन लेती हैं। 1-2 केसों में अपवाद हैं, जिनसे हम निबटते हैं, लेकिन थोड़ी जवाबदेही जनता की भी है कि कैसे इन टूल्स का सकारात्मक प्रयोग करना है।

AI सिर्फ दुनिया नहीं, आपको भी समझेगा

AI Image

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: अब तक हमने AI मॉडल्स को सवालों के जवाब देते, जानकारी खोजते या सलाह देते देखा है। लेकिन अब गूगल ने Gemini में एक नया फीचर पर्सनल इंटेलिजेंस लॉन्च किया है। इसका मतलब है कि अब Gemini सिर्फ 'सब कुछ जानने वाला' नहीं रहेगा, बल्कि 'आपको जानने वाला' असिस्टेंट बनेगा। पर्सनल इंटेलिजेंस एक ऐसा सिस्टम है, जिसे आप Gemini को Gmail, गूगल फोटोज, यूट्यूब, सर्च जैसे गूगल ऐप्स से जोड़ सकते हैं। जब आप इसे जोड़ते हैं, तो Gemini आपके ही पुराने ईमेल, फोटो, विडियो और सर्च हिस्ट्री के आधार पर ज्यादा काम की और निजी मदद देगा।

AI मॉडल Gemini में लॉन्च हुआ पर्सनल इंटेलिजेंस

आपके काम कैसे करेगा आसान

मान लीजिए, आप किसी दुकान पर खड़े हैं और अचानक आपको अपनी कार की कोई जानकारी याद नहीं आ रही, जैसे टायर का साइज या गाड़ी का मॉडल। आमतौर पर आप या तो फोन में ढूंढेंगे या घर जाकर देखेंगे। लेकिन अगर पर्सनल इंटेलिजेंस को ऑन कर रखा है, तो Gemini आपके पुराने ईमेल और फोटो देखकर तुरंत उस जानकारी के बारे में बता देगा। गूगल लैब, Gemini और AI स्टूडियो के वाइस प्रेसिडेंट जोश वुडवर्ड (Josh Woodward) ने एक उदाहरण देकर बताया कि टॉम अपनी फैमिली के साथ मिनीवैन से चलते हैं। एक दिन टॉम को टायर बदलवाने थे। दुकान पर पहुंचे तो उन्हें टायर का साइज याद नहीं था। उन्होंने Gemini से पूछा। Gemini ने सिर्फ उनकी गाड़ी के टायर का साइज नहीं बताया, बल्कि ये भी सुझाया कि रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए कौन सा टायर सही रहेगा और लॉन्ग ड्राइव के लिए कौन सा बेहतर है। Gemini ने Google Photos देखकर यह भी समझ लिया कि वह परिवार अक्सर रोड ट्रिप पर जाता है। यानी पर्सनल असिस्टेंट से सिर्फ जानकारी नहीं मिली, बल्कि परिस्थिति के हिसाब से सलाह भी मिली।

गूगल का दावा- प्राइवेसी की चिंता जरूरी, पर यहां सब ठीक

पर्सनल इंटेलिजेंस में सबसे बड़ी प्राइवेसी को लेकर चिंता होती है। लेकिन गूगल के इस अपडेट के साथ प्राइवेसी की चिंता नहीं है। पहली बात कि पर्सनल इंटेलिजेंस खुद से चालू नहीं होता है, इसे आप अपनी सुविधा के अनुसार शुरू या बंद कर सकते हैं। यह भी तय कर सकते हैं कि कौन सा ऐप इससे कनेक्ट किया जाए या कौन सा नहीं। आपकी फोटो, विडियो, ईमेल में जो जानकारी है, Gemini उसे कहीं बाहर नहीं भेजता है। यानी आपका डेटा पहले से Google में सुरक्षित है, वहीं रहकर Gemini सिर्फ आपकी मदद के लिए इस्तेमाल करेगा।

इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं

पर्सनल इंटेलिजेंस को अभी अमेरिका के गूगल AI प्रो या AI अल्ट्रा सब्सक्राइबर के लिए शुरू किया गया है। ऑफिस, बिजनेस, कंपनी या एजुकेशन अकाउंट के लिए यह अभी उपलब्ध नहीं है। भारत समेत दूसरे देशों में भी इसे जल्द ही रोलआउट की तैयारी है। भारत में रोलआउट होने पर Gemini ऐप खोलें। इसमें सेटिंग्स पर जाएं और पर्सनल इंटेलिजेंस पर टैप करना होगा। पर्सनल इंटेलिजेंस पर टैब करने के बाद कनेक्टेड ऐप्स जैसे Gmail, फोटोज को जोड़ सकते हैं।

₹374.4 करोड़ बढ़ गई बारापूला फेज़-3 की लागत

File

NBT 2 मिनट में पढ़ें
- बढ़ी लागत के पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को फाइनेंस कमिटी ने मंजूरी दे दी है
- 1260.63 करोड़ रुपये थी ओरिजिनल कॉस्ट
- 1635.03 करोड़ रुपये हो गई है अब बढ़कर
- 1290 करोड़ रुपये हो चुके हैं खर्च अब तक

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली : साउथ दिल्ली और साउथ-ईस्ट दिल्ली से पूर्वी दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को सिग्नल फ्री ट्रैफिक के लिए अब और अधिक दिनों तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। बारापूला फेज-3 फ्लाईओवर से इसी साल मार्च या अप्रैल में ट्रैफिक ट्रायल शुरू किया जा सकता है। फ्लाईओवर को जून में पब्लिक के लिए खोला जाएगा। नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली को कनेक्ट करने वाला यह पीडब्ल्यूडी का पहला ऐसा फ्लाईओवर है, जिसके निर्माण में करीब एक दशक का समय लगा, जिसके चलते लागत में करीब 374.40 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार बारापूला फ्लाईओवर को तीन चरणों में बनाया गया है। पहले चरण में सराय काले खां से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तक करीब 4 किमी लंबा स्ट्रेच साल 2010 में बनाया गया। दूसरे फेज में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से आईएनए मार्केट तक करीब 2 किमी लंबा स्ट्रेच बनाया गया। जो साल 2015 में कंप्लीट हुआ। तीसरे चरण में सराय काले खां से मयूर विहार फेज-1 का काम साल 2015 में शुरू किया गया।

मार्च-अप्रैल में शुरू होगा ट्रैफिक ट्रायल

अफसरों का कहना है कि फ्लाईओवर के बाकी कामों में पिलर तैयार करना था। यह काम भी हो चुका है। पिलर को जमीन में सेट होने में थोड़ा वक्त लग रहा है। इसलिए ऊपर स्लैब नहीं डाला जा रहा है। स्लैब डालने में मुश्किल से 15-20 दिनों का समय लगेगा। कारपेटिंग हफ्ते भर में हो जाएगी। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि मार्च या अप्रैल में फ्लाईओवर से ट्रैफिक का ट्रायल शुरू हो जाएगा।

एक नजर में
- 1.1 किमी यमुना पर ब्रिज की कुल लंबाई
- 12.5 मीटर कैरिजवे चौड़ाई
- 1.5 मीटर फुटपाथ की चौड़ाई
- 2.5 मीटर साइकल ट्रैक की चौड़ाई

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

क्यों लगा निर्माण में इतना समय?

फेज 3 के निर्माण में करीब एक दशक लगने की सबसे बड़ी वजह जमीन और मुआवजा से जुड़ा विवाद रहा। फ्लडप्लेन एरिया में जहां इसका मेन हिस्सा बनना था, वहां जमीन को लेकर अड़चन आ गई। शुरुआत में डीडीए ने जमीन की कमी से इनकार किया, लेकिन काम शुरू होने पर पता चला कि सराय काले खां बस अड्डा के पास किसानों की जमीन भी इसकी जद में है। मामला करीब पांच साल अटका रहा।

कालकाजी में NBT सुरक्षा सभा आज, ज़रूर पहुंचें और रखें अपने सुझाव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कालकाजी में आज एनबीटी सुरक्षा सभा का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे कालकाजी थाने के अंदर ही यह सभा होगी। सभा में जिले के डीसीपी समेत पुलिस विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस सभा में आकर आप अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकते हैं।

एनबीटी ने मंगलवार से कालकाजी में सुरक्षा कवच कार्यक्रम चला रखा है। इसके तहत एरिया को समझा गया। मार्केट असोसिएशन और आरडब्ल्यूए से बात की गई। कालकाजी थाने के एसएचओ और मार्केट असोसिएशन के साथ मिलकर नेहरू प्लेस मेन मार्केट का सुरक्षा ऑडिट भी किया गया। अब एनबीटी इस मुहिम में सुरक्षा सभा तक पहुंच गया है। सभा में क्षेत्र के आम लोग आ सकते हैं और अधिकारियों के सामने अपनी बात रख सकते हैं। साथ ही अधिकारी भी आपको बताएंगे कि वह आपके एरिया के लिए क्या योजना बना रहे हैं। आप भी पुलिस को अपने सुझाव दे सकते हैं।

अधिकारी रहेंगे मौजूद
- **कहां :** कालकाजी थाना
- **कब :** 19 जनवरी 2026
- **दिन :** सोमवार
- **समय :** दोपहर 12 बजे

सुरक्षा सभा में होंगे ये अधिकारी: **डॉ. हेमंत तिवारी** (डीसीपी, साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट), **राकेश कुमार शर्मा** (एसीपी, कालकाजी), **अजय कुमार** (एसएचओ, कालकाजी), **नवीन कुमार** (एसएचओ, गोविंदपुरी), **लोकेंद्र सिंह** (एसएचओ, अमर कॉलोनी), **पंकज कुमार** (इंस्पेक्टर, साइबर), **विष्णु दत्त** (इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स), **प्रमोद चौहान** (इंस्पेक्टर, एसटीएफ), **रविदत्त तिवारी** (ट्रैफिक इंस्पेक्टर)

14.85 करोड़ की ठगी में तीन अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बुजुर्ग दंपती से 14.85 करोड़ की ठगी केस में IFSO ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिव्यांग पटेल, शितोली कृतिक और अरुण कुमार तिवारी के रूप में हुई है।

IFSO ने वडोदरा से की गिरफ्तारी

आईएफएसओ डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि सभी आरोपी वडोदरा से गिरफ्तार किए हैं। ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। आरोपियों को पूछताछ के लिए दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। जांच में पता चला कि करीब 4 करोड़ रुपये एक एनजीओ के नाम पर रजिस्टर्ड बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

उत्तम नगर से लॉरेंस गैंग का शूटर अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

एक कारोबारी से चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी

क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक शूटर को गिरफ्तार किया है। डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान आगरा निवासी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू के रूप में हुई है। आरोपी राजस्थान के जिला गंगानगर स्थित थाना जवाहर नगर में दर्ज एक केस में वॉन्टेड था।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2025 में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों ने गंगानगर के जवाहर नगर इलाके के एक कारोबारी से चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। कारोबारी द्वारा रकम देने से इनकार करने पर गैंग ने अपने शूटर प्रदीप उर्फ गोलू को कारोबारी के घर पर फायरिंग करने का आदेश दिया। इसके बाद मई 2025 में प्रदीप ने साथियों के साथ कारोबारी पर गोलीबारी की। इस संबंध में थाना जवाहर नगर, राजस्थान में एफआईआर की गई। इस केस में आरोपी और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया। इसके बाद भी वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों को अवैध हथियार और लॉजिस्टिक मदद करने लगा।

EXCLUSIVE TATA.EV STORE, SECTOR 14, GURUGRAM: 9167161897; EXCLUSIVE TATA.EV STORE, SOHNA ROAD, GURUGRAM: 9167518627

Kindly call on 8291362368 for all enquiries related to purchase from CSD or KPKB/CPC

EAST DELHI: PREET VIHAR: DPS CARS: 8929567222/9. PATPARGANJ : SAGAR MOTORS: 7506019545. DILSHAD GARDEN:SAGAR MOTORS: 7506019521. GOKULPURI: SAB MOTORS: 8291058108. NORTH DELHI: NARELA: SPARSH AUTOTECH: 8291058089. MODEL TOWN: ZEDEX MOBILITY: 9619447205. ROHINI: CHERISH CAR: 7039049471. WAZIRPUR: AUTOVIKAS: 7506019445. PRASHANT VIHAR: MALWA: 7506019463. WEST DELHI: NAJAFGARH: SPARSH AUTOTECH: 7506019549. PALAM DABRI: SPARSH AUTOTECH: 7506019683. FRONTIER: DWARKA: 8291390014. FRONTIER: DWARKA SEC-5 RAJAPURI: 9619235905. PUNJABI BAGH: CHERISH CAR: 9167277034. JANAKPURI: DELIGHT MOTORS: 7045211252. MAYAPURI: TRUENORTH: 7506019838. PEERAGARHI: TRUENORTH: 9619223251. MOTI NAGAR: AUTOVIKAS: 7506019415. CENTRAL DELHI: KAROL BAGH: ZEDEX MOBILITY: 9619490132. CONNAUGHT PLACE: ARYA MOTORS: 9810638782. KASHMERE GATE: DPS CARS: 9090808057. SOUTH DELHI: SAFDARJUNG ENCLAVE: JASPER MOTORS: 9167411375. NEHRU PLACE: JASPER MOTORS: 9167411375. OKHLA: JASPER MOTORS: 8879386114. LAJPAT NAGAR: SAB MOTORS: 7506019487. MATHURA ROAD: SAB MOTORS: 7506019505. GHAZIABAD: PANDAV NAGAR: ARYA MOTORS: 7506019879. BHOJPUR: SAB MOTORS: 9152102564. PATEL NAGAR: SAB MOTORS: 7506019939. MOHAN NAGAR: SAB MOTORS: 7506019947. VAISHALI: SAB MOTORS:9619085440. MODINAGAR: SAB MOTORS: 9152102564. HAPUR: SAB MOTORS: 9152102552. NOIDA: SECTOR 5: SAGAR MOTORS: 7506020132. SECTOR 63: SAGAR MOTORS: 9167622374. GREATER NOIDA: SAGAR MOTORS: 7506020227. JEWAR: SAGAR MOTORS: 8291304204. WEST GREATER NOIDA: GAUR CITY: SAGAR MOTORS: 9667899773. FARIDABAD: NIIT: MULTITECH MOTORS: 8879221763. ATLAS TOWER: MULTITECH MOTORS: 7506019846. BALLABHGARH: AUTOVIKAS: 8879140298. GREATER FARIDABAD: MAGAN WHEELS: 8291517531. BULANDSHAHAR/KHURJA/DIBAI/SIYANA/SIKANDRABAD: MASCOT MOTORS: 9152104362. REWARI: PREMIUM MOTOCORP: 7506019918,8291518613. MAHENDERGARH: DHEERAJ MOTOCORP: 9619947529. NARNAUL: DHEERAJ MOTOCORP: 9619949466. KANINA: DHEERAJ MOTOCORP: 9619947651. KOSLI: PREMIUM MOTOCORP: 9152102543. SONIPAT & KUNDLI: SWAN MOTORS: 9215317773. MEERUT: GARH ROAD: ANJNEY AUTOMOBILES: 8291103957. SHATABDI NAGAR: DELHI ROAD: SHREE VASU: 7506019959. SARDHANA: SHREE VASU: 9619362026. BIJNOR: MANGALAM AUTOWORLD: 8879702579. NAJIBABAD: MANGALAM AUTOWORLD: 8291176455. DHAMPUR: MANGALAM AUTOWORLD: 8879702579. BARAUT: SHREE VASU: 9167475934. MAWANA: SHREE VASU: 8879954579.BAGHPAT: SHREE VASU: 9167276250.

Images and illustrations are indicative and for information purpose only. All feature / specifications mentioned may vary from model to model and may not be available across all personas / variants. Features and specifications are subject to change without prior information. Please consult an authorized TATA Motors dealer for latest information on features / specifications before deciding to place an order. Colours may not match actual colours due to printing limitations. *As per Bharat NCAP 2024 score, applicable to Punch.ev, Curvv.ev and Nexon.ev. ^As per internal data provided by charge point operators. ##Based on internal calculations. ◇"Never-before" refers to the overall value proposition across offers. Offers vary by model, variant, manufacturing year, location, and dealer stock. Please check with authorised dealers for exact details. *Cumulative sales milestone achieved across the TATA.ev portfolio since inception. Sales figures are indicative and rounded off. ▲Finance at the sole discretion of Financier The EMI figures shown above are based on specific loan amount and 120 month repayment period. Actual EMI amounts may vary based on loan amount and total on road price T&C Apply. 'All India ex-showroom price. #Offers vary by manufacturing year and personas. Discounts applicable on MY2025 vehicles may differ from those on MY2026 vehicles. Please check with authorised dealers for variant-wise and stock-wise details. Terms & conditions apply.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: anil.rana Time: 01-18-2026 23:17 Color:

AI के ताज़ा अपडेट्स

गूगल का नया ट्रांसलेशन मॉडल

AI image

गूगल ने Translate Gemma नाम से नया ट्रांसलेशन मॉडल लॉन्च किया है। यह मॉडल खास तौर पर तेज और आसान ट्रांसलेशन के लिए बनाया गया है। इसे किसी भी डिवाइस पर चलाया जा सकता है। यह कम कंप्यूटिंग पावर में भी अच्छा काम करता है। (NBT)

Apple की चिप इसी साल

AI image

Apple इस साल से अपने AI सर्वर चिप्स का प्रोडक्शन शुरू कर सकता है। इससे कंपनी AI फीचर्स को बेहतर तरीके से विकसित करने, तेजी से चलाने और यूजर्स तक आसानी से पहुंचाने में सक्षम होगी। ये चिप बड़े डेटा सेंटर के लिए बन रहे हैं। (NBT)

OpenAI ब्रेन तकनीक में भी

AI image

OpenAI ने अपने CEO सैम ऑल्टमैन की ब्रेन कंप्यूटर इंटरफेस (BCI) स्टार्टअप Merge Labs में निवेश किया है। Merge Labs ऐसी तकनीक विकसित कर रहा है, जिससे इंसानी दिमाग सीधे AI से जुड़ सके। किसी सर्जरी की जरूरत नहीं होगी। (NBT)

पूछें AI से जुड़ा कोई भी सवाल, हमारे एक्सपर्ट देंगे जवाब

AI image

कैसे तय होगा कि AI मानवता के लिए काम करेगा? - पैथर तोमर, दिल्ली

जवाब: AI का विकास पारदर्शी, नैतिक और जवाबदेह ढंग से होगा, तभी यह संभव होगा कि AI मानवता के लिए काम करेगा। अगर नियम, निगरानी और जवाबदेही कड़ी होगी तो यह सही राह पर रहेगा।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

AI कंटेंट की लेबलिंग के लिए जल्द आएंगे नियम: IT सचिव

केंद्रीय आईटी सचिव ने कहा, AI इंपैक्ट समिट में जनभागीदारी पर फोकस, कई इवेंट्स पर रहेगा जोर

भारत में फरवरी में होने वाले AI इंपैक्ट समिट को लेकर बड़े पैमाने पर तैयारी चल रही है। पिछले साल पेरिस के बाद अब दिल्ली पर दुनिया की नजरें है। ये समिट भारत की टेक्नो-डिप्लोमेसी में कैसे मील का पत्थर साबित होगी, कौन से बड़े नाम इसमें शामिल होंगे, सोर्स कोड विवाद में IT मंत्रालय का दखल कब हुआ, सोशल मीडिया पर AI जेनरेटेड कंटेंट की लेबलिंग के लिए क्या है सरकार की तैयारी? NBT रिपोर्टर अल्पयु सिंह से बातचीत में ऐसे कई सवालों के जवाब दिए केंद्रीय आईटी सचिव एस. कृष्णन ने:

AI इंपैक्ट समिट COUNT DOWN

AI image

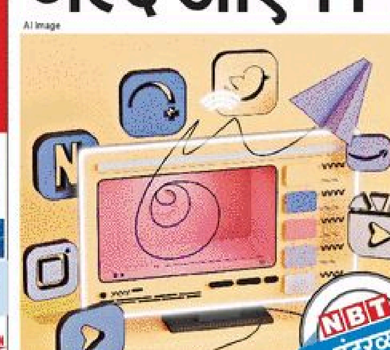

NBT इंटरव्यू

Q AI इंपैक्ट समिट को लेकर भारत दुनिया को क्या ऑफर कर रहा है?

AI को लेकर 2023 में ब्रिटेन में हुए समिट का फोकस सुरक्षा था। उसके अगले साल सियोल में हुआ समिट इनोवेशन से जुड़ा था। पिछले साल पेरिस में जो समिट हुआ वह ऐक्शन पर केंद्रित था। इस बार भारत विश्व के सामने AI इंपैक्ट समिट रख रहा है। इसके केंद्र में AI का आम लोगों पर असर है। भारत का मानना है कि AI लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाएगा। ये भारत जैसे विकासशील देशों की तरक्की में मददगार साबित हो सकता है। AI को डिप्लॉयमेंट फोर्स की तरह देखना होगा। इसके रिस्क फैक्टर को समझते हुए ये देखना होगा कि हम निगेटिव चीजों के दायरे में ना आकर कैसे AI को पॉजिटिव तौर पर अपना सकते हैं। इसमें पीपल, प्लैनेट और प्रोग्रेस का विचार अहम है। भारत इस बात से भी सहमत नहीं कि जो देश AI पर खर्चा कर रहे हैं, वही इसका सारा फायदा ले जाएंगे। भारत जानता है कि इसके लिए कंप्यूट फैसिलिटी और मॉडल दोनों चाहिए। लेकिन एप्लिकेशन को विकसित और तैनात करना जरूरी है, भारत इसमें आगे है। ये तीनों चीजें हम विश्व को दे सकते हैं।

Q हम ग्लोबल साउथ की आवाज उठाते रहे हैं, क्या तकनीक के जरिए भी हम यही कर रहे हैं?

दुनिया IT सेक्टर का भारत को लीडर मानती है। हमने DPI का सफल इस्तेमाल कर बहुत कुछ साबित किया है। भारत जैसे देश में अभी भी गरीबी है, ऐसे में हमने दिखाया कि तकनीक से DPI के जरिए किस तरह आम लोगों का जीवन बेहतर हो सकता है। हम AI के क्षेत्र में भी ऐसी ही दिशा दिखा सकते हैं। इसे सफल बना सकते हैं।

Q मोबाइल के सोर्स कोड को लेकर क्या विवाद है?

इस मामले में बिना वजह विवाद खड़ा किया गया। ये मामला 2023 में टेलीकॉम मंत्रालय से जुड़ा है। डिवाइस की सेफ्टी के लिए पुराने रूल्स का ड्राफ्ट निकाला था। साल 2025 में IT मंत्रालय इस सीन में आया। हम उससे जुड़े नियमों पर कंसल्टेशन कर रहे हैं। इन्हें लेकर ना तो इंडस्ट्री शिकायत कर रही है और ना ही इंडस्ट्री असोसिएशन। विमर्श के बाद पूरी चीज बदल सकती है। इंडस्ट्री ने तो विमर्श का समर्थन किया है। सरकार हजारों मुद्दों पर विमर्श करती है, हमने कोई फैसला नहीं लिया है। ऐसे कोई कैसे कह सकता है कि सरकार कंसल्टेशन भी ना करे।

Q क्या डेटा प्रोटेक्शन से जुड़े DPDP रूल्स बनाना और नोटिफाई करना सरकार के लिए चुनौतीपूर्ण रहा?

नहीं, ये ज्यादा चैलेंजिंग नहीं रहा है। हमने कंसल्टेशन के लिए काफी वक्त दिया। ये नया क्षेत्र है और इसमें लोगों की जागरूकता जरूरी है। विमर्श के जरिए जागरूकता बढ़ाने की कोशिश की गई। 2023 में जब जब ऐक्ट पास हुआ, किसी ने कुछ नहीं कहा, जब नियम को लेकर डिस्कशन फाइनल स्टेज पर थी, तब सबने संशोधन को लेकर सवाल उठाया। दो प्रावधानों को लेकर 8(3) (जो RTI का हिस्सा था), इसे ही हटाया गया है। हालांकि एक और प्रोविजन 8(2) है। इसके मुताबिक अगर पब्लिक इंट्रेस्ट में है तो जानकारी देनी होगी।

Q समिट में हम किस तरह की अंतर्राष्ट्रीय मौजूदगी की उम्मीद कर रहे हैं?

हमें उम्मीद है कि 12 से 15 राष्ट्र प्रमुख या सरकार के प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। फ्रेंच राष्ट्रपति पहले ही कह चुके हैं। ब्राजील और स्विटजरलैंड के राष्ट्रपति के आने की संभावना है। नीदरलैंड, फिनलैंड जैसे यूरोपीय देशों से भी भागीदारी होगी। 40-50 देशों से मंत्रिस्तरीय उपस्थिति होगी। ब्रिटेन के डिप्टी पीएम आएंगे। दूसरे देशों से भी उच्चस्तरीय पॉलिटिकल लीडर्स आएंगे। इस समिट में 50-60 CEO भी हिस्सा लेंगे। OpenAI के सैम ऑल्टमैन, गूगल के सुंदर पिचाई, Nvidia के सीईओ जेन्सेन हुआंग आदि के भी शामिल होने के संकेत मिले हैं। समिट के जरिए हम AI को आम आदमी तक ले जाना चाहते हैं। छात्रों और इनोवेटर्स के लिए बड़े एक्सपो का आयोजन कर रहे हैं। जनभागीदारी पर फोकस है। ऐसी कई इवेंट्स हो रहे हैं और होंगे, जिनसे लोग जुड़ेंगे।

Q AI का गलत इस्तेमाल भी लगातार हो रहा है, रोकने की क्या तैयारी है?

AI से जुड़े मामलों की निगरानी लगातार जारी रहने वाली प्रक्रिया है। हम जल्द ही सिंथेटिक AI जेनरेटेड कंटेंट को लेकर रूल भी निकाल रहे हैं। इन्हें सार्वजनिक किया गया था और उस पर बहुत सारे विचार सामने आए हैं। इस पर जो इनपुट मिला है, उसे हम जल्द जारी करेंगे। नियमों की ड्राफ्टिंग हो रही है। सरकार सक्रियता से कार्रवाई करती रही है। कानून साफ हैं और कंपनियों को ये मानने होंगे, वरना इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे। हालांकि थोड़ा संभल कर इसलिए चलते हैं, क्योंकि हम एक खुला समाज हैं और फ्रीडम ऑफ स्पीच की कद्र करते हैं। लेकिन जो अवैध है या कानून के मुताबिक नहीं है, उस पर ऐक्शन जरूर होगा। हम ग्रोक के खिलाफ नोटिस निकालने वाले पहले देश हैं। इंडोनेशिया और मलयेशिया, जैसे देश जिन्होंने बैन किया, उनका लीगल सिस्टम थोड़ा अलग है।

Q सोशल मीडिया कंपनियां लगातार जवाबदेही से क्यों बचती रही हैं?

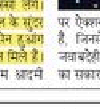

पिछले ढाई साल में हालात बेहतर हुए हैं। गलत कंटेंट दिखने पर जब हम उन्हें ब्लॉकिंग के लिए कहते हैं तो ज्यादातर सोशल मीडिया कंपनियां उस पर ऐक्शन लेती हैं। 1-2 केसों में अपवाद है, जिनसे हम निबटते हैं, लेकिन थोड़ी जवाबदेही जनता की भी है कि कैसे इन टूल्स का सकारात्मक प्रयोग करना है।

AI सिर्फ दुनिया नहीं, आपको भी समझेगा

AI image

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** अब तक हमने AI मॉडल्स को सवालों के जवाब देते, जानकारी खोजते या सलाह देते देखा है। लेकिन अब गूगल ने Gemini में एक नया फीचर पर्सनल इंटेलिजेंस लॉन्च किया है। इसका मतलब है कि अब Gemini सिर्फ 'सब कुछ जानने वाला' नहीं रहेगा, बल्कि 'आपको जानने वाला' असिस्टेंट बनेगा। पर्सनल इंटेलिजेंस एक ऐसा सिस्टम है, जिसे आप Gemini को Gmail, गूगल फोटोज, यूट्यूब, सर्च जैसे गूगल ऐप्स से जोड़ सकते हैं। जब आप इसे जोड़ते हैं, तो Gemini आपके ही पुराने ईमेल, फोटो, विडियो और सर्च हिस्ट्री के आधार पर ज्यादा काम की और निजी मदद देगा।

AI मॉडल Gemini में लॉन्च हुआ पर्सनल इंटेलिजेंस

आपके काम कैसे करेगा आसान

मान लीजिए, आप किसी दुकान पर खड़े हैं और अचानक आपको अपनी कार की कोई जानकारी याद नहीं आ रही, जैसे टायर का साइज या गाड़ी का मॉडल। आमतौर पर आप या तो फोन में ढूंढेंगे या घर जाकर देखेंगे। लेकिन अगर पर्सनल इंटेलिजेंस को ऑन कर रखा है, तो Gemini आपके पुराने ईमेल और फोटो देखकर तुरंत उस जानकारी के बारे में बता देगा। गूगल लैब, Gemini और AI स्टूडियो के वाइस प्रेसिडेंट जोश वुडवर्ड (Josh Woodward) ने एक उदाहरण देकर बताया कि टॉम अपनी फैमिली के साथ मिनीवैन से चलते हैं। एक दिन टॉम को टायर बदलवाने थे। दुकान पर पहुंचे तो उन्हें टायर का साइज याद नहीं था। उन्होंने Gemini से पूछा। Gemini ने सिर्फ उनकी गाड़ी के टायर का साइज नहीं बताया, बल्कि ये भी सुझाया कि रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए कौन सा टायर सही रहेगा और लॉन्ग ड्राइव के लिए कौन सा बेहतर है। Gemini ने Google Photos देखकर यह भी समझ लिया कि वह परिवार अक्सर रोड ट्रिप पर जाता है। यानी पर्सनल असिस्टेंट से सिर्फ जानकारी नहीं मिली, बल्कि परिस्थिति के हिसाब से सलाह भी मिली।

गूगल का दावा- प्राइवेसी की चिंता जरूरी, पर यहां सब ठीक

पर्सनल इंटेलिजेंस में सबसे बड़ी प्राइवेसी को लेकर चिंता होती है। लेकिन गूगल के इस अपडेट के साथ प्राइवेसी की चिंता नहीं है। पहली बात कि पर्सनल इंटेलिजेंस खुद से चालू नहीं होता है, इसे आप अपनी सुविधा के अनुसार शुरू या बंद कर सकते हैं। यह भी तय कर सकते हैं कि कौन सा ऐप इससे कनेक्ट किया जाए या कौन सा नहीं। आपकी फोटो, विडियो, ईमेल में जो जानकारी है, Gemini उसे कहीं बाहर नहीं भेजता है। यानी आपका डेटा पहले से Google में सुरक्षित है, वहीं रहकर Gemini सिर्फ आपकी मदद के लिए इस्तेमाल करेगा।

इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं

पर्सनल इंटेलिजेंस को अभी अमेरिका के गूगल AI प्रो या AI अल्ट्रा सब्सक्राइबर के लिए शुरू किया गया है। ऑफिस, बिजनेस, कंपनी या एजुकेशन अकाउंट के लिए यह अभी उपलब्ध नहीं है। भारत समेत दूसरे देशों में भी इसे जल्द ही रोलआउट की तैयारी है। भारत में रोलआउट होने पर Gemini ऐप खोलें। इसमें सेटिंग्स पर जाएं और पर्सनल इंटेलिजेंस पर टैप करना होगा। पर्सनल इंटेलिजेंस पर टैब करने के बाद कनेक्टेड ऐप्स जैसे Gmail, फोटोज को जोड़ सकते हैं।

₹374.4 करोड़ बढ़ गई बारापूला फेज़-3 की लागत

File

2 मिनट में पढ़ें

- बढ़ी लागत के पीडब्ल्यूडी के प्रस्ताव को फाइनेंस कमिटी ने मंजूरी दे दी है
- 1260.63 करोड़ रुपये थी ओरिजिनल कॉस्ट
- 1635.03 करोड़ रुपये हो गई है अब बढ़कर
- 1290 करोड़ रुपये हो चुके हैं खर्च अब तक

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** साउथ दिल्ली और साउथ-वेस्ट दिल्ली से पूर्वी दिल्ली आने-जाने वाले लोगों को सिग्नल फ्री ट्रैफिक के लिए अब और अधिक दिनों तक इंतजार करने की जरूरत नहीं है। बारापूला फेज-3 फ्लाईओवर से इसी साल मार्च या अप्रैल में ट्रैफिक ट्रायल शुरू किया जा सकता है। फ्लाईओवर को जून में पब्लिक के लिए खोला जाएगा। नई दिल्ली से पूर्वी दिल्ली को कनेक्ट करने वाला यह पीडब्ल्यूडी का पहला ऐसा फ्लाईओवर है, जिसके निर्माण में करीब एक दशक का समय लगा, जिसके चलते लागत में करीब 374.40 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार बारापूला फ्लाईओवर को तीन चरणों में बनाया गया है। पहले चरण में सराय काले खां से जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम तक करीब 4 किमी लंबा स्ट्रेच साल 2010 में बनाया गया। दूसरे फेज में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से आईएनए मार्केट तक करीब 2 किमी लंबा स्ट्रेच बनाया गया। जो साल 2015 में कंप्लीट हुआ। तीसरे चरण में सराय काले खां से मयूर विहार फेज-1 का काम साल 2015 में शुरू किया गया।

मार्च-अप्रैल में शुरू होगा ट्रैफिक ट्रायल

अफसरों का कहना है कि फ्लाईओवर के बाकी कामों में पिलर तैयार करना था। यह काम भी हो चुका है। पिलर को जमीन में सेट होने में थोड़ा वक्त लग रहा है। इसलिए ऊपर स्लैब नहीं डाला जा रहा है। स्लैब डालने में मुश्किल से 15-20 दिनों का समय लगेगा। कारपेटिंग हफ्ते भर में हो जाएगी। इसलिए उम्मीद की जा रही है कि मार्च या अप्रैल में फ्लाईओवर से ट्रैफिक का ट्रायल शुरू हो जाएगा।

एक नजर में

- 1.1 किमी यमुना पर ब्रिज की कुल लंबाई
- 12.5 मीटर कैरिजवे चौड़ाई
- 1.5 मीटर फुटपाथ की चौड़ाई
- 2.5 मीटर साइकल ट्रैक की चौड़ाई

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

क्यों लगा निर्माण में इतना समय?

फेज 3 के निर्माण में करीब एक दशक लगने की सबसे बड़ी वजह जमीन और मुआवजा से जुड़ा विवाद रहा। फ्लडप्लेन एरिया में जहां इसका मेन हिस्सा बनना था, वहां जमीन को लेकर अड़चन आ गई। शुरुआत में डीडीए ने जमीन की कमी से इनकार किया, लेकिन काम शुरू होने पर पता चला कि सराय काले खां बस अड्डा के पास किसानों की जमीन भी इसकी जद में है। मामला करीब पांच साल अटका रहा।

कालकाजी में NBT सुरक्षा सभा आज, ज़रूर पहुंचें और रखें अपने सुझाव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कालकाजी में आज एनबीटी सुरक्षा सभा का आयोजन होगा। दोपहर 12 बजे कालकाजी थाने के अंदर ही यह सभा होगी। सभा में जिले के डीसीपी समेत पुलिस विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस सभा में आकर आप अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं और सुझाव रख सकते हैं।

एनबीटी ने मंगलवार से कालकाजी में सुरक्षा कवच कार्यक्रम चला रखा है। इसके तहत एरिया की समझा गया। मार्केट असोसिएशन और आरडब्ल्यूए से बात की गई। कालकाजी थाने के एसएचओ और मार्केट असोसिएशन के साथ मिलकर नेहरू प्लेस मेन मार्केट का सुरक्षा ऑडिट भी किया गया। अब एनबीटी इस मुहिम में सुरक्षा सभा तक पहुंच गया है। सभा में क्षेत्र के आम लोग आ सकते हैं और अधिकारियों के सामने अपनी बात रख सकते हैं। साथ ही अधिकारी भी आपको बताएंगे कि वह आपके एरिया के लिए क्या योजना बना रहे हैं। आप भी पुलिस को अपने सुझाव दे सकते हैं।

अधिकारी रहेंगे मौजूद

- **कहां:** कालकाजी थाना
- **कब:** 19 जनवरी 2026
- **दिन:** सोमवार
- **समय:** दोपहर 12 बजे

सुरक्षा सभा में होंगे ये अधिकारी: **डॉ. हेमंत तिवारी** (डीसीपी, साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट), **राकेश कुमार शर्मा** (एसीपी, कालकाजी), **अजय कुमार** (एसएचओ, कालकाजी), **नवीन कुमार** (एसएचओ, गोविंदपुरी), **लोकेंद्र सिंह** (एसएचओ, अमर कॉलोनी), **पंकज कुमार** (इंस्पेक्टर, साइबर), **विष्णु दत्त** (इंस्पेक्टर, नारकोटिक्स), **प्रमोद चौहान** (इंस्पेक्टर, एसटीएफ), **रविदत्त तिवारी** (ट्रैफिक इंस्पेक्टर)

14.85 करोड़ की ठगी में तीन अरेस्ट

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** बुजुर्ग दंपती से 14.85 करोड़ की ठगी केस में IFSO ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिव्यांग पटेल, शितोली कृतिक और अरुण कुमार तिवारी के रूप में हुई है। आईएफएसओ डीसीपी विनीत कुमार ने बताया कि सभी आरोपी वडोदरा से गिरफ्तार किए हैं। ट्रांजिट रिमांड पर दिल्ली लाया गया है। आरोपियों को पूछताछ के लिए दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। जांच में पता चला कि करीब 4 करोड़ रुपये एक एनजीओ के नाम पर रजिस्टर्ड बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे।

IFSO ने वडोदरा से की गिरफ्तारी

उत्तम नगर से लॉरेंस गैंग का शूटर अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI image

एक कारोबारी से चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी

क्राइम ब्रांच ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक शूटर को गिरफ्तार किया है। डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान आगरा निवासी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू के रूप में हुई है। आरोपी राजस्थान के जिला गंगानगर स्थित थाना रायसिंह नगर में दर्ज एक केस में वॉन्टेड था।

जांच में सामने आया है कि मार्च 2025 में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों ने गंगानगर के जवाहर नगर इलाके के एक कारोबारी से चार करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी। कारोबारी द्वारा रकम देने से इनकार करने पर गैंग ने अपने शूटर प्रदीप उर्फ गोलू को कारोबारी के घर पर फायरिंग करने का आदेश दिया। इसके बाद मई 2025 में प्रदीप ने साथियों के साथ कारोबारी पर गोलीबारी की। इस संबंध में थाना जवाहर नगर, राजस्थान में एफआईआर की गई। इस केस में आरोपी और उसके सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में वह जमानत पर रिहा हो गया। इसके बाद भी वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों को अवैध हथियार और लॉजिस्टिक मदद करने लगा।

TATA.ev चार्ज 360+

मल्टीपल चार्जिंग एक्सेस
- 26k+ पब्लिक चार्जर्स^
- 500+ .ev वेरिफ़ाइड चार्जर्स
- 100 TATA.ev मेगाचार्जर्स

सभी चार्जिंग ज़रूरतों के लिए 1 हॉटलाइन
- 24×7 हेल्पलाइन 1800 209 8989
- आसान होम चार्जिंग सपोर्ट
- चार्जिंग और ट्रिप प्लानिंग असिस्ट

GeM, CSD और KPKB में उपलब्ध

भारत में 12 बिलियन+ km## चली

BHARAT NCAP*

अपने नज़दीकी TATA Motors डीलरशिप के लिए स्कैन करें

EVs संबंधी अधिक जानकारी के लिए
call +91 92402 92401
visit ev.tatamotors.com

TATA ev move with meaning

Kindly call on 8291362368 for all enquiries related to purchase from CSD or KPKB/CPC

EXCLUSIVE TATA.EV STORE, SECTOR 14, GURUGRAM: 9167161897; EXCLUSIVE TATA.EV STORE, SOHNA ROAD, GURUGRAM: 9167518627
EAST DELHI: PREET VIHAR: DPS CARS: 8929567222/9. PATPARGANJ : SAGAR MOTORS: 7506019545. DILSHAD GARDEN:SAGAR MOTORS: 7506019521. GOKULPURI: SAB MOTORS: 8291058108. NORTH DELHI: NARELA: SPARSH AUTOTECH: 8291058089. MODEL TOWN: ZEDEX MOBILITY: 9619447205. ROHINI: CHERISH CAR: 7039049471. WAZIRPUR: AUTOVIKAS: 7506019445. PRASHANT VIHAR: MALWA: 7506019463. WEST DELHI: NAJAFGARH: SPARSH AUTOTECH: 7506019549. PALAM DABRI: SPARSH AUTOTECH: 7506019683. FRONTIER: DWARKA: 8291390014. FRONTIER: DWARKA SEC-5 RAJAPURI: 9619235905. PUNJABI BAGH: CHERISH CAR: 9167277034. JANAKPURI: DELIGHT MOTORS: 7045211252. MAYAPURI: TRUENORTH: 7506019838. PEERAGARHI: TRUENORTH: 9619223251. MOTI NAGAR: AUTOVIKAS: 7506019415. CENTRAL DELHI: KAROL BAGH: ZEDEX MOBILITY: 9619490132. CONNAUGHT PLACE: ARYA MOTORS: 9810638782. KASHMERE GATE: DPS CARS: 9090808057. SOUTH DELHI: SAFDARJUNG ENCLAVE: JASPER MOTORS: 9167411375. NEHRU PLACE: JASPER MOTORS: 9167411375. OKHLA: JASPER MOTORS: 8879386114. LAJPAT NAGAR: SAB MOTORS: 7506019487. MATHURA ROAD: SAB MOTORS: 7506019505. GHAZIABAD: PANDAV NAGAR: ARYA MOTORS: 7506019879. BHOJPUR: SAB MOTORS: 9152102564. PATEL NAGAR: SAB MOTORS: 7506019939. MOHAN NAGAR: SAB MOTORS: 7506019947. VAISHALI: SAB MOTORS:9619085440. MODINAGAR: SAB MOTORS: 9152102564. HAPUR: SAB MOTORS: 9152102552. NOIDA: SECTOR 5: SAGAR MOTORS: 7506020132. SECTOR 63: SAGAR MOTORS: 9167622374. GREATER NOIDA: SAGAR MOTORS: 7506020227. JEWAR: SAGAR MOTORS: 8291304204. WEST GREATER NOIDA: GAUR CITY: SAGAR MOTORS: 9667899773. FARIDABAD: NIIT: MULTITECH MOTORS: 8879221763. ATLAS TOWER: MULTITECH MOTORS: 7506019846. BALLABHGARH: AUTOVIKAS: 8879140298. GREATER FARIDABAD: MAGAN WHEELS: 8291517531. BULANDSHAHAR/KHURJA/DIBAI/SIYANA/SIKANDRABAD: MASCOT MOTORS: 9152104362. REWARI: PREMIUM MOTOCORP: 7506019918,8291518613. MAHENDERGARH: DHEERAJ MOTOCORP: 9619947529. NARNAUL: DHEERAJ MOTOCORP: 9619949466. KANINA: DHEERAJ MOTOCORP: 9619947651. KOSLI: PREMIUM MOTOCORP: 9152102543. SONIPAT & KUNDLI: SWAN MOTORS: 9215317773. MEERUT: GARH ROAD: ANJNEY AUTOMOBILES: 8291103957. SHATABDI NAGAR: DELHI ROAD: SHREE VASU: 7506019959. SARDHANA: SHREE VASU: 9619362026. BIJNOR: MANGALAM AUTOWORLD: 8879702579. NAJIBABAD: MANGALAM AUTOWORLD: 8291176455. DHAMPUR: MANGALAM AUTOWORLD: 8879702579. BARAUT: SHREE VASU: 9167475934. MAWANA: SHREE VASU: 8879954579.BAGHPAT: SHREE VASU: 9167276250.

Images and illustrations are indicative and for information purpose only. All feature / specifications mentioned may vary from model to model and may not be available across all personas / variants. Features and specifications are subject to change without prior information. Please consult an authorized TATA Motors dealer for latest information on features / specifications before deciding to place an order. Colours may not match actual colours due to printing limitations. *As per Bharat NCAP 2024 score, applicable to Punch.ev, Curvv.ev and Nexon.ev. ^As per internal data provided by charge point operators. ##Based on internal calculations. ◊"Never-before" refers to the overall value proposition across offers. Offers vary by model, variant, manufacturing year, location, and dealer stock. Please check with authorised dealers for exact details. #Cumulative sales milestone achieved across the TATA.ev portfolio since inception. Sales figures are indicative and rounded off. ▲Finance at the sole discretion of Financier The EMI figures shown above are based on specific loan amount and 120 month repayment period. Actual EMI amounts may vary based on loan amount and total on road price T&C Apply. 'All India ex-showroom price. *Offers vary by manufacturing year and personas. Discounts applicable on MY2025 vehicles may differ from those on MY2026 vehicles. Please check with authorised dealers for variant-wise and stock-wise details. Terms & conditions apply.

तस्करों से छुड़वाया, अपनों से मिलाया... अब तक 1500+ बच्चों को बचाया

Sandeep.Rai@timesofindia.com

■ **रेलवे स्टेशनों** पर हर हफ्ते कई बच्चे लापता हो जाते हैं। कोई काम के झांसे में आ जाता है, कोई घर से भागकर ट्रेन पर चढ़ जाता है। इन्हीं बच्चों को बचाने का काम पिछले तीन साल से RPF इंस्पेक्टर चंदन सिन्हा कर रही हैं। उन्होंने यूपी के रेलवे नेटवर्क पर अब तक 1,500 से ज्यादा बच्चों को सुरक्षित बचाया है। इसी काम के लिए भारतीय रेलवे ने उन्हें अपना सबसे बड़ा सम्मान 'अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार' दिया है। 41 साल की चंदन सिन्हा, बिहार के बिलासपुर में पली-बढ़ीं। उन्होंने 2010 में RPF जॉइन किया। उन्हें 1980 के दशक के टीवी सीरियल 'उड़ान' से प्रेरणा मिली थी, जो IPS अफसर कल्याणी सिंह पर आधारित था। चंदन कहती हैं, वर्दी में किसी महिला को पहली बार वहीं देखा था, और तभी तय किया था कि क्या करना है। साल 2024 में उनकी टीम ने 494 बच्चों को ट्रेनों और स्टेशनों से रेस्क्यू किया। इनमें 41 बाल मजदूरी के लिए तस्करी का शिकार हो चुके थे। इन 494 में से 152 बच्चों को चंदन सिन्हा ने खुद मौके पर जाकर रेस्क्यू किया।

लखनऊ के रेल स्टेशन से संभालती हैं सारा ऑपरेशन: चंदन सिन्हा इस वक्त लखनऊ के चारबाग स्टेशन से ये सारा ऑपरेशन संभाल रही हैं। जब उन्होंने काम शुरू किया, तब कोई तय रेस्क्यू मॉडल नहीं था। धीरे-धीरे छोटे-छोटे तरीके एक सिस्टम में बदल गए। इसके तहत प्लेटफॉर्म पर नजर रखना, संदिग्ध हालात पहचानना, मुखबिरी का नेटवर्क बनाना, NGOs से जुड़ना और ऐसा प्रोटोकॉल तैयार करना जो बिना हंगामे के तेजी से काम करे। उनका अनुभव 2022 में और गहरा हुआ, जब वे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर तैनात थीं। वहां उन्होंने दो घंटे तक भीड़ में एक महिला और उसके तीन साल के बेटे को खोजा, जो खो गए थे। आखिरकार दोनों एक बेंच पर सुरक्षित मिल गए। चंदन कहती हैं, उस घटना ने बच्चों को देखने का उनका नजरिया बदल दिया।

रेलवे के सर्वोच्च सम्मान से महक रही है 'सुपर कॉप' चंदन की मेहनत

जब मिला ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते का ज़िम्मा

जून 2024 में उन्हें ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते की जिम्मेदारी मिली। ये रेलवे की चाइल्ड रेस्क्यू पहल थी। उनकी टीम बिहार से पंजाब और हरियाणा जाने वाले तस्करी रूट्स पर खास नजर रखती है। चंदन बताती हैं, रेस्क्यू अक्सर किसी सूचना से नहीं, बल्कि खामोशी से शुरू होता है- कोई बच्चा अकेला बैठा है, कोई बहुत डरा हुआ है, या बच्चे और उसके साथ मौजूद व्यक्ति के बीच कुछ संदिग्ध लगता है। कई बार बच्चे से बात करने में घंटों लग जाते हैं। कई बार बच्चे चुप रहते हैं, तो कई बार रटी-रटाई कहानी सुनाते हैं।

पिछले साल हज़ार से ज़्यादा बच्चों को बचाया

2025 में उनकी टीम ने 1,032 बच्चों को बचाया है, जिनमें 39 तस्करी के शिकार बच्चे थे। इनमें एक छह साल की बच्ची भी शामिल थी। कई मामलों में माता-पिता केस दर्ज न कराने की गुहार लगाते हैं, क्योंकि उन्हें 'इज्जत' की चिंता होती है। चंदन कहती हैं, ऐसे परिवारों को समझाना भी उतना ही जरूरी है। सीनियर अधिकारी कहते हैं कि चंदन की पहल निगरानी रखना नहीं, बल्कि मौजूद रहने से जुड़ी है। इसके लिए भरोसे पर आधारित टीम बनाई है। यह काम चंदन के पारंपरिक RPF के दायरे से बाहर था, लेकिन उन्होंने इसे तवज्जो दिया।

विचार

आपकी असली उन्नति बाधाओं से बचने में नहीं, बल्कि उन्हें पार करने की क्षमता में है। चुनौतियों को जीतना ही वास्तविक सफलता है।

– सरदार वल्लभभाई पटेल

कविता

विश्वास विश्व की आस

AI Image

विश्वास विश्व की आस भी
पर इसमें विष का वास भी
करना है यह विष निष्प्रभाव
हम सब को यह समझाते हैं
कैसे होगा और क्या है राह
यह युक्ति तुम्हें बताते हैं।
लोकमत को बाधित कर
कुप्रथाओं का उपचार करें
जन का परिपेक्ष उपेक्षित कर
अपशब्दों को अलंकार करें
करके धारण इस विष को
आओ सब शिव बन जाते हैं
दाब इसे कर नीलमणि
सब नीलकंठ हो जाते हैं।
मन में एक दृढ़ विश्वास लिए
विपदाओं का शृंगार करें
सांसारिक बंधन विस्मृत कर
त्रुटियों को अंगीकार करें,
विष को अमृत कर पी जाएं
हम सब मीरा कहलाते हैं
दृढ़ संकल्प से इसे हरा
आओ मिसाल बन जाते हैं।

–मृदुला, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

उम्मीद का फैक्ट

साइंस पढ़ने में भारत की लड़कियां बड़े देशों में सबसे आगे

STEM (साइंस, टेक्नॉलजी, इंजीनियरिंग, गणित) की पढ़ाई में भारतीय महिलाओं ने अमेरिका, ब्रिटेन जैसे विकसित देशों को भी पीछे छोड़ दिया है।

■ भारत में STEM विषयों (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग और गणित) से ग्रैजुएट करने वालों में 43% महिलाएं हैं। यह दुनिया में सबसे ऊंचे आंकड़ों में से एक है।

■ STEM ग्रैजुएशन में महिलाओं की भागीदारी अमेरिका में 34%, ब्रिटेन में 38%, और जर्मनी में मात्र 27% है।

■ IITs में छात्राओं की संख्या जो कभी सिंगल डिजिट में हुआ करती थी, 2025-26 में करीब 20% पहुंच गई। विज्ञान विषयों में PhD करने वालों में महिलाओं की संख्या में सालाना 12% की ग्रोथ।

सोर्स: AISHE रिपोर्ट, शिक्षा मंत्रालय

दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम होगा 'युगे युगीन भारत', इस साल खुलेगी पहली गैलरी

जहां रची गई देश की किस्मत, अब वहां धड़केगा इतिहास

Ambika.Pandit@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली का वो इलाका, जिसे हम 'पावर कॉरिडोर' कहते हैं, जहां से कभी देश की किस्मत के बड़े फैसले लिए जाते थे, अब वहां से हमारी सभ्यता और संस्कृति की खुशबू आएगी। दिल्ली के नॉर्थ और साउथ ब्लॉक, जहां बड़े-बड़े मंत्रियों और अधिकारियों की गाड़ियों का तांता लगा रहता है, अब वह दुनिया के सबसे बड़े म्यूजियम 'युगे युगीन भारत' (Yuge Yugeen Bharat Museum) का पता होगा। यह सिर्फ एक म्यूजियम नहीं, बल्कि एक टाइम मशीन जैसा होगा। यह आपको सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर आज के आधुनिक भारत तक की झलक देखने को मिलेगी।

1 लाख अनमोल धरोहरें: इस म्यूजियम का स्केल इतना बड़ा है कि इसे दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम कहा जा रहा है। करीब 1.55 लाख स्क्वायर मीटर में फैला यह म्यूजियम अगले तीन साल में पूरी तरह बनकर तैयार होगा। कल्चर सेक्रेटरी विवेक अग्रवाल ने बताया कि देश भर के अलग-अलग म्यूजियम्स से करीब 20 लाख चीजों की मैपिंग की गई है, जिनमें से चुनकर लगभग 80,000 से 1 लाख अनमोल चीजें यहां रखी जाएंगी। साल के अंत तक नॉर्थ ब्लॉक में इसकी पहली गैलरी खुल जाएगी, जो हमें हमारे इतिहास की एक इमोशनल और खूबसूरत झलक दिखाएगी।

नॉर्थ और साउथ ब्लॉक के बीच होगा 'अंडरग्राउंड' कनेक्शन: म्यूजियम का अनुभव ऐसा होगा जैसा आपने पहले कभी नहीं किया होगा। सरकार एक खास प्रोजेक्ट पर काम कर रही है, जिसमें नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को जमीन के नीचे एक सुरंग (टनल) के जरिए जोड़ा जाएगा। यह सुरंग सिर्फ रास्ता नहीं, बल्कि एक 'कल्चरल हब' होगी, ताकि बाहर की सिक्योरिटी और ट्रैफिक को डिस्टर्ब किए बिना लोग आराम से एक ब्लॉक से दूसरे ब्लॉक तक जा सकें।

Louvre और Met जैसा होगा अहसास: इसे डिजाइन करने के लिए दुनिया के बेहतरीन दिमागों को जोड़ा गया है। ARCOP कंसोर्टियम की टीम और मशहूर आर्किटेक्ट कुलपत यरागरासु इस पर काम कर रहे हैं। कुलपत वही नाम हैं जिन्होंने पेरिस के 'लूव्र' (Louvre) और न्यूयॉर्क के 'मेट' (Met) जैसे वर्ल्ड-फेमस म्यूजियम्स की गैलरीज डिजाइन की हैं। उनके साथ मिलकर टीम वहां कैफे, बुक शॉप और रीफ्रेशमेंट एरिया भी बना रही है।

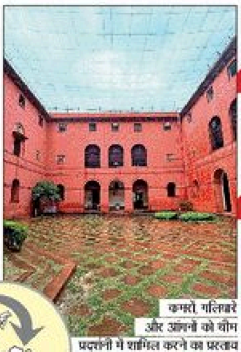
कमरों, गलियारों और आंगनों को थीम प्रदर्शनी में शामिल करने का प्रस्ताव

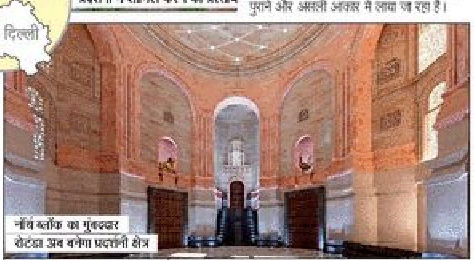
नॉर्थ ब्लॉक का गुंबदाकार रोटंडा अब बनेगा प्रदर्शनी क्षेत्र

जहां कभी फाइलें चलती थीं, अब वहां इतिहास बहेगा!

म्यूजियम का विशाल आकार

■ नॉर्थ और साउथ ब्लॉक को मिलाकर करीब 1.55 लाख वर्ग मीटर में फैला होगा।
■ करीब 80,000 वर्ग मीटर में शानदार गैलरीज बनाई जाएंगी। ■ हर साल करीब 1 करोड़ लोगों के आने की उम्मीद है।

अभी यहां क्या-क्या है?

■ **नॉर्थ ब्लॉक:** 75,777 वर्ग मीटर एरिया, बेसमेंट समेत 3 मंजिलें, 650 ऑफिस और 5 गेट।
■ **साउथ ब्लॉक:** 78,777 वर्ग मीटर एरिया, बेसमेंट समेत 3 मंजिलें, 475 ऑफिस और 4 गेट।
■ हर ब्लॉक में 7 आंगन और 1 बड़ा गुंबद वाला हॉल है। ■ ऑफिसों के लिए बाद में बनाए गए छोटे केबिन और दीवारों को हटाकर कमरों को फिर से पुराने और असली आकार में लाया जा रहा है।

क्या-क्या देखने को मिलेगा?

■ प्राचीन पांडुलिपियां (Manuscripts), मूर्तियां, पुराने सिक्के और शिलालेख।
■ पारंपरिक कपड़े, पेंटिंग्स, भित्ति चित्र (Murals) और सजावटी कला।
■ पुरातात्विक खोजें, पुरानी तस्वीरें और विडियो (Audio-Visual) जानकारी।
■ पुरानी इमारतों और वास्तुकला के ऐतिहासिक हिस्से।

दुनिया से तुलना (बड़े म्यूजियम और गैलरी साइज)

■ **लूव्र (Louvre)**, पेरिस
72,735 वर्ग मीटर
■ **स्टेट हर्मिटेज, रूस**
66,842 वर्ग मीटर
■ **मेट म्यूजियम, न्यूयॉर्क**
58,820 वर्ग मीटर

भारत के प्रमुख म्यूजियम (डिस्प्ले एरिया)

■ सालारजंग म्यूजियम: **21,526** वर्ग मीटर
■ साइंस सिटी, कोलकाता: **19,109** वर्ग मीटर
■ नैशनल म्यूजियम: **12,495** वर्ग मीटर

युगे युगीन भारत म्यूजियम इन सबसे काफी बड़ा होने जा रहा है।

'युवा फेस्टिवल' में छाए 6 आइडियाज़

रोबॉटिक्स से साइबर सुरक्षा, पानी में घुलेगा सैनिटरी पैड

Katyayani.Upreti
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** राजधानी में स्टार्टअप कल्चर तेजी से उभर रहा है। एक ओर आईआईटी दिल्ली से यूनिकॉर्न फाउंडर्स समेत कई बड़े लेवल के स्टार्टअप फाउंडर्स निकल रहे हैं, तो दूसरी ओर दिल्ली की बाकी यूनिवर्सिटी भी स्टार्टअप के लिए सीड मनी, मेंटॉरशिप, इनक्यूबेशन से लेकर कई सुविधाएं स्टूडेंट्स को देकर उन्हें बिजनेस खड़ा करने के लिए बढ़ावा दे रही हैं। दिल्ली में स्टार्टअप कल्चर को बूम देने वाला हार्डवेयर, इन्वेस्टर्स, मैन्युफैक्चरर्स का ईकोसिस्टम भी है, ऐसे में स्टूडेंट्स के आइडियाज को जरूरत है मेंटॉरशिप और निवेश की। दिल्ली सरकार का 'स्टार्टअप युवा फेस्टिवल' के पहले एडिशन से इसी सोच के साथ कदम बढ़ाया। फेस्ट में 14 जनवरी को 100 स्टार्टअप्स को 1 लाख रुपये और टॉप 6 स्टार्टअप्स को 10-10 लाख रुपये की इक्विटी-फ्री ग्रांट भी दी गई है।

इन टॉप 6 स्टार्टअप्स ने मारी बाज़ी

1. HeliousAI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)
यह स्टार्टअप AI और डेटा एनालिटिक्स के जरिए इंडस्ट्री और लॉजिस्टिक्स की कार्यक्षमता बढ़ाने पर काम कर रहा है। फाउंडर कृतिका के अनुसार, यह मॉडल पेटेंट के लिए तैयार है।

2. AllSecureX (साइबर सुरक्षा)
DTU के छात्र हिमांशु वोहरा का यह स्टार्टअप साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में क्रांति ला रहा है। इन्होंने दुनिया की महंगी 'क्वांटम सिक्योरिटी' को 100 गुना सस्ता कर दिया है।

3. बायोकेयर - FlushSHE (हेल्थ एवं पर्यावरण)
आस्था डलूजा का ग्रीन स्टार्टअप महिलाओं की सेहत और पर्यावरण दोनों की सुरक्षा कर रहा है। भारत का पहला पूरी तरह से 'फ्लश होने वाला' बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड है। पौधों से निर्मित पैड पूरी तरह केमिकल-मुक्त है और टॉयलेट में बहाने के 8-10 घंटे के भीतर पानी में घुल जाता है।

4. Arista Vault (स्मार्ट ट्रैवल प्रोडक्ट्स)
अतुल गुप्ता ने मेट्रो में अपना वॉलेट चोरी होने के बाद इस स्टार्टअप की नींव रखी। यह भारत का पहला स्टार्टअप है जो AI और IoT तकनीक से लैस स्मार्ट वॉलेट, बैग और ट्रैवल एक्सेसरीज बनाता है।

5. Heuronics (डीप टेक और रोबॉटिक्स)
DTU के पूर्व छात्र ध्रुव उप्रेती ने इस डीप टेक स्टार्टअप की शुरुआत की। इनके रोबॉट्स रक्षा, समुद्री सुरक्षा और गहरे पानी में मॉनिटरिंग के लिए मिशन-रेडी समाधान देते हैं।

6. Logify360 (डिजिटल मॉनिटरिंग)
शुभांगी गुप्ता द्वारा स्थापित यह AI प्लेटफॉर्म कंपनियों के डिजिटल इकोसिस्टम (सर्वर, क्लाउड, ऐप्स) की जटिल समस्याओं को साधारण भाषा में समझाता है। यह इंजीनियरिंग टीमों के लिए मेसवर्क खत्म कर तुरंत समाधान की दिशा में काम करता है।

लौट आया 'वाइल्ड' खाने का असली क्रेज़

लग्ज़री होटलों के मेन्यू में पहुंच रहा है जंगलों का शुद्ध ज़ायका और आदिवासियों की कला

Sneha.Bhura@timesofindia.com

■ **अरुणाचल प्रदेश** की चुग वैली के एक छोटे से गांव 'दुहुम' में एक 60 साल के बुजुर्ग हैं। पूरे इलाके में सिर्फ वही जानते हैं कि 'चाइनीज लैकर ट्री' की राल को बिना खुजली और जलन के कैसे निकाला जाता है। इसे वहां की स्थानीय भाषा में 'फुरशिंग' कहते हैं। सदियों से इस राल का इस्तेमाल प्रसव के दर्द को कम करने और बर्तनों को चमकाने के लिए होता आया है, लेकिन आज यही 'फुरशिंग' दिल्ली के आलीशान होटलों में 'कॉर्न टार्ट्स' का स्वाद बढ़ा रही है। पिछले महीने, 'डमू हेरिटेज डाइन' की महिलाएं 12 घंटे का पैदल सफर तय कर दिल्ली पहुंचीं। वे अपने साथ आधा किलो 'फुरशिंग' लाईं और साउथ दिल्ली के मशहूर 'साइडकार' बार में अपना सिग्नेचर व्यंजन 'फुरशिंग मोम्बु' पेश किया। डमू की मैनेजर लाइके चोमू कहती हैं कि पहले लोग जंगल का सिर्फ दोहन करते थे, लेकिन आज हमारा काम जंगल को बचाने और स्थानीय लोगों को आत्मनिर्भर बनाने का जरिया बन गया है।

एक तरफ फूड एक्सपर्ट्स शहरी युवाओं को खाने लायक जंगली चीजों की पहचान करना सिखा रहे हैं, तो दूसरी तरफ बड़े-बड़े शेफ जंगल के इस पारंपरिक ज्ञान को आलीशान होटलों की खास डिश में बदल रहे हैं

कैसे परखा पुरखों का ज्ञान

सदियों से आदिवासियों का 'फोरेजिंग' तरीका अब शेफों द्वारा दुनिया के सामने लाया जा रहा है। प्रतीका भाटिया, प्रतीक साधु और थॉमस जैकरिया महाराष्ट्र, नगालैंड और गुड़ा की जमाती सामग्रियों जैसी सी एस्पैरागस, तिमुर मसाला और रशियन सेज का उपयोग करते हैं। दिल्ली के कार्ट एंड पाल्स में कुमाऊं के सूखे म्योली से कॉकटेल तैयार हुआ। गोवा और ओडिशा में शेफ्स ने स्थानीय समुदायों का भरोसा जीतकर जंगल से सामग्री जुटाई।

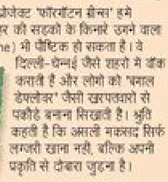

खरपतवारों से टेस्टी पकौड़े

श्रुति थरयिल का प्रोजेक्ट 'फॉरगॉटन ग्रीन्स' हमें सिखाता है कि शहर की सड़कों के किनारे उगने वाला 'कुल्फा' (Purslane) भी पौष्टिक हो सकता है। वे दिल्ली-चेन्नई जैसे शहरों में वॉक कराती हैं और लोगों को 'बंगाल डेफ्लावर' जैसी खरपतवारों से पकौड़े बनाना सिखाती हैं। श्रुति कहती हैं कि असली मकसद सिर्फ लग्जरी खाना नहीं, बल्कि अपनी प्रकृति से दोबारा जुड़ना है।

संक्रांति का जश्न

Chetan Shivakumar

खिलखिलाई परंपरा

बेंगलुरु के जक्कूर ग्राउंड में रविवार को 'सुग्गी हुग्गी' संक्रांति उत्सव का दूसरा दिन परंपराओं के रंग में रंगा नजर आया। फूलों से सजी बैलगाड़ी की सवारी और उसके ठीक पीछे आसमान को छूने को बेताब यह विशालकाय रंगीन पतंग हर किसी के आकर्षण का केंद्र बनी रही। इस दौरान कांगिलु नृत्य और पतंगबाजी की प्रतियोगिताओं ने उत्सव की रौनक बढ़ा दी।

श्मशान के सन्नाटे में यूं संवर रहा है भविष्य

जहां ज़िंदगी थमती है, वहीं से शुरू कामयाबी का सफर

Proshun.Chakraborty
@timesofindia.com

■ **नागपुर:** नागपुर में सुबह के समय, जब शहर अपनी नींद से जाग रहा होता है, तब कुछ युवा हाथों में किताबें और नोटबुक लेकर पीली नदी के किनारे-किनारे चलते दिखाई देते हैं। उनका रास्ता श्मशान की ओर जाता है, लेकिन ये छात्र किसी अंतिम संस्कार में शामिल नहीं होते, बल्कि अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी परीक्षा की तैयारी करने आ रहे होते हैं। उत्तरी नागपुर के 'नारी दक्षशिला निर्माण घाट' पर बनी यह दो मंजिला लाइब्रेरी शायद देश की सबसे अनोखी पढ़ाई की जगह है। जलती चिताओं से मात्र 20 मीटर की दूरी पर यह स्टडी सेंटर छात्रों के लिए सन्नाटा और शांति का अनुभव देता है।

इस सेंटर की कल्पना पूर्व कॉर्पोरेटर मनोज सांगोले ने की थी। उनका कहना है कि श्मशान को अक्सर अंत से जोड़ा जाता है, लेकिन यह जगह युवाओं को नई शुरुआत का मौका देती है। 2017 में लगभग 92 लाख रुपये की लागत से यह लाइब्रेरी तैयार हुई। बैंकिंग की तैयारी कर रहे रोहित कहते हैं कि घर में शोर होने की वजह से ध्यान लगाना मुश्किल था, लेकिन यहां का माहौल स्वाभाविक रूप से फोकस करने पर मजबूर करता है। रेलवे की तैयारी कर रही प्रिया बताती हैं कि शुरू में यह जगह डरावनी लगी थी, लेकिन अब मोटिवेट करती है। यह स्टडी सेंटर कई सक्सेस स्टोरीज दे चुका है। विपिन लामसोंगे को रेलवे में नौकरी मिली है, जबकि दीपक खोरगड़े इंडियन नेवी में चयनित हुए। केयरटेकर मीना खापर्डे बताती हैं कि जो भी लगन से पढ़ता है, वह सफलता हासिल करता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 19-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: cci Time: 01-18-2026 23:01 Color:

क्या उद्धव गुट में पड़ी फूट? पार्टी के 15 पार्षदों से संपर्क नहीं

शिंदे गुट ने पार्षदों को होटल में कैद करने के आरोपों पर दी सफाई

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई

महाराष्ट्र में शिंदे गुट से जीते पार्षदों के होटल में कैद होने के आरोपों के बीच उद्धव गुट के 15 नगरसेवकों का कथित रूप से पार्टी से संपर्क नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, उद्धव ठाकरे के यह नगरसेवक सत्ताधारी पार्टी में शामिल होने की कोशिश में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।

उधर, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिवसेना के 29 पार्षदों को ताज लैंड्स एंड होटल में बुलाकर वहां रखा गया है। शिवसेना (यूबीटी) के नेता एकनाथ शिंदे पर आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने पार्षदों को बंधक बना रखा है। शिंदे गुट की नेता शीतल म्हात्रे ने कहा, पार्षदों को बंधक नहीं बनाया गया है। 29 में से 20 नगरसेवक पहली बार चुनाव जीते हैं उन्हें कैसे कामकाज करना है इसकी ट्रेनिंग के लिए उन्हें होटल में रखा गया है। हमें होटल पॉलिटिक्स की जरूरत नहीं है। जनता ने महायुति को जनमत दिया है और हमारा ही मेयर बनेगा।

शिंदे गुट की नेता ने कहा, पार्षद वर्कशॉप के लिए होटल में हैं

FILE
BMC चुनाव में महायुति जीती। बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

ठाकरे भाइयों पर राणे का निशाना

बीजेपी नेता नितेश राणे ने शनिवार को उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर हमला बोला। कहा, 'छत्रपति संभाजी महाराज के साथ धोखा करने वाले और ठाकरे बंधुओं में कोई अंतर नहीं है। राणे ने ये बातें संजय राउत के बयान के जवाब में कहीं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर एकनाथ शिंदे ने 'गद्दारी' न की होती तो बीजेपी बीएमसी चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पाती।

ताज होटल को आर्थर रोड की जेल बना दिया: संजय राउत

पीटीआई, मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने पार्षदों को होटल में रखने के मामले पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि शिंदे गुट ने ताज होटल को यरवडा और आर्थर रोड जेल बना दिया है, जहां नए चुने गए पार्षदों को बंद कर दिया है। उनका आरोप है कि शिवसेना को डर है कि उनके पार्षदों को तोड़ा जा सकता है। राउत ने कहा, मुख्यमंत्री को तुरंत आदेश देना चाहिए कि होटल में बंद किए गए पार्षदों को छोड़ दिया जाए।

संजय राउत

मुंबई के मेयर पर सस्पेंस के बीच राउत ने शिंदे पर कसा तंज

'BJP मेयर नहीं चाहते शिंदे गुट के कई पार्षद' राउत ने दावा किया है कि शिंदे गुट की शिवसेना के कई नवनिर्वाचित पार्षद मुंबई में बीजेपी का मेयर नहीं चाहते। उनका कहना है कि ये पार्षद मूल रूप से बाल ठाकरे की शिवसेना से जुड़े रहे हैं और उनकी भावना बीजेपी मेयर के खिलाफ है। दावा किया कि खुद एकनाथ शिंदे भी नहीं चाहते कि मुंबई में बीजेपी का मेयर बने। वहीं, शिंदे गुट की नेता शीतल म्हात्रे ने इन आरोपों को खारिज किया।

आवारा पशु पालने पर ₹12 हजार/माह

■ **भाषा, पिथौरागढ़:** उत्तराखंड सरकार ने आवारा पशुओं को सड़कों और खेतों से हटाने के लिए दो योजनाएं शुरू की हैं। अधिकारियों के मुताबिक, पशुपालन विभाग की ये योजनाएं केवल ग्रामीण इलाकों के लिए है।

पिथौरागढ़ के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी (सीवीओ) डॉ. योगेश शर्मा ने रविवार को इस बारे में बताया, ग्राम गौर सेवक योजना के तहत अधिकतम पांच नर आवारा पशुओं को पालने वाले को 80 रुपये प्रति पशु के हिसाब से पैसे दिए जाएंगे जबकि उन पशुओं को निशुल्क स्वास्थ्य देखभाल भी मिलेगी। इस तरह, पांच नर आवारा पशुओं को रखने वाले को पशुपालन विभाग 12 हजार रुपये प्रतिमाह देगा। जिले में इस योजना का लाभ 6 लोगों को मिल रहा है।

उत्तराखंड के लोगों को 5 नर पशुओं को पालने पर मिलेगा योजना का फायदा

बेल्ट, चप्पलों से पीटा... दून मेडिकल कॉलेज में रैगिंग, जांच कमिटी बनाई

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून

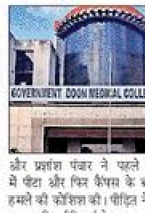

FILE

देहरादून के राजकीय दून मेडिकल कॉलेज में रैगिंग और मारपीट का मामला सामने आया है। कॉलेज के एक जूनियर स्टूडेंट ने आरोप लगाया है कि सीनियर स्टूडेंट्स ने उसे बेल्ट और चप्पलों से पीटा। चीफ वॉर्डन ने दो स्टूडेंट्स को हॉस्टल से निकाल दिया है। मामले में स्वास्थ्य मंत्री धन सिंह रावत ने जांच के आदेश दिए हैं।

पीड़ित छात्र ने चीफ वार्डन को लिखित रूप में शिकायत दी है। शिकायत के अनुसार, मोहम्मद शाकिब और प्रशांश पंवार ने पहले हॉस्टल में पीटा और फिर कैंपस के बाहर भी हमले की कोशिश की। पीड़ित ने आरोप लगाया कि सीनियर्स ने बाल काटने की भी कोशिश की। इससे वह मानसिक रूप से टूट चुका है। कॉलेज प्रिंसिपल, डॉ. गीता जैन, ने कहा, जांच के लिए एंटी-रैगिंग कमिटी बनाई गई है। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मुझे कुछ सीनियर स्टूडेंट्स ने हॉस्टल में बेल्ट और चप्पलों से पीटा। कैंपस के बाहर भी हमला करने की कोशिश की। बाल काटने की भी कोशिश की- पीड़ित स्टूडेंट

मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड
दूसरी मंजिल, चर्चगेट स्टेशन बिल्डिंग, मुंबई-400020
रिक्ति अधिसूचना सं.: एमआरवीसी/ई/पीई/03/2026
दिनांक 16.01.2026
मुंबई रेलवे विकास कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा IDA E1 स्केल में "परियोजना अभियंता (सिविल / इलेक्ट्रिकल)" को संविदा के आधार पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। मेल द्वारा आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 10.02.2026 है। अधिक जानकारी वेबसाइट https://mrvc.indianrailways.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। शुद्धिपत्र, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर पोस्ट किया जाएगा।

Jawahar / Modi Style
JACKETS
SUITS • BLAZERS
ALSO AVAILABLE LONG COATS
upto 60% off
Formal • Casual • Party wear
By Economy Sales: 8212758425
ARROW | Raymond | PARK AVENUE | LOUIS PHILIPPE
• PUNCHKUIAN ROAD, Garwal Bhawan, (Near Jhandewalan, Gole Chkr.)
• GURUGRAM 306, City Center, Sector 29 (Near Hotel Pliazio)
• WAZIRPUR A-5, Near Richi Rich Banquet (Opp. Shalimar Bagh)
• NOIDA, Nirula's Sec-2, Near Metro Station, Sec-15, Noida, UP
• LAJPAT NAGAR, 49, Main Ring Road, Adj. Haldi Ram, Near Moolchand Crossing

A R रहमान बोले, किसी को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं था

■ भाषा, नई दिल्ली

FILE
एक इंटरव्यू में दिए रहमान के बयान के बाद कई लोगों ने आलोचना की थी।

ऑस्कर विजेता एआर रहमान ने हालिया समय में दिए अपने एक बयान को लेकर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि भारत मेरा घर है। उनका इरादा किसी को दुख पहुंचाने का नहीं था। म्यूजिक कंपोजर रहमान ने BBC को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके पास पिछले 8 साल से बॉलिवुड में काम नहीं है और इसकी वजहें सांप्रदायिक हो सकती हैं। बयान को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हुई। रहमान ने विडियो पोस्ट कर कहा, 'प्यारे दोस्तों, म्यूजिक हमेशा से मेरे लिए जरिया रहा है किसी कल्चर से जुड़ने, उसका जश्न मनाने और सम्मान करने के लिए। भारत मेरी प्रेरणा है, मेरा टीचर है और मेरा घर है। मैं समझता हूं कि बातों को कभी-कभी गलत समझा जा सकता है। मेरा इरादा किसी को भी चोट पहुंचाने का नहीं था और आशा करता हूं कि मेरी सच्चाई महसूस की जाएगी।'

रहमान के बयान पर सांसद और ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी हमला बोला था। कंगना ने रहमान को पूर्वाग्रही और बुरा इंसान बताया था।

कहा था, 8 साल से काम नहीं है, इसकी वजहें सांप्रदायिक हो सकती हैं

'आलमंड किट' सिरप पर तमिलनाडु में बैन

■ **आईएएनएस, चेन्नै :** तमिलनाडु सरकार ने कफ सिरप 'आलमंड किट' के निर्माण, बिक्री, डिस्ट्रिब्यूशन और सेवन पर रोक लगाने का फैसला लिया है। राज्य के ड्रग कंट्रोल निदेशालय ने बताया कि लैब टेस्ट में सिरप में जहरीला केमिकल पाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, बिहार में बनी इस सिरप में एथिलीन ग्लाइकोल मिला है। इससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ड्रग कंट्रोल निदेशालय ने चेतावनी दी कि सिरप से किडनी फेलियर और दिमाग और फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

ड्रग कंट्रोल निदेशालय ने कहा, इससे किडनी फेलियर, फेफड़ों को खतरा

शक पर चार युवकों को पीटा, सिर मुंडाए

■ **भाषा, जयपुर :** राजस्थान के नागौर जिले में एक गांव के लोगों ने पशु तस्करी के संदेह में चार युवकों को पकड़कर उनकी कथित रूप से पिटाई कर दी। उन्होंने युवकों के सिर मुंडा दिए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना शनिवार रात को रियान बड़ी क्षेत्र के थावला थाना इलाके के लाडपुरा गांव में हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों ने चार युवकों को लाडपुरा गांव के छापर क्षेत्र में पशुओं को इकट्ठा करते हुए देखा, जिससे पशु तस्करी का संदेह हुआ।

ग्रामीणों को पशु तस्करी का शक हुआ, पुलिस युवकों से पूछताछ कर रही है

कंपनियों के तिमाही आंकड़े दिखाएंगे मार्केट पर असर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शेयर बाजार के लिए इस हफ्ते वैश्विक घटनाक्रम के साथ कंपनियों के तिमाही नतीजे अहम होंगे। सप्ताहांत पर आए नतीजों के चलते RIL, ICICI बैंक, HDFC बैंक और यस बैंक के शेयरों पर नजर रहेगी, वहीं इस हफ्ते कोटक महिंद्रा बैंक, PNB, BHEL और अदाणी ग्रीन एनर्जी के नतीजों का असर भी दिखेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि मार्केट एक दायरे में रह सकता है और निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, अमेरिका में इंफ्लेशन, जीडीपी और बेरोजगारी के आंकड़ों सहित वैश्विक आर्थिक संकेत अहम होंगे। इससे यूएस फेडरल रिजर्व के इंटरेस्ट रेट के बारे में रुख का संकेत मिलेगा। देश में परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स के नंबर और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर मार्केट की नजर रहेगी।' इस सप्ताह हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, इंडिगो की कंपनी इंटरग्लोब एविएशन और हिंदुस्तान जिंक जैसी कंपनियों के नतीजे भी आएंगे।

RIL, ICICI बैंक, HDFC बैंक के पिछले हफ्ते आए आंकड़े

मणिपुर में गैंगरेप के दो साल बाद मौत

■ **पीटीआई, चुराचांदपुर:** मणिपुर में 2023 की जातीय हिंसा के दौरान कथित अपहरण और गैंगरेप की शिकार कुकी समुदाय की लड़की ने दो साल बाद दम तोड़ दिया। घटना के समय पीड़िता की उम्र 18 साल थी। वह इम्फाल में एक ब्यूटी सैलून में काम करती थी। परिवार के अनुसार, गंभीर शारीरिक चोटों और गंभीर मानसिक तनाव की वजह से उनका एक अस्पताल में इलाज चल रहा था। 10 जनवरी 2026 को चुराचांदपुर के अस्पताल में उनकी मौत हुई।

जातीय हिंसा में कुकी समुदाय की लड़की का अपहरण कर रेप हुआ था

बम धमकी, फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

■ **भाषा, लखनऊ :** दिल्ली से बागडोगरा (पश्चिम बंगाल) जा रही इंडिगो एयरलाइंस की एक उड़ान में बम की सूचना के बाद विमान की रविवार सुबह लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग हुई। हालांकि जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। अधिकारियों के अनुसार, एक पेपर पर हाथ से लिखा एक नोट मिला। उस पर 'प्लेन में बम है', लिखा था। पुलिस ने बताया कि विमान में आठ बच्चों सहित 222 यात्री, दो पायलट और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे।

जांच में बम निरोधक दस्ते को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला

भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
MINISTRY OF MICRO, SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES
पी एम विश्वकर्मा

" पी एम विश्वकर्मा न केवल देशभर के कारीगरों और शिल्पकारों के कौशल को बढ़ाएगा, बल्कि उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को विश्व स्तर पर नई पहचान भी दिलाएगा। "
– श्री नरेन्द्र मोदी, माननीय प्रधानमंत्री

भारत के कारीगरों और शिल्पकारों की विरासत की प्रदर्शनी
पी एम विश्वकर्मा हाट 2026
18 से 31 जनवरी 2026 | प्रातः 10:30 से रात 10:00 बजे तक
दिल्ली हाट, आई एन ए, नई दिल्ली

विभिन्न राज्यों से विश्वकर्मा कारीगरों एवं शिल्पकारों द्वारा हस्तनिर्मित उत्पाद प्रदर्शन
•पारंपरिक शिल्प • लाइव प्रदर्शन • सांस्कृतिक अनुभव

श्री जीतन राम मांझी
केंद्रीय मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

सुश्री शोभा करांदलाजे
राज्य मंत्री, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

पी एम विश्वकर्मा का अब तक का सफर
• 30 लाख विश्वकर्माओं का सफल पंजीकरण
• 23 लाख+ विश्वकर्माओं को कौशल प्रशिक्षण
• 5.3 लाख+ विश्वकर्माओं को ₹ 4,600+ करोड़ का ऋण स्वीकृत
• 12 लाख विश्वकर्माओं को टूलकिट
• पैकेजिंग, ब्रांडिंग के लिए प्रशिक्षण एवं विपणन तथा डिजिटल प्रोत्साहन

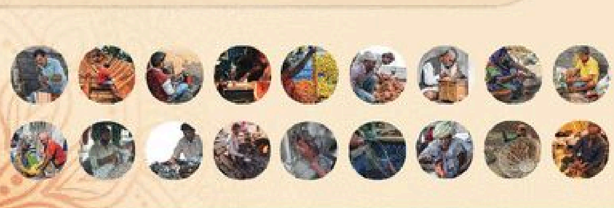

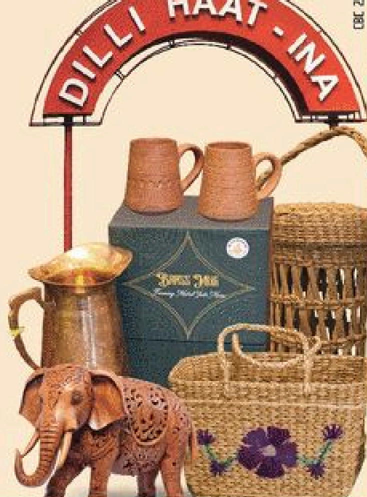

CBC 25113/13/0010/2526

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in